

प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों
की परिशुद्धता एवं प्रभाव का अध्ययन

पीएच.डी. जनसंचार एवं पत्रकारिता उपाधि हेतु प्रस्तुत
शोध प्रबंध



शोध पर्यवेक्षक
प्रो.(डॉ.) गोविन्द जी पाण्डेय

शोधार्थी
शचीन्द्र शेखर शकुन्त
पंजीयन सं.852/14

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

सूचना विज्ञान एवं तकनीकी विद्यापीठ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विद्या विहार, रायबरेली रोड – लखनऊ

घोषणा पत्र

मैं शचीन्द्र शेखर शकुन्त घोषणा करता हूँ कि “प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की परिशुद्धता एवं प्रभाव का अध्ययन” शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. गोविन्द जी पाण्डेय के निर्देशन व मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि इस शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधित सभी नियमों का पालन किया है। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि यह शोध पूर्णतः साहित्यिक चोरी से मुक्त है।

दिनांक 02/06/2020



शचीन्द्र शेखर शकुन्त
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग
सूचना विज्ञान एवं तकनीकी विद्यापीठ
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

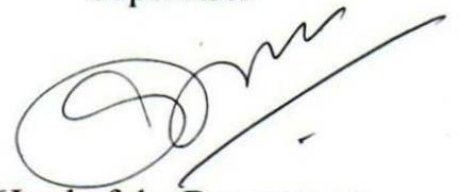
CERTIFICATE

This is to certify that the thesis titled “प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की परिशुद्धता एवं प्रभाव का अध्ययन” is an original research work and has not been previously submitted in part or full for the award of any other degree or diploma to this or any other university.

The thesis submitted to Babasaheb Bhimrao Ambedkar University Lucknow satisfies all the requirements as stipulated in the Doctor of Philosophy (Ph.D.) regulations -1999 as amended in 2008/2010/2013 and it is fit for submission and evaluation for the award of the degree of Doctor of Philosophy of the University.

Date 02/06/2020

Supervisor



Head of the Department

Head
Deptt. of Mass Communication & Journalism
(School of Media and Communication)
Babasaheb Bhimrao Ambedkar University
Vidya Vihar, Rae Bareilly Road
Lucknow-226025

आभार

प्रस्तुत शोध प्रबंध को पूर्ण करने में अनेक विद्वतजनों का योगदान रहा है। जिनके प्रति आभार न व्यक्त करना कृतधनता होगी, लेकिन मैं यह भी एहसास करता हूं कि जिन लोगों ने मेरे शोध कार्य में मेरी मदद की है उनके प्रति आभार व्यक्त करना उनके अमूल्य योगदान को कम करने जैसा है। फिर भी मैं अपनी लघुता में ही सही, सर्वप्रथम अपने माता- पिता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिनके अपार स्नेह के बल पर मैं यहां तक पहुंचा।

तत्पश्चात मैं अपने शोध निर्देशक, डॉ.गोविन्द जी पाण्डेय सर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। जिन्होंने विषय चयन से लेकर शोध पूर्ण होने तक मुझे कभी भी यह अहसास नहीं होने दिया कि मैं इस कार्य को करने में असमर्थ हूं। उनसे मुझे सदैव मार्गदर्शन और अभिभावक का अपनत्व मिलता रहा। मैं मीडिया एवं संचार विद्यापीठ के अधिष्ठाता डॉ. गोपाल सिंह एवं सम्मानित शिक्षकगण डॉ.महेंद्र कुमार पाढ़ी, डॉ. रचना गंगवार, डॉ. कुंवर सुरेन्द्र बहादुर, डॉ. लोकनाथ, डॉ. अरविन्द सिंह के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मेरे इस शोध कार्य को पूरा करने में गौतम बुद्ध पुस्तकालय एवं विभागीय पुस्तकालय का अहम योगदान रहा है साथ ही मैं विभाग के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

शोध कार्य में जिन मित्रों का योगदान रहा है उनके प्रति आभार व्यक्त करना मेरा नैतिक कर्तव्य है। अतः अपने सभी सहपाठी मित्रों का सस्नेह आभार व्यक्त करता हूं। आप सभी का सहयोग मुझे निरंतर मिलता रहा।

शचीन्द्र शेखर शकुन्त

Urkund Analysis Result

Analysed Document: स्वास्थ्य संचा (1).docx (D65926123)
Submitted: 3/20/2020 9:23:00 AM
Submitted By: gbl.bbau@gmail.com
Significance: 6 %

Sources included in the report:

https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%9C%E0%A4%BE%E0%A4%AA%E0%A4%BE%E0%A4%A8_%E0%A4%95%E0%A5%80_%E0%A4%B8%E0%A4%B0%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B0
<https://vicepresidentofindia.nic.in/hi/speechesinterviews/03-%E0%A4%A6%E0%A4%BF%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%AC%E0%A4%B0-2019-%E0%A4%95%E0%A5%8B-%E0%A4%A8%E0%A4%88-%E0%A4%A6%E0%A4%BF%E0%A4%B2%E0%A5%8D%E0%A4%B2%E0%A5%80-%E0%A4%AE%E0%A5%87%E0%A4%82-%E0%A4%A6%E0%A4%BF%E0%A4%B5%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%97-%E0%A4%B5%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A5%8B%E0%A4%82-%E0%A4%95%E0%A5%87-%E0%A4%B8%E0%A4%B6%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%B0%E0%A4%A3-%E0%A4%95%E0%A5%87-%E0%A4%B2%E0%A4%BF%E0%A4%8F-%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%80%E0%A4%AF>
<https://khabar.ndtv.com/topic/%E0%A4%B6%E0%A5%8B%E0%A4%A7/news/page-4>
<https://www.livehindustan.com/news/article/article1-story-214941.html>
<https://khabar.ndtv.com/topic/%E0%A4%95%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%9A%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A5%8B%E0%A4%82-%E0%A4%AA%E0%A4%B0-%E0%A4%B6%E0%A5%8B%E0%A4%A7>
<https://www.patrika.com/dus-ka-dum/jammu-kashmir-ranbir-penal-code-law-4934774/>
<https://khabar.ndtv.com/news/file-facts/cambridge-analytica-whistle-blower-reveals-india-operation-details-1830031>
<https://www.naidunia.com/madhya-pradesh/sheopur-khabar-ka-asar-487269>
<https://www.satyahindi.com/india/the-economist-narendra-modi-world-s-biggest-democracy-107072.html>
<https://m.patrika.com/newsdog/special-news/forty-percent-of-government-schools-in-the-district-have-incomplete-co-5551287>
https://m.facebook.com/Khabreinhiikhabrein/posts/600225620138679?locale2=hi_IN
<https://www.amarujala.com/amp/uttar-pradesh/faizabad/lohia-housing-to-the-head-of-the-wife-including-seven-apatron-hindi-news?src=ampnext>
<https://www.vokal.in/question/46TOD-ipc-366-a-mein-kya-bataya-gaya-hai>
<https://www.bbc.com/hindi/india-51869487>
<https://www.jagran.com/haryana/fatehabad-notice-to-the-principal-on-ont-giving-admission-19247985.html>

<https://www.jagran.com/delhi/new-delhi-city-12603470.html>
<https://ibn7.in/world/153850-2018-08-19-05-01-41>
<https://www.abpganga.com/etawah/person-died-die-to-hospital-careless-in-etawah-50639>
<https://www.jansatta.com/international/amid-coronavirus-fears-singapore-ministers-and-mps-to-give-their-salary-for-bonus-of-frontline-workers-battling-the-pandemic-news-and-updates/1354297/>
<https://www.bbc.com/hindi/international-51842111>
<https://navbharattimes.indiatimes.com/metro/delhi/other-news/complete-hospital-quarantine-by-mistake-of-a-doctor/articleshow/74678006.cms>
<https://www.bbc.com/hindi/international-51936714>
<https://www.jagran.com/jharkhand/simdega-korona-20124931.html>
<https://www.bbc.com/hindi/india-50709517>
<https://www.jagran.com/uttar-pradesh/etawah-14871475.html>
<https://www.bbc.com/hindi/india-48507602>
<https://www.patrika.com/singrauli-news/ac-doctor-patients-no-luck-fans-read-the-news-1246959/>
<https://www.amarujala.com/himachal-pradesh/bilaspur/political-bilaspur-news-sml3155722186>
<https://thethinkmedia.com/not-getting-the-benefits-of-janani-suraksha-yojna/>
<https://www.dw.com/hi/%E0%A4%B8%E0%A4%8A%E0%A4%A6%E0%A5%80-%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%89%E0%A4%A8-%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%82%E0%A4%B8-%E0%A4%95%E0%A4%BE-%E0%A4%85%E0%A4%B8%E0%A4%B2%E0%A5%80-%E0%A4%9A%E0%A5%87%E0%A4%B9%E0%A4%B0%E0%A4%BE/a-45926843>
<https://www.bhaskar.com/rajasthan/dungarpur/news/rajasthan-news-relieving-doctors-did-not-join-in-chc-now-politics-and-security-issue-031513-3991464.html>
<https://www.livehindustan.com/search/%E0%A4%B6%E0%A5%8B%E0%A4%A7%E0%A4%AA%E0%A4%B0%E0%A4%95/5>
<https://www.livehindustan.com/tags/chc/11>
<https://support.google.com/google-ads/answer/2375454?hl=hi>
<https://m.economictimes.com/hindi/news/caa-how-foreign-media-covered-the-protests/articleshow/72836330.cms>
<https://www.jagran.com/haryana/gurgaon-health-and-gurugram-harayn-yuth-20110492.html>
<https://www.loktv.in/archives/3582>
<https://www.jagran.com/haryana/fatehabad-officials-for-milk-samples-raid-17742007.html>
<https://duta.in/news/2019/8/1/%E0%A4%A6-%E0%A4%AE%E0%A4%B9-%E0%A4%B8-%E0%A4%AC%E0%A4%A6-%E0%A4%AA%E0%A4%A1-%E0%A4%B9-%E0%A4%AC%E0%A4%B8-%E0%A4%85%E0%A4%B8%E0%A4%AA%E0%A4%A4%E0%A4%B2-%E0%A4%95-%E0%A4%9C%E0%A4%A8-%E0%A4%94%E0%A4%B7%E0%A4%A7-%E0%A4%95%E0%A4%A6%E0%A4%B0-82ce21beb3b7-11e9-b848-bec62bce4a903094389.html>
<https://www.healthfrom.com/hi/disease/h-326.html>
<https://www.bbc.com/hindi/science-40200381>
https://www.patrika.com/ahmedabad-news/suspicious-congo-fever-patient-admitted-in-civil-hospital-5020439/?fromNewsdog=1&utm_source=NewsDog&utm_medium=referral
<https://www.naidunia.com/madhya-pradesh/mandla-doctor-mandla-417498>

<https://www.bhaskar.com/chhattisgarh/bhilaidurg/news/upsc-withdrawal-application-13-021533-3284942.html>

<https://www.patrika.com/lucknow-news/sit-investigation-against-dgme-dr-k-k-gupta-1608162/>

Instances where selected sources appear:

425



बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ-226 025

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY

(A Central University)


Vidya Vihar, Raebareli Road, Lucknow-226 025

Letter No. 345/COE/BBAU/2017

Dated: 20/12/17

Ph.D. Course Work Certificate

This is to certify that ~~Shachindra Shekhar Shakunt~~, Enrollment No. 852/14 Ph.D. Research Scholar, Department of Mass Comm. and Journalism of the University has successfully completed his Ph.D. Course work in the examination held during May, 2015.


Controller of Examinations

आभार

प्रस्तुत शोध प्रबंध को पूर्ण करने में अनेक विद्वतजनों का योगदान रहा है। जिनके प्रति आभार न व्यक्त करना कृतधनता होगी, लेकिन मैं यह भी एहसास करता हूं कि जिन लोगों ने मेरे शोध कार्य में मेरी मदद की है उनके प्रति आभार व्यक्त करना उनके अमूल्य योगदान को कम करने जैसा है। फिर भी मैं अपनी लघुता में ही सही, सर्वप्रथम अपने माता- पिता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिनके अपार स्नेह के बल पर मैं यहां तक पहुंचा।

तत्पश्चात मैं अपने शोध निर्देशक, डॉ.गोविन्द जी पाण्डेय सर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। जिन्होंने विषय चयन से लेकर शोध पूर्ण होने तक मुझे कभी भी यह अहसास नहीं होने दिया कि मैं इस कार्य को करने में असमर्थ हूं। उनसे मुझे सदैव मार्गदर्शन और अभिभावक का अपनत्व मिलता रहा। मैं मीडिया एवं संचार विद्यापीठ के अधिष्ठाता डॉ. गोपाल सिंह एवं सम्मानित शिक्षकगण डॉ.महेंद्र कुमार पाढ़ी, डॉ. रचना गंगवार, डॉ. कुंवर सुरेन्द्र बहादुर, डॉ. लोकनाथ, डॉ. अरविन्द सिंह के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मेरे इस शोध कार्य को पूरा करने में गौतम बुद्ध पुस्तकालय एवं विभागीय पुस्तकालय का अहम योगदान रहा है साथ ही मैं विभाग के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

शोध कार्य में जिन मित्रों का योगदान रहा है उनके प्रति आभार व्यक्त करना मेरा नैतिक कर्तव्य है। अतः अपने सभी सहपाठी मित्रों का सस्नेह आभार व्यक्त करता हूं। आप सभी का सहयोग मुझे निरंतर मिलता रहा।

शचीन्द्र शेखर शकुन्त

अनुक्रमणिका

अध्याय	पेज नं.
अध्याय 1: प्रस्तावना	1-17
1.1 परिचय	
1.2 शोध समस्या	
1.3 शोध के उद्देश्य	
1.4 साहित्य पुनरावलोकन	
1.5 प्रयुक्त शोध प्रविधि एवं सीमाएं	
1.6 शोध अध्ययन का महत्व	
अध्याय 2: स्वास्थ्य संचार : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	18-66
2.1 स्वास्थ्य एवं संचार: अर्थ, उद्देश्य, क्षेत्र एवं महत्व	
2.2 राष्ट्रीय विकास और स्वास्थ्य संचार नीतियां	
2.3 विभिन्न जनमाध्यमों की सम्प्रेषण प्रणाली और स्वास्थ्य	
2.4 समकालीन मुद्रित माध्यम और स्वास्थ्य संचार	
2.5 स्वास्थ्य संचार और मानव संसाधन प्रक्रिया	
2.6 स्वास्थ्य संचार की प्रमुख चुनौतियाँ	
2.7 खबर, अर्थ, प्रकार एवं स्रोत	

अध्याय: 3 चयनित समाचारपत्रों में स्वास्थ्य समाचारों का विवेचन 67-170

3.1 दैनिक जागरण में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचार

3.2 अमर उजाला में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचार

3.3 द टाइम्स ऑफ़ इंडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचार

3.4 हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचार

अध्याय: 4 तथ्य संकलन एवं विश्लेषण 171-199

4.1 चयनित समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी समाचार

4.2 चयनित समाचारपत्रों का तुलनात्मक अध्ययन

4.3 समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचारों का वर्गीकरण

4.4 स्वास्थ्य समाचारों की आवृत्ति का अध्ययन

4.5 स्वास्थ्य समाचार के स्रोतों का अध्ययन

4.6 पाठक वर्ग पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

अध्याय: 5 परिणाम 200-213

निष्कर्ष एवं सुझाव 214-225

संदर्भ सूची 226-230

क. प्रश्नावली

ख. स्वास्थ्य समाचारों से संबन्धित समाचारपत्रों की कटिंग (कतरन)

अध्याय-प्रथम

प्रस्तावना

1.1 परिचय

1.2 शोध समस्या

1.3 शोध के उद्देश्य

1.4 साहित्य पुनरावलोकन

1.5 प्रयुक्त शोध प्रविधि एवं सीमाएं

1.6 शोध अध्ययन का महत्त्व

1.1 परिचय:

विश्व स्वास्थ्य संगठन(WHO) की उद्देशिका के अनुसार ‘एक राज्य जो पूर्णतः भौतिक, मानसिक और सामाजिक रूप से ठीक है.’

अक्सर कहा जाता है कि “जान है तो जहां हैं” अर्थात स्वस्थ निरोगी काया है तो जीवन की हर डगर आसान है. निसंदेह भौतिक रूप से विकसित आधुनिकी एवं भागम-भाग भरी जिंदगी के माहौल में इंसान का आम जिन्दगी के साथ जीना-रहना मुश्किल हो रहा है या यूं कहे की मानव आपाधापी भरी जिन्दगी में सुविधाओं से युक्त होते हुए भी तमाम तरह की परेशानियों से जूझ रहा है जिसमे स्वास्थ्य मुख्य रूप से प्रमुख तत्व है और इसी फली-फूली स्वास्थ्य सुविधा को आम आदमी के खाने की टेबल से लेकर उसके जीवन शैली को बदलने का कार्य किया है आधुनिक मीडिया ने. इसी मीडिया की बदौलत स्वास्थ्य संचार में आज अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिले हैं.

स्वास्थ्य संचार किसी भी राष्ट्र का महत्वपूर्ण विषय है जो सीधे-सीधे जनता को प्रभावित करता है. मीडिया का स्वास्थ्य के प्रति लोगों का नजरिया बदलने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि कई बार रूढ़िगत मान्यताओं तथा विचारों में परिवर्तन का काम केवल जनमाध्यमों की मदद या उनके प्रभाव से पूरा हो पता है. स्वास्थ्य के रक्षण में संचार अत्यंत महत्वपूर्ण है. स्वास्थ्य दवाओं से ज्यादा जागरूकता से बेहतर होता है. लोगों में जब स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता वांछित स्तर तक मौजूद रहती है तो स्वास्थ्य दशाएँ भी अपने आप बेहतर बनी रहती है. स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को ही व्यक्ति की स्वास्थ्य संबंधी समझ की स्वास्थ्य चेतना के रूप में परिलक्षित किया जाता है.

निसंदेह स्वास्थ्य सम्पूर्ण विश्व मानव के विकास के बुनियादी तत्व के रूप में उपस्थित है। एक स्वस्थ शरीर और दिमाग व्यक्तिगत के लिए तो महत्त्वपूर्ण है ही साथ में एक स्वस्थ समाज के लिए भी जरूरी है। क्योंकि अस्वस्थ समाज से आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास संभव नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(WHO) की उद्देशिका के अनुसार 'एक राज्य जो पूर्णतः भौतिक, मानसिक और सामाजिक रूप से ठीक है।' स्वास्थ्य की श्रेणी में आयेगा। भगवान बुद्ध ने कहा था "शरीर को अच्छी तरह स्वस्थ रखना एक दायित्व है एक संसाधन है उसके बिना हम अपना मस्तिष्क मजबूत और स्पष्ट नहीं रख पाएंगे।" परन्तु जब हम अपने देश में स्वास्थ्य के स्तर पर निगाह डालते हैं तो एक निराशा जनक तस्वीर ही सामने आती है। जबकि आज पूरी दुनियाँ के सभी देश अपने नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग हैं वास्तव में अस्वस्थ शरीर मानव संसाधन के रूप में विकसित नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये यह आवश्यक है कि स्वस्थ बच्चे का जन्म हो, रोगों से उसे सुरक्षा मिले, पोषण संरक्षण उसे उपलब्ध हो तथा उसके शारीरिक-मानसिक विकास में कोई बढ़ा नहीं हो। इसलिये कोई भी राष्ट्र विकसित तभी माना जाता है जब वह अपने नागरिकों को स्वास्थ्य संरक्षण प्रदान करने में सक्षम हो। निसंदेह जीवन शैली, चयन पर निर्भर होती है और चयन, सूचनाओं तथा संपर्क की प्रक्रिया तथा स्वास्थ्य के फल पर निर्भर होता है। संचार माध्यम ये सूचनाएं लोगों तक पहुंचाते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में किसी व्यक्ति के पास क्या विकल्प हैं और वह क्या चयन कर सकता है। वे अपनी इन अर्थपूर्ण सूचनाओं के माध्यम से लोगों की मान्यताओं, सोच, आकांक्षाओं, चयन और व्यवहार और वस्तुतः उनकी जीवन शैली के संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जनता को जनमाध्यमों कि मदद से ही यह जानकारियाँ

आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं. कई ऐसी बीमारियाँ होती हैं जिनका बचाव अपेक्षित जागरूकता से ही किया जा सकता है.

जहां तक प्रिंट मीडिया के योगदान पर बात की जाये तो स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचार माध्यमों की भूमिका सदैव से ही अहम रही है. यही कारण है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय में अलग से ही एक सूचना, शिक्षा एवं संचार विभाग की स्थापना की हुई है. लोगों के स्वास्थ्य की स्थिति राज्य नीति की सफलता के मूल्यांकन का महत्वपूर्ण मानक होती है. जिसमें व्यक्ति का स्वास्थ्य राष्ट्र के स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करता है. मीडिया स्वास्थ्य संचार के प्रसार में सूचनात्मक, उत्प्रेरक, सलाहकार आदि कि भूमिकाओं का निर्वहन करते हैं.

यद्यपि जनस्वास्थ्य के सुधार के लिए स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक ज्ञान प्रत्येक मनुष्य को होना चाहिए. इस ज्ञान के अभाव में कोई सुधार नहीं हो सकता. स्वास्थ्य संबंधी कानून की उपयोगिता स्वास्थ्य संचार के अभाव में नगण्य है और स्वास्थ्य संचार द्वारा जनता में स्वास्थ्य चेतना होने पर कानून को विशेष आवश्यकता नहीं रहती. स्वास्थ्य संचार वही सफल होता है जो जनता को स्वस्थ जीवनयापन की ओर स्वभावतः प्रेरित कर सके. प्रत्येक प्राणी को अपने स्वास्थ्य सुधार के लिए स्वास्थ्य संचार तथा सभी प्रकार की सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए. यह तो जन्मसिद्ध मानव अधिकार है और कोई कल्याणकारी राज्य इससे मुख नहीं मोड़ सकता. रोग एक देश से दूसरे देशों में भी फैल जाते हैं. इसलिए किसी राज्यविशेष का यदि स्वास्थ्य स्तर गिरा हुआ है तो वह सभी राज्यों के लिए भयावह है. इसी कारण अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा रोगनियंत्रण और स्वास्थ्यसुधार का कार्य सभी जिलों, क्षेत्रों और राज्यों में करने का

प्रयास किया जाता है। स्वास्थ्य की देखरेख जन्म से मृत्यु पर्यंत सभी के लिए आवश्यक है। मातृत्व स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, व्यावसायिक स्वास्थ्य, संक्रामक और अन्य रोगों की रोकथाम, रोगचिकित्सा, जल, भोजन और वायु की स्वच्छता, परिवेश स्वास्थ्य आदि स्वास्थ्य संचार के महत्वपूर्ण अंग हैं। कतिपय मीडिया ने स्वास्थ्य को क्षेत्रीय स्तर से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक संवाहक की भूमिका उठाई है जिससे जन जीवन में लाभ उठाया जाता है।

1.2 शोध समस्या

‘प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की परिशुद्धता एवं प्रभाव का अध्ययन’ दैनिक समाचारपत्रों के विशेष सन्दर्भ में, विषय की शोध समस्या यह है कि समाज में प्रिंट मीडिया की भूमिका अहम है। लोग बोलने से जायदा लिखे हुए पर विश्वास अधिक करते हैं। लेकिन हम इसको नहीं देखते हैं कि प्रिंट मीडिया किस तरह प्रकाशित अंकों में स्वास्थ्य सम्बन्धी खबरों के कंटेंट को प्रस्तुत कर रहा है, खबरों का स्रोत कितना विश्वसनीय है एवं समाज पर इसका कितना और कैसा प्रभाव पढ़ रहा है?

1.3 शोध के उद्देश्य:

जब शोध को विभिन्न दिशाओं तथा दशाओं में बांटा जाता है तब हर बिन्दु पर तार्किक एवं विवेचनापूर्ण तरीके से अध्ययन किया जाता है वही उद्देश्य होता है। किसी भी शोध का उद्देश्य उस शोध की सारी संभावित प्रक्रिया तो तय करते ही हैं साथ ही शोध को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करते हैं। जिससे शोध अपने उद्देश्यों के प्रति बना रहता है तथा उसमें भटकाव नहीं होता है वास्तव में बिना उद्देश्य के शोध संभव ही नहीं

है. 'प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की परिशुद्धता एवं प्रभाव का अध्ययन' विषय पर शोध के निम्न उद्देश्य हैं.

वृहद उद्देश्य: प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संचार संबंधी समाचारों का अध्ययन करना और पाठक पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना.

अन्य विशिष्ट उद्देश्य: प्रस्तुत शोध कार्य में अध्ययन के निम्नलिखित शोध उद्देश्य हैं.

1. प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संचार संबंधी खबरों के प्रकार का अध्ययन करना.
2. प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संचार संबंधी समाचारों की आवृत्ति का अध्ययन करना.
3. प्रिंट मीडिया में प्रकाशित सरकारी स्वास्थ्य समाचारों का अध्ययन करना.
4. प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संचार संबंधी समाचारों का पाठक पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना.
5. प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों के स्रोत का अध्ययन करना.

शोध प्रश्न: वस्तुतः शोध प्रश्न अध्ययन की स्पष्ट दिशा तय करते हैं. जो कि निम्न हैं:

प्रश्न 01: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों में वर्गीकरण होता है?

प्रश्न 02: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य खबरों की आवृत्ति बार बार होती है?

प्रश्न 03: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित सरकारी स्वास्थ्य खबरों के माध्यम से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त होती है?

प्रश्न 04: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों को पढ़कर पाठकों के व्यवहार में परिवर्तन होता है?

प्रश्न 05: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों के स्रोत प्रामाणिक होते हैं?

1.4. साहित्य पुनरावलोकन:

जेएफ रमेल के अनुसार “नियमतः किसी भी शोध अध्ययन को तब तक उपयुक्त नहीं कह सकते जब तक संबंधित अध्ययन का आधार ब्यौरा उपलब्ध ना हो”. निसंदेहः शोध अध्ययन में साहित्य पुनरावलोकन का विशेष महत्व होता है जो कि साहित्य और पुनरावलोकन शब्दों से मिलकर बना है शोध अध्ययन के क्षेत्र में साहित्य शब्द किसी विषय के अनुसंधान के ज्ञान की ओर आकर्षित करता है तो वही पुनरावलोकन का तात्पर्य यह होता है की शोध अध्ययन के विशेष प्रकार की ज्ञान की खोज करना जिससे शोध अध्ययन की समस्या को समझने में आसानी होती है

यकीनन किसी भी शोध की रूपरेखा बिना साहित्य पुनरावलोकन के संभव ही नहीं है. शोध के प्रारम्भ होने के पूर्व, और शोध करने के दौरान आरंभ होने वाला अध्ययन ही साहित्य पुनरावलोकन कहलाता है. वास्तव में साहित्य पुनरावलोकन को बेस्ट जॉन डब्ल्यू के अनुसार देखा जाए जिसमें वह कहते हैं कि “हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्राप्त किया गया ज्ञान हमें शोध अध्ययन करने व ज्ञान प्राप्त करने का आधार प्रदान करता है इसलिए शोध प्रक्रिया का यह एक महत्वपूर्ण चरण होता है.”

हमारे इस शोध प्रबंध में साहित्य के पुनरावलोकन में हमने विभिन्न पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं आदि का अध्ययन किया है जो निम्नलिखित है –

यकीनन समाचार पत्र विभिन्न घटनाओं एवं विचारों के संबंध में लोगों को सूचनायें प्रदान करते हैं जिसमें सामाजिक आर्थिक राजनीतिक अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य खेल आदि तरह की पहलुओं पर विभिन्न दृष्टिकोण से प्रकाशन करते हैं. लोकतंत्र के चौथे स्तंभ होने के कारण मीडिया की उपयोगिता और महत्व दोनों ही बढ़ जाती है जब इसमें स्वास्थ्य जैसा विषय शामिल हो जाता है इसमें कोई दो राय नहीं है कि विभिन्न जनमाध्यम स्वास्थ्य संचार को तवज्जो देते हैं जिसमें समाचार पत्र भी स्वास्थ्य से संबंधित समाचारों को प्रसारित करते हैं. यद्यपि स्वास्थ्य संचार कि अवधारणा के बारे में पाया गया कि सन 1972 में इंटरनेशनल कम्युनिकेशन एसोसिएशन के कुछ शोधार्थी सदस्यों ने मिलकर “Therapeutic Communication” नामक समूह बनाया. जिसका नाम सन 1975 की वार्षिकी बैठक में बदलकर में “Health Communication” रख दिया गया. और इस तरह स्वास्थ्य संचार का एक अनुशासन के रूप में अधिकारिक रूप से आरंभ हुआ.

स्वास्थ्य संचार को हम रोजेर्स के अनुसार (1996) परिभाषित कर सकते हैं :
‘Health Communication is any type of human communication whose content is concerned with health’ हालाँकि ने स्वास्थ्य को इस तरह WHO :इंगित किया है ‘Health Communication is the study of message that create meaning in relation to physical, mental and social well being.’

यक्रीनन समाचार पत्रों में स्वास्थ्य से संबंधित खबरों की स्थिति को समझने के लिए कुप्पूस्वामी सुनीता, कमात्वी बालाचंद्र, और शंकर नारायण पीबी ने कवरेज ऑफ हेल्थ न्यूज़ इन इंडियन मेनस्ट्रीम मीडिया विषय पर शोध अध्ययन किया जिसमें उन्होंने बताया कि चयनित समाचार पत्र द हिंदू और डेक्कन क्रॉनिकल ने स्वास्थ्य से सम्बंधित खबरों को समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित किया है जिसमें स्वास्थ्य संबंधी समाचारों को लेकर के विशेषतः बीमारियों और उसके स्वभाव एवं आम जनमानस के स्वास्थ्य मुद्दों को डेक्कन क्रॉनिकल ने प्रकाशित किया है तो वहीं दूसरी ओर कैप, शिविर और अभियान से संबंधित स्वास्थ्य समाचार द हिंदू में अधिक प्रकाशित हुए. इस अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों और पत्रकारों की राय भी ली गई इसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधित समाचारों को लिखते समय एवं प्रकाशित करते समय समाचार पत्रों की भाषा साधारण होनी चाहिए ताकि आम जनमानस उसे आसानी से समझ सके. तो वही संबंधित स्वास्थ्य खबरों के पत्रकारों का कहना था कि समाचार पत्रों में छपने वाली खबरें स्वास्थ्य संबंधी पत्रिकाओं, शोध और रिपोर्ट आदि के माध्यम से पहले ही प्रकाशित हो चुकी हैं.

यद्यपि स्वास्थ्य के मुद्दे आम जनमानस से जुड़े हुए हैं इसलिए समाचार पत्रों ने भी उन्हें प्रकाशित किया है. इस शोध अध्ययन में शोधार्थियों का मानना था कि स्वास्थ्य संबंधी समाचारों की रिपोर्टिंग करने से पहले पत्रकारों को स्वास्थ्य क्षेत्र की विशेष बारीकी को समझना चाहिए ताकि लोगों तक स्वस्थ एवं सटीक जानकारी उपलब्ध हो सके.

गुप्ता अंचला और सिन्हा एके ने अपने शोध अध्ययन “हेल्थ कवरेज इन मास मीडिया: ए कंटेंट एनालिसिस” में यह पाया कि सभी तरह के जनमाध्यम स्वास्थ्य से संबंधित समाचारों को उपलब्ध कराते हैं लेकिन जब बात प्राथमिकता की बात आती है तो सभी जनमाध्यम राजनीतिक समाचारों को अधिक महत्व देते हैं. इस अध्ययन में यह भी बताया गया है कि सबसे ज्यादा स्वास्थ्य संबंधी समाचार रेडियो और समाचारपत्रों में प्रकाशित किए जाते हैं साथ ही इस अध्ययन में यह भी निष्कर्ष निकाला गया कि होम्योपैथी और आयुर्वेद की तुलना में पश्चिमी चिकित्सा पद्धति से संबंधित पर ज्यादा समाचार प्रकाशित किए गए हैं.

झा कुमार, राजेश, सं. (फरबरी 2014) : योजना, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली मैगजीन में बताया गया है कि बीमारी क्या है ? स्वास्थ्य किसे कहते हैं ? इसकी क्या परिभाषा है ? शायद ये सवाल हमें अजीब लगे लेकिन यह एक तथ्य है कि स्वास्थ्य और बीमारी की अवधारणा लंबे समय से मानव मात्र को भ्रमित करती रही है. वास्तव में बीमारी और इसके पूरक विचार स्वास्थ्य की अवधारणा लोगों के सांस्कृतिक और सामाजिक परिवेश की कुछ विशिष्ट मान्यताओं में निहित होती है.

वहीं इसके अगले विशेष अंक में बताया गया है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है’, ‘तंदुरुस्ती हज़ार नियामत’, ‘Health is Wealth’, ‘स्वस्थ रहिए मस्त रहिए’ आदि कितने ही वाक्य, मुहावरे. लोकोक्तियां स्वास्थ्य की महत्ता को सपष्ट करते हैं. एक व्यक्ति के लिए, परिवार के लिये, समाज के लिये स्वस्थ सबसे

महत्वपूर्ण है. मानवीय क्षमताओं का दोहन व रचनात्मक कार्यों में सक्रियता के लिये स्वास्थ्य बहुत ही आवश्यक है.

अध्यक्ष, जनसंचार केंद्र (2005) : समकालीन भारत, प्रकाशक – राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में बताते हैं कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचार माध्यमों की भूमिका सदैव से ही अहम रही है. यही कारण है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय में अलग से ही एक सूचना, शिक्षा एवं संचार विभाग की स्थापना की हुई है. लोगों के स्वास्थ्य की स्थिति राज्य नीति की सफलता के मूल्यांकन का महत्वपूर्ण मानक होती है. जिसमें व्यक्ति का स्वास्थ्य राष्ट्र के स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करता है. लेकिन स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर मुद्रित माध्यमों के सहयोग से देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है. जिसमें महाराष्ट्र राज्य में आईईसी ब्यूरो स्वास्थ्य संचार की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है.

भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिका योजना में शोध आलेख के माध्यम से बताया गया है कि स्वास्थ्य संचार किसी भी राष्ट्र का महत्वपूर्ण विषय है जो सीधे-सीधे जनता को प्रभावित करता है. इसके अतिरिक्त जन स्वास्थ्य के लक्ष्य बिना स्वास्थ्य संचार की मदद के हासिल भी नहीं किये जा सकते . स्वास्थ्य के प्रति लोगों का नजरिया बदलने में भी इस बात की महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि कई बार रूढ़िगत मान्यताओं तथा विचारों में परिवर्तन का काम केवल जन माध्यमों की ही मदद या उनके प्रभाव से पूरा हो पाता है. स्वास्थ्य संचार के प्रसार में जनमाध्यमों ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है. जनमाध्यमों में रोगों व उनसे बचाव, स्वच्छता, पर्यावरण आदि से जुड़े मुद्दों को बराबर जगह दी जाती है जिससे लोगों की जागरूकता पर

सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस संदर्भ में पल्स-पोलियो अभियान का उदाहरण लिया जा सकता है।

झा कुमार, राजेश, सं. (फरबरी 2014) : योजना, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली पत्रिका में अध्ययन किया गया है कि भगवान बुद्ध ने कहा था “शरीर को अच्छी तरह स्वस्थ रखना एक दायित्व है एक संसाधन है उसके बिना हम अपना मस्तिष्क मजबूत और स्पष्ट नहीं रख पाएंगे।” परन्तु जब हम अपने देश में स्वास्थ्य के स्तर पर निगाह डालते हैं तो एक निराशा जनक तस्वीर ही सामने आती है। जबकि आज पूरी दुनियाँ के सभी देश अपने नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग हैं और हर संभव सहायता उपलब्ध करा कर स्वास्थ्य के प्रति जवाबदेह रहने के लिये प्रेरित करते हैं।

झा कुमार, राजेश, सं. (फरबरी 2014) : योजना, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली पत्रिका में अध्ययन किया गया है कि 2005 में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था .“हम स्वास्थ्य को ऐसे मानव अधिकार के रूप में मान्यता देते हैं जिसे हस्तांतरित नहीं किया जा सकता, जिस पर ईमानदारी से प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। काफी समय से हमारे देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में असमानताएँ हैं और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधायें समान रूप से प्रत्येक व्यक्ति तक नहीं पहुँच पाती, इसलिये हम आर्थिक योजना और सभी नागरिकों के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी में पिछड़ गये हैं।

पाण्डेय, शशिकला (2007) : समाज शिक्षा और विकास, प्रकाशक – अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 52, तुकारामबाग, इलाहाबाद में स्वास्थ्य को

मानव संसाधन के रूप में जोड़ा है जिसमें .“मानव संसाधन” शब्द अंग्रेजी के “Human Resource” शब्द का अनुवाद है. रिसोर्स शब्द के अर्थ हैं -

1. वांछित के साधन की आपूर्ति
2. उपभोग संचय
3. स्वास्थ्यपूरक
4. उपकरण
5. समय बिताने;मनोरंजन के साधन

अध्यक्ष, जनसंचार केंद्र (2005) : समकालीन भारत, प्रकाशक – राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में स्वास्थ्य की नीतियों को लेकर अध्ययन किया गया है कि 1943 में स्थापित भोर कमेटी ने सिफ़ारिश की थी कि जनस्वास्थ्य की कमजोर स्थिति का आंकलन उच्च मृत्युदर एवं रुग्णता दर से देखा जा सकता है. इस कमेटी का सुझाव था कि उपचार संबंधी सेवाओं के साथ-साथ बचाव संबंधी उपायों पर ध्यान देना जरूरी है भोर कमेटी ने स्वास्थ्य संचार को एक आवश्यकता मानते हुये सिफ़ारिश की थी कि संचारी रोगों कि रोकथाम में स्वास्थ्य संचार अहम भूमिका निभा सकता है.

इसमें मुख्यतः स्वास्थ्य को बचाने पर बल दिया गया है स्वास्थ्य रक्षण में संचार अत्यंत महत्वपूर्ण है. स्वास्थ्य दवाओं से ज्यादा जागरूकता से बेहतर होता है. लोगों में जब स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता वांछित स्तर तक मौजूद रहती है तो स्वास्थ्य दशाएँ भी अपने आप बेहतर बनी रहती है. स्वास्थ्य संबंधी, जागरूकता को भी व्यक्ति की स्वास्थ्य संबंधी समझ की स्वास्थ्य चेतना के रूप में परिलक्षित किया जाता है.

स्वास्थ्य समाचारों के स्वस्थ एवं प्रमाणिक कवरेज के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, थॉमसन रयूटर्स फाउंडेशन, जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ की साझेदारी में तैयार किया गया प्रारूप जिसे 2016 से इसे भारत के आईआईएमसी में शुरू किया गया है। इसमें मीडिया कर्मियों के लिए कौशल निर्माण की एक पहल, स्वास्थ्य मुद्दों पर प्रमाणिक रूप से आधारित रिपोर्टिंग की बात कही गयी थी। जिसमें साफ साफ कहा गया था कि सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए प्रमाण आधारित कवरेज को बढ़ावा दिया जाये। इस आर्टिकल में यूनिसेफ के प्रतिनिधि लुईस जॉर्ज ऑर्सेनॉल्ट के हवाले से बताया गया है कि स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण मुद्दे पर देश भर में मीडिया और पत्रकारिता में विचार-विमर्श करने के बाद एक ऐसे साधारण पाठ्यक्रम की अनुशंसा की वार्ता पर अधिक बल दिया है। जिसमें प्रमुखतः सार्वजनिक स्वास्थ्य, विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर वैज्ञानिक एवं प्रमाण आधारित रिपोर्टिंग को प्रमोट करने की बात कही गयी है।

कतिपय उल्लेखित अध्ययनों को आधार मानते हुए शोधकर्ता ऐसा नहीं कह सकता कि इस विषय पर अध्ययन हुए ही नहीं है। संभव है हुए हों किंतु शोधार्थी को दृष्टिगत नहीं हुए। अतः विषय की तात्कालिक आवश्यकता महत्व एवं गंभीरता को पर लक्षित रखते हुए प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध विषय पर शोध करने का निश्चय किया गया।

1.5 प्रयुक्त शोध प्रविधि एवं सीमायें:

वास्तव में शोध प्रविधि के द्वारा ही किसी भी शोध की क्रिया-प्रक्रिया परिपूर्ण होती है यह वह तरीका होता है जिसके माध्यम से शोध से परिणाम निकाले जाते हैं हमारे इस प्रस्तुत शोध प्रबंध में मुख्य रूप से अंतर्वस्तु विश्लेषण, सर्वेक्षण एवं उद्देश्यपरक

निदर्शन प्रविधि का प्रयोग किया गया है। जिसमें प्रश्नावली एवं समाचारों के अध्ययन आदि के माध्यम से शोध के तथ्यात्मक आंकड़ों को निकाला गया है जिसके आधार पर ही निष्कर्ष पर पहुंचा गया है। जहां तक बात कि जाए शोध समय सीमा की तो हमने शोध की समय सीमा 1 जनवरी 2017 से 30 जून 2017 तक के प्रकाशित अंकों को ही इसमें शामिल किया है।

अध्ययन का प्रकार

‘प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की परिशुद्धता एवं प्रभाव का अध्ययन’ यकीनन एक गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध अध्ययन है। गुणात्मक अध्ययन का सबसे बड़ा लाभ है कि इसमें सैंपल साइज भी अपेक्षाकृत काफी छोटा होता है प्रस्तुत शोध प्रबंध विवरणात्मक है जिसमें हमने केवल लखनऊ से प्रकाशित होने वाले अंकों को ही शामिल किया है साथ ही केवल लखनऊ महानगर के पाठकों को ही शामिल किया गया है।

सैंपल डिजाइन

प्रस्तुत शोध में सैंपल डिजाइन के निम्न अवयव हैं।

यूनिवर्स – प्रस्तुत शोध अध्ययन में समाचारपत्रों में प्रकाशित सभी स्वास्थ्य समाचार यूनिवर्स होंगे। इसके साथ ही, पाठक पर स्वास्थ्य संबंधी खबरों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए लखनऊ के सभी पाठकों ने मिलकर यूनिवर्स का निर्माण किया है।

प्रतिदर्श के अवयव (सैंपलिंग एलिमेंट) – शोध के दौरान पूरे यूनिवर्स का अध्ययन करना संभव नहीं होगा। इस कारण सैंपलिंग एलिमेंट का चयन किया गया है। प्रस्तुत

अध्ययन के लिए ABC सर्वे के आधार पर हिंदी के सबसे अधिक प्रसारित होने वाले दो दैनिक समाचार पत्र दैनिक जागरण, अमर उजाला और अंग्रेजी के द टाइम्स ऑफ़ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स समाचार पत्रों का चयन किया गया है। सर्वेक्षण के लिए भी लखनऊ के पाठकों का चुनाव किया गया है।

प्रतिदर्श की इकाई का चयन (सेलेक्टिंग सैंपलिंग यूनिट) - प्रस्तुत शोध में प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संचार संबंधी समाचारों को सैंपल यूनिट माना गया है। जिसमें स्वास्थ्य समाचारों को अध्ययन के अनुरूप चार भागों में वर्गीकृत किया है। 1. शोधपरक समाचार, 2. स्वास्थ्य कैम्प/शिविर से सम्बंधित समाचार, 3. सरकारी स्वास्थ्य समाचार, 4. असाध्य रोग(हृदय, कैंसर, एड्स, टीबी) और 5. मौसमी बीमारियाँ। प्रभाव के अध्ययन लिए 500 प्रश्नावलियों का अध्ययन किया गया है।

प्रतिदर्श चयन की विधि (सैंपलिंग तकनीक) - शोध के लिए चुने गए समाचार पत्रों में स्वास्थ्य संचार संबंधी सभी स्वास्थ्य समाचारों का चयन एवं पाठकों के ऊपर पड़ने वाले प्रभाव के अध्ययन के लिए उद्देश्यपरक नमूनीकरण (पर्पजिव सैंपलिंग) तकनीक का उपयोग किया गया है।

अध्ययन की अवधि - ABC के अनुसार दैनिक समाचारपत्रों में प्रकाशित खबरों के सन्दर्भ में हिंदी के सबसे अधिक प्रसारित होने वाले दो दैनिक जागरण अमर उजाला और अंग्रेजी के द टाइम्स ऑफ़ इंडिया, द हिन्दू समाचार पत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संचार संबंधी समाचारों का चयन छह माह की अवधि के दौरान अध्ययन किया गया है। जिसमें 1 जनवरी 2017 से 30 जून 2017 तक के प्रकाशित अंकों के स्वास्थ्य समाचारों का चयन किया गया है। इसके साथ ही, पाठक की प्रतिक्रिया और उन पर पड़ने वाले

प्रभाव का अध्ययन करने के लिए क्लोज प्रश्नावली का भी सहयोग लिया गया है. प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्यों के अनुरूप प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया है.

1.6 शोध का महत्व (Significance of research):

यद्यपि किसी भी संचार का महत्व उसकी प्रतिपुष्टि से होता है लेकिन स्वास्थ्य संचार में संचार का महत्व निदान के रूप में ही संभव होता है चूंकि किसी भी बीमारी, समस्या के समाधान हेतु उसके निवारण की जरूरत होती है जिसमें केवल अपुष्ट संचार न होकर पुष्ट तथा निदानात्मक संचार की महत्ता होना परमावश्यक है साथ ही निदान की अनुपस्थिति में स्वास्थ्य संचार संभव नहीं है. हमारे इस शोध का लाभ यह है की हम मीडिया की स्वास्थ्य के प्रति भूमिका को जान सकेंगे .

यद्यपि शोध का लाभ, शोध के माध्यम से समाचारपत्रों से जुड़ा है जो कि आज के मानव के विकास के संवाहक हैं, समाचारपत्रों का आपाधापी भरे वर्तमान भौतिक स्वरूप में स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना हैं. किसी भी शोध की महत्ता समाज से ही जुड़ी होती हैं जिसमे समाज को विभिन्न द्रष्टिकोण से मापा जाता हैं एवं उसकी रूप रेखा तैयार की जाती है समाचारपत्रों द्वारा स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याओ तथा इनके निदानो के प्रति उत्तरदायित्व से जुडाव होता हैं जो की सामाजिक कल्याण का ही एक पहलू हैं. साथ ही मीडिया के सामाजिक उत्तरदायित्वों को जान सकेंगे. हालांकि स्वास्थ्य संचार को प्रभावी बनाने के लिये सरकार तथा निजी दोनों ही स्तर पर जन-जागरण अभियान, नीतियों, कैम्पेन आदि चलाये जाते हैं लेकिन यहाँ पर गौर करने वाली बात है कि जब स्वास्थ्य संचार के द्वारा

स्वास्थ्य समाज का निर्माण नहीं हो पाता है तब तक दोनों ही सरकारी तथा निजी स्वास्थ्य संचार व्यवस्था को प्रखररत एवं गतिशील बनाये रखना होगा. कहना अतिशयोक्ति न होगी अगर जनमाध्यमों के सुचारु एवं सुव्यवस्थित तरीके से किये गये संचार का सदुपयोग ही एक स्वास्थ्य समाज एवं राष्ट्र का निर्माण कर सकता है. प्रस्तुत शोध प्रारूप में हमने स्वास्थ्य संचार के विविध पहलुओं का अध्ययन किया है जिसमें सर्वप्रथम हम स्वास्थ्य और स्वास्थ्य संचार के विभिन्न आयामों का वर्गीकरण किया गया है. स्वास्थ्य क्यों महत्वपूर्ण है ? यह जानने का प्रयास किया गया है, समाचारपत्रों की इसमें क्या भागेदारी है?, लोगों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?. या यों कहे कि हम चयनित उत्तर-प्रदेश की राजधानी परिक्षेत्र के निवासियों से यह जानने का प्रयास किया गया है कि वह लोग स्वास्थ्य के प्रति कितने जागरूक हैं, ये लोग स्वास्थ्य के बारे में आवश्यक जानकारी कहाँ से प्राप्त करते हैं. क्या प्रिंट मीडिया इन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता प्रदान कर रहा है ? अगर हाँ तो कैसे ? आदि विभिन्न तरह के सवालों को जानने की कोशिश की गयी है.

अध्याय-द्वितीय

स्वास्थ्य संचार : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

- 2.1 स्वास्थ्य एवं संचार: अर्थ, उद्देश्य, क्षेत्र एवं महत्व
- 2.2 राष्ट्रीय विकास और स्वास्थ्य संचार नीतियां
- 2.3 विभिन्न जनमाध्यमों की सम्प्रेषण प्रणाली और स्वास्थ्य
- 2.4 समकालीन मुद्रित माध्यम और स्वास्थ्य संचार
- 2.5 स्वास्थ्य संचार और मानव संसाधन प्रक्रिया
- 2.6 स्वास्थ्य संचार की प्रमुख चुनौतियाँ
- 2.7 खबर, अर्थ, प्रकार एवं स्रोत

2.1 स्वास्थ्य संचार : अर्थ, उद्देश्य, क्षेत्र एवं महत्व

स्वास्थ्य अर्थात् 'हैल्थ' की उत्पत्ति मानव जीवन के उद्भव से ही मानी जाती है। क्योंकि प्राणी के जीवित रहने के लिए उसके आंतरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार के स्वास्थ्यों का होना आवश्यक है। आदिकाल से ही स्वास्थ्य विभिन्न प्रकार के रूपों या आयामों द्वारा मानव शरीर एवं उसकी जीवन शैली को निरोगी एवं स्वास्थ्यवर्धक करता आया है। जिनमें जड़ी-बूटियों से लेकर काढ़े, औटी, लेप आदि तरह की विधियाँ अपनायी जाती थीं। शनैः शनैः मानव विकास के साथ-साथ स्वास्थ्य के संचार उपकरणों में परिवर्तन होने लगा। नयी नयी तकनीक के माध्यमों के जरिये लोग को स्वास्थ्य के प्रति होने लगे। कालांतर में स्वास्थ्य संचार को लेकर मानव कितना संजीदा हो गया इस बात का अंदाज़ा उसके परिवर्तित होते खानपान, रहन-सहन एवं जीवन शैली से लगाया जा सकता है। जिनमें जनमाध्यमों का विशेष योगदान रहा है। क्योंकि आज के भागम-भाग भरे माहौल में यही जनमाध्यम मानवीय स्वास्थ्य को बचाये हुए हैं। विशेषतः प्रिंट मीडिया वर्तमान दौर में लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन शैली के संवाहक की भूमिका तो निभा रहा है साथ ही लोगों के मध्य आधुनिकता एवं उत्तर-आधुनिकता के दौर में भी कदम मिलाकर लोगों को स्वास्थ्य समाचार, विज्ञापन, जागरूकता अभियान, कैम्पेन आदि के माध्यम से जनसमुदाय को लाभान्वित कर रहा है। सरकारी एवं निजी दोनों ही तरह के माध्यम से लोगों को मौसमानुरूप तथा योजनमय सुविधायें जनसामान्य को उपलब्ध करा रहा है।

स्वास्थ्य की परिभाषा

वास्तव में स्वास्थ्य शब्द को हम परिभाषित करने में असफल होते हैं, स्वास्थ्य शब्द की कोई सार्वभौमिक परिभाषा नहीं है इसकी कई कई परिभाषाएं हैं। किसी व्यक्ति के लिये एक स्वस्थ मष्तिष्क, स्वस्थ शरीर में, स्वस्थ वातावरण में ही हो सकता है। यजुर्वेद में निरन्तर कर्मरत रहते हुए सौ वर्ष तक जीने का आदेश दिया गया है- 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेत्छतं समाः' अर्थात् 'हे मनुष्य! इस संसार में कर्म करते हुए सौ वर्ष तक जीने की इच्छा करा'

वेदों में ईश्वर से प्रार्थना की गई है-

'पश्येम् शरदः शतम्, जीवेम् शरदः शतम्,

श्रुणुयाम् शरदः शतम्, प्रब्रवाम् शरदः

शतम्, अदीनः स्याम् शरदः

शतम्, भूयश्च शरदः शतात्'

अर्थात् 'हम सौ वर्ष तक देखें, जिएं, सुनें, बोलें और आत्मनिर्भर रहें। (ईश्वर की कृपा से) हम सौ वर्ष से अधिक भी वैसे ही रहें।'

एक विदेशी विद्वान् डॉ. बेनेडिक्ट जस्ट ने कहा है- 'उत्तम स्वास्थ्य वह अनमोल रत्न है, जिसका मूल्य तब ज्ञात होता है, जब वह खो जाता है।' एक शायर के शब्दों में- 'कद्रे-सेहत मरीज से पूछो, तन्दुरुस्ती हजार नियामत है।'

प्रश्न उठता है कि स्वास्थ्य क्या है? अर्थात् किस व्यक्ति को हम स्वस्थ कह सकते हैं? साधारण रूप से यह माना जाता है कि किसी प्रकार का शारीरिक और मानसिक रोग न होना ही स्वास्थ्य है। यह एक नकारात्मक परिभाषा है और सत्य के

निकट भी है, परन्तु पूरी तरह सत्य नहीं। वास्तव में स्वास्थ्य का सीधा सम्बंध क्रियाशीलता से है। जो व्यक्ति शरीर और मन से पूरी तरह क्रियाशील है, उसे ही पूर्ण स्वस्थ कहा जा सकता है। कोई रोग हो जाने पर क्रियाशीलता में कमी आती है, इसलिए स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। प्रचलित चिकित्सा पद्धतियों में स्वास्थ्य की कोई सर्वमान्य परिभाषा नहीं दी गई है। ऐलोपैथी और होम्योपैथी के चिकित्सक किसी भी प्रकार के रोग के अभाव को ही स्वास्थ्य मानते हैं। वे रोग को या उसके अभाव को तो माप सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य को मापने का उनके पास कोई पैमाना नहीं है। रोग के अभाव को मापने के लिए उन्होंने कुछ पैमाने बना रखे हैं, जैसे हृदय की धड़कन, रक्तचाप, लम्बाई या उम्र के अनुसार वजन, खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा आदि। इनमें से एक भी बात अनुभव द्वारा निर्धारित सीमाओं से कम या अधिक होने पर वे व्यक्ति को रोगी घोषित कर देते हैं और अपने हिसाब से उसकी चिकित्सा भी शुरू कर देते हैं।

पहला सुख निरोगी काया।

दूजा सुख घर होवै माया।।

तीजा सुख कुलवन्ती नारी।

चौथा सुख सुत आज्ञाकारी।।

पंचम सुख भाई बलवीरा।

छठा सुख हो राज में सीरा।।

सप्तम सुख स्वदेश में वासा।

अष्टम सुख हों पंडित पासा।।

नौवां सुख हों मित्र घनेरे।

ऐसे नर नहिं जग बहुतेरे॥

आयुर्वेद के प्रसिद्ध ग्रंथ सुश्रुत संहिता में ऋषि ने लिखा है-

समदोषाः समाग्निश्च समधातुमलक्रियः।

प्रसन्नात्मेन्द्रियमनः स्वस्थ इत्यभिधीयते॥

अर्थात् जिसके तीनों दोष (वात, पित्त एवं कफ) समान हों, जठराग्नि सम (न अधिक तीव्र, न अति मन्द) हो, शरीर को धारण करने वाली सात धातुएं (रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा और वीर्य) उचित अनुपात में हों, मल-मूत्र की क्रियाएं भली प्रकार होती हों और दसों इन्द्रियां (आंख, कान, नाक, त्वचा, रसना, हाथ, पैर, जिह्वा, गुदा और उपस्थ), मन और सबकी स्वामी आत्मा भी प्रसन्न हो, तो ऐसे व्यक्ति को स्वस्थ कहा जाता है।

यक्रीनन स्वास्थ्य की व्यापक रूप से स्वीकृत परिभाषा विश्व स्वास्थ्य संगठन (1948) द्वारा दी गयी है जो कहता है: "स्वास्थ्य पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति है और न कि मानसिक और सामाजिक कल्याण, न केवल बीमारी या बीमारी की अनुपस्थिति "

स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिये डब्ल्यूएचओ परिभाषा: डब्ल्यूएचओ ने स्वास्थ्य के तीन अलग-अलग आयाम - भौतिक, मानसिक और सामाजिक बताएं है. साथ ही चौथे आयाम का भी सुझाव दिया गया है जिसका नाम है "आध्यात्मिक स्वास्थ्य". जिनको हम निम्न रूप में वर्गीकृत कर सकते हैं:

(क) **शारीरिक स्वास्थ्य:** शारीरिक स्वास्थ्य सम्पूर्ण स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण घटक है, शारीरिक स्वास्थ्य के संकेत है कि एक व्यक्ति "एक अच्छा रंग, एक साफ त्वचा, उज्ज्वल आंखें, शरीर के साथ चमकदार बाल हैं अच्छी तरह से दृढ़ मांस के साथ पहने हुए, बहुत मोटा नहीं, अच्छी भूख, अच्छी नींद, रक्त की नियमित गतिविधि, आसान एवं समन्वयित शारीरिक गतिविधि। शरीर के सभी अंग अपरिहार्य आकार और 'सामान्य रूप से' कार्य करते हैं व सभी विशेष इंद्रियां ठीक रहती हैं।

(ख) **मानसिक स्वास्थ्य:** मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक स्वास्थ्य अंतर-संबंधित हैं। एक स्वस्थ शरीर में एक अच्छा दिमाग होता है। स्वास्थ्य शब्द समय बीतने के साथ, बदलता रहा है, जिससे इसकी अवधारणा और परिभाषाएं भी बदली है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति के गुण निम्नानुसार बताए गए हैं:

- (1) मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति खुद से संतुष्ट महसूस करता है। वह निंदा नहीं करता है या खुद दयालु होता है। वह खुश, शांत और हंसमुख महसूस करता है।
- (2) मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति अच्छी तरह से समायोजित होता है, यानी वह अच्छी तरह से दूसरों के साथ मिल सकता है, वह आलोचना स्वीकार करता है और आसानी से परेशान नहीं होता है। वह दूसरों की भावनात्मक जरूरतों को समझता है और दूसरों के साथ विचारशील और विनम्र होने की कोशिश करता है।
- (3) मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति के पास अच्छा आत्म-नियंत्रण होता है। वह भावनाओं पर काबू रखता है। वह डर, क्रोध, प्यार, ईर्ष्या, अपराध या प्रभुत्व की

चिंता नहीं करता. वह समस्याओं का सामना बड़ी ही समझदारी से और साहसपूर्वक हल करने की कोशिश करता है।

सामाजिक स्वास्थ्य: एक आम राय के अनुसार "सामाजिक स्वास्थ्य " के अर्थ की व्यापकता असीमित है। सामान्य रूप में, सामाजिक स्वास्थ्य की अवधारणा ऐसी क्षमताओं को दर्शाती है जो दोस्ती करने वाले हैं, यकीनन संतोषजनक और स्थायी, किसी की क्षमताओं के अनुसार जिम्मेदारियों को मानने के लिए, जीवन के कार्यों के उपलब्धियों से संतुष्ट, दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से और सामाजिक रूप से प्रगतिशील विचार व्यवहार में रखने वाले होते हैं.

(घ) **आध्यात्मिक स्वास्थ्य:** स्वास्थ्य के चौथे आयाम के रूप में आध्यात्मिक स्वास्थ्य का नंबर आता है। एक धरना है कि आध्यात्मिक स्वास्थ्य "कुछ अमूर्त है जो कि शरीरविज्ञान और मनोविज्ञान से आगे निकलता है ".

स्वास्थ्य के निर्धारक: व्यक्तिगत और सामूहिक स्वास्थ्य के आधार पर निम्न अनुसार निर्धारित किया जा सकता है.

1. मानव जीवविज्ञान
2. पर्यावरण
3. जीवन जीने की शैली
4. आर्थिक स्थिति
5. स्वास्थ्य सेवाएं

(1) **मानव जीवविज्ञान:** प्रत्येक इंसान के लिये प्रकृति द्वारा मानसिक और शारीरिक लक्षण कुछ हद तक निर्धारित होते हैं. जैसे कई बीमारियों को अब

आनुवांशिक उत्पत्ति के रूप में जाना जाता है, उदाहरण के लिए, मानसिक मंदता, कुछ प्रकार के मधुमेह, चयापचय की त्रुटियां, कुछ प्रकार के मिर्गी। इसलिए, स्वास्थ्य की स्थिति आंशिक रूप से मनुष्य के अनुवांशिक रचना पर निर्भर करती है। इस प्रकार, अनुवांशिक स्टैंड-पॉइंट से, स्वास्थ्य को "व्यक्ति की स्थिति" के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो इस तरह के जीन के अनुवांशिक रचना से अनुपस्थिति के आधार पर आधारित है जिसमें कुल गुणसूत्र का अनुवांशिक सामग्री के संबंध में किसी भी तरह का विचलन या, जीन के अनुवांशिक रचना में उपस्थिति से सकारात्मक लक्षण होता है।

क. स्वास्थ्य संचार के क्षेत्र

स्वास्थ्य संचार के क्षेत्रों को निम्नलिखित तीन स्तरों पर बांटा जा सकता है—

1. **क्षेत्रीय स्तर-** इसके अंतर्गत क्षेत्रीय स्तर पर स्वास्थ्य संचार को बांटा जा सकता है जिसमें स्वास्थ्य को विभिन्न वैकल्पिक आयामों में रखा जाता है जिसमें प्रमुख रूप से जमीनी स्तर पर जागरूकता, अभियान, तथा कैमपेन चलाये जाते हैं। प्राथमिक चिकित्सा एक तात्कालिक और अस्थायी देखभाल एक दुर्घटना या अचानक बीमारी का शिकार करने के लिए दिया जाता है इसी क्रम में यह भाग प्राथमिक चिकित्सा से जुड़ीं जानकारीयों को प्रस्तुत कर जागरूकता लाने का प्रयास करता है।
2. **प्रादेशिक स्तर-** इस स्तर पर अभियान एवं मौसमी बीमारियों से अवमुक्त करने हेतु योजनाएँ तैयार की जाती हैं साथ ही स्वास्थ्य वर्धक जानकारी एवं नीतियाँ क्षेत्रीय स्तर तक भी पहुँचाई जाती हैं।

3. **राष्ट्रीय स्तर-** इसमें राष्ट्रीय स्तर पर जनता को सुविधायें एवं जागरूकता उपलब्ध करायी जाती हैं। जिनमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय प्रमुख भूमिका निभाता है। जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी होता है। निजी माध्यमों में बड़े-बड़े मीडिया हाउस शामिल हैं। इसमें असाध्य रोग एवं बड़े स्तर के स्वास्थ्य समस्याओं को शामिल किया जाता है।

ख महत्व .

किसी भी संचार का महत्व उसकी प्रतिपुष्टि से होता है लेकिन स्वास्थ्य संचार में संचार का महत्व निदान के रूप में ही संभव होता है चूंकि किसी भी बीमारी, समस्या के समाधान हेतु उसके निवारण की जरूरत होती है जिसमें केवल अपुष्ट संचार न होकर पुष्ट तथा निदानात्मक संचार की महत्ता होना परमावश्यक है साथ ही निदान की अनुपस्थिति में स्वास्थ्य संचार संभव नहीं है। हालांकि स्वास्थ्य संचार को प्रभावी बनाने के लिये सरकार तथा निजी दोनों ही स्तर पर जन-जागरण अभियान, नीतियों, कैंपेन आदि चलाये जाते हैं।

निःसंदेह मनुष्य के जीवन में स्वास्थ्य का सर्वाधिक महत्व है। स्वास्थ्य के बिना धन, संपत्ति, मनोरंजन और अन्य सुविधाएं महत्व हीन हैं। कहते हैं जो व्यक्ति तन और मन से स्वस्थ होता है, वह संसार का सबसे सुखी प्राणी है, क्योंकि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन रहता है। हमारे ऋषि मुनियों ने शुरू से ही स्वास्थ्य के महत्व को स्वीकार किया है और स्वस्थ बने रहने के लिए प्रकृति के नियमों का पालन करने की सलाह दी है। जो मनुष्य सूर्योदय से पूर्व उठते हैं और अपनी दिनचर्या पूर्ण करके निर्धारित समय के अनुसार अपना जीवन व्यतीत करते हैं, निष्काम भाव से कर्म करते

हैं तथा रात्रि में समय पर शयन करते हैं वे हमेशा स्वस्थ बने रहते हैं। स्वस्थ रहने का सबसे आसान मंत्र है- प्रकृति के नियमों का पालन, कठोर शारीरिक परिश्रम और पौष्टिक, सादा व गर्म भोजनलेकिन यहाँ पर गौर करने वाली बात है कि जब स्वास्थ्य संचार के द्वारा स्वास्थ्य समाज का निर्माण नहीं हो पता है तब तक दोनों ही अरकरी तथा निजी स्वास्थ्य संचार व्यवस्था को प्रखररत एवं गतिशील बनाये रखना होगा। कहना अतिशयोक्ति न होगी अगर जनमाध्यमों के सुचारु एवं सुव्यवस्थित तरीके से किये गये संचार का सदुपयोग ही एक स्वास्थ्य समाज एवं राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

2.2 राष्ट्रीय विकास और स्वास्थ्य संचार नीति

वि उपसर्ग पूर्वक 'कस' धातु से बना है। जिसका अर्थ है जो कोच पहले से है, उसी का बढ़ जाना, फैल जाना, प्रस्फुटित हो जाना। इस प्रकार विकास का तात्पर्य किसी चीज कि अभिवृद्धि से है न कि उपभोग और शोषण से। वास्तव में विकास कि जो अवधारणा आज प्रचलित है, उसके तहत एक सामान्य मानवीय जीवन जीने के लिये जरूरी विभिन्न संसाधनों जैसे- मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, और कपड़ा आदि कि उपलब्धता से विकास का अंकलन किया जाता है जिसमें भी स्वास्थ्य को विभिन्न आयामों पर राष्ट्र के संदर्भ में अनिवार्य माना जाता है। कुल मिलाकर विकास कि अवधारणा यह हो सकती है कि जो आज हो रहा है और जो हो गया है, उनको मिलाकर इस प्रकार व्यवस्था कि जाये कि स्वास्थ्य की महत्ता एवं संतुलन बना रहे और प्रत्येक इंसान को जीने के साथ-साथ स्वास्थ्य रहने के संसाधन मिल सकें। भारत की आजादी के बाद यहाँ के स्वास्थ्य की स्थिति के निर्धारक

आंकड़ों में व्यापक परिवर्तन हुआ है। हमने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की है, किन्तु देश के अनेक दूरस्थ क्षेत्रों में स्थितियाँ अभी भी संतोषप्रद नहीं हैं।

1940 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने राष्ट्रीय योजना समिति के तहत उपसमिति का गठन किया था। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण हेतु सुझाव दिया गया था और प्रत्येक 1000 की जनसंख्या पर एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने पर बल दिया। आज 60 वर्ष के बाद भी हमने 5000 जनसंख्या एक उपस्वास्थ्य केंद्र का ही प्रावधान कर रखा है। इसमें भी क्षेत्रानुसार भेद व्याप्त हैं। 1943 में स्थापित भोर कमेटी ने सिफ़ारिश की थी कि जनस्वास्थ्य की कमजोर स्थिति का आंकलन उच्च मृत्युदर एवं रुग्णता दर से देखा जा सकता है। इस कमेटी का सुझाव था कि उपचार संबंधी सेवाओं के साथ-साथ बचाव संबंधी उपायों पर ध्यान देना जरूरी है भोर कमेटी ने स्वास्थ्य संचार को एक आवश्यकता मानते हुये सिफ़ारिश की थी कि संचारी रोगों कि रोकथम में स्वास्थ्य संचार अहम भूमिका निभा सकता है। भारत में मलेरिया, क्षय, कुष्ठ, चेचक उन्मूलन के कार्यक्रम भोर कमेटी कि सिफ़ारिशों पर आरम्भ किये गये थे और इसमें व्यापक सफलता अर्जित कि गयी।

भारत में आज़ादी के बाद जीवन प्रत्याशा दर लगभग दुगुनी हो गयी है। आज़ादी के समय औसत जीवम प्रत्याशा दर 32 वर्ष थी जो अब 65 हो गयी है। यदि राष्ट्रीय संदर्भों से अलग हटकर देखें तो ऐसे भी राज्य है जहां इसमें कोई विशेष प्रगति नहीं हुई है। एक दशक में बिहार बिहार की जीवन प्रत्याशा दर में केवल 4.40

प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई है, जबकि उत्तर प्रदेश में 14.10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शिशु मृत्यु दर विगत 50 वर्षों में 146 से घटकर 63 रह गयी है, ओडिसा में शिशु मृत्यु दर 110 है तो केरल में 13 प्रति हजार जन्म दर है। यह बड़ा अंतर एक प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। शिशु मृत्यु दर का जन्म से सीधा संबंध है। 1941 में देश की जन्म दर 39.9 थी जो अब घटकर 25.0 रह गयी है। विगत 60 वर्षों में स्वास्थ्य की स्थिति में हमने काफी बदलाव देखा है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में न केवल सेवाओं का सुदृढ़ ढांचा तैयार किया है, साथ ही अनेक प्रकार की बीमारियों पर अंकुश भी लगा है। कुछ रोगों को तो जड़मूल से खत्म कर उन्हें हमेशा के लिये दुनिया से विदा कर दिया गया है। चेचक, नरू, कुष्ठ, पोलियो, माइकटस ऐसी ही बीमारियाँ हैं जिन्हें हम या तो समाप्त कर चुके हैं या कुछ जड़मूल से नष्ट होने की स्थिति में आ रही हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय विभाग निम्नलिखित प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है –

क. भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का विकेन्द्रीकरण

पिछले 5 दशकों में स्वास्थ्य रक्षा सेवाओं में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। भारत में स्वास्थ्य पद्धति की इकाइयाँ केंद्र, राज्य, ब्लॉक व गाँव स्तर पर हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य प्रणाली के अंग निम्नलिखित है –

1. केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ;
2. महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवायें ;
3. केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री, उपस्वास्थ्य मंत्री होते हैं। इस विभाग का मुखिया सचिव होता है, जो सामान्य प्रशासक होता है। महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवायें केन्द्रीय सरकार का चिकित्सकीय एवं जनस्वास्थ्य संबंधी विषयों का मुख्य सलाहकार होता है। उसको स्वास्थ्य विशेषज्ञों के एक सुपरिष्कृत दल का नेतृत्व करना होता है। केन्द्रीय सरकार द्वारा वकअत किए गए कार्यक्रमों के अनुसार कार्य करने के लिए सुरक्षित टीम का नेतृत्व भी करना होता है। केन्द्रीय सरकार द्वारा व्यक्त किए गए कार्यक्रमों के अनुसार काम करने के लिए डीजीएचएस को तकनीकी विषयों पर मंत्रालय को सलाह देने की जिम्मेदारी भी निभानी होती है, ताकि राज्य सरकारें केंद्र की योजनानुसार कार्य करें। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक (डीजीएचएस) की मदद के लिए दो अतिरिक्त महानिदेशक एवं उप-महानिदेशक होएन हैं। सभी मुख्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों, चिकित्सा, शिक्षा, चिकित्सा सुरक्षा सेवाओं, केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक उप-महानिदेशक काम करता है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद

केंद्र तथा राज्यों में समन्वय को बढ़ावा देने के लिये भारत के संविधान के अनुच्छेद 263 के अंतर्गत सन 1952 में राष्ट्रपति के आदेश से केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद की स्थापना हुई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री इसका अध्यक्ष होता है। राज्यों के स्वास्थ्य मंत्री इसके सदस्य होते हैं। इनका मुख्य कार्य होता है स्वास्थ्य नीति से संबन्धित मसलों के लिये सिफ़ारिश करना जिससे कि केंद्र और राज्य के बीच बेहतर सहयोग हो सके।

राज्य

केंद्र की तरह ही सभी राज्यों में स्वास्थ्य मंत्रालय तथा स्वास्थ्य निदेशालय होते हैं।

राज्य स्वास्थ्य मंत्रालय

इसके मुखिया स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री तथा परिवार कल्याण उपमंत्री होते हैं। केंद्र की तरह ही सचिव प्रशासनिक मुखिया होता है।

राज्य स्वास्थ्य निदेशालय

स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक होते हैं जिसे कुछ राज्यों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का महानिदेशक भी कहा जाता है, जिसके सहयोग के लिये अतिरिक्त संयुक्त एवं उपनिदेशक स्तर के अधिकारी भी होते हैं। स्वास्थ्य संबंधी जो भी विषय होते हैं, उनके लिये निदेशक मुख्य तकनीकी सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं।

जिला

जिले में स्वास्थ्य गतिविधियों की देखरेख की ज़िम्मेदारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की होती है। इसके सहयोग के लिये उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी होते हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

विकास खंड स्तर पर लगभग एक लाख तक की जनसंख्या पर स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करने हेतु सम्पूर्ण देश में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना की

प्रावधान है जिसमें 30 बिस्तर का अस्पताल होता है तथा यहाँ स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ तथा सामान्य रोग विशेषज्ञ की सेवायें उपलब्ध कराई जाती हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

प्रत्येक 30 हजार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का प्रावधान है। यह 6 बिस्तर का चिकित्सालय होता है, जहां एक चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वार ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य की देखरेख की जाती है।

उपस्वास्थ्य केंद्र

यह प्रत्येक 5 हजार की आबादी पर होता है, जिसमें एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य शिक्षा का प्रचार-प्रसार, रैफरल सेवायें उपलब्ध करायी जाती हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के इस ढांचे के साथ-साथ गैर सरकारी संगठनों के द्वारा भी गावों में स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करायी जाती हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तृत ढांचे के बावजूद देश में स्वास्थ्य के संदर्भ में अनेक चुनौतियाँ व्याप्त हैं जो की आम आदमी के लिये मुश्किलें पैदा करती हैं। ये प्रमुख चुनौतियाँ हैं- कुपोषण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा, जन स्वास्थ्य समस्याएँ, पर्यावरण एवं पेयजल, महिला एवं बल स्वास्थ्य, वृद्धों का स्वास्थ्य, जनसंख्या स्थिरीकरण आदि।

क. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन-दिशा निर्देश

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन ग्रामीण आबादी के लिए प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के उद्देश्य से 12 अप्रैल, 2005 में हमारे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया था और महिलाओं और उनके स्वास्थ्य में सुधार सहित बच्चों के स्वास्थ्य के लिए वंचित समूहों, सार्वजनिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में सामुदायिक स्वास्थ्य को सक्षम बनाने में सेवा वितरण की कुशलता को बढ़ाने के लिए किया गया था। इसके साथ इक्विटी और जवाबदेही को बढ़ावा देने के विकेन्द्रीकरण के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन गरीब सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए और इस तरह प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार की चुनौती सबसे बड़ी है जहां 18 राज्यों पर विशेष ध्यान देने के साथ पूरे देश को शामिल किया गया।

विशेष केन्द्रित राज्य

अरुणाचल प्रदेश, असोम, बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू कश्मीर, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, मध्य प्रदेश, नागालैण्ड, उड़ीसा, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश।

ख. ग्रामीण क्षेत्रों में जननी सुरक्षा योजना कार्यक्रम

भारत सरकार द्वारा जननी सुरक्षा योजना का शुभारंभ सुरक्षित मातृत्व व सुरक्षित जन्म के परिणाम को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत गठित प्रजनन व शिशु सुरक्षाप्रकल्प-2 के अंतर्गत किया गया है। इस योजना

के तहत, गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली गर्भवती महिला को, उसके द्वारा सरकारी अस्पताल अथवा जन स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसूति करवाने पर 700 रुपये देय होंगे। इस योजना का मुख्य लक्ष्य है, ग्रामीण क्षेत्रों में, सुरक्षित संस्थान में प्रसूति करवाना, इसके अंतर्गत गर्भवती महिला, उसके साथ एक या दो परिवार के सदस्य, इन सभी का आवागमन, उसके साथ दो से तीन दिन रहना, इस दौरान उनका भोजन, मजदूरी का नुकसान आदि पूरा करने का ध्यान रखा जाता है।

महिला स्वास्थ्य

किशोर बालिका स्वास्थ्य

विश्व स्वास्थ्य संगठन मनुष्य के जीवन काल की आयु (10 से 19वर्ष) व्याख्या करते हुए किशोरावस्था नाम देता है जिसमें मनुष्य के शरीर में कुछ विशेष प्रकार के परिवर्तन जैसे शरीर का तेजी से बढ़ना और विकास होना शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से परिपक्व आदि होते हैं।

गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य

गर्भावस्था महिलाओं के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चरण है। मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने की आवश्यकता है।

प्रजनन के बाद स्वास्थ्य

प्रजनन के बाद स्वास्थ्य जीवन के सभी चरणों में प्रजनन प्रक्रियाओं, कार्यों और प्रणाली से संबंधित है।

बाल स्वास्थ्य

प्रतिरक्षण बचपन के रोग और विकलांगता की रोकथाम के लिए सबसे महत्वपूर्ण और कम लागत वाली रणनीति है और इस प्रकार यह सभी बच्चों के लिए एक बुनियादी जरूरत है। निम्नलिखित अनुसूची की स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सिफारिश की गई है और यह बाल स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं द्वारा सबसे व्यापक रूप से अनुपालन किये जाने वालों में से एक है। बाल स्वास्थ्य का अर्थ गर्भधारण से जन्म और उसके बाद पांच साल की उम्र तक देखभाल है। पांच साल की उम्र के बाद बच्चों के स्वास्थ्य पर स्कूल स्वास्थ्य प्रोग्रामर टीम नजर रखती है। मातृ शिशु स्वास्थ्य के स्वास्थ्य कार्यकर्ता स्कूल स्वास्थ्य टीम के सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी हो सकते हैं। बच्चों का विकास एक जटिल एवं सतत प्रक्रिया है। उन्हें एक खास आयु में कार्य-विशेष करने में सक्षम होना चाहिए। ये विकासात्मक मील के पत्थर कहलाते हैं। एक माता या पिता होने के नाते, यह समझना महत्वपूर्ण है कि कोई भी दो बच्चे समान रूप से विकसित नहीं होते।

ग. आयुष- इसके अंतर्गत निम्नलिखित प्रकार हैं -

आयुर्वेद

आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी प्रणाली में शिक्षा और अनुसंधान के विकास के विभाग औषधीय पौधे सामग्री, अनुसंधान और विकास और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर प्रणालियों की प्रभावोत्पादकता के बारे में जागरूकता पैदा की उपलब्धता में सुधार, आयुष शिक्षा

का स्तर, गुणवत्ता नियंत्रण और दवाओं के मानकीकरण के उन्नयन पर जोर देना जारी रखा।

योग

योग आत्म बोध को पूर्णतः प्राप्त करने के लिए साधन उपलब्ध कराता है और यह पद्यति एक संतुलित तरीके से अंतर्निहित शक्ति को बेहतर बनाने या विकसित करने के लिए एक अनुशासन है।

यूनानी

यूनानी चिकित्सा पद्धति का भारत में एक लंबा और शानदार रिकार्ड रहा है। यह कुछ ग्यारहवीं शताब्दी के आस-पास अरब देश के लोगों और फारसियों द्वारा भारत में पेश किया गया था। आज भारत का यूनानी चिकित्सा और उसके अभ्यास से गहरा संबंध है।

प्राकृतिक चिकित्सा

प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली वर्षों से चली आ रही है और अपने विशेष सिद्धांतों, जैसे शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक प्रणालियों के साथ व्यक्तियों का ईलाज करती है। इस पद्धति के अनुसार मनुष्य के स्वास्थ्य में प्रोत्साहन, रोगों से लड़ने की क्षमता और अपना उपचार करने की असीम संभावनाएं होती हैं।

सिद्धा

सिद्ध प्रणाली भारत में दवा की सबसे पुरानी प्रणालियों में से एक है। 'सिद्ध' शब्द का अर्थ है उपलब्धियां और सिद्ध, संत पुरुष होते थे जो दवा में परिणाम हासिल करते थे। है।

होम्योपैथी

होम्योपैथी आज एक तेजी से बढ़ रही प्रणाली है और लगभग पूरी दुनिया भर में इसे व्यवहार में लाया जा रहा है। भारत में यह अपनी गोलियाँ की सुरक्षा और उसके इलाज की कोमलता की वजह से एक घरेलू नाम बन गया है।

घ. मानसिक स्वास्थ्य

मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता

स्वास्थ्य देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार रोग या दुर्बलता का उपचार, शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक तरीकों से अच्छी तरह से किया जा रहा है।

मंदबुद्धिता

इस भाग में मंदबुद्धिता के बारे में जानकारी दे गयी है। मंदबुद्धिता के कारण से दैनिक जीवन की क्रियाशीलता कम हो जाती है।

मानसिक बीमारी

मानसिक बीमारी के अवस्था में ब्यक्ति की सोचने की प्रक्रिया तथा उनका व्यवहार बाधित होता है इससे कई प्रकार की समस्याएँ होती है।

तनाव तथा मनोचिकित्सा

तनाव के बगैर जिंदगी की कल्पना नहीं की जा सकती है। एक हद तक मनोवैज्ञानिक तनाव हमारे जीवन का एक ऐसा हिस्सा होता है, जो सामान्य व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक साबित हो सकता है। इस प्रकार विभिन्न सरकारी योजनाएँ मंत्रालय द्वारा चलायी जा रही हैं।

2.3 जनमाध्यमों की सम्प्रेषण प्रणाली और स्वास्थ्य संचार

वर्तमान युग में अपने और संसार के प्रति लोगों की सोच, संस्कार, रीति रिवाजों और दृष्टिकोणों पर संचार माध्यमों के प्रभाव का इन्कार नहीं किया जा सकता। बहुत से लोगों का मानना है कि वर्तमान समय में संचार माध्यमों की मूल गतिविधियाँ जीवन शैली तथा उसके प्रति लोगों के विचार को परिवर्तित करने पर केंद्रित हैं और विश्व के अधिकांश स्थानों पर मीडिया के कार्यक्रम तैयार करने वालों का हर संभव प्रयास यही होता है कि कार्यक्रमों को जीवन शैली पर केंद्रित रखें। इन कार्यक्रमों में व्यक्तिगत जीवन की छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बातों के बारे में बात की जाती है।

जीवन शैली, चयन पर निर्भर होती है और चयन, सूचनाओं तथा संपर्क की प्रक्रिया तथा स्वास्थ्य के फल पर निर्भर होता है। संचार माध्यम ये सूचनाएँ लोगों तक

पहुंचाते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में किसी व्यक्ति के पास क्या विकल्प हैं और वह क्या चयन कर सकता है। वे अपनी इन अर्थपूर्ण सूचनाओं के माध्यम से लोगों की मान्यताओं, सोच, आकांक्षाओं, चयन और व्यवहार और वस्तुतः उनकी जीवन शैली के संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अलबत्ता संचार माध्यमों के संबंध में लोगों का रुझान एकसमान नहीं होता बल्कि संचार माध्यमों से जिसका लगाव जितना अधिक होगा उतना ही उस पर संचार माध्यमों का प्रभाव भी अधिक होगा। जीवन शैली को परिवर्तित करने हेतु टेलीविजन की एक पुरानी शैली, दिखाए जाने वाले कार्यक्रम के विभिन्न भागों में किसी एक विशेष वस्तु का प्रदर्शन है। एक श्रृंखला की विभिन्न कड़ियों में किसी उपभोग वस्तु या ऐसे ही किसी अन्य प्रतीक को दिखाना उस वस्तु के प्रचार का बहुत अधिक अवसर प्रदान करता है। उदाहरण स्वरूप किसी फ़िल्म या टीवी श्रृंखला का मुख्य कलाकार एक विशेष मार्क का पेय पीता है या किसी विशेष माडल की गाड़ी में बैठता या फिर एक विशेष कंपनी का लेपटाप प्रयोग करता है तो इससे उस पेय, गाड़ी या लेपटाप कंपनी का प्रचार होता है। ऐसे दृश्यों के लिए उत्पादन कंपनियां, बहुत अधिक पैसे खर्च करती हैं और कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को अपनी उपभोग वस्तु से परिचित करवाती हैं।

जर्मनी के प्रख्यात समाजशास्त्री हर्बर्ट मारकोजे का कहना है कि संचार मीडिया के प्रचार के परिणाम स्वरूप सामने आने वाला उपभोग, मनुष्य में एक द्वितीय प्रवृत्ति उत्पन्न करता है और उसे पहले से अधिक, समाज में प्रचलित हित साधने के वातावरण पर निर्भर कर देता है। विभिन्न वस्तुओं का उपभोग और उन्हें निरंतर बदलते रहना जो वस्तुतः उस पर थोपी गई होती है, उसे

जीवन को खोने की सीमा तक भी ले जा सकता है और खतरे की कल्पना से भी बढ़ कर उसके निकट कर सकता है। पश्चिमी समाजों की वर्तमान स्थिति इस दावे को बल प्रदान करती है कि जीवन स्तर के ऊपर जाने के बाद कम ही लोग अपनी खरीदारी की क्षमता पर ध्यान देते हैं। इस बीच टेलीविजन के कार्यक्रम विशेष कर टीवी धारावाहिक, धनाढ्य लोगों के जीवन का चित्रण करके हर सामाजिक व आर्थिक स्तर के परिवारों तक इन्हें पहुंचा देते हैं।

अमरीकी लेखक सेबियान गोंजालेस, अमरीकी समाज में उपभोग की संस्कृति की आलोचना करते हुए लिखते हैं कि हम सभी अमरीकी प्राचीन काल से एक अलिखित सामाजिक समझौते पर विश्वास करते आए हैं जिसके आधार पर जब आप कोई फ़िल्म देखने के लिए सिनेमा हाल में जाते हैं तो फिर दर्शकों को विज्ञापन दिखाने की कोई आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि पूरी फ़िल्म ही विज्ञापन है। यही कारण है कि केबल से प्रसारित होने वाले चैनलों को काफ़ी लोकप्रियता प्राप्त है क्योंकि उनमें विज्ञापन नहीं होते जबकि उनमें दिन रात फ़िल्मों एवं टीवी धारावाहिकों के माध्यम से वस्तुओं का प्रचार किया जाता है। उदाहरण स्वरूप किसी फ़िल्म या धारावाहिक के एक दृश्य में कोई महिला रसोई में बर्तन धो रही होती है। अब आप उसके घर को देखिए, निश्चित रूप से आपको ऐसी वस्तुएं दिख जाएंगी जो केवल संभ्रांत लोगों के घरों में ही होती हैं किंतु फ़िल्में और टीवी के धारावाहिक, चरित्रों के माध्यम से आपको अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं और न केवल उनका जीवन बल्कि उनका खान-पान, व्यायाम, वस्त्र पहनने की शैली और इसी प्रकार की अन्य बातें आपके मन पर अमिट प्रभाव डालती हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचार माध्यमों की

भूमिका सदैव से ही अहम रही है। यही कारण है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय में अलग से ही एक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा सूचना, शिक्षा एवं संचार विभाग की स्थापना की हुई है। हमारे प्रदेश में आईईसी ब्यूरो स्वास्थ्य संचार की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में अब तक जो भी लक्ष्य हासिल हुये हैं उनमें स्वास्थ्य शिक्षा के विस्तार का अहम योगदान रहा है, स्वास्थ्य शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने में जनसंचार माध्यमों ने अहम भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय टिकाकरण कार्यक्रम, जन स्वास्थ्य एवं पल्स-पोलियो अभियानों को सफलता दिलाने में जनसंचार माध्यमों, विशेषतः दूरदर्शन, आकाशवाणी, समाचार माध्यमों का विशेष योगदान रहा है। अंतर वैयक्तिक संचार माध्यम तकनीक का उपयोग भी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा किया जा रहा है। जन जागरूकता के साथ-साथ लोगों के व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु वैयक्तिक संचार तकनीक की अहम भूमिका है।

संचार की परंपरागत प्रणाली लोक माध्यमों का उपयोग भी स्वास्थ्य शिक्षा की दिशा में लिया जा रहा है। स्वास्थ्य समस्याओं पर लेख-आलेख यहाँ तक कि अब तो पृथक से स्वास्थ्य की पत्रिकाओं का प्रकाशन, जनसंचार के क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण एवं रुचिकर क्षेत्र बन गया है। कुल मिलाकर भारत में स्वास्थ्य की स्थिति को अपेक्षानुकूल बनाने में अनेक चुनौतियाँ हमारे समक्ष हैं किन्तु सफलता मुश्किल नहीं है।

2.4 समकालीन मुद्रित माध्यम-

लोगों के स्वास्थ्य की स्थिति राज्य नीति की सफलता के मूल्यांकन का महत्वपूर्ण मानक होती है। व्यक्ति का स्वास्थ्य राष्ट्र के स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करता है लेकिन स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर मुद्रित माध्यमों के सहयोग से देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। जिनमें मुद्रित माध्यम प्रभावी रूप से जनमानस को प्रभावित कर रहे हैं। समाजिक चेतना जागृत करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है मुद्रित माध्यम, जो अपनी प्रभावी प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज को न सिर्फ दिशा देता है बल्कि उसके दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए उसे संचालित भी करता है। समकालीन समाज में माध्यम समाज की अग्रगामिता को आगे बढ़ाने का प्रयास भी कर रहा है। लेकिन सवाल यह है वैश्वीकरण व तकनीकी के इस युग में समाज में हो रहे परिवर्तनों को भांपने की उसकी क्षमता कुंद होती जा रही है। वास्तव में देखा जाये तो वर्तमान दौर की मुख्यधारा के समाचारपत्र-पत्रिकाएं निरंतर प्रगतिशील होते जा रहे हैं जो कि निःसंदेह काबिल-ए-तारीफ है।

समकालीन मुद्रित माध्यमों का दायरा काफी बड़ा है जिसकी करोड़ों लोगों तक पहुँच है। भारतीय माध्यम के मानचित्र पर भारी परिवर्तन आ रहे हैं। इनमें सबसे बड़ा और एक हद तक ऐतिहासिक परिवर्तन भारतीय भाषाओं और खास तौर से हिन्दी भाषा के माध्यम का भारी विस्तार है। देश में एक तरह की माध्यम क्रांति अगर आयी है तो इसका मुख्य कारण हिन्दी माध्यम की चहुंमुखी वृद्धि और विकास है।

दैनिक समाचारपत्र –

AUDIT BUREAU OF CIRCULATIONS

Highest Circulated amongst ABC Member Publications (across lang uages)

Sr. No.	Title	Language	Average Qualifying Sales	
			Jan - Jun 2017	Jul - Dec 2016
Daily Newspapers (amongst member publications)				
1	Dainik Jagran	Hindi	3,964,064	3,921,267
2	Dainik Bhaskar	Hindi	3,758,949	3,813,271
3	Hindustan	Hindi	2,735,252	2,611,261
4	The Times of India	English	2,716,291	3,184,727
5	Amar Ujala	Hindi	2,662,855	2,961,833
6	Malayala Manorama	Malayalam	2,388,886	2,441,417
7	Eenadu	Telugu	1,862,018	1,866,661
8	Rajasthan Patrika	Hindi	1,784,142	1,840,917
9	Daily Thanthi	Tamil	1,657,318	1,710,621
10	Mathrubhumi	Malayalam	1,432,568	1,473,053
11	Daily Sakal	Marathi	1,279,943	1,281,305
12	The Hindu	English	1,216,118	1,464,297
13	Punjab Kesari	Hindi	1,184,199	1,177,951
14	Dinakaran	Tamil	1,105,340	1,152,840
15	Ananda Bazar Patrika	Bengali	1,101,709	1,102,955
16	Sakshi	Telugu	1,092,194	1,113,696
17	Hindustan Times	English	993,645	1,194,816
18	Patrika	Hindi	988,470	1,199,869
19	Dinamalar	Tamil	922,733	923,356
20	Vijayavani	Kannada	807,266	838,028
Weekly Newspapers (amongst member publications)				
1	Ravivasriya Hindustan	Hindi	2,420,505	2,300,860
2	The Sunday Times of India	English	1,102,149	1,124,568
3	The Hindu	English	1,055,486	Not A Member
4	Ravivar Loksatta	Marathi	399,928	401,862
5	Mathrubhumi Thozhilvartha	Malayalam	360,891	354,583
Magazines (amongst member publications)				
1	Vanitha	Malayalam	478,784	558,978
2	Annadata	Telugu	319,326	309,991
3	Malayala Manorama	Malayalam	311,973	344,573
4	Grehlakshmi	Hindi	303,804	315,116
5	Meri Saheli	Hindi	272,143	289,627

उपरोक्त सारिणियों में यह साफ-साफ निर्दिष्ट है की ये समाचारपत्र एक विशाल जनसमुदाय को प्रभावित कर रहे हैं। तथा स्वास्थ्य को संचारित भी कर रहे हैं। समकालीन परिवेश में हमारे प्रतिदिन के जीवन चक्र में और लगभग सभी क्षेत्रों में माध्यमों का हस्तक्षेप बहुत बढ़ गया है।

2.5 स्वास्थ्य संचार और मानव संसाधन प्रक्रिया

‘मानव संसाधन’ शब्द अंग्रेजी के ‘**Human Resource**’ शब्द का अनुवाद है। रिसोर्स शब्द के अर्थ में निम्नलिखित भी निहित हैं -

1. वांछित के साधन की आपूर्ति
2. उपयोग व उपभोग संचय
3. स्वास्थ्यपूरक
4. उपकरण
5. समय बिताने मनोरंजन के साधन;

भारत के विकास के सन्दर्भ में इस शब्द को लेकर स्वतंत्र रूप से कोई पृथक अवधारणा विकसित नहीं की जा सकी। मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में भारत की शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति आदि में प्रगतिशील है। रिसोर्स शब्द का वास्तविक अर्थ भी यही कहता है कि क्या मानव को संसाधन के रूप में विकसित करने पर मानव द्वारा आज तक की वैचारिक यात्रा को अघात पहुँचता है। वैसे तो प्रकृति द्वारा दिये गये विभिन्न खनिजों, पेड़-पौधों, जल, वायु, मिट्टी और तेज आदि का अधिकाधिक शोषण कर मनुष्य को सुविधाजीवी, श्रमहीन और शारीरिक-मानसिक बीमार बनाने

का कार्य आज के प्राकृतिक संसाधन पर आधारित विकास करता है। इसलिए ठीक इसके समानान्तर “मानव संसाधन” का विकास भी कुछ मानवों द्वारा कुछ मानवों को अधिकाधिक कौशलपूर्ण और दक्ष बनाना है। यद्यपि किसी भी राष्ट्र में रहने वाले समस्त मानव-समुदाय उस राष्ट्र के मानव संसाधन हैं। मानव-संसाधन जितना शिक्षित, योग्य, कुशल और कर्मठ होता है, राष्ट्र भी उतना ही विकसित होता है। क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों की सक्रियता मानव-संसाधन पर ही निर्भर करती है।

वस्तुतः मानव की क्षमताएं असीम हैं। मानविकी विज्ञान के शोध बताते हैं कि एक मनुष्य अपने पूरे जीवन में अपनी क्षमताओं का केवल 7 प्रतिशत ही उपयोग करता है। 93 प्रतिशत क्षमताएं अप्रयुक्त ही रहती हैं। यह स्थिति उन विकसित राष्ट्रों की है जहाँ मानव संसाधन हमारे देश की तुलना में काफी विकसित है। अतः हमारे देश के कर्णधारों के समक्ष यह एक बहुत बड़ी चुनौती है कि मानव संसाधन का विकास कर उसकी अधिकतम क्षमताओं का राष्ट्रीय विकास में सफल उपयोग किया जाय। वस्तुतः मानव संसाधन से तात्पर्य है मनुष्य की दक्षता को विकसित करना अर्थात् उसकी शारीरिक और बौद्धिक क्षमताओं को शिक्षण-प्रशिक्षण द्वारा ऐसा बनाना, जिस्से वह विभिन्न औद्योगिक, खेतिहर, वाणिज्यिक, शैक्षिक आदि प्रतिष्ठानों के लिए उपयोगी बनकर मानव द्वारा आज तक की गयी विकास यात्रा में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके। यद्यपि आज के युग में विज्ञान और तकनीकी ने बढ़ी हुई जनसँख्या के कारण अपनी अनिवार्यता को बाधा लिया है, फिर भी परिश्रम का महत्त्व जरा भी कम नहीं हुआ है और न भविष्य में होगा। किन्तु मनुष्य को शिक्षित और प्रकशित कर देने उसके भीतर की शारीरिक क्षमता का बौद्धिक क्षमता

के साथ बेहतर समनव्य हो जाने के कारण शरीर के साथ बुद्धि का भी अवदान मानव समुदाय को मिलता है। इसी सन्दर्भ को ध्यान में रखते हुए 2005 में प्रधानमंत्री डॉ॰ मनमोहन सिंह ने कहा था- “हम स्वास्थ्य को ऐसे मानव अधिकार के रूप में मान्यता देते हैं जिसे हस्तांतरित नहीं किया जा सकता, जिस पर ईमानदारी से प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। काफी समय से हमारे देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में असमानताएं हैं और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधायें समान रूप से प्रत्येक व्यक्ति तक नहीं पहुँच पाती, इसलिये हम आर्थिक योजना और सभी नागरिकों के प्रति अपनी नैतिक ज़िम्मेदारी में पिछड़ गये हैं”। इस तरह वर्तमान परिदृश्य में स्वास्थ्य एक संसाधन के रूप में ही उपयोग में लाया जा रहा है साथ ही निरंतर बढ़ती तकनीकी एवं भागमभाग भरे माहौल में स्वास्थ्य संचार एक महत्वपूर्ण संसाधन बन गया है जिसकी उत्तरोत्तर मांग बढ़ती ही जा रही है।

2.6 स्वास्थ्य संचार की प्रमुख चुनौतियां

भगवान बुद्ध ने कहा था “शरीर को अच्छी तरह स्वस्थ रखना एक दायित्व है एक संसाधन है उसके बिना हम अपना मस्तिष्क मजबूत और स्पष्ट नहीं रख पाएंगे।” परन्तु जब हम अपने देश में स्वास्थ्य के स्तर पर निगाह डालते हैं तो एक निराशा जनक तस्वीर ही सामने आती है। जबकि आज पूरी दुनियाँ के सभी देश अपने नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग हैं और हर संभव सहायता उपलब्ध करा कर स्वास्थ्य के प्रति जवाबदेह रहने के लिये प्रेरित करते हैं। आजादी के बाद के प्रारम्भिक वर्षों में को स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में स्वार्णिम माना जाता है। इन वर्षों में सरकार के द्वार महत्वपूर्ण निर्णय लिये जिनके परिणाम स्वरूप जनस्वास्थ्य के

क्षेत्र में लोगों को लाभ मिला जिसमें जनमाध्यमों ने भी महती भूमिका निभाई। लेकिन धीरे-धीरे जनमाध्यमों के व्यवसायीकरण के साथ साथ जनस्वास्थ्य के मुद्दे को भी जंग लाह गयी। हालांकि कालांतर में विभिन्न जनमाध्यम आज भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में पदार्पण कर रहे हैं जिसमें कुछ सामाजिक सरोकार के साथ हैं तो कुछ व्यवसाय के साथ स्वास्थ्य के मुद्दों को तवज्जो दे रहे हैं।

भारत में जनस्वास्थ्य की अवधारणा और स्थिति उतनी अच्छी नहीं जितना इसे समझा जाता है 68 वर्ष पूर्व सर जोसेफ भोरे समिति की सिफ़ारिशें याद आतीं हैं जो आज भी पूरी तरह लागू नहीं हो पायी है। भोरे समिति की तीन महत्वपूर्ण अनुशंसाओं को हमेशा याद किया जाता है। उनकी पहली अनुशंसा थी कि भुगतान का सामर्थ्य नहीं होने पर भी कोई नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न हो। दूसरा रोग निवारण तथा रोग निरोधक का कार्य एक संस्था द्वारा परिचालित किया जाये। तीसरा यह कि जनस्वास्थ्य शासन कि जिम्मेदारी है। दुखद यह है की स्वतन्त्रता प्राप्ति के 66 वर्षों के बाद भी इस पर पूरी तरह से अमल नहीं किया गया। “यह सच है कि भारत कि पारंपरिक और बेहद महत्वपूर्ण आरोग्य प्रणाली आयुर्वेद, सिद्धा, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग कि समृद्ध विरासत होने के बावजूद आज इनकी स्थिति अपने देश में भी अच्छी नहीं है।”

आज स्वास्थ्य पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 6.1 प्रतिशत खर्च होता है। योजना आयोग के आंकड़ों के अनुसार केवल 1.4 प्रतिशत खर्च केंद्र औए राज्य सरकारें वहाँ करती हैं, शेष 4.7 प्रतिशत का बोझ जनता पर डाल दिया जाता है। 2012-2013 के बजट प्रस्ताव में तो सरकार ने स्वास्थ्य के लिये

34448 करोड़ रूपये का ही प्रावधान रखा है , जो कुल बजट का 2.3 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.38 प्रतिशत है। मतलब यह है कि राज्य सरकारों के मत्थे लगभग 1.1 प्रतिशत की रकम स्वास्थ्य पर खर्चों के लिये डाल दी गयी है। वास्तव में केंद्र सरकार स्वास्थ्य पर जीडीपी का 3 से 4 प्रतिशत और राज्य सरकारें 2 से 3 प्रतिशत रकम खर्च करें, जिससे जनता के सामने जीने का संकट पैदा नहीं हो। जाहिर है इन बातों से अगर किसी देश कि सरकारें इत्तेफाक रखने लगेंगी तो वहाँ उपलब्ध जनमाध्यमों का हस्र क्या होगा। स्वास्थ्य संचार की प्रमुख चुनौतियों में जनमाध्यमों का भी कम योगदान नहीं है। यही जनमाध्यम अपने गर्भाशय से मिशनरिज करते थे जो बाद में कॉर्पोरेट या किसी अन्य स्वार्थ की बली चढ़ते चले गये। शनैः शनैः जनमाध्यमों के मायालोक से स्वास्थ्य की स्थिति बाद से बदतर होती चली है। हालांकि आज कुछ मीडिया घराने या कॉर्पोरेट घराने CSR के नाम पर स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता, देखभाल आदि के नाम पर इति श्री करते नज़र आ रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर कुछ माध्यम अपना कार्य बखूबी कर रहे हैं।

वैसे तो 21वीं सदी के भागमभाग तथा तकनीकी के माहौल में लोगों का जिस तरह जीना दूभर हो रहा है, लोग हाई – फ़ाई तकनीकी तथा उच्चस्तरीय एवं भौतिक सुविधायें पाकर भी निर्जीव होते नज़र आ रहे हैं। जिससे इनके शरीर, कार्यशैली एवं स्वास्थ्य पर निरंतर प्रभाव पढ़ रहा है ऐसे माहौल में जनमध्यम विशेषतः समाचारपत्र-पत्रिकाएं अपने-अपने स्तर पर आवश्यक पहल कर रहे हैं। वे एनआईटी योग, व्यायाम आदि के बारे में तो जानकारी मुहैया करा ही रहे हैं साथ ही

स्वास्थ्य से जुड़े हर बारीक से बारीक जानकारी अपने पाठकों को उपलब्ध करा रहे हैं। इस संबंध में लखनऊ जिले के जिला महामारी नियंत्रक अधिकारी का कहना है कि—“आज व्यस्तता भरे परिवेश में लोग छोटी-छोटी परेशानियों, तकलीफों के लिये मीडिया, इंटरनेट आदि का सहारा ले रहे हैं।” तो वही दूसरी ओर दूर-सुदूर क्षेत्रों में, विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में मीडिया की व्यापक पहुँच नहीं हो पायी है जिससे उनके पास स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी नहीं हो पाती है जिससे उन्हें भरी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है उनके पास तक जनमध्यम जैसे समाचारपत्र-पत्रिकाएं आदि नहीं उपलब्ध हो पाते हैं जिससे भी स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। ऐसे में उन लोगों तक सरकार को तथा बड़े-बड़े तथाकथित मुख्यधारा के मीडिया हाउसों को आपस में जुड़ना होगा ताकि प्रत्येक जन की भागीदारी से एक स्वस्थ समाज तथा राष्ट्र का निर्माण हो सके।

प्रिंट मीडिया: अर्थ, परिभाषा एवं इतिहास

प्रिंट मीडिया क्या है?

प्रिंट मीडिया का अर्थ – एक माध्यम जो मुद्रित पदार्थ को फैलाता है यक्रीनन किसी सूचना या संदेश को लिखित माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने में प्रिंट मीडिया का बहुत ही बड़ा योगदान है। प्रिंट मीडिया के माध्यम समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ हैं।

भारत में प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र (प्रिंट मीडिया), शीर्ष 10 हिंदी दैनिक निम्न हैं:

दैनिक जागरण

हिंदुस्तान

दैनिक भास्कर

राजस्थान पत्रिका

अमर उजाला

पत्रिका

प्रभात खबर

नव भारत टाइम्स

हरि भूमि

पंजाब केसरी

प्रिंट मीडिया की उत्पत्ति

ऐतिहासिक रूप से प्रिंट मीडिया का जन्म राजाओं द्वारा लिखित घोषणा के प्रचार और प्रसार के साथ हुआ है, परंतु व्यवस्थित तौर पर प्रिंट मीडिया की उत्पत्ति छापाखाने के आविष्कार के साथ मानी जाती है। हालांकि पहले भी मीडिया की उपस्थिति थी, लेकिन पांडुलिपियों के साथ अधिक लोगों तक सूचना का प्रसार संभव नहीं था और लिखित सूचनाओं को मौखिक रूप से पढ़कर जनसमूह को सुनाने का प्रचलन था। प्राचीन काल में साधु-संतों धर्मप्रचारकों और राजाओं के

जूतों का जगह जगह पर जाकर सूचनाएं प्रदान करना और प्राप्त करना इसी श्रेणी के अंतर्गत आता था।

प्रिंट मीडिया, मीडिया का एक महत्वपूर्ण भाग है जिसने इतिहास के सभी पहलुओं को दर्शाने में मदद की है। जर्मनी के गुटेनबर्ग में खुले पहले छापाखाना ने संचार के क्षेत्र में क्रांति ला दी। जब तक लोगों का परिचय इंटरनेट से नहीं हुआ था, तब तक प्रिंट मीडिया ही संचार का सर्वोत्तम माध्यम था। मैग्जीन, जर्नल, दैनिक अखबार को प्रिंट मीडिया के अंतर्गत रखा जाता है। **‘खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो। जब तोप मुकाबिल हो, तो अखबार निकालो’**।

भारत समेत विश्वभर में क्रांतियों, आंदोलनों और अभियानों आदि में प्रिंट मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत में पहला अखबार 1780 में जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने 'बंगाल गजट' के नाम से प्रकाशित किया था। इसके बाद तो भारत में संचार के क्षेत्र में क्रांति-सी आ गई और एक के बाद एक कई अखबार प्रकाशित हुए।

1826 में हिन्दी का पहला अखबार 'उदंत मार्तंड' आया। आजादी से पूर्व जितने भी अखबारों का प्रकाशन शुरू हुआ, उन सभी में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही जाती थी। लोगों को ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीतियों के बारे में बताया जाता था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अखबारों का पैटर्न बदला और अब अखबारों में सभी क्षेत्रों की खबरों को महत्व दिया जाने लगा। अखबार अब टू एजुकेट, टू इंटरटेन, टू इंफॉर्म के सिद्धांत पर चलने लगे।

लेकिन 90 के दशक में इंटरनेट के आने ने अखबारों को एक बार फिर सोचने पर मजबूर कर दिया। समय के साथ-साथ अखबारों ने भी अपने आप में बदलाव करना शुरू कर दिया। जो न्यूज हाथों से लिखी जाती थी, उनकी जगह कम्प्यूटर ने ले ली। जहां पहले सारा काम मैनुअल होता था, वहां अब बहुत से काम में उनकी जगह कम्प्यूटर ने ले ली, जैसे अखबार की डिजाइन बनाना, ले-आउट बनाना, फॉन्ट आदि।

2.7 खबर या समाचार, अर्थ परिभाषा, प्रकार एवं महत्त्व : एक अध्ययन

खबर या समाचार:

खबर को अंग्रेजी में न्यूज, हिन्दी में खबर, संस्कृत में वार्ता और उर्दू में खबर कहा जाता है। न्यूज शब्द का प्रचलन सबसे पहले सन् 1550 के बाद मिलता है। इससे पहले 1423 ई में न्यूइज, 1455 ई में न्यूयेस और 1523 ई में न्यूइस शब्दों का प्रयोग किया जाता था। न्यूज शब्द चार अक्षरों के माध्यम से चार दिशाओं का सूचक भी है जैसे नार्थ यानि उत्तर, ईस्ट यानि पूर्व, वैस्ट यानि पश्चिम और साउथ यानि दक्षिण। इसीलिए हेडन ने अपने शब्दकोष में कहा है कि सब दिशाओं की घटनाओं को खबर कहते हैं।

खबर की प्रकृति व अर्थ

क्या कभी आपने समाचार की प्रकृति एवं उसके अर्थ के बारे में विचार किया है। देश एवं सारे विश्व में घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए हर व्यक्ति रेडियो सुनता है, टीवी देखता एवं अखबार भी पढ़ता है।

ऐसा आप क्यों करते हैं ? इस प्रश्न के उत्तर में आप यही कहेंगे कि 'सूचनाएँ प्राप्त करने के लिए'। सूचनाओं के अभाव में आप शेष विश्व से अपने आपको अलग-थलग पाते हैं.सूचनाओं की जानकारी के बिना आप अपने आप को समाज से नहीं जोड़ सकते हैं- न राजनैतिक रूप से, न सामाजिक रूप से और न आर्थिक रूप से। प्रायः कोई भी व्यक्ति सोमवार का समाचार शुक्रवार को पढ़ना पसन्द नहीं करता। क्यों ? हम किसी जानकारी या घटना को पुष्ट करने के लिए पुराने अखबार जरूर देखते हैं लेकिन सामान्य रूप से हम ऐसा प्रतिदिन नहीं करते। अतः समाचार वह है जो नवीन है और साथ ही साथ समाचार वह भी है जो हमें पूरे विश्व से जोड़ता है।

खबर की परिभाषा-

समाचार अर्थात् खबर के बारे में एक निश्चित विचार नहीं मिलता। उसकी एक निश्चित परिभाषा नहीं दी जा सकती है। क्योंकि समाचार वस्तुतः एक भावजन्य अभिधारणा है जिसका अर्थ मानवीय मूल्य व अभिरूचि के अनुसार बदलता है। इसलिए यह समझ लेना चाहिए कि समाचार सापेक्ष होते हैं पूर्ण नहीं। समाचार अपने से जुड़े कारकों एवं तथ्यों के परिवर्तित होने के साथ ही परिवर्तित होते रहते हैं। अतः समाचार की परिभाषा निम्न कारकों पर आधारित होती है।

- I. पाठक वर्ग के आकार पर।
- II. समाचार पत्र पर। (पाक्षिक आदि/साप्ताहिक/दैनिक) पत्रिका की आवृत्ति/
- III. पाठक वर्ग के सामाजिक व आर्थिक प्रकार पर।

IV. पाठक वर्ग की मांग के अनुसार यता और मुद्दों से जुड़ी वरीयता जैसे स्थानी)

।(आदि

खबर क्या है? न्यूयार्क की सन पत्रिका के सम्पादक जान बी बोगार्ट के मुताबिक - जब कुत्ता आदमी को काटता है तो वह खबर नहीं है परन्तु यदि कोई आदमी कुत्ते को काट ले, तो वह खबर होगा।

पर्याप्त संख्या में मनुष्य जिसे जानना चाहें, वह खबर है शर्त यह है कि वह सुरुचि तथा प्रतिष्ठा के नियमों का उल्लंघन न करे- जे जे सिडलर

खबर किसी सामयिक घटना का महत्वपूर्ण तथ्यों का परिशुद्ध तथा निष्पक्ष विवरण होता है जिससे उस खबर पत्र में पाठकों की रूचि होती है। जो इस विवरण को प्रकाशित करता है। - के पी नारायणन

इसके अलावा खबर वह है-

- I. खबर कोई भी बात है जो सामान्य से परे हो।
- II. अचानक जो घटे वह खबर है।
- III. पाठक जिसे जानना चाहें वह खबर है।
- IV. जिसे कोई दबाना चाहे वह खबर है बाकी सब विज्ञापन है।
- V. एक योग्य पत्रकार जो लिखता है वह खबर है।
- VI. खबर किसी ऐसे प्रचलित विचार, घटना या समस्या का विवरण होता है, जिसमें लोगो की रूचि होती है।

न्यू का अर्थ होता है नया न्यूज हुआ उसका बहुवचन, यानि ताजा से ताजा और नई से नई बात खबर हाती है।

लेकिन, परिभाषा के बिना भी खबर का बोध पाठक को उस स्पंदन से होता है जो वह उसे पढ़कर प्राप्त करता है। खबर का बोध उस आंशिक या पूर्ण संतोष से भी होता है जब पाठक उसे पढ़कर अपने को अधिक सूचित, ज्यादा शिक्षित पाता है। स्पंदनकारी वही होगा जो मन-मस्तिष्क को दिलचस्प लगे। मानसिक संतोष उससे मिलेगा जो महत्वपूर्ण जानकारी देगा। अतः खबर को सदैव नया, दिलचस्प, मनोरंजक और महत्वपूर्ण होना चाहिए।

उन महत्वपूर्ण घटनाओं की जिसमें जनता की दिलचस्पी हो, पहली रिपोर्ट को समाचार कह सकते हैं। - टूरी सी हापवुड

किसी सामयिक घटना का विवरण जिसका किसी खबर पत्र के संपादकीय विभाग ने संपादन कर्मियों द्वारा चयन किया गया हो, क्योंकि वह पाठकों के लिए रूचिकर एवं महत्वपूर्ण है, अथवा उसे ऐसा बनाया गया है। - विलियम जी ब्लेयर

प्रख्यात पत्रकार स्वर्गीय मनुकोंडा चेलापति राव के मुताबिक - समाचार की नवीनता इसी में है कि वह परिवर्तन की जानकारी दे। वह जानकारी चाहे राजनीतिक, सामाजिक अथवा आर्थिक कोई भी हो। परिवर्तन में भी उत्तेजना होती है।

पत्रकार हार्पर लीच और जान सी कैरोल (शिकागो के पत्रकार) ने समाचार को एक गतिशील साहित्य बताया है।

खबरों का महत्त्व:

यकीन खबरों का सीधा सम्बन्ध मनुष्य की सतत जिज्ञासा से है। नया जानने की इच्छा ही समाचार का प्रमुख आकर्षण है और समाचार प्रायः हमें कुछ न कुछ नया ही देता है। जो कुछ नया होता है वह एक तरह से समाचार है और जो कुछ जानने की यह जिज्ञासा मनुष्य में सदा सर्वदा से रही है। नया जानने के लिए मनुष्य को अन्वेषक बनना पड़ता है। खोजी बनना पड़ता है, यात्राएं करनी पड़ती हैं, विप्लेशण करने पड़ते हैं, चीजों की गहराई में जाना पड़ता है, एक पत्रकार को भी यही सब करना पड़ता है। इस तरह जो कुछ नया है वह अगर समाचार है तो जो उस नए को प्रस्तुत कर रहा है वह पत्रकार है। भारतीय परम्परा में देवऋषि नारद को एक तरह से पहला पत्रकार इसलिए माना जाता है कि वो जहां जाते थे, दूसरी जगह का समाचार वहां पहुंचा देते थे। रामचरितमानस में हनुमान जब लंका से वापस लौटे तो उनसे सबसे पहला सवाल यही था कि वहां का समाचार क्या है ? महाभारत की कथा में संजय धृतराष्ट्र को युद्ध का जो हाल बैठे-बैठे सुनाते हैं वह एक प्रकार का समाचार ही है। हमारी चिट्ठियों में भी प्रायः यह लिखा जाता है, यहां सब ठीक ही हैं, वहां के समाचार या खबर क्या हैं ?

जानने की हमारी इस जिज्ञासा को आधुनिक रूप में न्यूज या समाचार संतुष्ट करते हैं। अलग-अलग रूपों में कभी रेडियो के जरिए, कभी अखबारों के जरिए और कभी टीवी या अन्य आधुनिक माध्यमों के जरिए। समाचार प्राप्त करने के तरीके

आज लगातार बदल रहे हैं और नए-नए तरीके विकसित होते जा रहे हैं लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि समाचार अथवा न्यूज का वर्तमान स्वरूप छपे हुए अक्षरों और उन अक्षरों से पैदा हुए अखबारों की ही देन है।

सन् पत्रिका के सम्पादक समाचार को परिभाषित करते हुए लिखते हैं-
 “समाचार हर वह घटना है जो पर्याप्त रूप से जनता का ध्यान आकर्षित करे और जनता से जुड़ी हो।” न्यूयार्क वल्ड के प्रकाशक जोसेफ पुलित्जर के अनुसार-
 “समाचार मौलिक, स्पष्ट, नाटकीय, रोमांस से परिपूर्ण, अद्भुत, अनोखा, विलक्षण, हास्यपूर्ण, असामान्य एवं उत्तेजित करने वाला हो, जिसके बारे में चर्चा हो सके। समाचार को विभिन्न विद्वानों ने अलग - अलग तरह से परिभाषित किया है।

प्रो. विलियम जी ब्लेयर के अनुसार- अनेक व्यक्तियों की अभिरूचि जिन बात में होती है वह समाचार है। सर्वश्रेष्ठ समाचार वह है, जिसमें बहुसंख्यक लोगों की अधिकतम रूचि हो।

जार्ज एच. मैरिस के अनुसार- समाचार जल्दी में लिखा गया इतिहास है। बूलस्ले और कैम्पवेल के अनुसार- समाचार किसी वर्तमान विचार, घटना या विवाद का ऐसा विवरण है, जो उपभोक्ताओं को आकर्षित करे।

ए. लाइल स्पेंसर के अनुसार- वह सत्य घटना या विचार समाचार है जिसमें बहुसंख्यक पाठकों की रूचि हो।

न्यूयार्क टाइम्स के पूर्व प्रबन्ध सम्पादक के अनुसार- समाचार, जिसे आप अभी आज जान रहे हैं और जिसे आप पहले नहीं जानते थे।

डॉ. नन्दकिशोर के अनुसार- समाचार पत्र का मौलिक कच्चा माल न कागज है, न स्याही- वह है समाचार। फिर चाहे प्रकाशित सामग्री ठोस संवाद के रूप में हो या लेख के रूप में, सबके मूल में वही तत्व रहता है जिसे हम समाचार कहते हैं।

श्री खडिलकर के अनुसार- दुनिया में कहीं भी किसी समय कोई भी छोटी-मोटी घटना या परिवर्तन हो उसका शब्दों में जो वर्णन होगा, उसे समाचार या खबर कहते हैं।

प्रवीण के अनुसार- पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित और रेडियो टेलीविजन जैसे इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यमों में प्रसारित होने वाले समान महत्व के सार्वजनिक विचारों, घटनाओं और क्रियाकलापों के उस विवरण को 'समाचार' कहते हैं जिससे हमें किसी तरह की शिक्षा, सूचना अथवा मनोरंजन प्राप्त होने की अनुभूति होगी।

समाचार के प्रमुख तत्व

सामयिकता- किसी भी समाचार अथवा खबर को एकदम नवीन होने के साथ-साथ सही समय से जनसामान्य तक पहुँचना चाहिए।

स्थानीयता/निकटता- सामान्यतया पाठक वर्ग अपने आस-पास गाँव, कस्बे या देश की खबरों में रूचि रखता है, बजाय इसके कि खबर दूर की हो। साथ ही वह उन खबरों में ज्यादा रूचि लेता है जिसका उस पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है और जिन खबरों से वह अपना तारतम्य कर सकता है। उदाहरणार्थ- पाठक वर्ग को महंगाई का मुद्दा, रुपये के अवमूल्यन अथवा बैंक के राष्ट्रीयकरण की अपेक्षा ज्यादा प्रभावित करता है।

वैशिष्ट्य- विशिष्ट लोगों के साथ जब कुछ घटित होता है तो वह भी समाचार का अहम् हिस्सा बन जाता है। लोग इस तरह की घटनाओं के बारे में अधिक से अधिक जानने को आतुर हो जाते हैं। विवाद, हिंसा अथवा संघर्ष- जब कभी गली मुहल्लों अथवा विभिन्न सम्प्रदायों में विवाद होता है तो जनसामान्य स्वतः ही इन विवादों से जुड़ जाता है। अतः सभी प्रकार के विवाद, हिंसा या संघर्ष भी खबर बन जाते हैं।

सरकारी एवं राजनैतिक गतिविधियाँ- समय-समय पर सरकारी गजट, कानून, बिल, एक्ट अध्यादेश नियमन आदि जिनसे आम जन प्रभावित होते हैं। अच्छी खबर बनते हैं। क्योंकि इन खबरों का सीधा असर लोगों के जीवन पर होता है और उनके निजी हानि-लाभ भी इससे जुड़े होते हैं।

मानवीय अभिरूचि- ऐसी घटना जो साहस, शौर्य, हास्य, विजय, मनोरंजन, कौतूहल अथवा जिज्ञासा से भरपूर हो एवं ऐसा समाचार जो मानव-हित में हो और अनुकरणीय हो, अच्छा समाचार बन जाता है। पाठक ऐसी घटना अथवा सूचना को कौतूहल से पढ़ते हैं जो अन्य लोगों पर घटित हो रहा हो जैसे- खाप पंचायतों ने एक ही गोत्र में शादी करने पर पति-पत्नी को सजा देने का फैसला किया।

प्रतिक्रियात्मकता- किसी घटना का समाचार के तौर पर आना फिर सिलसिलेवार उसकी ताजगी बनाए रखते हुए समाचार को सामयिक रखना समाचार की विशेषता बनता है।

समाचारों का वर्गीकरण

1. ठोस समाचार -

इस प्रकार के समाचार सीधे एवं सरल होते हैं ये वे समाचार होते हैं जिसमें घटना का सरल स्पष्ट और सही तथ्यात्मक विवरण प्रस्तुत किया जाता है। इनमें तथ्यों को जैसे का तैसा प्रस्तुत किया जाता है, तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा नहीं जाता है। ऐसे समाचारों में दुर्घटनाएं, दंगा, प्राकृतिक आपदाएं, आपराधिक घटनाएं, किसी महत्वपूर्ण खेल गतिविधि की जीत-हार, लोकप्रिय व्यक्तियों के निजी जीवन की कोई आकस्मिक घटना आदि विषय प्रमुख होते हैं। अर्थात् वे सभी घटना प्रधान समाचार जिनमें कोई वैचारिक उलझाव नहीं होता। इन समाचारों को लिखते समय संवाददाता के लिए यह आवश्यक होता है कि वह घटनास्थल, समय, सत्यता और स्पष्टता का ध्यान रखे।

घटना का क्या, कब, कहाँ, कौन द्वारा प्रस्तुतिकरण अर्थात् यह इतने बजे यहाँ इसके साथ घटित हुआ, हार्ड अथवा ठोस समाचार का जरूरी हिस्सा है। कब, क्या, कहाँ (घटना के सम्बन्ध में) के साथ-साथ यदि क्या (what), कहाँ (where), कब (when), कौन (who) आदि का संतोषजनक उत्तर यदि संवाददाता नहीं दे रहा है तो समाचार अपने में पूर्ण नहीं है। क्या (what) का अभिप्राय है कि जो घटना घटी है और जिसकी जानकारी पाठक को दी जा रही है वह वास्तव में क्या है? यदि घटना का वर्णन स्पष्ट नहीं किया गया है या उसमें शाब्दिक उलझाव है, तो यह समाचार की सबसे बड़ी असफलता होगी। दूसरा बिन्दु है कहाँ (where)। अनजाने में ही पाठक

वैज्ञानिक तौर पर यह जानने का इच्छुक होता है कि जो घटना उसके सम्मुख लाई जा रही है वह कहाँ घटित हुई है। यदि स्थान का विवरण या घटनास्थल की निशानदेही स्पष्ट रूप से नहीं हुई है, तो इससे पाठक को संतुष्टि नहीं होगी और उसके मन में जिज्ञासा बनी रहेगी। उदाहरण के तौर पर अगर कोई समाचार लेखक खबर का आरम्भ करते हुए जनपद का नाम लिखता है और यह उल्लेख करते हुए कि अमुक जनपद के एक गाँव में अमुक घटना हुई यह अच्छी पत्रकारिता का उदाहरण नहीं है। तीसरा प्रमुख बिन्दु है कब (when)। यह सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु है क्योंकि अगर संवाददाता यह नहीं बताता कि जिस घटना की वह जानकारी दे रहा है वह कब घटित हुई तो यह नितांत अधूरा समाचार होगा। संवाददाता को तिथि और दिन ही नहीं, जहाँ तक सम्भव हो घटना का समय भी बताना चाहिए क्योंकि प्रत्येक पाठक सूचना या समाचार को जल्दी से जल्दी प्राप्त करना चाहता है। यदि रात के दस बजे घटित घटना उसे सुबह 6 बजे मिल जाती है तो यह उसकी संतुष्टि का कारण बनता है। अतः यह जरूरी है कि कब का जवाब समाचार में मौजूद हो। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए यह परिभाषाएं कुछ अलग हो जाती है। क्योंकि घटनास्थल के सजीव चित्र बहुत कुछ खुद ही कह देते हैं। ऐसे में वहाँ पत्रकार को घटना की और अधिक बारीकी से छानबीन कर नए तथ्यों के सामने लाना जरूरी हो जाता है।

अगला प्रमुख बिन्दु है कौन (who) अर्थात् घटना किसके साथ घटित हुई। जरूरी नहीं कि घटना से प्रभावित व्यक्ति या व्यक्तियों से पाठक परीचित हो लेकिन फिर भी उसकी पाठक या दर्शक की इच्छा होती है कि उसे यह पता चले कि यह घटना किसके साथ घटी है। अगर यह जानकारी उसे नहीं मिलती तो यह समझ लेना चाहिए

कि समाचार अधूरा है। अतः क्या (what), कहाँ (where), कब (when), कौन (who) ये कुछ बिन्दु हैं जो समाचार का निर्माण करते हैं।

2. व्याख्यात्मक समाचार -

लेकिन पाठक मात्र क्या, कहाँ, कब, कौन से ही संतुष्ट नहीं होता उसे घटना के पीछे विद्यमान कारकों क्यों (why), कैसे (how) की जानकारी या विश्लेषण भी चाहिए। प्रत्येक पाठक अप्रत्यक्ष रूप से यह जिज्ञासा बनाए रखता है कि जो घटना उसके सामने लाई जा रही है वह क्यों और कैसे घटित हुई। यही विश्लेषण विवेचना सौफ्ट न्यूज अथवा व्याख्यात्मक खबर बन जाती है। व्याख्यात्मक खबर (Soft News) वह समाचार है जिसमें घटना की गहन खोजबीन की जाती है, उस पर समग्र रूप से प्रकाश डाला जाता है।

समाचार लेखन की शैली

1. विलोम पिरामिड -

पिरामिड दरअसल प्राचीन मिस्र के वे स्मारक हैं जो वहाँ के तत्कालीन राजाओं को दफनाने के लिए बनाए जाते थे। इन पिरामिडों की चोटी पतली होती है और ज्यों-ज्यों नीचे आते जाते हैं ये पिरामिड अपना आकार बढ़ाते जाते हैं। यदि हम इस पिरामिड को उल्टा कर दें अर्थात् इसकी चोटी नीचे और आधार ऊपर तो यह एक विलोम पिरामिड टाइप समाचार लिखने की शैली बन जायेगी। इस शैली के अन्तर्गत संवाददाता प्रमुख घटना का सारांश पहली पंक्तियों में देगा और शेष विस्तृत जानकारी तब पैराग्राफ से आरम्भ कर नीचे तक देता चला जाएगा। इस शैली के

अन्तर्गत पाठक प्रथम दृष्टि में मुख्य घटना का सारांश पहले जान लेता है और बाद में वह पूरी जानकारी प्राप्त करने के लिए नीचे दिया गया ब्यौरा पढ़ता है। अधिकतर घटनाओं के समाचार इसी विलोम पिरामिड प्रणाली के अन्तर्गत दिए जाते हैं।

विलोम पिरामिड शैली का प्रचलन उस समय शुरू हुआ जब संवाददाताओं को प्रमुख घटनाओं का समाचार टेलीग्राम द्वारा भेजने का मार्ग अपनाना पड़ा। टेलीग्राम के माध्यम से भेजे जाने वाले समाचारों के लिए यह आवश्यक था कि घटना का प्रमुख सारांश सबसे पहले दर्ज किया जाए, ताकि यदि तार की लाइन खराब भी है तब मुख्य कार्यालय तक घटना का प्रमुख सारांश पहुँच जाए।

2. सीधे पिरामिड -

समाचारों की यह शैली सीधे पिरामिड की तरह अपनाई जाती है जो विलोम पिरामिड की शैली से बिल्कुल उलट है। इसमें समाचार के सबसे महत्वपूर्ण तत्व को सबसे पहले न देकर मध्य या अन्त में दिया जाता है। समाचार के प्रारम्भ में कम महत्व के ऐसे तत्व दिए जाते हैं, जो पाठक की अभिरूचि जागृत कर सकते हैं। यह शैली अधिकता फीचर समाचारों, रिपोर्टों तथा मानवीय संवेदना से सम्बन्धित समाचारों में प्रयोग में लाई जाती है।

समाचार के स्रोत

पत्रकार/संवाददाता की सफलता के लिए आवश्यक है कि उसके सम्पर्क सूत्र विश्वसनीय और उच्चस्तरीय हो जिनके द्वारा प्राप्त सूचना उपयोगी और विश्वसनीय हो। समाचार में प्रयुक्त कुछ ऐसे स्रोत सर्वसुलभ भी होते हैं जैसे जनसभा, रेडियो,

टी0वी0 कार्यक्रम, प्रेस कान्फ्रेंस, गोष्ठियाँ आदि। पर रिपोर्टर जब आम लीक से हटकर कोई खबर अपने विश्वसनीय सम्पर्क स्रोत की मदद से सामने रखता है तो उसका प्रभाव विशिष्ट हो जाता है। ऐसा सम्पर्क स्रोत कहीं भी और कोई भी हो सकता है। सरकारी तन्त्र में निजी अथवा सार्वजनिक क्षेत्र में या व्यापार में कभी-कभी मन्त्री या किसी विषिष्ट अतिथि के ड्राइवर या किसी स्थान के चौकीदार आदि से मिली सूचनाएं भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं। समाचार प्राप्त करने के मुख्य स्रोत हैं -

1. सरकारी स्रोत-

संवाददाता के लिए सूचनाएँ प्राप्त करने का महत्वपूर्ण साधन सरकारी स्रोत हैं। राजधानी दिल्ली के अलावा विभिन्न राज्यों की राजधानियाँ और महत्वपूर्ण जिला मुख्यालयों पर सरकारी सूचना विभाग के कार्यालय कार्य करते हैं। इन कार्यालयों से सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। सरकारी विभागों से भी समय-समय पर सूचनाएं और समाचार जारी किए जाते हैं। विभिन्न सरकारी विभागों से भी समय-समय पर सूचनाएं और समाचार जारी किए जाते हैं। इन सूचनाओं और आंकड़ों की छानबीन कर पत्रकार एक अलग और जनोपयोगी खबरें बना सकता है।

2. पुलिस विभाग एवं अदालत-

संवाददाताओं के लिए खबरों का सबसे बड़ा भण्डार होता है पुलिस विभाग। किसी भी आपराधिक घटना हत्या अथवा मारपीट के मामले, नशाबंदी और यातायात के उल्लंघन आदि के मामलों की जानकारी पुलिस विभाग के सम्पर्क में रहकर ही मिल सकती है। पुलिस के उच्चाधिकारियों से व्यक्तिगत सम्पर्क बना कर विश्वसनीय

जानकारियाँ प्राप्त की जा सकती है। पुलिस थानों में दर्ज मामले चलते-चलते अदालतों में पहुँच जाते हैं। संवाददाता को इन मामलों में गहरी जानकारी प्राप्त करने के लिए अदालत के चक्कर लगाने पड़ते हैं। सामान्य रूप से तो अदालतों में कई छोटे-छोटे दीवानी और फौजदारी मुकदमे चलते ही रहते हैं लेकिन ये सभी मुकदमे अखबार की खबर बनने की योग्यता नहीं रखते हैं। इनमें से जनसामान्य की अभिरूचि के मामले कौन से हो सकते हैं इसका निर्णय संवाददाता को अपनी चतुराई से करना चाहिए।

3. व्यक्तिगत स्रोत-

व्यक्तिगत सम्पर्क भी समाचार प्राप्त करने का प्रमुख साधन होता है। सांसद, मन्त्री, सचिव और निजी सहायकों से अच्छे सम्बन्ध बनाने वाला संवाददाता कई बार गोपनीय और महत्वपूर्ण समाचार दूसरों से पहले ही ले आता है और लोगों को चौंका देता है।

4. अस्पताल व अन्य सार्वजनिक स्थान-

संवाददाताओं को प्रतिदिन के समाचारों को एकत्रित करने के लिए कुछ खास स्थानों की कवरेज करनी पड़ती है। अस्पताल भी ऐसा ही एक क्षेत्र है। शहर में जितनी भी हत्याएं, दंगे, दुर्घटनाएं या आत्महत्या आदि होती हैं उन सब की जानकारी अस्पताल से मिल सकती है। इसी तरह नगर निगम कार्यालय, आवास विभाग, प्रमुख बाजार, घटना स्थल, स्कूल, कालेज और विश्वविद्यालय, प्रमुख क्षेत्रीय संस्थान आदि इस

तरह के अन्य स्थान हैं जहां से नियमित रूप से महत्वपूर्ण समाचार खोजे जा सकते हैं।

5. भेंटवार्ता-

भेंटवार्ता समाचार संकलन का ही एक माध्यम है. कभी-कभी भेंटवार्ता से नये समाचार निकल आते हैं. उदाहरणार्थ जब किसी महत्वपूर्ण नेता का साक्षात्कार लिया जाता है और वह अपनी भविष्य की कार्य योजना को बताता है तो ऐसे साक्षात्कार महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

कभी-कभी सम्पर्क स्रोत स्वयं को आगे रखना चाहता है और कई बार सम्पर्क स्रोत मुसीबत में भी पड़ जाता है ऐसे में पत्रकार के लिए उसका ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है। कभी-कभी स्रोत अपनी बात से पलट भी जाता है। इसलिए समाचार की विश्वसनीयता के लिए संवाददाता के पास स्रोत द्वारा कही या बताई गई बात के सबूत जरूर होने चाहिए। जिससे आवश्यकता पड़ने पर समाचार की सत्यता को सिद्ध किया जा सके।

समाचार एकत्र करने में विशेषतया खोजी पत्रकारिता के दौरान सरकार/शासन से टकराव की स्थिति बनी रहती है। कोई भी राजनेता अपने जिन कार्यों को सही समझता है एक पत्रकार जब उसकी असलियत जनता के समक्ष रख देता है और जनता राजनेता की नीतियों व कार्यों की आलोचना करने लगती है और उस पर अपनी प्रतिक्रिया देती है। तो पत्रकार के लिए ऐसे राजनेता से सीधे टकराव

की स्थिति आ जाती है। पत्रकार को ऐसी स्थिति में विवेक से काम करना चाहिए और खबर की सत्यता पर दृढ़ रहकर स्थिति का मुकाबला करना चाहिए।

प्रायः पत्रकार के लिए अपने सूचना स्रोत को बचाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ते हैं। कई बार न्यायपालिका और कार्यपालिका ऐसे स्रोत का खुलासा चाहते हैं। लेकिन अपने स्रोतों की सुरक्षा पत्रकारिता के मूल्य में शामिल है इसलिए पत्रकार को स्रोत की सुरक्षा का खास ध्यान रखना चाहिए।

परिशुद्धता:

परिशुद्धता को अंग्रेजी में accuracy के नाम से जानते हैं। यह शब्द लैटिन के 'ad curare' का संशोधित रूप है जिसका अर्थ है देखभाल करना। वास्तव में किसी मापन की वास्तविकता उस मापन के वास्तविक मापन के साथ निकटता को प्रदर्शित करती है। जैसे समाचार के मापन के लिये स्रोत, योग्यता, लेखनी आदि मानकों की वास्तविकता के साथ निकटता ही परिशुद्धता होती है।

अध्याय-तृतीय

चयनित समाचारपत्रों में स्वास्थ्य समाचारों का विवेचन

3.1 दैनिक जागरण में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचार

3.2 अमर उजाला में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचार

3.3 द टाइम्स ऑफ़ इंडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचार

3.4 हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचार

ऑडिट ब्यूरो ऑफ़ सर्कुलेशन के अनुसार भारत में टॉप मुद्रित माध्यमों की स्थिति उल्लेखनीय है-

AUDIT BUREAU OF CIRCULATIONS				
Highest Circulated amongst ABC Member Publications				
(across languages)				
Sr.	Title	Language	Average Qualifying Sales	Average Qualifying Sales
No.			Jul - Dec 2016	Jan - Jun 2016
Daily Newspapers (amongst member publications)				
1	Dainik Jagran	Hindi	3,921,267	3,632,383
2	Dainik Bhaskar	Hindi	3,813,271	3,812,599
3	The Times of India	English	3,184,727	2,731,334
4	Amar Ujala	Hindi	2,961,833	2,938,173
5	Hindustan	Hindi	2,611,261	2,399,086
6	Malayala Manorama	Malayalam	2,441,417	2,372,256
7	Eenadu	Telugu	1,866,661	1,841,276
8	Rajasthan Patrika	Hindi	1,840,917	1,813,756
9	Daily Thanthi	Tamil	1,710,621	1,714,743
10	Mathrubhumi	Malayalam	1,473,053	1,461,881
11	The Hindu	English	1,464,297	1,458,398
12	Daily Sakal	Marathi	1,281,305	1,281,449
13	Patrika	Hindi	1,199,869	1,173,059
14	Hindustan Times	English	1,194,816	1,071,466
15	Punjab Kesari	Hindi	1,177,951	1,186,788

16	Dinakaran	Tamil	1,152,840	1,141,965
17	Sakshi	Telugu	1,113,696	1,150,527
18	Ananda Bazar Patrika	Bengali	1,102,955	1,115,354
19	Lokmat	Marathi	941,695	Late Received Not Certified
20	Dinamalar	Tamil	923,356	942,812
Weekly Newspapers (amongst member publications)				
1	Ravivasriya Hindustan	Hindi	2,300,860	2,094,019
2	The Sunday Times of India	English	1,124,568	1,138,829
3	Ravivar Loksatta	Marathi	401,862	396,344
4	Mathrubhumi Thozhilvartha	Malayalam	354,583	310,638
5	The Speaking Tree	English	318,047	318,687
Magazines (amongst member publications)				
1	Vanitha	Malayalam	558,978	554,589
2	Lokrajya	Marathi	403,164	Not Certified
3	Malayala Manorama	Malayalam	344,573	350,700
4	Grehlakshmi	Hindi	315,116	303,890
5	Annadata	Telugu	309,991	308,808

3.1 दैनिक जागरण

दैनिक जागरण एक हिन्दी समाचार पत्र है जो उत्तर भारत में बहुत लोकप्रिय है। दैनिक जागरण, को 1942 में आरंभ किया गया था, और इसका श्रेय आक्रामक स्वतंत्रता सेनानी श्री पूरनचन्द्र गुप्ता और श्री गुरुदेव गुप्ता को जाता है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का बहुत महत्वपूर्ण वर्ष 1942, जब भारत में अंग्रेजों की दासता से मुक्त होने के लिए संघर्ष अपने चरम पर था। भारत छोड़ो आंदोलन इस संघर्ष का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। ऐसे निर्णायक मोड़ पर दैनिक जागरण को इसके संस्थापक स्वर्गीय पूरनचन्द्र गुप्ता द्वारा जारी किया गया। और आज जागरण की 3,228,099 औसतन प्रतिर्याँ विक्रय होती हैं। इस समाचारपत्र में प्रतिदिन स्वास्थ्य से संबन्धित खबरों की श्रेणी मिलती है तथा हर साप्ताहिक को एक पेज स्वास्थ्य से संबन्धित होता है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में चयनित स्वास्थ्य समाचारों का विवरण निम्नलिखित है:

जनवरी 2017

क्रं.	शीर्षक	विश्लेषणात्मक अध्ययन
1	आज बंद रहेगी लोहिया संस्थान और पीजीआई की ओपीडी	इस खबर में लोहिया संस्थान और राजीव गांधी पीजीआई में सामान्य सुविधा के अनुरूप मिलने वाली पीढ़ी व्यवस्था बंद रहेगी ऐसा बताया गया है
2	ऑपरेशन के बाद किया रेफर हुई मौत	इस खबर में ऑपरेशन के दौरान केजीएमसी में होने वाली मौत को बताया गया है इसे बाद में रेफर कर दिया गया था
3	अस्पतालों को मिला बजट होगा सुधार	इस खबर में लखनऊ की सभी सरकारी अस्पतालों जिसमें केजीएमयू पीजीआई लोहिया आदि संस्थानों को मिलने वाले बजट

		में बढ़ोतरी कर दी गई है
4	वेंटिलेटर की कमी से जा रही जाने	इस खबर में केजीएमयू में वेटर की कमी से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है इस पर चिंता व्यक्त की गई है
5	ब्लड कैंसर का रामबाण इलाज होंगे खरगोश	इस समाचार में ब्लड कैंसर के लिए प्रयुक्त होने वाली दवा और थेरेपी के लिए खरगोश के तमाम की बात कही गई है इसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया गया है
6	शोध अनुसंधान	यह कॉलम नियमित रूप से शोध एवं अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार एवं निदान हेतु अपना विचार रखता है
7	200000 की सर्जरी 300 में	इस समाचार में सामान्य बीमारी में खर्च होने वाले बजट की कटौती के बारे में विस्तार रूप से बताया गया है
8	केजीएमयू में खुलेगा देश का पहला स्पाइन सेंटर	इस खबर में केजीएमयू के अंदर खुलने वाले नए एवं औद्योगिक रूप से विकसित सेंटर को खोलने की बात कही गई है
9	खुलेगा मातृ शिशु कल्याण केंद्र	सरकार द्वारा स्वीकृत योजनाओं को विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में ऐसे केंद्र की स्थापना के लिए कहा गया है
10	असुरक्षित प्रसव से अब नहीं होगा सामना	इस समाचार में महिलाओं को होने वाली प्रसव सुविधा की बढ़ाने पर अत्यधिक जोर

		दिया गया है
11	शोध अनुसंधान	इसमें शोध परक निदान बताए गए हैं
12	हरा सकते हैं कैंसर को	स्थानीय भेजकर प्रकाशित इस खबर में कैंसर से लड़ने और उसके मैदानों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई है
13	मुफ्त मिलेगी कैंसर की वैक्सीन	इसमें कैंसर में प्रयुक्त होने वाली दवाइयों को सरकार द्वारा मुफ्त में उपलब्ध कराने का आश्वासन बताया गया है
14	पीजीआई में रेल कर्मियों का कैशलेस इलाज होगा	इस खबर में राजीव गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट में रेलवे के कर्मचारियों का इलाज कैशलेस अर्थात डिजिटल ट्रांजैक्शन के माध्यम से करने की बात कही गई है
15	शोध अनुसंधान	इसमें शोध एवं वैज्ञानिक तरीके से स्वास्थ्य जानकारी दी गई है
16	बदलते मौसम में बढ़ रहा निमोनिया	इसमें मौसम बदलने के कारण हो रहे निमोनिया के बारे में बताया गया है कि निमोनिया मौसम के बदलाव के कारण हो रहा है
17	एच आई वी के खिलाफ सड़क पर दौड़ लोग	इस समाचार में एचआईवी के खिलाफ जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत रनिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया है इस तरह का समाचार विश्लेषण किया गया है
18	लोहिया संस्थान में किडनी	डॉ राम मनोहर लोहिया में किडनी ट्रांसप्लांट

	ट्रांसप्लांट	सफल होने की जानकारी इस समाचार में दी गई है
19	अब बिना गर्भाशय निकाले कैंसर का इलाज	इसमें कैंसर की उच्च तकनीक द्वारा इलाज करने की बात कही गई है जिसमें कहा गया है कि बिना गर्भाशय निकाले इलाज संभव है
20	हृदय रोगियों के लिए बनेगी गाइडलाइन	इसमें के मरीजों के लिए केजीएमयू की तरफ से गाइडलाइन बनाने की बात कही गई है
21	यूनिसेफ निदेशक ने पोषण स्वास्थ्य की जानकारी दी	इसमें भारत सरकार और यूनिसेफ निदेशक के माध्यम से स्वास्थ्य जानकारी बताई गई है
22	शोध अनुसंधान	इसमें तथ्यों के साथ उपाय एवं निदान बताए गए हैं
23	स्ट्रोक से बेहतर है टहलना	इसमें हृदय की रोगियों को बचाव करने की जानकारी दी गई है
24	शोध अनुसंधान	इसमें वैज्ञानिक तरीके से स्वास्थ्य खबरों को बताया गया है
25	हड्डी निकालकर बनाई कैनाल	इसमें हड्डी निकालकर कैनाल बनाई गई है जिसका एक सफल प्रत्यारोपण भी किया गया है
26	ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय में होंगे सिजेरियन प्रसव	इसमें शहर में स्थित संयुक्त चिकित्सालय में सिजेरियन ऑपरेशन बात कहीं गई है
27	स्वास्थ्य केंद्रों पर नहीं मिल रही सुविधाएं	लखनऊ में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सुविधाएं न मिलने की जानकारी इसमें दी गई

		है
28	शोध अनुसंधान	इसमें वैज्ञानिक तरीके से रोग के निदान एवं उपाय की बात कही गई है
29	अब और विकसित होंगे स्वस्थ गांव	इसमें भारत सरकार की योजना के अनुरूप विकसित गांव को स्वस्थ करने की योजनाओं के बारे में विश्लेषण तरीके से बताया गया है
30	कैंसर होगा ला इलाज	इसमें कैंसर के यथासंभव होने वाले उपायों एवं निदान की बात कही गई है
31	केजीएमयू में नवजात को मिला नया जीवन	इस समाचार में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में नवजात शिशु को होने वाले कैंसर से बचाव होने के बारे में बताया गया है
32	3D टिशू से होगा हृदय रोगियों का इलाज	इस समाचार में स्वास्थ्य की आधुनिक तकनीक से हृदय रोगियों के इलाज के बारे में बताया गया है
33	मौसम के रंग स्वास्थ्य के संग	इसमें मौसमी बीमारियों से उपाय एवं निदान के बारे में बताया गया है
34	शोध अनुसंधान	इसमें विभिन्न शोध परिस्थितियों से उपाय एवं निदान को अंकित किया गया है
35	7 घंटे में 7 अंगों से हटाया कैंसर	केजीएमयू में हुई इस सर्जरी में कैंसर की इलाज की बारे में पूरी तरह से बताया गया है
36	अमेरिकी डॉक्टर से मिले सर्जरी के टिप्स	इसमें विभिन्न स्वास्थ्य योजनाएं जो कि विदेशों में उच्च तकनीक के माध्यम से होती हैं

		उनका प्रयोग भारत में कैसे संभव हो इसे अमेरिका के विशेषज्ञ डॉक्टर ने बताया है
37	अस्पताल में इंसुलिन	इसमें सरकार द्वारा चलित योजनाओं में इंसुलिन को मुफ्त देना बताया गया है
38	इलाज में देरी है हार्ट फेल की मुख्य वजह	इसमें हार्ट फेल होने की दशा में इलाज में या निदान में देरी से होने के बारे में लाया गया है
39	केजीएमयू में अब होगी ऑर्गन बेस्ट सर्जरी	शहर की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में ऑर्गन बेस्ट सर्जरी होने की बात कही गई है
40	इलाज के लिए नहीं भटकना	इसमें सरकारी चिकित्सालय में इलाज के लिए अब भटकने की जगह सारे इलाज एवं उसके निदान की व्यवस्था दवाइयों के साथ एक ही जगह पर कहने की बात कही गई है
41	अर्बन सीएचसी पर खुलेगा एसएनसीयू	इसमें सरकारी योजनाओं के स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों की खोलने की बात कही गई है जिससे आम आम जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का पूरा लाभ मिल सके
42	घातक है मस्तिष्क का ज्वर सदैव रहें सतर्क	इसमें मौसमी बीमारी जो कि मौसम के बदलने से होती है के बारे में बताया गया है इसमें कहा गया है की दिमाग का फीवर होने से बचने के लिए हमेशा सावधानी बरतनी चाहिए

फरवरी 2017

43	मौसम ने बदली करवट	इसमें बदलते हुए मौसम के बारे में विस्तार पूर्वक वर्णन किया गया है कि मौसम बदल रहा है आप लोग मौसम के अनुरूप अपने कपड़े वगैरह पहनो तथा स्वस्थ रहिए
44	हृदय रोगियों के लिए खुलेगा सेंटर	इसमें हृदय रोगियों के लिए एक उच्चस्तरीय सेंटर खोलने की बात कही गई है
45	जानकारी ही बचाव है	मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए सामाजिक जागरूकता ही बचाव का कार्य करती है जिससे स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है
46	स्वास्थ्य शिविर का आयोजन	इसमें शहर में होने वाले ब्लड डोनेशन के स्वास्थ्य शिविर की जानकारी दी गई है
47	हार्ट अटैक, इलाज संभव है	इसमें हार्ट अटैक से होने वाली मौत के आंकड़े को कम करने के लिए हर संभव मिलने वाली सरकारी सुविधाओं के माध्यम से इलाज की उपलब्धता के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया है
48	शोध अनुसंधान	इस कॉलम में शोध परक तथ्यों के साथ स्वास्थ्य की उपाय एवं निदान पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है
49	मौसम की बदलती सैर	इसमें मौसम में होने वाले बदलाव और उसका जनजीवन पर पड़ता प्रभाव आदि के बारे में बताया गया है.
50	कैंसर के साथ मधुमेह के रोगियों को मिलेगी सुविधा	इस समाचार में कैंसर रोगियों के साथ-साथ मधुमेह के रोगियों को उच्चस्तरीय सुविधा दिलाने के लिए सरकार की तरफ से संस्थानों को कहा गया है

51	दिल के मरीजों को बड़ी राहत 85 फ़ीसदी तक सस्ते	इसमें दिल के मरीजों को राहत देते हुए उनके जांच में आने वाले खर्च को 86 फ़ीसदी तक सस्ता बताया गया है
52	अलर्ट पर इमरजेंसी सेवाएं	सरकार के निर्देशानुसार अगले दिनों तक सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को अलर्ट पर रखा गया है ताकि जिन योजनाओं का लोगों को त्वरित लाभ मिल सके.
53	ART सेंटर पर मिलेगी टीवी की दवा	इसमें सेंटर पर ही टीवी से पीड़ित रोगियों को दवाओं के लिए मिलना बताया है
54	कैंसर का आकार देख कर ही लें ऑपरेशन का फैसला	इस समाचार में कैंसर का आकार देखकर सुनियोजित तरीके से निदान करने का ऑपरेशन करने के फैसले के बारे में बताया गया है.
55	अस्पतालों में मौजूद खून किडनी के सौदागर	इसमें अस्पताल में असाध्य रोगों के लिए जरूरतमंद लोगों के लिए ही तमाम तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए साक्षी यह भी कहा गया है कि अवैध तरीके से किसी भी खून अथवा अन्य जो का सौदा ना हो
56	मरीजों को दवा डॉट सेंटरों पर, नहीं पड़ेगा भटकना	इसमें टीवी के मरीजों के लिए नोट सेंटर पर ही दवा उपलब्ध कराई जाएगी तथा उन्हें इधर-उधर भटकने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं ऐसा बताया गया है.
57	बीआईटी में लगाया गया शिविर	इसमें दिए कि इलाके में लगने वाले शिविर के बारे में वर्णन किया गया है
58	क्या है कीमोथेरेपी	इसमें कीमोथेरेपी के बारे में सेमिनार आयोजित हुआ था जिस में विस्तृत रूप से इसके प्रयोग चुनौतियाँ के

		बारे में बताया गया है
59	मौसम में है बीमारी करने पहरेदारी	यह एक मौसमी बीमारियों से बचने के लिए जन जागरण का समाचार है जिसमें वह मौसम बदलने के साथ स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए जानकारी दी गई है
60	पियें उबले नींबू का पानी	बदलते हुए मौसम में उबले हुए नींबू का पानी शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है ऐसा बताया गया है
61	सेहत भरे जीवन का सार	इसमें दैनिक जीवन में होने वाली छोटी मोटी मौसमी बीमारियों से बचने के निदान के बारे में बताया गया है
62	4 दिन तक दौड़ाया गर्भावस्था की मौत	इसमें अस्पताल में भर्ती गर्भावस्था एवं कैंसर से पीड़ित महिला की मौत हो जाती है इसके बारे में अस्पताल प्रशासन की लापरवाही सामने आती है
63	केजीएमयू में कैंसर की सर्जरी	इसमें केजीएमयू में होने वाले कैंसर रोगों से संबंधित विभिन्न प्रकार की सर्जरी के ऊपर आयोजित सेमिनार में अधिवक्ताओं ने व्यापक रूप से बताया है
64	रविवार को खुलेगी पीएचसी	सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए पीएचसी को खोलने के लिए भी कहा गया है
65	ओपीडी में हंगामा	एक असाध्य रोग से पीड़ित व्यक्ति के मरने से यहां के एक अस्पताल में उसके परिवारी जनों ने हंगामा कर दिया इसमें आरोप लगाया गया उसका इलाज ठीक तरीके से नहीं किया गया है
66	नई वैक्सीन से मिलेगा छुटकारा	इसमें इसमें शोधित नई वैक्सीन से बीमारी की निदान के लिए चर्चा की गई है

67	सरकारी अस्पतालों में मिलेगी मुफ्त सुविधाएं	सरकार के दिशा निर्देशानुसार सभी सरकारी अस्पतालों में विभिन्न तरह की जांचों की सारी सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध रहेंगी ऐसा ऐसा बताएगा
68	अब होगा कायाकल्प	इसमें स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार सभी चिकित्सालय का आधुनिकीकरण करने की बात कही गई है.
69	महिलाओं को मिलेगा लाभ	सरकारी योजना में महिलाओं से संबंधित सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ देने की बात माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने कही है
70	ट्रामा सेंटर में शुरू होगी एक और ओटी	इसमें केजीएमसी के सेंटर में एक और उल्टी होने की बात को बताया गया है जो कि सरकार की योजनाओं के अनुरूप कही गई है.
71	पोलियो मुक्त हो भारत	इसमें गोलियों से मुक्त होने की बात संयुक्त चिकित्सालय के निदेशक ने कहीं है कि भारत में अभियुक्त भी केस नहीं रहना चाहिए.
72	स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत	सरकार की योजनाओं के अनुसार इसको सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मौसमी बीमारियों से बचने के लिए अनिवार्य किया गया है.
73	अब हृदय जुड़ी हर बीमारी पर नजर	इसमें बताया गया है कि देश से जुड़ी प्रत्येक बीमारी पर अब उसकी विशेषज्ञों द्वारा उपाय एवं निदान की हर संभव कोशिश तकनीक के द्वारा की जा रही है इसलिए सब कोई भी हृदय से संबंधित रोग चिंता नहीं है जहां इलाज न किया जा सके.

74	केजीएमयू में हार्ट की सर्जरी फेल हंगामा	शहर के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में एक हार्ट की सर्जरी की फेल हो जाने पर उसके परिजनों ने हंगामा किया तथा उसे डॉक्टरों की लापरवाही बताया है.
75	स्वास्थ्य विभाग में बढ़ेंगी सुविधाएं	उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के लिए आवश्यक उपकरणों की घोषणा करते हुए यह बात कही है.
76	डरे नहीं दवाओं से कंट्रोल रहती है बीमारी	इस समाचार में एचआईवी से नहीं डरने की जरूर बताइए इसमें कहा गया है कि इंसीजन ने की जरूरत नहीं है समय पर दवाई लें और जागरूकता से काम ले.
77	एचआईवी पॉजिटिव से डरे दंपति ने दे दीजान	इसमें बताया गया है कि एचआईवी एड्स से पीड़ित रोगी ने अपने रोग से पीड़ित होकर के जान दे दी इसे अस्पताल में हंगामा मच गया और आनन-फानन में प्रवजन भी आकर हंगामा करने लगे.
78	सरकार ने की स्वास्थ्य बजट की घोषणा	सरकार ने स्वास्थ्य के अनुपूरक बजट की घोषणा की जानकारी देते हुए इसमें बताया है कि सरकार ने स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त बजट की व्यवस्था की है.
79	शरीर में सूजन हो तो रहे सतर्क	इसमें बदलते हुए मौसम से बताया गया है कि शरीर में मौसम के अनुसार होने वाली सूजन को लेकर सतर्क रहें.
80	हर मुश्किल का डटकर करें सामना	इसमें बताया गया है कि आम जनजीवन में होने वाली परेशानियों से बचने के लिए डटकर सामना करें.
81	मरीजों को अब नहीं	सरकारी अस्पताल के मरीजों को जगह पर जांच

	जाना होगा बाहर मिलेंगी सुविधाएं	करवाने के लिए नहीं जाना पड़ेगा सारी जांच की सुविधाएं अब एक ही जगह पर मिलेंगे.
82	चटाकेदार धूप हो सकती है फायदेमंद	इसमें मौसमी बीमारियों से बचने के लिए चटाकेदार धूप के सेकने के लिए बताया गया है

मार्च 2017

83	पीजीआई की नई ओपीडी में होगा इलाज	इस समाचार में बताया गया है पीजीआई में अब नई ओपीडी शुरू होने से मरीजों को राहत मिलेगी तथा नई सुविधाओं को भी उपलब्ध कराया जाएगा
84	अधूरी तैयारी से वैक्सिनेशन को झटका	इसमें सरकारी अस्पतालों में मोती बीमारियों से लड़ने के लिए वैक्सिनेशन की कमी के लिए घातक बताया है.
85	लोहिया अस्पताल में टीवी की दवा खत्म	शहर के मुख्य अस्पताल लोहिया में टीवी की दवा खत्म होने से सरकारी योजनाओं पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करने की जानकारी इस समाचार में दी गई है.
86	घातक है अपनों की मौत का गम	इसमें एचआईवी पीड़ित की मौत से परिवारी जनों को मिलने वाले कष्ट के बारे में विस्तार पूर्वक डॉक्टरों ने बताया.
87	सस्ता हुआ तो शाम को ही डलवा लिया स्टंट	हृदय रोगियों के लिए आधुनिक तकनीक की जानकारी मिलते ही एक हृदय रोगी ने उच्च तकनीक का स्टैंडर्ड वालिया जो कि गलत तरीके से डाला गया था.
88	लारी में भी हुई एनजीओ	इस समाचार में बताया गया है कि हृदय से संबंधित उच्च

	प्लास्टी	तकनीकी क्षमता से लैस सुविधाओं का सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार उपलब्ध है
89	दवाई खत्म अफरा-तफरी	इसमें बताया गया है कि टीवी की दवा खत्म होने से सही चिकित्सालय में मरीजों में हड़कंप मच गया जिससे प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए.
90	निरोगी जीवन के लिए नियमित खान-पान	दैनिक जीवन में छोटे-मोटे लोगों से बचने के लिए नियमित एवं स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक खान-पान के बारे में विस्तार से बताया गया है
91	अर्बन सीएचसी के साथ खुलेगा एएनससीयू	इस समाचार में सरकारी स्वास्थ्य संस्थान के साथ उच्चतर का एक और संस्थान खोलने के बारे में बताया गया है.
92	कोलन कैंसर के इलाज में इम्यूनोथेरेपी कारगर	इसमें कोलन कैंसर के इलाज में होने वाली तकनीक के जरिए बताया गया है कि इस थेरेपी से कोलन कैंसर को खत्म किया जा सकता है.
93	विटामिन डी होगा फायदेमंद	इस समाचार में पर्यावरण के साथ-साथ विटामिन डी के फायदे मौसमी बीमारियों से बचने के लिए बताए गए हैं जिसका मौसम के साथ साथ व्यक्ति कहा स्वास्थ्य भी सही रहता है
94	देश को आगे बढ़ाएंगे योग व विज्ञान: मोदी	इसमें माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश के अच्छे स्वास्थ्य के लिए सरकारी योजनाओं के साथ-साथ योग्य वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देश को आगे ले जाने की बात कही है.

95	ऑपरेशन नहीं दर्द रहित करेंगे कि कीमो थेरेपी	इस समाचार में ऑपरेशन के अलावा नई चिकित्सा तकनीक थेरेपी वगैरह से निदान के बारे में बताया गया है
96	घातक है मस्तिष्क का ज्वर सदैव रहें सतर्क	इसमें मौसमी बीमारियों में मस्तिष्क ज्वर आम जनजीवन के लिए सर दर्द है जिस के बचाव के लिए हमेशा जागता जरूरी है ताकि इस तरह के मस्तिष्क ज्वर से बचाया जा सके
97	अश्वगंधा की पत्तियों से अनिद्रा में राहत	इस समाचार में मौसमी बीमारियों में अनिद्रा होने की स्थिति में अश्वगंधा की पत्तियों से निवारण की बात कही गई है पता बताया गया है कि किस तरह की पत्तियों किस प्रकार प्रयोग में लाया जा सकता है.
98	सिविल हॉस्पिटल में 15 से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी के लिए 15 तारीख से शहर के जिला अस्पताल में 15 तारीख से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की बात कही गई है
99	कैंसर रोगियों को मिलेगी दर्द से निजात	समाचार में कैंसर की रोगियों को नई तकनीक से मिलने वाले इलाज के कारण दर्द से छुटकारा मिल सकेगा ऐसा बताया गया है.
100	जिंदा जल गया कैंसर पीड़ित	समाचार में कैंसर पीड़ित व्यक्ति इलाज में देरी होने के कारण मानसिक अवस्था में जिंदा जल गया ऐसा बताया गया है
101	देश में बनी इमरजेंसी मेडिकल सिस्टम	इस समाचार में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा करने की बात कही गई है तथा साथ ही कहा गया है कि स्वास्थ्य सुविधाओं में इमरजेंसी मेडिकल सिस्टम को

		प्राथमिकता देकर इसे आगे बढ़ाया जाए.
102	हार्ट की नली में होती है सर्जरी की जरूरत	इस समाचार में हृदय रोगियों के संबंध में बताया गया है जिसमें कहा गया है की हार्ट की नली में सर्जरी की आवश्यकता अनुसार दान करने से इलाज संभव है.
103	सुविधाओं में आग से होगा बदलाव	इसमें लखनऊ शहर की स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया है कि जो सुविधाएं पहले से चल रही थी या निष्क्रिय थी उनमें कुछ परिवर्तन कर सक्रिय किया जाएगा ताकि जनमानस को उसका लाभ मिल सके.
104	अब 3डी तकनीक से हुआ इलाज	इस समाचार में स्वास्थ्य की नई तकनीक 3D के माध्यम से इलाज करने की बात विश लिस्ट की गई है.
105	रोग दूर करने के लिए करना होगा इलाज	इस समाचार में एचआईवी को दूर करने के लिए समुचित सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की बात कही गई है इसमें कहा गया है कि एड्स पीड़ित व्यक्ति के लिए उपचार से इसके लिए रोगथाम किया जा सकता है
106	सेहत का साथ तक बने बात	इस समाचार में सेहत का साथ इसमें कहा गया है कि बीमारियों से बचने के लिए मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वास्थ्य का रहना भी जरूरी है .
107	सरकारी दखल से बदलेगी सूरत	इस समाचार में सरकारी दखल से स्वास्थ्य योजनाओं के निवारण की बात कही गई है जिसमें बताया गया है कि सरकार के हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सुविधाएं आम आदमी तक सुलभ हो सकेंगी.

108	चिकित्सा व्यवस्था हो दुरुस्त	इसमें बताया गया है कि पीजीआई में चिकित्सा विभाग को और अधिक उन्नत करने के लिए वह भी डायरेक्टर और उनके डॉक्टरों ने सरकारी चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक स्वर में आवाज उठाई है
109	ट्रॉमा सेंटर में बढ़ेगी सुविधायें	इसमें बताया गया है कि शहर के ट्रामा सेंटर में मिलने वाली सुविधाओं में अब इजाफा होगा सारी सुविधाएं पहले से अच्छी मिलेगी.
110	आराम का हिस्सा बनायें इन गुड़कारी बीजों	इस समाचार में जिंदगी जीने के लिए आयुर्वेदिक इलाज पर बल दिया गया है इसमें कहा गया है कि आयुर्वेदिक इलाज से आराम की जिंदगी जी सकती है
111	स्वास्थ्य शिविर का आयोजन	इस समाचार में स्वास्थ्य शिविर का होने वाले आयोजन के बारे में बताया गया है कि स्वास्थ्य का आयोजन समाज को जागृत करने के साथ-साथ स्वस्थ राष्ट्र के लिए आवश्यक है
112	खाली पेट पहनना घूमना फायदेमंद	इस समाचार में बताया गया है कि मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए तथा चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए खाली पेट घूमने से ज्यादा फायदा मिलता है
113	हृदय की दवा से शरीर को खतरा नहीं	इस समाचार में बताया गया है कि दिल के रोगियों को दवा लेने से कोई खतरा नहीं रहता है यह दवाएं केवल रोगी के रोग के निवारण के लिए होती हैं.
114	आखिर मरीजों के कब काम आएंगे 1500 बैड	समाचार में बताया गया है कि सरकारी चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं जिसमें बेड तकनीक जांच आदि

		प्रारंभ की जाएगी
115	कीमों में छूट रहा पसीना	इसमें सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में बताया गया है कि कीमोथेरेपी करने वाली मशीन ठीक ना होने के कारण कि वह करने वाले कर्मचारी क्योंकि वह करवाने वाले रोगियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है.
116	यहां कागजों में कैद है मरीजों का इलाज	समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जितनी भी सुविधाएं और जरूरत है उन मरीजों को वास्तविक रूप से ना मिलकर केवल कागजों में कैद होकर रह गई हैं
117	राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में रहे पीछे 40 फीसद लक्ष्य प्राप्त	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार तय लक्ष्य से पीछे रही है
118	ट्रामा सेंटर में मरीज बेहाल सुविधाएं नदारद	इस समाचार में बताया गया है कि ट्रामा सेंटर में सरकारी योजनाओं का लाभ न मिलने के कारण मरीजों में अफरा-तफरी का माहौल है.
119	नियमित खान-पान से जीवन बनाएं आसान	इस समाचार में बताया गया है कि नियमित स्वास्थ्यवर्धक शाकाहार खानपान दैनिक जीवन में होने वाली बीमारियों से बचाया जा सकता है
120	केजीएमयू में कैंसर की सफल सर्जरी	समाचार ने बताया गया है कि कैंसर से पीड़ित एक व्यक्ति की है सर्जरी जोकि काफी मुश्किल थी डॉक्टरों ने मिलकर के उसे सफलतापूर्वक किया है.

121	बच्चे की परवरिश में नाकाम रहा प्रशासन	इस खबर में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य कर्मचारियों और डॉक्टरों की वजह से स्वास्थ्य योजनाओं का समुचित लाभ बच्ची को नहीं मिल सका जिसकी वजह से बच्ची की मौत हो गई
122	स्वास्थ्य पर सरकारों का खर्च	इसमें विस्तार पूर्वक बताया गया है कि सरकारों द्वारा स्वास्थ्य योजनाओं पर कब-कब किस-किस मद पर खर्च किया गया है और कितना खर्च किया जाएगा
123	एम आर आई की मिलेगी फिल्म	इसमें बताया गया है कि स्वास्थ्य की नई तकनीक m.r.i. की फिल्म अब जिला अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार मरीजों को मिल सकेगी
124	सेहत भरे जीवन का	इसमें मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए घरेलू उपाय एवं निवारण की चर्चा की गई है
125	एलर्जी नहीं चलेगी इसकी मर्जी	इस खबर में भी मौसम परिवर्तन होने के कारण होने वाली एलर्जी के बारे में उपाय एवं निवारण के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया है
126	मंत्री ने चिकित्सा सुविधाओं को सराहा	इस खबर में स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सा के क्षेत्र में मिलने वाली सुविधाओं को देखकर जिला अस्पताल के सभी डॉक्टर एवं कर्मचारियों को सराहा.
127	अस्पताल में गर्मी से उपचार की दवाएं रखने के निर्देश	इस खबर में मौसमी बीमारियों को चुनौती के रूप में लिखे हुए शासन ने अस्पतालों से कहा है कि वे गर्मी और अन्य संक्रमित बीमारियों से बचने के लिए पूर्व तैयारी के रूप में आवश्यक दवाओं की तैयारी कर ले.

128	सीएचसी में नहीं मिल रहा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ	इस समाचार में बताया गया है कि सीएचसी में मिल रही तमाम तरह की सरकारी सुविधाओं का लाभ आम जनता को नहीं मिल पा रहा है
-----	---------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

अप्रैल 2017

129	सिविल में स्वास्थ्य योजना में खेल	शहर में सिविल अस्पताल में सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में होने वाले भ्रष्टाचार को समाचार में उजागर किया गया है इसमें बताया गया है कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का लाभ आम जनमानस को नहीं मिल पा रहा है.
130	सीएमओ का छापा लापरवाही पर हटाए गए प्रभारी	इस खबर में बताया गया है कि जिला अस्पताल पर अचानक सीएमओ साहब ने छापा सरकारी योजनाओं की कार्यान्वित जानकारी ली जिसमें खामियां पाई गई तदोपरांत वहां के इंचार्ज हटाए गए.
131	अस्पताल में बेहोश महिला की नहीं ली सुध	समाचार में बताया गया है कि जिले के चिकित्सालय में टीवी से पीड़ित महिला को देखने के लिए मूवी डॉक्टर नदारद रहा जिससे महिला वही इमरजेंसी के सामने बेहोश हो गई.
132	सिविल में स्वास्थ्य योजना में खेल	इस खबर में बताया गया है कि सिविल हॉस्पिटल में होने वाली स्वास्थ्य विभाग की सरकारी योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है.

133	सीएचसी में नहीं मिल रही टीवी की दवाएं	समाचार में बताया गया है कि सीएचसी में टीवी रोगियों को टीवी से संबंधित सरकारी दवाएं जो कि मुफ्त मिलती है उपलब्ध नहीं हो पा रही है.
134	लोहिया हॉस्पिटल में बढ़ेंगी सुविधाएं	इसमें स्वास्थ्य मंत्री केविन दिशा अनुसार शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में और अत्यधिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कहा गया है
135	लोहिया अस्पताल में लागू होगी की ई-सर्विस व्यवस्था	इस समाचार में बताया गया है कि डॉ राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में अब जांच के लिए इ सर्विस की व्यवस्था लागू की गई है जिसमें मरीज अपनी चार्ज का विवरण देख सकेंगे.
136	ट्रामा इमरजेंसी में बढ़ेंगे बेड	इसमें बताया गया है कि किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में सरकारी सुविधाओं में बढ़ोतरी की गई है जिसके मद्देनजर वहां पर उपलब्ध वेदों की संख्या को बढ़ाकर 500 करने की योजना है.
137	एलर्जी रोगों का निदान व उपचार	इस समाचार में मौसमी बीमारियों के अंतर्गत होने वाले एलर्जी लोगों के बारे में उपचार एवं निवारण के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया है
138	260 लाओ और सिर्फ सलाह ले जाओ	इस खबर में बताया गया है कि नया कैंसर हॉस्पिटल में सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं है केवल स्टेशन के नाम पर □260 दिए जाते हैं और सलाह दे करके वापस भेज दिया जाता है इलाज के नाम पर यहां पर कुछ नहीं है.

139	खुजली से बचाव के लिए करें छिड़काव	इसमें मौसम के बदलाव के कारण होने वाली खुजली से बचने के लिए अपने आसपास छिड़काव करने के लिए बताया गया है
140	स्वास्थ्य शिविर में कराई जांच मिली मुफ्त दवाएं	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य में जांच व दवाएं फ्री में आम जनमानस को उपलब्ध कराई गई हैं.
141	शोध अनुसंधान	इस समाचार में बताया गया है कि शोध एवं वैज्ञानिक तरीके से स्वास्थ्य के उपचार एवं निवारण हेतु क्यों के बारे में वर्णन किया गया है
142	जेनेरिक दवा लिखना अनिवार्य होगा	इसमें सरकार के दिशा निर्देशानुसार अब जेनेरिक दवाओं को लिखना अब हर सरकारी अस्पताल में अनिवार्य रहेगा.
143	जरूरतमंदों को महंगी दवाओं से राहत	इस खबर में बताया गया है कि जो भी जरूरतमंद मरीज हैं उनको सरकार की सारी योजना एवं दवाओं का लाभ दिया जाएगा
144	सभी जिलों में खुलेंगे जन औषधि केंद्र	इस समाचार में बताया गया है कि प्रदेश के सभी जिलों में 11 जन औषधि केंद्र खोलने की सरकार की योजना है ताकि जरूरतमंदों को जेनेरिक दवाएं एवं अन्य दवाओं को उपलब्ध कराया जा सके
145	सरकारी इंजेक्शन बेकार	इस खबर में बताया गया है कि सरकारी इंजेक्शन एक्सपायर कर गए हैं जो कि सरकार की स्वास्थ्य

		योजनाओं की पोल खोलते हैं.
146	मच्छर जनित बीमारियों से निपटे का विभाग	इस खबर में बताया गया होने वाली मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए विभाग ने सारे इंतजाम पहले ही कर लिए हैं.
147	लोहिया में अब खुलेगा नोडल सेंटर	इस समाचार में बताया गया है कि डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में एक और नया नोडल सेंटर मिलेगा इसके माध्यम से सरकारी सुविधाओं का लाभ आम जनमानस को दिया जा सके.
148	समय से उपलब्ध होंगी दवाएं	इसमें माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं की किल्लत नहीं होगी और सभी अस्पतालों में दवाओं की भरपूर मात्रा उपलब्ध रहेगी.
149	स्तन कैंसर को रोकने में स्ट्रॉबेरी कारगर	इसमें बताया गया है कि स्तन कैंसर को रोकने के निवारण के लिए स्ट्रॉबेरी कुछ हद तक कार्य करती है.
150	ओपीडी में शाम को भी मिलेगा मुफ्त इलाज	इस खबर में सरकारी योजनाओं के अनुसार अब शाम को भी ओपीडी में आम जनमानस के लिए मुफ्त इलाज की व्यवस्था की बात कही गई है
151	सिविल की विस्तार की फिर होगी पहल	इस समाचार में जिला सिविल अस्पताल की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कहा गया है
152	सरकारी स्वास्थ्य	इस समाचार में बताया गया है कि जिला

	योजनाओं में घालमेल, लिखी जा रही बाहर की दवाएं	चिकित्सालय में सरकारी योजनाओं में मिलने वाली सारी सुविधाओं को नहीं दिया जा रहा है साथ ही दवाओं को बाहर से मंगवाया जा रहा है.
153	हृदय रोगियों की चलेगी अलग ओपीडी	इस समाचार में बताया गया है कि दया की रोगियों को देखते हुए जिला अस्पताल प्रशासन ने नई ओपीडी चलाने की व्यवस्था प्रारंभ की है जिसके माध्यम से मरीजों को अब इंतजार नहीं करना पड़ेगा
154	तेज गर्मी से बुखार से बचने के लिए पानी	समाचार में बताया गया है कि मौसमी तेज बुखार से बचने के लिए पानी भरपूर मात्रा में एवं साफ सुथरा पानी.
155	दाम कम पर काम पूरा	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी सुविधाओं के नाम पर किस तरह अवैध वसूली के नाम पर कार्य अर्थात इलाज किया जा रहा है इसके एवज में मरीजों से पैसे लिए जा रहे हैं जबकि सरकार द्वारा सब सारी चीजें मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही हैं
156	राहत दिलाने की तैयारियों में जुटी केंद्र सरकार	इसमें बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में सुविधा बढ़ाने के लिए तथा नई योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार ने राज्य सरकार के साथ मिलकर की नए प्रस्ताव लाने की तैयारी की है
157	संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के साथ लोगों को मिलेगा फायदा	समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य संसाधनों के इस्तेमाल से आम मरीजों को तो फायदा मिलेगा ही साथ ही साथ इलाज करने वाले डॉक्टरों

		को भी निवारण करने में सहायता मिलेगी.
158	स्वास्थ्य सुविधाओं में नहीं होगा कोई फर्क	समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में और किसी तरह का फर्क नहीं होगा क्योंकि सरकार किसी भी मरीज के साथ किसी भी तरह का कोई भी जवाब नहीं रखेगी
159	जागरूकता से रुकेगा एचआईवी	इस समाचार में बताया गया है कि जन जागरण में जागरूकता से ही को रोका जा सकता है इसमें विस्तार चर्चा के लिए सेमिनार आयोजित किया गया है तथा सेमिनार में बाहर से आए प्रोफेसर वहां बैठे विद्यार्थियों से कहीं.
160	शोध अनुसंधान	समाचार किस प्रखंड में बताया गया है कि किस तरह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से स्वास्थ्य को चुस्त-दुरुस्त रखा जा सकता है
161	4 वर्षों में लू से 4000 मरते हैं	समाचार में बताया गया है कि विगत 4 वर्षों में मौसम की साहब होने वाले बदलाव के कारण लू की समस्या उत्पन्न हो जाती है उसकी कारण पिछले 4 वर्षों में 4000 लोगों की मौत हो चुकी है
162	इमरजेंसी से भगाया टीवी रोगी की मौत	इस समाचार में बताया गया है कि इमरजेंसी पर जाने के बाद टीवी मरीज को इलाज नहीं मिला मिला साथ ही डाक्टर ने उसे बहा दिया इसके बाद कुछ ही देर में मरीज की मौत हो गई जिसके लिए जिला अस्पताल पर हंगामा किया गया.

163	एक क्लिक पर जान सकेंगे जांच रिपोर्ट	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं की नवीनतम जानकारी एवं जांच रिपोर्ट को ऑनलाइन कर दिया गया है अब मरीज केवल एक क्लिक पर ही अपनी जांच की रिपोर्ट को जान सकेंगे.
164 तो इलाज पर गहराया संकट	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार के निर्देशानुसार सभी सरकारी स्वास्थ्य विभाग की तैयारियां पूरी ना होने के कारण आने वाले समय में मौसमी बीमारियों को लेकर के इलाज पर संकट गहराया जा सकता है
165	सिर्फ तय मूल्य पर ही बेच सकेंगे जीवन रक्षक दवाएं	इसमें सीएमओ द्वारा बताया गया है कि अब सभी जन औषधि केंद्र जीवन रक्षक दवाओं को तय मूल्य पर ही भेज सकेंगे.
166	हाई बीपी की नई वजह	समाचार में शोध परक तरीके से बताया गया कि हाई बीपी की नई वजह क्या है साथ ही हाई बीपी के उपचार एवं निवारण के बारे में पूरी जानकारी दी गई है.
167	कॉफी पीने से नहीं सीढ़ियां चढ़ने से आएगी फुर्ती	इस समाचार में शोध परक तरीके से बताया गया है कि कॉफी या चाय का सेवन करने से होती नहीं आएगी इसके लिए आपको फिजिकली एक्टिव रहना पड़ेगा अर्थात सीढ़ियां चढ़ना अधिकारियों को बढ़ाना होगा.

168	सावधानी ही बचाव है	जनता के अंतर्गत आने वाले इस कार्यक्रम में एचआईवी से बचने के लिए सावधानी को जरूरत के रूप में अंकित किया गया है
169	कई गुना सस्ती है जेनेरिक दवाएं	इस समाचार में बताया गया है कि जेनेरिक दवाओं के मुकाबले सस्ती और आसानी से उपलब्ध होने वाली सरकारी सुविधाओं में से एक हैं.
170	सरकार और बढ़ाएंगी सुविधाएं	इस समाचार में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा सरकारी स्वास्थ्य योजना पर उपलब्ध बढ़ाया जाएगा साथ ही उन पर खर्च होने वाले जल्दी से समीक्षा कर अभी बैठक में रखा जाएगा
171	4 गुना बढ़ाए जाएंगे डॉक्टर	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या चार गुनी बढ़ाई जाएगी जिससे आने वाले मरीजों को अच्छे से देखा जा सके.
172	सिर्फ नाम के लिए नहीं चलेगा ट्रामा	इसमें स्वास्थ्य विभाग के मंत्री जी ने बताया कि सिर्फ नाम के लिए ट्रामा का संचालन नहीं किया जाएगा, जल्द ही इससे जुड़े हुए सारे संसाधनों को उपलब्ध कराया जाएगा
173	बाधित नहीं होंगी सरकारी योजनाएं	इस समाचार में बताया जा रहा है कि सरकारी योजनाएं चल रही है उन्हें किसी भी तरह की रुकावट आने पर उन्हें बाधित नहीं होने दिया जाएगा.

174	महंगी दवाएं अब और नहीं	समाचार में बताया गया है कि सरकार द्वारा उपलब्ध दवाएं महंगी नहीं बल्कि आम लोगों के लिए हरसंभव उपलब्ध रहेंगी
175	बिना खुले में पट्टी बता देगी कितना भरा घाव	यह एक शोध परक न्यूज है जिसमें बताया गया है कि किसी भी घाव पर बांधने वाली पट्टी को खुलने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वह नहीं तकनीक से लैस होगी जिसमें वह खुद ही बता देगी घाव अभी कितना भरा है और कितना नहीं
176	एथलीट के लिए स्पोर्ट्स ड्रिंक से बेहतर पानी	इस समाचार में बताया गया है कि किसी भी एथलीट के लिए स्पोर्ट्स ड्रिंक से बेहतर तो पानी ही होता है बशर्ते पानी स्वच्छ एवं साफ हो.
177	शोध अनुसंधान	इसमें बताया गया है कि शोधपरक तथ्यों के साथ बीमारियों को कैसे निवारण किया जाता है

मई 2017

178	मंत्री बोले कैंसर इंस्टिट्यूट का उद्घाटन हुआ क्यों	इसमें बताया गया है कि कैंसर इंस्टिट्यूट का उद्घाटन होने के बाद भी उसमें सारी सुविधाएं नहीं मिल पा रही है जिससे मरीज परेशान हो रहे हैं इससे खफा होकर के स्वास्थ्य मंत्री ने इस पर नाराजगी जताई है.
179	डॉक्टर ने मरीज को बिना इलाज लौट आया	जिले के संयुक्त चिकित्सालय में एक मरीज को डॉक्टर ने बिना इलाज के लौटा दिया जिसमें बताया गया है

		कि टीवी की एक मरीज को बिना दवाई के ही लौटा दिया गया.
180	ट्रामा सेंटर में सुलभ हो मरीजों का इलाज	लोहिया के ट्रामा सेंटर में आने वाले सभी मरीजों का इलाज सुलभ एवं सस्ता हो इसके लिए इस समाचार में बताया गया है
181	हार्डटेक एंबुलेंस से पहला मरीज केजीएमयू शिफ्ट	इस समाचार में बताया गया है कि पहली बार उच्च आधुनिक तकनीक से लैस एंबुलेंस से पहला मरीज किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में शिफ्ट किया गया है
182	लोहिया अस्पताल बना हॉस्पिटल मरीजों को मिला यूनिट नंबर	इस खबर में बताया गया है कि शहर का डॉक्टर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल मरीजों के लिए नई तकनीक से लैस एक यूनिट आईडी लेकर आया है जिसके जरिए अपनी आईडी से ऊपर होने वाले इलाज के निवारण को देख सकता है
183	बनेगा हीमोफीलिया केयर सेंटर होगी सहूलियत	इसमें बताया गया है कि किस तरह से सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत आने वाले हिमोफीलिया केयर सेंटर को बनाया जाएगा जिससे जनजीवन में आम लोग उसका फायदा उठा सकें
184	बलरामपुर अस्पताल में आएगी मशीन मिलेगी राहत	जिले के बलरामपुर अस्पताल में जल्द ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा नई मशीनों की आपूर्ति की जाएगी जिससे मरीजों को जांच में हो रही असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा

185	बढ़ रही लू की अवधि	इस समाचार में बताया गया है कि मौसम के बदलाव होने के कारण मौसमी बीमारियां बढ़ने लगी हैं जिसमें बहुत तेजी से लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही है.
186	हिमाचल की 23 दवाओं में जहर	समाचार में बताया गया है कि हिमाचल प्रदेश में बनने वाली दवाएं मानकों के अनुरूप नहीं है सरकार के निर्देशानुसार कहा गया है कि जल्द ही इन कंपनियों को ब्लैक लिस्ट कानूनी कार्यवाही की जाएगी
187	शोध अनुसंधान	इसमें शोध पर तथ्यों के साथ तमाम बीमारियों के पहचान निवारण एवं निदान की जानकारी दी गई है
188	लड़कियों को आलसी बना देता है व ओमेगा सिक्स	यह एक शोध परक समाचार है जिसमें बताया गया है कि किस तरह से एक जगह शोध हुआ और उसने बताया गया है कि omega-6 लड़कियों को आरसी बना देता है
189	मैग्नीशियम का उच्च स्तर फैक्चर से बचाता है	यह भी एक समाचार है जिसमें बताया गया है कि मैग्नीशियम का उच्च स्तर होने से फैक्चर से बचा जा सकता है
190	बदहाल स्वास्थ्य सेवा में डालनी होगी जान	इस समाचार में सरकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा बताया गया है कि जो स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है उसे नए तरीके से प्रारंभ किया जाएगा जिससे उसका लाभ आम लोगों को मिल सके
191	नई राष्ट्रीय स्वास्थ्य	इस समाचार में यह बताया गया है कि नई राष्ट्रीय

	नीति में होंगे व्यापक बदलाव	स्वास्थ्य नीति में आमूलचूल बर्तन किए जाएंगे जिससे राष्ट्र के लोगों के लिए भला हो सके साथ ही प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके.
192	महानगर सिविल अस्पताल में अव्यवस्था	इसमें बताया गया है कि माननीय स्वास्थ्य मंत्री की आकस्मिक आगमन के दौरान सरकार की तरफ से उपलब्ध स्वास्थ्य योजनाओं में भारी गड़बड़ी होने से स्वास्थ्य मंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं.
193	नहीं मिला बजट सभा सभा माह से इलाज ठप	इसमें बताया गया है कि कैंसर लोक के लिए निर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन होने के बाद भी बजट नहीं मिला है जिससे वहां के रोगियों को इलाज की सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं.
194	कंधे से काटा हाथ कैंसर हटाकर फिर से जोड़ दिया	इस समाचार में बताया गया है कि किस तरह उच्च आधुनिक तकनीक से लैस केजीएमयू के डॉक्टरों ने कैंसर के मरीज का सफल इलाज किया है जिसमें उन्होंने हाथ को पहले कांटा फिर कैंसर ठीक किया और फिर हाथ जोड़ दिया.
195	पीजीआई को केंद्र के अधीन करने के लिए दिया जाएगा ज्ञापन	इसमें सरकार के स्वास्थ्य कर्मचारियों के विभाग के अधिकारियों की तरफ से कहा गया है कि पीजीआई को केंद्रीय संस्थान बनाने के लिए विभाग की तरफ से एक ज्ञापन दिया जाएगा ताकि इसके लिए और अच्छा स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध हो सकें.
196	बेसिक दवाएं भी नहीं	सरकार की योजनाओं के अनुरूप सभी पीएससी में

	मिल रही हैं	बेसिक दवाओं की उपलब्धता ना होने के कारण लोग परेशान हैं जिससे सरकारी स्वास्थ्य जहां पर प्रश्नचिन्ह खड़ा किया जा रहा है.
197	तड़पता मरीज नहीं किया भर्ती	समाचार में बताया गया है कि किस तरह हृदय का एक आकस्मिक मरीज तड़पता रहा और उसकी मौत हो गई सामने आ रही है क्योंकि उन्होंने उसे एडमिट नहीं किया था
198	8 मांसपेशियां सिलीं	इस समाचार में बताया गया है कि किस तरह नई तकनीक आने से 8 में स्पेशल को एक साथ खेला जा सकता है यह एक शोध परक समाचार के अंतर्गत रखा गया है
199	शोध अनुसंधान	इस खंड में नई शोध परक तरीके से बताया गया है कि स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों का किस तरह से निवारण किया जा सकता है
200	डफरिन के केजीएमसी वार्ड में बढ़ेंगे बेड	इसमें बताया गया है कि सरकार ने कैसे एक सरकारी अस्पताल में मरीजों की संख्या को देखते हुए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में वार्ड की संख्या में बढ़ोतरी करने की संख्या में भी बढ़ोतरी की है ताकि इसका लाभ मिल सके.
201	दबा कंपनी की कर्जदार है शहर के अस्पताल	समाचार में बताया गया है कि तमाम तरह की दवा कंपनियों के कर्जदार हैं सरकारी अस्पताल सरकारी अस्पताल के सीएमओ ने कहा कि सरकार से बजट

		आते ही इनका बकाया निपटा दिया जाएगा लेकिन इसका सीधा असर सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और आने वाले मरीजों पर पड़ रहा है.
202	फ्लूइड में प्रोटीन और फैट	इस समाचार में बताया गया है कि किस प्रकार नए शोध से फ्लूइड में प्रोटीन और फैट को अलग अलग तरीके से समायोजित करके चिकित्सा पद्धति में प्रयोग किया जा सकता है.
203	मच्छर काटने से हुआ यह हाल	इस समाचार में बताया गया है कि पर्यावरण के बदलने से मौसमी बीमारियों का लगातार प्रकोप बढ़ रहा है इससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है इसमें एक खबर यह बनी कि एक मच्छर काटने से मरीज की हालत चिंताजनक हो गई जिसे आनन-फानन में नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है..
204	लोहिया संस्थान में माह अंत तक मिलेगी सुविधाएं	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इस माह के अंत तक सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आम लोगों के लिए मिलने लगेगा.
205	पीजीआई और लोहिया संस्थान ओपीडी आज बंद	समाचार में बताया गया है कि बजट की अनुपलब्धता के चलते डॉक्टरों में होश है इसके चलते शहर के दो बड़े स्वास्थ्य संस्थान पीजीआई और लोहिया संस्थान ओपीडी आज बंद रहेगी.
206	बेहतर स्वास्थ्य और	एक समाचार है इसमें बताया गया है कि प्रणाली के

	फिटनेस भी कम करता है तनाव	लिए भी बहुत जरूरी है फिटनेस के साथ आहार भी बहुत जरूरी है जिससे यह तनाव कम करने में सहायक होता है.
207	रैली निकालकर एचआईवी के प्रति किया जागरूक	समाचार में बताया गया है कि शहर के लोगों द्वारा साइकिल की रैली निकालकर लोगों में जागता कार्यक्रम चलाया गया.
208	हृदय रोगी को मिला नया जीवन	समाचार में बताया गया है कि डॉक्टरों ने 8 घंटे की सफल सर्जरी के बाद एक नया जीवन दिया है.
209	टीवी का इलाज मुफ्त	इस समाचार में बताया गया है कि टीवी का इलाज हमेशा मुक्त रहता है और इसे अपने नजदीकी पीएचसी सेंटर या किसी भी सरकारी अस्पताल से लिया जा सकता है.
210	हृदय रोग का खतरा बताते हैं पके बाल	इस समाचार में बताया गया है कि हृदय रोगी के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं है यह एक शोध समाचार है इसलिए इसे रखा गया है.
211	कम खर्च में सफलता	इसमें केजीएमयू के डॉक्टरों ने कम खर्च में एक हृदय रोगी की सर्जरी की है जिसमें वह सर्जरी प्राइवेट हॉस्पिटल में काफी महंगी होती थी जबकि यहां पर डॉक्टर में कम खर्च में सफल सर्जरी करके दिखाई है
212	स्वास्थ्य विभाग से खत्म होगा भ्रष्टाचार	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य योजनाओं के अंदर चल रहे भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए

		सरकार ने अब ऑनलाइन व्यवस्था करने की पद्धति स्टार्ट की है
213	लोहिया में अस्पताल में बनेगा सुपर हॉस्पिटैलिटी सेंटर	इस समाचार में बताया गया है कि डॉ राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में अब हृदय रोगियों के लिए एक सुपर हॉस्पिटैलिटी सेंटर का निर्माण किया जाएगा जिसमें कोई भी अपना इलाज सामान्य तरीके से करा सकेगा.
214	गर्मी के साथ बड़े डायरिया व बुखार के मरीज	इस समाचार में बताया गया है कि मौसम के बदलते स्वभाव के कारण इस वक्त दायर बुखार के मरीजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है साथ इसमें बताया गया है कि किस तरह से बचाव किया जा सकता है.
215	स्वास्थ्य सुविधाओं में होगी बढ़ोतरी	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार के द्वारा स्वास्थ्य विभाग को दी जाने वाली सुविधाओं में बढ़ोतरी करने का फैसला सरकार ने लिया है जिस के क्रम में बजट बढ़ाया है.
216	कैशलेस इलाज की व्यवस्था	शहर के नामचीन सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में कैशलेस इलाज के लिए डॉक्टरों वहां के अधिकारियों ने प्रक्रिया शुरू की है ऐसा क्या है.
217	जीन है पर नींद ना आने का जिम्मेदार	इस समाचार में शोध पद्धति के तरीके से बताया गया है कि नींद ना आने के लिए आपके जेनेटिक तरीके या जीन जो होता है वह अत्यधिक जिम्मेदार हैं

218	अब शुरू होगी मुख्यमंत्री आरोग्य योजना	इस समाचार में सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के बारे में बताया गया है इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री के नाम से स्वास्थ्य विभाग की आरोग्य योजना जल्द ही शुरू की जा रही है इसमें प्रदेश के चुने गए आम लोगों को सारी स्वास्थ्य सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी.
219	बिना रजिस्ट्रेशन किया इलाज, हंगामा	शहर के जिला अस्पताल में एक मरीज का बिना रजिस्ट्रेशन के इलाज करना सरकारी योजनाओं के विरुद्ध की खबर प्रकाशित की गई है.
220	लोहिया अस्पताल में बढ़ेंगे 10 वेंटिलेटर	इस समाचार में बताया गया है कि असाध्य रोगों से निपटने के लिए डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में 10 वेंटिलेटर का शुभारंभ जल्द ही किया जाएगा जिसका लाभ आम जनता और शहर के निवासी उठा सकेंगे
221	लोहिया अस्पताल में एमसीआई टीम का दौरा	इस समाचार में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम का दौरा का निरीक्षण के बारे में बताया गया है इसमें बताया गया है कि इसमें और अधिक स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए क्या क्या प्रयास होने चाहिए.
222	30 बेड तीन मरीज, डॉक्टर भी नदारद	इस समाचार में बताया गया है कि शहर की एक बड़े संयुक्त चिकित्सालय संस्थान में एक नई व्यवस्था शुरू की गई थी जिसमें 30 बेड 3 मरीज हैं जबकि डॉक्टर के नाम पर वहां पर वार्ड बॉय और अन्य स्टाफ ही

		संभाल रहे हैं
223	एकाकीपन खतरनाक	समाचार में बताया गया है कि किसी व्यक्ति के लिए खतरनाक हो सकता है रचने के लिए उपाय और निवारण के लिए इसमें विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है.
224	१० फ्रीसदी अवसाद के शिकार	इस समाचार में शोध के स्रोत के द्वारा बताया गया है कि पूरे वर्ल्ड में 10 फ्रीसदी लोग अवसाद के शिकार हैं जिन्हें बचाव के लिए क्या-क्या करना चाहिए.
225	20 जिलों में मलेरिया फैला	इस समाचार में बताया गया है कि मौसमी बीमारियों के अंतर्गत आने वाले मरिया बुखार से 20 जिलों में हड़कंप मचा हुआ है शासन प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के ने अपनी टीमों गठित कर नियंत्रण करने का प्रयास किया है
226	शोध अनुसंधान	इसमें शोधपरक तरीके से बताया गया है कि किस तरह वैज्ञानिक तरीकों से मानव जीवन के लाइफ़स्टाइल को बदला जा सकता है.
227	स्वास्थ्य शिविर का रहेगा आयोजन	इस समाचार में बताया गया है कि हेल्थ कैंप लगाने के लिए शहर के कुछ गणमान्य लोगों ने स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया है जिसमें आम जीवन से लेकर कोई भी व्यक्ति खून दान कर सकता है.
228	एचआईवी सावधानी ही बचाव है	इस समाचार में एचआईवी से बचने के लिए सावधानी बरतने की जरूरत पर बल दिया गया है जिसमें बताया

		गया है कि इससे बचने के लिए आपको विशेष सतर्क रहने की आवश्यकता है.
229	जल्द बदलेगी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों की जांच पद्धति	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी विभाग में होने वाले सभी जांच अब अत्याधुनिक तकनीकों से लैस होंगी तथा उनकी पानी तकनीकें बदली जाएंगी जिससे की आम जनमानस को इसका लाभ मिल सके एवं जांच सटीक और तुरंत मिल सके.
230	ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन	इस समाचार में बताया गया है कि शहर की व्यक्तियों द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप लगाया जा रहा है जिसमें कोई भी व्यक्ति जो कि सामाजिक गतिविधियों में भाग लेता हो इस ब्लड डोनेशन कैंप का हिस्सा बन सकता है.
231	केशव की पहल से कैंसर पीड़ित को मिला इलाज	इस समाचार में बताया गया है कि एक कैंसर पीड़ित महिला को प्रदेश के मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या की सक्रियता की वजह से इलाज संभव हो पाया है.
232	केजीएमयू में लागू करेंगे सिंगल विंडो सिस्टम: प्रोफ़ेसर भट्ट	इस समाचार में बताया गया है कि किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में प्रोफ़ेसर भर्ती वहां के वाइस चांसलर हैं सरकार की मंशा के अनुरूप सिंगल विंडो सिस्टम सु करने की योजना है
233	एक भी मरीज को नहीं मिली सुविधा	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार के निर्देशानुसार निर्मित सरकारी ओपीडी में अभी तक किसी भी मरीज को सुविधा नहीं मिली है जबकि बिल्डिंग तैयार खड़ी हुई है डॉक्टर भी हैं अधिकारी

		कर्मचारी सब कुछ होते हुए भी किसी भी मरीज को सुविधा नहीं मिल पा रही है.
234	मौसम तो ऐसा ही रहेगा	बदलते हुए मौसम में सावधानी बरतने की बात समाचार में कही गई है इसमें साफ कहा गया है कि बदलते हुए मौसम में बदलाव जरूरी है इसलिए मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए खानपान पर विशेष ध्यान दें
235	डेंगू को लेकर अधिकारियों ने अलर्ट जारी किया	इस समाचार में बदलते हुए मौसम के हिसाब से सरकारी स्वास्थ्य अधिकारियों ने अगले कुछ महीनों में डेंगू को लेकर सभी सरकारी अस्पतालों में जारी कर दिया गया है कि वे इससे बचाव एवं निदान प्रयास करें.

जून 2017

236	दूषित वायु से कम होता है अच्छा कोलेस्ट्रॉल	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम में दूषित वायु की संभावना बढ़ रही है साथ ही अच्छा माना जाता है यह शोध समाचार है
237	ताजे फल खाइए डायबिटीज को दूर भाई है	मौसमी बीमारियों से बचने के लिए ताजे फल खाने की सलाह दी गई है इसमें कहा गया कि ताजे फल के सेवन से डायबिटीज और अन्य बीमारियों से बचा जा सकता है
238	बच्चों की पढ़ाई के लिए	इस समाचार में बताया गया है कि बच्चों की पढ़ाई के लिए उसके जी को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है

	जीन जिम्मेदार	यह एक समाचार है
239	शव के लिए एंबुलेंस ना मिलने पर हंगामा	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार की महत्वाकांक्षी हंड्रेड नंबर पर एक व्यक्ति ने एंबुलेंस ना मिलने पर हंगामा कर दिया उसे आनन-फानन में बाद में दूसरी एंबुलेंस से भेजा गया
240	पहले भगाया फिर की अभद्रता	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में आम जनमानस को बहुत ही तकलीफ हो रही है व्यक्ति अपना स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए जैसे ही डॉक्टर के पास गया उन्होंने अब जाकर उसे भगाया.
241	मातृ शिशु रेफरल हॉस्पिटल में लगेंगे 36 वेंटीलैटर	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजना में मातृ शिशु को ध्यान में रखते हुए अब हॉस्पिटल में 36 नए वेंटिलेटर की व्यवस्था की गई है
242	ऐप के जरिए घर बैठे हैं चिकित्सक का परामर्श	इस समाचार में बताया गया है कि अब मरीज एप्लीकेशन के जरिए अर्थात ऑनलाइन माध्यम से अपने सरकारी चिकित्सकों से सलाह और अन्य निवारण ले सकेंगे.
243	पीजीआई में डॉक्टरों ने ईजाद की नई तकनीक	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के राजीव गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों ने कैंसर को खत्म करने के लिए एक नई प्रकार की तकनीक की खोज की है जिसके द्वारा कैंसर की सर्जरी आसान हो गई है.

244	पीजीआई हेल्थ एग्जीक्यूटिव मैनेजमेंट प्रोग्राम, मिलेंगी सुविधाएं	समाचार में बताया गया है कि पीजीआई को और भी सुविधाओं से लैस करने की मांग की मैनेजमेंट प्रोग्राम में की गई है.
245	सीएम से उठाया, सुविधाओं की कमी का मुद्दा	प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के कई देशों ने अस्पताल में सुविधाओं की कमी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जिसके एवज में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य में वह किसी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे ता कहा कि वह डॉक्टर कभी भी सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं.
246	खून गलत चढ़ाने से हो सकता है कैंसर, रहें सतर्क	इस समाचार में बताया गया है कि अगर गलत ग्रुप के खून को चढ़ाने से कैंसर का खतरा हो सकता है इसीलिए खून को जांच परख कर ही चढ़ाया जाए.
247	बंद अस्पतालों का स्वास्थ्य मंत्री ने ब्यौरा मांगा	इस समाचार में बताया गया है कि जो स्वास्थ्य संस्थान बंद पड़े हैं या जिनके लिए बजट आवंटित नहीं हो पाया ऐसे सभी अस्पतालों व स्वास्थ्य मंत्री ने ब्यौरा मांगा है ताकि उनको उन्हें स्टार्ट किया जा सके.
248	पार्किंसन के इलाज का नया तरीका ईजाद	इस समाचार में बताया गया है कि पार्किंसन के इलाज को नई अत्याधुनिक तरीके से उपचारित किया जाता है.
249	बीमारियों की जांच के लिए सस्ता उपकरण	इस समाचार में बताया गया है कि तमाम तरह की बीमारियों के लिए विभिन्न प्रकार की जांचों के लिए सस्ते एवं जरूरतमंद उपकरण जल्दी ही मुहैया कराए

		जाएंगे
250	स्वास्थ्य शिविर का आयोजन	इसमें बताया गया है कि इसमें शहर के प्रबुद्ध लोगों द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप के शिविर का आयोजन किया गया है
251	हाईटेक एंबुलेंस के जिलों में पहुंचते ही पहिए जाम	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अनुरूप एंबुलेंस योजना में एंबुलेंस के जिले में पहुंच से तकनीकी कमी के कारण अपनी सुविधाएं नहीं दे पा रही हैं.
252	औचक निरीक्षण में चिकित्सा व्यवस्था की खुली पोल	इसमें बताया गया है कि स्वास्थ्य मंत्री के औचक निरीक्षण से स्वास्थ्य योजनाओं भारी लापरवाही उजागर हुई है जिससे चिकित्सीय व्यवस्था सीधे-सीधे लापरवाही नजर आ रही है.
253	मिलेगी राहत, अस्पताल के साथ अब घर ले जाने के लिए मिलेगा फैक्टर	इसमें बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में फैक्टर नामक ऑनलाइन व्यवस्था को लागू किया है जिसके माध्यम से मरीज घर बैठे ही अपना रिपोर्ट कार्ड देख सकेगा.
254	धूप ने झुलसा या, सतर्क रहें	इस समाचार में बताया गया है कि मौसम के बदलते स्वभाव के कारण मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता है इसलिए धूप से झुलसे नहीं इससे बचाव के हर संभव प्रयत्न करें.
255	योग से शरीर व मन	इस समाचार में बताया गया है कि योग करने से शरीर

	दोनों रहते है चुस्त	व मन तथा मानसिक दोनों तरह के स्वास्थ्य लाभ होते हैं
256	दिल, दिमाग के लिए खतरनाक है ब्लड प्रेशर	इसमें बताया गया है कि दिल की बीमारियों के लिए ब्लड प्रेशर का होना बहुत ही खतरनाक स्थिति है.
257	जन्म के समय वजन का लीवर पर होता है असर	इस शोधपरक समाचार में बताया गया है कि क व्यक्ति के पैदा होते समय लीवर के वजन का जीवन भर असर रहता है.
258	वायु प्रदूषण से बढ़ती है सायनस की परेशानी	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम में वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ जाती है जिसके कारण तमाम बीमारियां हो जाती हैं साइनस प्रमुख है.
259	5 दिन का योग शिविर	इस समाचार में 5 दिन की लगने वाले पतंजलि के योग शिविर के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया था दैनिक जीवन में आने वाली परेशानी को कैसे ठीक किया जा सके. साथ ही अपने जीवन को कैसे सुगम बनाया जा सके
260	लू के लक्षणों को पहचाने	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम में मौसमी बीमारियों को देखते हुए पढ़ने वाली ब्लू के लक्षणों को न केवल पहचानना है बल्कि उससे उपाय व निदान करना भी आवश्यक है.
261	लोहिया में इंटरवेंशन रेडियोलोजी से इलाज	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इंटरवेंशन

	शुरू	रेडियोलॉजी तकनीक से इलाज की व्यवस्था शुरू की गई है.
262	स्पाइन सेंटर को ढाई करोड़ देगा केंद्र	समाचार में बताया गया है कि केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत आने वाले स्पाइन सेंटर को ढाई करोड़ की अतिरिक्त धनराशि केंद्र सरकार मुहैया कराएगी.
263	अच्छे व्यवहार की नसीहत	इस समाचार में बताया गया है कि मौसम के बदलने के कारण व्यक्ति का व्यवहार बदलता है इसीलिए स्वस्थ समाज के लिए स्वास्थ्यवर्धक चीजों का इस्तेमाल करें साथ ही योग का अवश्य ध्यान रखें
264	गर्मी में रखें खान-पान का ध्यान	इस समाचार में भी बदलते पर्यावरण के चलते होने वाली मौसमी बीमारियों में विशेषकर गर्मी से होने वाली बीमारियों में खानपान से होने वाली बीमारियों को ध्यान में रखने की बात कही गई है.
265	बढ़ रही है हृदय संबंधी बीमारियां	इस समाचार में बताया गया है कि निरंतर आज के युवाओं में हृदय से संबंधित बीमारियों में तेजी आ रही है इसके लिए उचित उपाय एवं निवारण के बारे में बताया गया है.
266	रेडियो थैरेपी से कारगर है कीमोथैरेपी	इसमें बताया गया है कि कैंसर के लिए वैसे तो दोनों ही तकनीकी अच्छी हैं लेकिन रेडियोथैरेपी अच्छी तकनीक है कैंसर के इलाज के लिए.

267	गर्मियों में खुद को बचाएं इन तरीकों से	मौसमी बीमारियों के अंतर्गत आने वाले इस समाचार में बताया गया है कि बढ़ती गर्मी से खुद को कैसे बचा है एवं खानपान दवाओं का कैसे ध्यान रखें आदि निवारण के बारे में बताया गया है.
268	इस मौसम में शरीर में ना होने दें पानी की कमी	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम में शरीर में पानी की कमी ना होने दें जिससे कोई बीमारी ना बने क्योंकि गर्मी होने से डिप्रेशन आदि बीमारियां हो सकती हैं इसका समय रहते निदान संभव है..
269	महज 15 मिनट में होगी सुपरबग संक्रमण की जांच	इस शोध समाचार में बताया गया है कि 15 मिनट में संक्रमण बीमारियों की जांच संभव है.
270	डार्क चॉकलेट से लंबी होती है दिमाग की उम्र	इस शोध समाचार में बताया है कि रात चॉकलेट खाने से दिमाग की आयु बढ़ती है
271	लोहिया अस्पताल पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री	इस समाचार में बताया गया है कि डॉ राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में स्वास्थ्य मंत्री ने औचक निरीक्षण किया तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का विवरण लिया.
272	पांच अधिकारी फिर भी नहीं संभल रहा अस्पताल	इस समाचार में कहा गया है कि नवनिर्मित स्वास्थ्य भवन में पांच अधिकारी नियुक्त हैं इसके बावजूद भी स्वास्थ्य की सारी योजनाएं आम जन लोगों को नहीं मिल पा रही है

273	केजीएमयू में हुए तीन ऑपरेशन	इस समाचार में बताया गया है कि हृदय रोग संबंधित तीन ऑपरेशन किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक किए हैं.
274	नहीं मिली एंबुलेंस, रास्ते में जन्मे बच्चों की मौत	समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य सूचना के अनुरूप एंबुलेंस सेवा नवजात बच्चा और बच्चा को नहीं मिल पाई जिसमें कारण स्वास्थ्य अधिकारियों की लापरवाही नजर आ रही है
275	बनने से पहले विवाद में एल्डरली केयर यूनिट	इसमें बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में से एक योजना एल्डरली केयर यूनिट बनने से पहले ही विवादित हो गई है जिसमें तमाम तरह की खामियां एवं लापरवाही नजर आ रही है.
276	ट्रामा में दूसरी एबीजी मशीन शुरू	सरकार में बताया गया कि सरकारी स्वास्थ्य योजना के अनुरूप दूसरी मशीन जांच ट्रामा सेंटर में शुरू कर दी गई है
277	मोटापे से गठिया जांच में परेशानी	शोध परक समाचार में बताया गया है कि घटिया जांच में परेशानी के कारण में एक वजह मोटापा का होना है
278	सेहत का मंत्र जपवा रहा यह जोगी	इस समाचार में बताया गया है कि तत्कालीन सरकार योग एवं स्वास्थ्य को लेकर कितनी सजग है इसका अंदाजा सरकार की स्वास्थ्य नीतियों और उसका आम जीवन पर बढ़ते प्रभाव को देखकर लगाया जा सकता है.

279	एनएचएम का राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम	इस समाचार में बताया गया कि सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं तथा सिलसिलेवार ब्यौरा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं.
280	जानलेवा जीका से बचाने वाला टीका ईजाद	इस शोधपरक समाचार में बताया गया है कि जानलेवा जी का से बचने के लिए टीका ईजाद किया गया है जिसकी सहायता से इसके उपचार एवं निवारण में सहायता मिलेगी.
281	बिना स्थिति जाने कोमा की हालत में भेजा पीजीआई	इस समाचार में बताया गया है कि मरीज की स्थिति को ना जानते हुए भी उसे कोमा की कंडीशन में पीजीआई रेफर कर दिया गया जिसमें स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही सामने आई है
282	लोहिया संस्थान सर्जरी के जरिए दिलाएगा कैंसर से निजात	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया संस्थान में सर्जरी के द्वारा उच्च तकनीक के साथ निजात एवं निवारण मिलेगा.
283	महिला की टीवी की गांठ निकाली	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती महिला के टीवी की गांठ का सफल ऑपरेशन वहां के सीएमएस की देखरेख में संपन्न हुआ.
284	डफरिन अस्पताल में टोकन घर ले जाने से	इस समाचार में बताया गया है कि डफरिन अस्पताल में सरकारी टोकन ले जाने की व्यवस्था के लागू होने

	सिस्टम गड़बड़ाया	के साथ ही मामला गड़बड़ा गया है जिससे मरीजों में अफरा-तफरी का माहौल है
285	सजग रहें डायरिया से	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम के हिसाब से बढ़ रहे डायरिया से कैसे बचा जा सके इसके उपचार हेतु किन किन चीजों का प्रयोग किया जाए.
286	सेहत भरे जीवन का	इस शोध परक समाचार में बताया गया है कि जीवन को स्वस्थ रखने के लिए किस तरह से सेहत के नुस्खे अपनाए जा सकते हैं जिन्हें हम घर पर रहकर उनका सकते हैं.
287	खाने के साथ छाछ और सलाद का प्रयोग करें	समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम में संक्रमित बीमारियों से बचने के लिए खाने में छाछ और सलाद का अवश्य प्रयोग करें
288	एनएचएम की नॉन कम्युनिकेशन डिजीज की योजना	इस समाचार में बताया गया कि सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आने वाली नोन कम्युनिकेशन डिजीज योजना का क्रियान्वयन किस तरीके से किया जाना चाहिए.
289	त्वचा की सेहत का रखें ध्यान	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम में त्वचा की सेहत का कैसे ध्यान रखें इससे बचने के उपाय एवं निवारण भी इसमें बताए गए हैं.
290	उम्मीदें नहीं हुई है खत्म	इस समाचार में एचआईवी ईट से होने वाली जीवन

		की उम्मीदों को खत्म ना होना बताया गया है तथा इसमें कहा गया है कि एचआईवी होने के बाद भी आदमी सामान्य जीवन जी सकता है.
291	स्वास्थ्य शिविर का आयोजन	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के प्रबुद्ध लोगों द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा
292	अस्वस्थकर खानपान से होती है संक्रमित बीमारी	इस समाचार में बताया गया है कि बदलती जीवन शैली में अस्वस्थ खानपान से बीमारियों के संक्रमण का ज्यादा खतरा रहता है
293	बदलते मौसम में पड़ेगा जोड़ों का दर्द	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम में जोड़ों का दर्द एक बार अपने आप उठ सकता है जिसके लिए निवारण एवं उपचार दोनों को बताया गया है.
294	टीवी की दवा खत्म, हंगामा	इस समाचार में बताया गया है कि जिला अस्पताल में टीवी की दवा खत्म होने से मरीजों में हंगामा हो गया था वहां सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में तरह तरह की बातें करने लगे.
295	इनका करें परहेज	इसमें बताया गया है कि मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए खान-पान में विशेष ध्यान देना जरूरी है इसलिए कुछ विशेष खाद्य पदार्थों से परहेज करना इन बीमारियों से बचना होगा.

296	नया ऐप रखेगा ब्लड शुगर पर नियंत्रण	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य संचार के लिए आधुनिक तकनीक से लैस मोबाइल ऐप के जरिए ब्लड शुगर पर नियंत्रण रखा जा सकता है
297	लोहिया संस्थान में खुलेगा 50 बेड का न्यूरो ट्रामा, खाका तैयार	समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में सरकार केंद्र से निर्देशानुसार 50 बेड का न्यू ट्रामा सेंटर तैयार किया जाएगा.

3.2 अमर उजाला:

अमर उजाला की शुरूआत आगरा (उत्तर प्रदेश) से 18 अप्रैल सन 1948 को हुई थी। यह समाचार पत्र उत्तर भारत के अनेक नगरों से प्रकाशित होता है। अमर उजाला उत्तर-प्रदेश, उत्तरांचल, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू और कश्मीर के 16 स्थलों से प्रकाशित होता है। अमर उजाला की औसतन प्रतियों की संख्या 1,857,219 है। जो की हिन्दी समाचारपत्रों में उच्च मनी जाती है। वर्तमान में अमर उजाला हर संस्करण में स्वास्थ्य से संबन्धित खबरों को भी भरपूर तवज्जो देता है जिसमें रंगीन, जीवंत पृष्ठों के साथ एक 16-18 पेज दैनिक स्वास्थ्य मुद्दे का प्रकाशन किया जाता है इसके अलावा अमर उजाला कैरियर , मनोरंजन , महिलाओं और कई और अधिक पर ध्यान केंद्रित विशेष की जानकारी प्रदान करता है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में चयनित स्वास्थ्य समाचारों का विवरण निम्नलिखित है:

जनवरी 2017

298	दिमागी बुखार पर भारी सोडियम की कमी	इस शोध समाचार में बताया गया है कि दिमागी बुखार में सोडियम की कमी से जो कि पर्यावरण की
-----	------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------

		बदलने से होती है.
299	वायु प्रदूषण से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम से वायु प्रदूषण हो रहा है जिससे हार्ट की बीमारियों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज हो रही है.
300	स्मार्टफोन के इशारे से होगा डायबिटीज का इलाज	इस समाचार में बताया गया है कि नई अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस मोबाइल ऐप के जरिए हम डायबिटीज का पता लगा सकेंगे.
301	2 मरीजों की मौत, रोष	इसमें बताया गया है कि लोहिया संस्थान में 2 मरीजों की मौत हो गई इसके बाद अस्पताल में मरीजों की परिवारी जनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है.
302	बिना ऑक्सीजन किया मरीज रेफर	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार के दिशा निर्देशानुसार जारी गाइडलाइन को लागू किए बिना ही बिना ऑक्सीजन के मरीज को रेफर कर दिया.
303	जेनेरिक दवाओं से बहुत सस्ता हो जाएगा कैंसर का इलाज	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार की योजना के अनुरूप जेनेरिक दवाओं के प्रचलन से कैंसर का इलाज काफी सस्ते दामों में उपलब्ध हो सकेगा.
304	तीन माह में पीजीआई को मिलेगा ट्रामा	इस समाचार में सरकार के निर्देश के अनुसार बताया गया है कि ०३ सीमा के अंदर ट्रामा सेंटर मिलने की संभावना है

305	केजीएमयू में होगी एम्स की सुविधाएं	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में एम्स की जैसी सुविधाएं जल्द ही मिलेंगी
306	लीनियर एक्सिलेटर में सफल है इलाज	इसमें बताया गया है कि कैंसर के रोगियों के लिए लीनियर एक्सिलेटर तकनीक से इलाज सुगमता से किया जा सकता है.
307	डाइट फूड और पेय से बढ़ सकता है मोटापा	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम में डाइट फूड से मोटापा बढ़ता है जिसकी निवारण एवं उपचार की बात कही गई है.
308	सूखी पत्तियों से मलेरिया के इलाज में कामयाबी	इस शोधपरक समाचार में बताया गया है कि आयुर्वेद के अनुसार सूखी पत्तियों से मलेरिया जोगी मौसमी बीमारी के कारण उत्पन्न होता है का इलाज संभव है
309	सीएचसी में फ्री होगी 27 महंगी जांचे	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार के निर्देशानुसार सभी सीएचसी में 27 तरह की विभिन्न जांचों को मुफ्त में कराने के निर्देश दिए गए हैं
310	अस्पतालों में डॉक्टर लिखेंगे जेनेरिक दवा	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर आम जनों के ध्यान में रखते हुए जेनेरिक दवाएं ही लिखेंगे.
311	सबका बने पर्चा, दर्ज हो रेफर का कारण	इस न्यूज़ में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के सारे विवरण पर्चे में दर्ज किए जाएं तभी रेफर किया जाए.

312	बेड टू बेड जाएंगे सीएमएस	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार के दिशा निर्देशानुसार सभी सीएमएस सभी मरीजों के पास बेड बेड जा कर के देखेंगे
313	नर्स के भरोसे नहीं छोड़ सकते मरीज	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी योजनाओं में किस तरह मरीजों के प्रति सरकारी स्वास्थ्य की लापरवाही की वजह से मरीजों को रखा जाता है.
314	बलरामपुर अस्पताल में मौत, हंगामा	इस समाचार में बताया गया है कि शहर की बलरामपुर चिकित्सालय में हृदय के रोगी की आकस्मिक मौत से बवाल हो गया जिसमें उसके प्रभारी जनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों की लापरवाही से उनका पुत्र मर गया
315	50 मरीजों की बचाई जान	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के जिला अस्पताल में 50 मरीजों की जान आधुनिक तकनीकों से लैस स्वास्थ्य संसाधनों से इस वर्ष बचाई जा सकी.
316	सीएमओ को नहीं दिखा स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के सीएमओ को जांच में सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ नहीं दिखा.
317	नमक छोड़ने से कम नहीं होती बीपी	समाचार में बताया गया है कि नमक का सेवन नहीं करने से बीपी कम नहीं होती है.
318	प्रोस्टेट कैंसर का खतरा	इसमें बताया गया है कि प्रोस्टेट कैंसर के निवारण में

	आधा करती है कॉफी	कॉफी आधा खतरा कम कर सकती है.
319	अस्पताल डॉक्टर हैं पर इलाज नहीं	इस समाचार में बताया गया है कि जिला अस्पताल में डॉक्टर आते हैं सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के संसाधन हैं पर उनका इलाज नहीं हो पाता है.
320	एमआईसी के निर्देश भी बेअसर	इस समाचार में बताया गया है कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्देश भी मेडिकल और स्वास्थ्य संस्थान पूरी तरह से लागू नहीं कर रहे हैं.
321	फास्ट फूड से बच्चों में हो रही सांस की बीमारी	इसमें शोध के माध्यम से बताया है कि फास्ट फूड के खाने से बच्चों में सांस की बीमारी तेजी से फैल रही है
322	बलरामपुर अस्पताल में दूरबीन विधि से हुआ इलाज	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के बलरामपुर अस्पताल में दूरबीन विधि से ऑपरेशन का सफल आयोजन डॉक्टरों की टीम ने किया है.
323	स्वास्थ्य शिविर का आयोजन	समाचार में लखनऊ जिले के प्रबुद्ध लोगों द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें आम जनमानस की सहभागिता की मांग की गई है.
324	निरीक्षण में कई डॉक्टर नहीं मिले ड्यूटी पर	इस समाचार में बताया गया है कि निरीक्षण के दौरान कई सरकारी डॉक्टर सीएचसी पर अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर रहे हैं.
325	आया के भरोसे	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य

	सिजेरियन केस	सुविधाओं और सरकारी स्वास्थ्य तंत्र में किस तरह से हीला हवाली होती है जिसका सीधा असर मरीजों पर पड़ता है.
326	दमा का दमदार तरीके से नियंत्रण	इस शोध में बताया गया है कि धमाके तरीके को किस तरह वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रण में किया जा सकता है.
327	सेहत भरे जीवन का	इस समाचार में बताया गया है कि मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए किस तरह और किस तरह की सावधानी की जरूरत बरतनी चाहिए
328	शोर कर रहा है सेहत खराब	इस समाचार में बताया गया है कि दैनिक जीवन में बदलते मौसम के साथ साथ शोर आम जनमानस की सेहत खराब करने का एक बड़ा कारण है

फरवरी 2017

329	दस्त हो जाएगा दुरुस्त	इस समाचार में बताया गया है कि मौसमी बीमारियों में दस्त को सही करने के लिए क्या-क्या निवारण करनी चाहिए.
330	जानकारी ही बचाव है	इसमें एड्स से बचने के लिए जन जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया है
331	जरूरी है जागरूकता	इस समाचार में एचआईवी से बचने के लिए

		जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया गया है.
332	जरूरी है माइक्रोन्यूट्रिएंट्स	इस समाचार में बताया गया है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के जरिए बीमारी को जल्द ही नियंत्रण में किया जा सकता है.
333	बेहतर है रोकथाम	इसमें बताया गया है कि बदलते मौसम में बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि हम आवश्यक साफ सफाई के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के रोकथाम करें जिससे बीमारियों से बचा जा सके.
334	बीपी की दवा से त्वचा कैंसर का इलाज	इस समाचार में बताया गया है कि बीपी की दवा से त्वचा कैंसर का इलाज सफल तरीके से किया जा सकता है जिसके जरिए रोगी को लाभ मिलता है
335	समय पर सोने से दूर रहेगा मोटापा	इसमें बताया गया है कि अगर व्यक्ति समय पर सोए तो उसे मोटापे से परेशान होने की आवश्यकता नहीं है
336	मेडिकल स्टोर पर फ्री मिलेगी टीबी की दवा	इस समाचार में बताया गया है कि कुछ मेडिकल स्टोर पर टीबी की दवा फ्री में उपलब्ध कराई जाएगी जिससे आम जनजीवन को इसका सीधा फायदा मिल सके
337	इन गर्मियों में अवश्य ध्यान रखें	इस समाचार में मौसमी बीमारियों के संक्रमण के दौरान होने वाली बीमारियों से बचने के उपाय एवं निवारण बताए गए हैं.

338	डॉक्टरों के नाम के साथ फोटो	इस समाचार में सरकार के दिशा निर्देशानुसार अब डॉक्टरों के नाम के साथ फोटो भी प्रकाशित किए जाएंगे जिससे आम जनजीवन को उसका सीधा लाभ मिल सके
339	केजीएमयू में खुलेगी अमृत फार्मसी	इस समाचार में बताया गया है कि शहर की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में अमृत फार्मसी नाम से एक मेडिकल स्टोर खोला जाएगा जिसमें बहुत कम रेट पर दवाएं उपलब्ध रहेंगी
340	एंटी लार्वा छिड़काव को 26 टीमें तैनात	इस समाचार में बताया गया है कि मौसमी बीमारियों से बचने के लिए एंटी लार्वा का छिड़काव कर दिया गया है साथ ही इसके लिए 26 टीमें गठित कर दी गई है
341	स्वास्थ्य शिविर का आयोजन	इस समाचार में बताया है लखनऊ शहर के प्रबुद्ध लोगों द्वारा जन जागरण के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है.
342	लेप्रोस्कोप से अब गाइनी कैंसर का ऑपरेशन	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य की आधुनिक टेक्नालॉजी के द्वारा गाइनी कैंसर का सफल ऑपरेशन किया जा सकता है
343	अफसरों की मेहरबानी से चल रहे 750 से अधिक अवैध अस्पताल	समाचार में बताया गया है कि सरकारी योजनाओं के साथ-साथ सरकारी महकमे के अधिकारी एवं कर्मचारी भी अवैध अस्पताल चलाने में लिप्त हैं

344	लोहिया संस्थान में हुआ सफल ऑपरेशन	इस समाचार में बताया गया है कि शहर की डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में कैंसर की मरीज का सफल ऑपरेशन हुआ है.
345	लोहिया में मिलेगी आयरन किलेशन सुविधा	इस समाचार में बताया गया है कि डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में आयरन किलेशन तकनीक की उपलब्धता रहेगी
346	चिकित्सक नहीं लिख रहे जेनेरिक दवाएं	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी संस्थानों के चिकित्सक जेनेरिक दवा लेने से परहेज कर रहे हैं जिससे आम आदमी को इसका सीधा लाभ नहीं मिल पा रहा है
347	कारगर है इलाज	इस समाचार में बताया गया है कि किसी भी बीमारी से बचने के लिए इलाज के साथ-साथ परहेज की आवश्यकता पर जोर देना चाहिए
348	डायरिया का कहर 70 बच्चे भर्ती	इस समाचार में बताया गया है कि मौसम के बदलने के कारण डायरिया का कहर कई जिलों में बसा है जिसके कारण लगभग 70 बच्चों को इसने अपनी चपेट में लिया है.
349	अब स्वास्थ्य विभाग में होंगे सिर्फ ई टेंडर	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की आपूर्ति को और पारदर्शी बनाने के लिए ई-व्यवस्था पर लागू किया जा रहा है
350	जेई टीकाकरण का हुआ	इसमें एक विशेष प्रकार की टीकाकरण का शुभारंभ

	शुभारंभ	माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी के द्वारा हुआ है ऐसा इस समाचार में बताया गया है
351	आयुष विभाग के निर्देश से पूरी होंगी सभी सुविधाएं	इस समाचार में बताया गया है कि आयुष विभाग के दिशा निर्देशानुसार सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में स्वास्थ्य सुविधाओं का निर्देशन रहेगा.
352	गरीबों में डायबिटीज हरित क्रांति है वजह	इस शोध समाचार में बताया गया है कि गरीबों में बढ़ रही डायबिटीज की बीमारी का मुख्य कारण हरित क्रांति है इसमें बताया गया है कि छोटी प्रकार के अनाजों से डायबिटीज की बीमारी लगातार बढ़ रही है
353	नई जांच से प्रोस्टेट कैंसर की सटीक पहचान	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य की आधुनिक तकनीक के आने से प्रोस्टेट कैंसर की जांच संभव हो गई है.

मार्च 2017

354	संक्रामक रोगों से बचाएगी हेल्प डेस्क	इस समाचार में बताया गया है कि पर्यावरण के बदलने से होने वाली मौसमी बीमारियों और संक्रामक रोगों से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग एक हेल्प डेस्क बनाएगा जिसके माध्यम से उपचार एवं निवारण संभव हो सकेगा
355	आसान हुई मासूमों की	इस समाचार में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय मंत्री महोदय ने कई स्वास्थ्य

	जिंदगी की राह	कार्यक्रमों की घोषणा की इसमें बताया कि इन स्वास्थ्य योजनाओं के लाभ से मासूमों की जिंदगी आसान हो जाएगी.
356	नई मशीन से आसान होगा इलाज	इस समाचार में बताया गया है कि कैंसर के मरीजों के लिए नई मशीन के आने से इलाज में आसानी होगी.
357	मलेरिया आज की चुनौती	इस समाचार में बताया गया है कि मलेरिया बीमारी मौसमी बीमारियों में सबसे मुख्य है जो कि स्वास्थ्य विभाग के लिए एक चुनौती की तरह है.
358	खुलेंगे जेनेरिक काउंटर	इस समाचार में बताया गया है कि दवाओं की कालाबाजारी को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जेनेरिक काउंटर खोलने की योजना है
359	नई विधि से नहीं होगी जोड़ों की समस्या	इस समाचार में बताया गया है कि नई अत्याधुनिक तकनीक के आने से जोड़ों की समस्या खत्म हो सकती है.
361	भीषण गर्मी में डायरिया के मरीजों से अस्पताल	इस समाचार में बताया गया है कि किस प्रकार मौसम के बदलने से संक्रमण बीमारियों का प्रकोप बढ़ा है जिसमें डायरिया के मरीज लगातार भर्ती किए जा रहे हैं.
361	शोध अनुसंधान	इसमें बताया गया है कि किस प्रकार नए-नए अत्याधुनिक तरीकों से स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों को खोजा जा रहा है.

362	हफ्ते भर का रहेगा टीकाकरण अभियान	इस समाचार में बताया गया है कि इस महीने मौसमी बीमारियों को रोकने के लिए टीकाकरण अभियान एक सप्ताह का रहेगा जिसमें ब्लॉक स्तर के सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल रहेंगे.
363	स्वास्थ्य शिविर	इस समाचार में बताया गया है कि लखनऊ शहर के लोगों द्वारा आयोजन किया जा रहा है
364	संक्रामक रोगों के प्रति लोगों को करेंगे जागरूक	इस समाचार में बताया गया है कि संक्रामक रोगों के बढ़ते हुए प्रकोप को रोकने के लिए जन जागरण अभियान चलाया जाएगा.
365	लोहिया अस्पताल पहला बना, गाइनी का सफल ऑपरेशन	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में गाइनी का एक सफल ऑपरेशन किया गया है
366	टीबी इलाज एवं जांच मुक्त	इस समाचार में बताया गया है कि टीबी के उपचार एवं निवारण के लिए सरकार द्वारा सभी उपचार जांच एवं दवाइयां निशुल्क उपलब्ध हैं
367	हृदय रोगियों के लिए बनेगा नया वार्ड	इस समाचार में बताया गया है कि है कि रोगियों के लिए एक अलग नया वार्ड बनाया जाएगा ताकि इसका लाभ हृदय के रोगियों को तत्काल मिल सके.
368	लीवर और हृदय रोगों से बचने के लिए जरूरी है समय पर इलाज	इस समाचार में बताया गया है कि लीवर के साथ-साथ हृदय के रोगों से बचने के लिए जरूरी है कि मरीज को सही वक्त पर चिकित्सकीय परामर्श और

		सहायता उपलब्ध कराई जाए.
369	एड्स से जागरूकता ही बचाव है	इस समाचार में बताया गया है कि एचआईवी से बचने के लिए जन जागरण अभियान की विशेष जरूरत है इसके द्वारा हम एचआईवी से बच सकते हैं.
370	कैंसर का इलाज होगा आसान	इस समाचार में बताया गया है कि कैंसर का इलाज अत्याधुनिक मशीनों के आने के कारण आसान हो गया है
371	पेट के बैक्टीरिया करेंगे रोग का इलाज	इसमें मानव शरीर के अंदर ही रोगों से लड़ने की बात कही गई है।
372	हार्ट फेल होने के बाद भी बढ़ा सकेंगे उम्र	इसमें नई दवा की मदद से रोग से बचने की सलाह दी गई है।
373	टीवी व डायबिटिज का इलाज जीन एडिटिंग से	नई तकनीक से टीवी जैसे रोगों की रोकथाम की बात कही गई है।
374	स्वास्थ्य जनजागरण कार्यक्रम	इसके अंदर स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर चर्चा की गई है।
375	नेत्र जांच कैम्प का आयोजन	इसमें क्षेत्रीय स्तर पर आंखों के उपचार के आयोजन की बात कही गई है।
376	सेहत और हम	इस पूरे पेज पर खाने पीने के संतुलन तथा इनकी मात्रा के बारे में बताया गया है।

377	स्वास्थ्य कैम्प शिविर	इसमें आंखों के स्वास्थ्य कैम्प के आयोजन के बारे में बताया है।
378	कॉनक्वियर इंप्लांट से संभव है बहरेपन का इलाज	इसमें स्वास्थ्य तकनीक के सहारे कान को सही करने की बात बताई गई है।
379	ब्लड टीवी का सफल उपचार	इसमें लोगों को कैसे से लड़ने की सलाह दी गई है।
380	पुरानी बीमारियों का नया इलाज	इसमें पुरानी बीमारियों को नई तकनीक से विकसित दवाओं से ठीक करने की बात कही गई है।
381	कैम्पमें युवाओं ने किया रक्तदान	इसमें लोगों के द्वारा जरूरतमंद लोगों को रक्तदान करने की बात कही गई है।
382	मधुमेह के सटीक उपचार की उम्मीद	इसमें स्वास्थ्य शोध के द्वारा रोग को ठीक करने की बात कही गई है।
383	पशु आहार के लिए जागरूकता जरूरी	इसमें पशुओं से मिलने वाले पौष्टिक दूध दही, दवा – आदि के बारे में बताया है।
384	सिर्फ दिन में मिलेगी 6 टीवीसे निजात	इसमें स्वास्थ्य शोध की तकनीक के बारे में बताया गया है।
385	आज से ब्लड ऑन कॉल पूरे राज्य में	इसमें राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजना की जानकारी दी गई है।

अप्रैल 2017

386	डीएनए टेस्ट बतायेगा किसकी है गाय	इसमें दो व्यक्तियों के झगड़े को डीएनए तकनीक द्वारा निपटाने की बात कई गई है।
387	स्वास्थ्य शिविर	इसमें शहर के अन्दर होने वाले स्वास्थ्य शिविर के बारे में बताया गया है।
388	भारत में करोड़ 1.21 महिलाएं पीती हैं बीड़ी सिगरेट	इसमें रिपोर्ट के आधार पर महिलाओं में इसे एक गलत आदत बताया गया है।
389	लखनऊ में कुपोषण मुक्त अभियान	इसमें महामारी अभियान के द्वारा जनजागृति के बारे में बताया गया है।
390	नेत्र जांच कैम्पसमय की जरूरत: डॉ झंवर	इसमें चिकित्सा सम्मेलन में आंखों के उपचार के बारे में बताया गया है।
391	जनसेवा ही ईश्वर सेवा : अहिर	इसमें पत्रकारों के सहयोग से जांच शिविरों का आयोजन समाज सेवा बताया गया है।
392	कैम्पमें बताया रक्तदान का महत्व	इसमें रक्तदान के महत्व को बताया गया है।
393	रक्तदान को मिला प्रतिसाद	इसमें विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में रक्तदान आयोजित किया जाएगा।
394	छात्र इलाज के लिए 31 अस्पताल में	सरकारी मध्याह्न योजना के कारण बीमार छात्रों का सरकारी अस्पतालों में भर्ती एवं वहां की सुविधाओं के बारे में बताया गया है।
395	आज निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं नेत्रदान संकल्प अभियान	इसमें एक बैंकिंग घराने द्वारा सामाजिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में बताया गया है।

396	रापनि कर्मियों के लिए हृदय रोग जांच शिविर	इसमें कैम्पके द्वारा जनजागरण के बारे में बताया गया है।
397	में कर 2014 सकते हैं इन चीजों की शुरूआत 6	इसमें शरीर के लिए पौष्टिक तत्वों तथा खानपान को - बताया है एवं इन्हें और अधिक मात्रा में लेने जरूरी बताया को कहा गया है।
398	सामान्य स्वास्थ्य के लिए चिकित्सक योगदान दें - डॉ. राठौर	इसमें चिकित्सकों ने लोगों को स्वास्थ्य जागरूकता के बारे में बातें बताई हैं।
399	जीवनदायी स्वास्थ्य योजना के स्वास्थ्य पत्रों का निशुल्क वितरण	इसमें सरकारी योजना के बारे में जानकारी दी गई है।
400	भारत पोलियो मुक्त	इसमें पोलियो मुक्त करने की बात कही गयी है।
401	साल, 4040लाख का इलाज	इसमें गुजरात सरकार के साल पुराने स्वास्थ्य 40 अभियान के बारे में बताया गया है।
402	नशा मुक्ति समय की जरूरत	इसमें महाविद्यालय के छात्रों को नशे से दूर रहने के बारे में बताया गया है।
403	राहत के वरदान भीतर ही सेहत है दोस्त उपकरण	इसमें विभिन्न स्वास्थ्य उपकरणों एवं गैजेट की सहायता से स्वस्थ रहने के बारे में बताया गया है।
404	स्वास्थ्य जांच कैम्प में लाभान्वित 600	इसमें सेवा संस्थान की मदद से लोगों के स्वास्थ्य हेतु कार्यक्रम के बारे में बताया गया है।
405	लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना ही मानव सेवा मेहानी -	इसमें स्थानीय क्लब के द्वारा आयोजित सभा में चिकित्सकों को मानवसेवा करने के बारे में बताया है।
406	राज्य में नये मेडिकल 7 अजीत -कॉलेज	इसमें उत्तर-प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण को दिखाया है।

407	विकलांगों का स्वरानंदन	इसमें विकलांगों द्वारा कुष्ठ रोग के लिए सामाजिक , आर्थिक योगदान की बात की गई है।
408	साहुर आंगनवाड़ी में कुपोषणमुक्त अभियान	इसमें जनता को कुपोषण से बचने की जानकारी प्रदान की गई है।
409	स्वर्ण प्रश्न टीकाकरण आज	इसमें दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्था द्वारा टीकाकरण आयोजन के बारे में बताया है।
410	कुपोषण मुक्त अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम	इसमें विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा कुपोषण से बचने की जानकारी प्रदान की गई है।
411	रक्तदान सबसे बड़ा दान : महिला	इसमें स्थानीय शैक्षणिक संस्था के द्वारा रक्तदान कार्यक्रम के आयोजन की जानकारी प्रदान की।
412	दवा व्यवसाय को कड़वी गोली की जरूरत (सम्पादकीय पृष्ठ)	इसमें विज्ञान विषय के लेखक श्री दिनेश शर्मा जी ने बताया है कि दवा कम्पनी डॉक्टरों के माध्यम से दवा का व्यवसाय करती हैं। अतः दवा नीति केंद्र में रोगी को लाना होगा।
413	फैरी टिश्यू से स्टेमसेल निकालाहड्डी जोड़ी ,	इसमें हेल्थ रिसर्च के द्वारा उपचार को अधिक विकसित करने के बाद कही है।
414	एक लाख हजार 19 बालकों को पिलाई -जाएगी पोलियो खुराक सोना	जिलाधिकारी द्वारा जिले को पोलियो मुक्त कराने हेतु विस्तृत रूप से अभियान चलाने की बात कही गई है।
415	हजरत मोहम्मद पैगम्बर जयंती पर रक्तदान शिविर	इसमें धर्म को स्वास्थ्य से जोड़ते हुए रक्तदान करने की अपील की गई है।
416	जांच कैम्प मरीजों ने 150 उठाया लाभ	इसमें स्थानीय आश्रमशाला की ओर से रक्तदान कार्यक्रम के आयोजन की जानकारी दी।
417	जीवनदायी योजना में मरीजों की शल्य 350	इसमें सरकारी योजना को समाज के समक्ष मीडिया के द्वारा पेश किया गया।

	चिकित्सा	
418	टीवी रोकने तुलसी होगी अहम	इसमें असाध्य रोगों से बचने के लिए प्राकृतिक औषधियों के सेवन की सलाह दी गई है।
419	लाख करोड़ के हमारे 4 दूध कारोबार पर दुनिया (की नजर (मुख्य पृष्ठ	इसमें खाद्य पदार्थों के व्यवसायीकरण तथा उसका समाज के स्वास्थ्य के ऊपर पड़ते प्रभाव के बारे में बताया गया है।
420	एक जंग भूख के खिलाफ	इसमें मोहम्मद साहिद जी ने आंकड़ों ,रिपोर्टों के आधार पर खाद्य सुरक्षा के साथसाथ स्वास्थ्य सुरक्षा पर - सवाल खड़े किये गये हैं।
421	सर्वोपचार के लिए सुपर स्पेशलिटी की ओर बढ़ते कदम	इसमें केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के बारे में जानकारी प्रदान की।

मई 2017

422	दो बूंद जिंदगी की	इसमें पोलियो से सम्बंधित समाचार के बारे में बताया गया है.
423	कैम्पमें लोगों ने की 100 जांच रक्तगट	इसमें महापुरुष की जयंती के अवसर पर रक्तदान कर जनजागृति के बारे में बताया गया है।
424	बच्चों को पिलाई गई दो बूंद जिंदगी की	इसमें जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण जिले को पोलियो मुक्त कराने की बात कही गई है।
425	लाइव सर्जरी के जरिये सिखाया गर्भाशय निकालना	इसमें चिकित्सा तकनीक के सहारे स्वास्थ्य को और अधिक बेहतर बनाने की बात कही गई है।
426	नेत्र जांच व शल्य क्रिया कैम्पआज	इसमें आंखों के कार्यक्रम की जानकारी दी गई है।
427	योग भगाये रोग	इसमें योग पद्धति के द्वारा रोगों के निदान की बात कही

		गई है।
428	पंचकर्म पुस्तिका का विमोचन	इसमें स्वास्थ्य पत्रिका के माध्यम से जागरूकता प्रदान करने की बात कही गई है।
429	पल्स पोलियो जागरूकता रैली	इसमें एक स्थानीय समिति तथा सरकारी अस्पताल के सहयोग जनमानस में पोलियो के प्रति जागरूकता बढ़ाने की बात कही गई है।
430	पल्स पोलियो मुहिम में युवाओं ने दिया सहयोग	इसमें पोलियो उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रम के आयोजन की बात कही गई है।
431	मरीजों की नेत्र शल्य क्रिया	पत्रकार दिवस के अवसर पर आयोजित की गई रैली के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता की बात कही गई है।
432	सूर्य नमस्कार स्पर्धा को	इसमें योग व्यायाम के द्वारा प्रतिस्पर्धा के आयोजन की बात की गयी है।
433	युवा ही भारत को एड्स मुक्त कर सकते हैं	इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से छात्रों को एड्स से बचने की सलाह दी गयी है।
434	अतिसूक्ष्म औषधि द्रव्य से वैद्यक शास्त्र में क्रांति	इसमें चिकित्सकों ने मीडिया के माध्यम से लोगों के सामने नैनो चिकित्सा पद्धति की बात रखी।
435	पोलियो अभियान को भारी प्रतिसाद	इसमें स्थानीय लोगों के प्रति जागरूक होने की बात कही।
436	पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान को खरांगना होमगार्ड का सहयोग	इसमें जिला होमगार्ड तथा सरकारी अस्पताल के माध्यम से पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान की गयी
437	बहरेपन से पाएं तुरंत छुटकारा	इसमें नयी तकनीक द्वारा उपचार की बात कही गयी है
438	निनिदान –शुल्क रोग : व उपचार शिविर	दत्ता मेघे समिति द्वारा मुफ्त में स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन करने के बारे में बताया गया है
439	जीवनदायी योजना स्वास्थ्य पत्र महा ई –	इसमें केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना के लाभार्थियों से लाभ लेने के लिए कहा गया है।

	सेवा केन्द्रों पर उपलब्ध	
440	एड्स के बारे में प्रबोधन आवश्यक	इसमें चिकित्सकों द्वारा एड्स से बचाव व सामाजिक जागरूकता की बात कही गयी है।
441	स्वास्थ्य की समस्याओं को सुलझाने युवक करें पहल	इसमें भी चिकित्सकों ने युवाओं को स्वास्थ्य समस्याओं से स्वयं जागरूक होने को कहा है।
442	नेत्र शल्य क्रिया कैम्प आज	इसमें शल्य क्रिया के आयोजन के बारे में लोगों से अपील की है।
443	पोलियो उन्मूलन अभियान में सहयोग सराहनीय मुद्दगल :	इसमें स्थानीय रेडक्रॉस समिति तथा चिकित्सकों के आपसी सहयोग से आयोजित कैम्पमें जनता का अभिवादन एवं धन्यवाद की बात की गयी है।
444	हड़ताल के कारण स्वास्थ्य सेवा प्रभावित	स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कारण स्वास्थ्य सेवा में बढ़ा उत्पन्न होने की बात कही गयी है।
445	भारत पोलियो मुक्त देश बना	स्थानीय क्लब द्वारा तथा जिला अस्पताल के सहयोग से पोलियो उन्मूलन की सार्वजनिक पहल ही गयी है।
446	पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान को मिला भरी प्रतिसाद	ग्रामीण अस्पताल तथा एनसीसी कैडेट की सहायता से पोलियो रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया।
447	पेट के फेट्स कम करने के लिए अपनाएं ये प्लान	इसमें शोध के माध्यम से शारीरिक बदलावों के साथ – पान तथा उपयुक्त जीवनशैलीकी बात –साथ खान कही गयी है।
448	अच्छा कॉल स्ट्रोल भी दिल का दुश्मन	इसमें खोज के माध्यम से बताया गया है कि अनियंत्रित खानपान से दिल की रोग का दर रहता है।
459	रक्तदान, स्वास्थ्य जांच-कैम्प सम्पन्न	इसमें शैक्षणिक संस्थाओं द्वार रक्त कैम्प आयोजन कर जन जागरूकता की बात कही गयी है।
450	जिला अस्पताल के लिए करोड़ को निधि 150	गरीबों के लिए स्वास्थ्य धनराशि की जानकारी की बात कही गयी है।

451	उपजिला अस्पताल में कुष्ठरोग निर्मूलन कार्यक्रम	इसमें संस्था द्वारा कुष्ठरोग की समाप्ति के लिए कैम्पचलाने की बात कही है।
452	बालरोग विशेषज्ञों की राष्ट्रीय परिषद	इसमें बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में चर्चा की गयी है।
453	टीवी मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी	इसमें आरटीआई के माध्यम से राज्य सरकार से आये जवाब में इस रोग से प्रताड़ित लोगों की संख्या बताई गयी है।
454	चिकित्सा कैम्पआज	इसमें दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा चिकित्सा कैम्पके आयोजन की बात बताई गयी है।
455	जीवनदायी स्वास्थ्य योजना गरीबों के लिये लाभदायी मुदगल :	इसमें गरीबों के लिये केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना के बारे में जानकारी प्रदान की गयी है।
456	रसोई	इसमें विभिन्न स्वास्थ्यवर्धक व्यंजनों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी है।
457	खुलेगी दिमाग की खिड़की	इसमें सलाहकार के माध्यम से दिनचर्या, अनुशासन तथा कार्यशैली को सजग रखने की बात कही गयी है।
458	स्वास्थ्य जांच कैम्पमें बच्चे लाभान्वित 100	इसमें स्थानीय क्लब व शैक्षणिक संस्था के माध्यम से छात्रों को स्वास्थ्य की जांच करने की जानकारी दी गयी है।
459	आयुर्वेद औषधी निर्मिति की तकनीक आत्मसात करें	इसमें वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा अन्य चिकित्सकों को आयुर्वेद की नयी तकनीक से जोड़ने की बात कही गयी है।
460	बुध को अस्पताल हो जाता है विकलांग	इस स्पेशल आलेख में सरकारी स्वास्थ्य खामियों को उजागर करें की बात कही गयी है।

मई 2017

461	महिलाओं ने स्वास्थ्य मार्गदर्शन का लाभ लिया	इसमें महिलाओं द्वारा बीमारियों से बचने तथा निदान हेतु जागरूक होने की बात कही गयी है।
462	रक्तदान, श्रेष्ठदान : बारी अब्दुल	इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना तथा शैक्षणिक संस्थान के माध्यम से से स्वास्थ्य शिक्षा की जानकारी दी गयी है।
462	स्वास्थ्य शिविर	इस समाचार में स्वास्थ्य शिविर के बारे में बताया गया है.
464	रक्तचाप में कारगर इलाज	इस शोध समाचार में बताया गया है कि रक्तचाप में होने वाले बदलाव के लिए अत्याधुनिक दवाइयों के सेवन से इलाज संभव है
465	क्रोध पर लगाए लगाम	इस शोध समाचार में बताया गया है कि खुद पर नियंत्रण रखने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य तकनीकों का सहारा लिया जा सकता है
466	एक बूंद खून से डायबिटीज की जांच सटीक नहीं	इस शोध समाचार में शोध परक तरीके से बताया गया है कि एक बूंद खून लेने से डायबिटीज की जांच निश्चित रूप से सटीक नहीं हो सकती है इसके लिए अन्य जांचों का भी सहारा लेना पड़ता है.
467	हाई बीपी से हृदय को अधिक खतरा	इस समाचार में बताया गया है कि हाई बीपी के रोगियों को हृदय से संबंधित बीमारियों की संभावना अपेक्षाकृत ज्यादा रहती है.
468	6 माह से कम स्तनपान पर लीवर रोग का खतरा	इस शोध समाचार में बताया गया है कि कम स्तनपान करने पर तमाम तरह की बीमारियां व्यक्ति को ज कर सकती हैं जिसमें लीवर रोग रस्ता से है
469	स्वास्थ्य शिविर का आयोजन	इस समाचार में बताया गया है कि लखनऊ शहर के प्रबुद्ध लोगों द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

		जा रहा है जिसमें जन जागरण से सफलता की अपील की गई है
470	सेहत भरे जीवन का	इस समाचार में बताया गया है कि मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए हमें चुस्त एवं दोस्त रहने के साथ-साथ संक्रमित बीमारियों से बचाव करना होगा
471	वाल्व का इलाज, अब नहीं होगा लाइलाज	इस समाचार में बताया गया है कि हृदय वाल्व को बदलने के लिए अब लोहिया अस्पताल में सारी सुविधाओं के साथ उपलब्ध रहेगा इसके लिए अन्य जगह जाने की आवश्यकता नहीं है
472	ब्रेन ट्यूमर डरने की जरूरत नहीं	इस समाचार में बताया गया है कि ब्रेन ट्यूमर एक बीमारी है जिसमें सफल इलाज के जरिए मरीज को ठीक किया जा सकता है इसलिए इस बीमारी से डरने की जगह इसके निवारण एवं उपचार करने की ज्यादा आवश्यकता है.
473	नियमित टहलने से कम होती है ब्लॉकेज कि समस्या	इस समाचार में बताया गया है कि दे रोगियों को अपने दैनिक जीवन में नियमित टहलने की आदत डालनी चाहिए ताकि हृदय बॉल ब्लॉकेज की समस्या उत्पन्न ना हो सके.
474	एचआईवी, जागरण ही बचाव है	इस समाचार में बताया गया है कि एड्स से बचने के लिए जन जागरूकता अभियान बेहद जरूरी है जिसके माध्यम से हम इस बीमारी से बच सकते हैं
475	एक इंजेक्शन से महीने भर नियंत्रित रहेगी ब्लड शुगर	इस समाचार में बताया गया है कि एक शोध में कहा गया है कि केवल एक इंजेक्शन के प्रयोग से ही 1 महीने ब्लड शुगर को नियंत्रण में किया जा सकता है.
476	बदलते मौसम में बढ़ रहा डायरिया, बच्चों की शामत	इस मौसमी समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम के कारण डायरिया तेजी से बढ़ रहा है जिसका बच्चों में संक्रमण बहुत ही तेजी से फैलता है इसलिए

		इसके बचाव एवं निवारण कहीं बारे में इसमें बताया गया है.
477	23 से शुरू होगी ट्रिपल पी मॉडल की जांच	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी सुविधाओं में ट्रिपल बी मॉडल से 23 तारीख से जांच में निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी
478	पीजीआई में हुआ हार्ट वाल्व का प्रत्यारोपण	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट में हार्ट के वाल्व का एक सफल ऑपरेशन संपन्न हुआ.
479	शोध अनुसंधान	इस समाचार में शोधपरक तरीके से बताया गया है कि विभिन्न तकनीकों के आने से स्वास्थ्य के क्षेत्र में जायदा सुगमता आ गई है.
480	8 ब्लॉक में लगेगा आरोग्य स्वास्थ्य शिविर	इस समाचार में बताया गया है कि जिले के आठ ब्लॉक में आरोग्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा इसमें जन सहभागिता की अपेक्षा की बात कही गई है.
481	प्रदेश में लू ने ली सात जानें	समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम के कारण मौसमी बीमारियों में नो की समस्या आम बात हो गई है जिसने अभी तक प्रदेश में 7 लोगों की जान ले ली है.
482	बलरामपुर में होंगी उपलब्ध सारी सुविधाएं	इस समाचार में बताया गया है कि जिले के बलरामपुर अस्पताल में अब स्वास्थ्य की कई सुविधाओं का लाभ लिया जा सकेगा.
483	मस्तिष्क ज्वर प्रभावित जिले 53 लाख बच्चों को लगा टीका	इस समाचार में बताया गया है कि सुबह के बदलते मौसम के कारण मस्तिष्क ज्वर की चपेट में या आने की संभावनाओं को देखते हुए तिरेपन लाख बच्चों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीका दिया गया है
484	रयूमैटिक हार्ट डिजीज व वाल्व का सफल	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के पीजीआई में एक वयोवृद्ध का रयूमैटिक हार्ट डिजीज व वाल्व का

	ऑपरेशन	सफल ऑपरेशन किया गया है जो कि काफी जटिल था.
485	पेट की समस्याओं से ना हो परेशान	इस समाचार में बताया गया है कि शोध परक तरीके से नई तकनीक के आने से पेट की समस्याओं से जल्दी ही निजात दिलाई जा सकती है.
486	संयुक्त चिकित्सालय में मिलेंगी और अधिक सुविधाएं	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के संयुक्त चिकित्सालय में स्वास्थ्य उपकरण आने से अब सभी जांच हैं यहीं पर संभव हो सकेंगी जिसका लाभ मरीजों को मिल सकेगा.
487	आंतों की टीबी, इलाज संभव है	इस समाचार में बताया गया है कि आंतों की होने वाली टीबी का उपचार अब जिला संयुक्त चिकित्सालय में बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध है.
488	अब 3डी तकनीक से होगा इलाज	समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य में नई तकनीक 3डी से हृदय का इलाज अच्छे तरीके से संभव हो सकेगा.
489	फेफड़ों को निशाना बना रहा हवाओं में मौजूदा जहर	इस समाचार में बताया गया है कि बदलते मौसम के कारण जो शुष्क अवस्था हुई है वह फेफड़ों के लिए नुकसानदेह है जिसमें इसके उपाय एवं निवारण की चर्चा की गई.
490	ब्रेन कैंसर में जैतून का तेल कारगर	इस समाचार में बताया गया है कि ब्रेन का कैंसर होने पर जैतून का तेल इसके उपचार में सहायता करता है.
490	करें योग, रहें निरोग	इस समाचार में बताया गया है कि मौसमी बीमारियों से बचने के लिए नियमित व्यायाम एवं योग करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है
492	मां के दर्द को कम करेगा स्तनपान	इस शोधपरक समाचार में बताया गया है कि मां के दर्द को कम करने में स्तनपान का काफी योगदान है
493	लोहिया में यूरो कैंसर का	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम

	भी होगा इलाज	मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में अभी यूरो कैंसर का भी इलाज संभव है इसके लिए सभी स्वास्थ्य तकनीकी संसाधन उपलब्ध हैं.
494	जागरूकता के लिए लगाएंगे दौड़	इस समाचार में बताया गया है कि एचआईवी से बचने के लिए शहर के प्रबुद्ध लोगों द्वारा एक दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसके माध्यम से जनजागरण का कार्य किया जाएगा.
495	स्वाइन फ्लू से एक और मरीज की मौत	इस समाचार में बताया गया है कि एक संक्रमित बीमारी जो एक की विश्वव्यापी है की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई है.
496	केजीएमयू को मिलेंगी और अधिक सुविधाएं	इस समाचार में बताया गया कि सरकार के दिशा निर्देशानुसार किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी को और अधिक स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे जिससे आम जनजीवन को इसका लाभ मिल सके.
497	टीवी की दवा खत्म, हंगामा	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के जिला अस्पताल में टीवी की दवा खत्म होने से टीवी के मरीजों ने हंगामा कर दिया.
498	सेहत भरे जीवन का	इस समाचार में बताया गया है कि मौसम के बदलने के बाद होने वाली संक्रमित बीमारियों से बचने के लिए छोटे-छोटे घरेलू उपाय के द्वारा निवारण किया जा सकता है
499	शोध समाचार	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य में नई तकनीकों के आने से किस तरह से स्वास्थ्य बीमारियों का और अच्छे तरीके से उपचार किया जाता है
500	7 घंटे में तीन अंगों से हटाया कैंसर	समाचार में बताया है कि जिले के पीजीआई में एक वयोवृद्ध के तीन अंगों से लगातार चलने वाली 7 घंटे की सर्जरी के दौरान कैंसर का निवारण किया गया है.

501	हृदय के हर मामले में सर्जरी नहीं	समाचार में बताया गया है कि हृदय के हर रोग में सर्जरी की संभावना नहीं होती है.
502	प्रोस्टेट कैंसर, सफल ऑपरेशन	इस समाचार में बताया गया है कि पीजीआई में एक वयोवृद्ध व्यक्ति का प्रोस्टेट कैंसर का सफल इलाज वहां के डॉक्टरों ने किया
503	हृदय रोगियों के लिए बनेगी गाइडलाइन	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य विभाग के दिशा निर्देशानुसार कि प्रदेश के सभी अस्पतालों को हृदय रोगियों के लिए एक विशेष गाइडलाइन बनानी होगी जिसके अनुरूप ही उनका उपचार एवं निवारण संभव हो सकेगा.

3.3 THE TIMES OF INDIA:

TOI जिसका प्रबन्धन और स्वामित्व बेनेट कोलेमन एंड कम्पनी लिमिटेड के द्वारा किया जाता है। दुनिया में सभी अंग्रेजी भाषा के व्यापक पत्रों में इस अखबार की प्रसार संख्या सर्वाधिक है। वर्तमान में अखबार ने रिपोर्ट दी कि 2,452,883 के साथ इसे ऑडिट बुरो ऑफ़ सर्क्युलेशन के द्वारा दुनिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले अंग्रेजी भाषा के सामान्य समाचार पत्र के रूप में प्रमाणित किया गया है। इसके बावजूद भारत के भाषायी समाचार पत्रों (विशेषतः हिन्दी के अखबारों) की तुलना में इसका प्रसार बहुत कम है।

टाइम्स ऑफ़ इंडिया को मीडिया समूह बेनेट, कोलेमन एंड कम्पनी लिमिटेड के द्वारा प्रकाशित किया जाता है, इसे टाइम्स समूह के रूप में जाना जाता है, यह समूह इकॉनॉमिक टाइम्स, मुंबई मिरर, नवभारत टाइम्स (एक हिंदी भाषा का दैनिक), दी महाराष्ट्र टाइम्स (एक मराठी भाषा का दैनिक) का भी प्रकाशन करता है।

जनवरी 2017

क्रं.	समाचार	अध्ययन
01	Walking empty stomach is beneficial	इस समाचार में बताया गया है कि मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए तथा चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए खाली पेट घूमने से ज्यादा फायदा मिलता है
02	Heart medicine does not threaten the body	इस समाचार में बताया गया है कि दिल के रोगियों को दवा लेने से कोई खतरा नहीं रहता है यह दवाएं केवल रोगी के रोग के निवारण के लिए होती हैं.
03	Here, the treatment of patients is captured on paper	समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जितनी भी सुविधाएं और जरूरत है उन मरीजों को वास्तविक रूप से ना मिलकर केवल कागजों में कैद होकर रह गई हैं
04	Patient suffering in Trauma Center	इस समाचार में बताया गया है कि ट्रामा सेंटर में सरकारी योजनाओं का लाभ न मिलने के कारण मरीजों में अफरा-तफरी का माहौल है.
05	Successful cancer surgery at KGMU	समाचार ने बताया गया है कि कैंसर से पीड़ित एक व्यक्ति की है सर्जरी जोकि काफी मुश्किल थी डॉक्टरों ने मिलकर के उसे सफलतापूर्वक किया है.
06	Government spending on health	इसमें विस्तार पूर्वक बताया गया है कि सरकारों द्वारा स्वास्थ्य योजनाओं पर कब-कब किस-किस मद पर खर्च किया गया है और कितना खर्च किया जाएगा
07	Minister praised medical facilities	इस खबर में स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सा के क्षेत्र में मिलने वाली सुविधाओं को देखकर जिला अस्पताल के सभी डॉक्टर एवं कर्मचारियों को

		सराहा.
08	Initiative to expand civil hospital	इस समाचार में जिला सिविल अस्पताल की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कहा गया है
09	Different OPD will run for heart patients	इस समाचार में बताया गया है कि दया की रोगियों को देखते हुए जिला अस्पताल प्रशासन ने नई ओपीडी चलाने की व्यवस्था प्रारंभ की है जिसके माध्यम से मरीजों को अब इंतजार नहीं करना पड़ेगा
10	Work done at low cost	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी सुविधाओं के नाम पर किस तरह अवैध वसूली के नाम पर कार्य अर्थात इलाज किया जा रहा है इसके एवज में मरीजों से पैसे लिए जा रहे हैं जबकि सरकार द्वारा सब सारी चीजें मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही हैं
11	HIV will stop with awareness	इस समाचार में बताया गया है कि जन जागरण में जागरूकता से ही को रोका जा सकता है इसमें विस्तार चर्चा के लिए सेमिनार आयोजित किया गया है तथा सेमिनार में बाहर से आए प्रोफेसर वहां बैठे विद्यार्थियों से कहीं.
12	4000 die from heat stroke in 4 years	समाचार में बताया गया है कि विगत 4 वर्षों में मौसम की साहब होने वाले बदलाव के कारण लू की समस्या उत्पन्न हो जाती है उसकी कारण पिछले 4 वर्षों में 4000 लोगों की मौत हो चुकी है
13	Investigation report will be available on one click	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं की नवीनतम जानकारी एवं जांच रिपोर्ट को ऑनलाइन कर दिया गया है अब मरीज केवल एक क्लिक पर ही अपनी जांच की

		रिपोर्ट को जान सकेंगे.
14	New reason for high BP	समाचार में शोध परक तरीके से बताया गया कि हाई बीपी की नई वजह क्या है साथ ही हाई बीपी के उपचार एवं निवारण के बारे में पूरी जानकारी दी गई है.
15	Generic medicines are cheap	इस समाचार में बताया गया है कि जेनेरिक दवाओं के मुकाबले सस्ती और आसानी से उपलब्ध होने वाली सरकारी सुविधाओं में से एक हैं.
16	Government will increase facilities	इस समाचार में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा सरकारी स्वास्थ्य योजना पर उपलब्ध बढ़ाया जाएगा साथ ही उन पर खर्च होने वाले जल्दी से समीक्षा कर अभी बैठक में रखा जाएगा
17	People will get benefit with better use of resources	समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य संसाधनों के इस्तेमाल से आम मरीजों को तो फायदा मिलेगा ही साथ ही साथ इलाज करने वाले डॉक्टरों को भी निवारण करने में सहायता मिलेगी.

फरवरी 2017

18	Doctors will be increased	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या चार गुनी बढ़ाई जाएगी जिससे आने वाले मरीजों को अच्छे से देखा जा सके.
19	Trauma will not be run for name only	इसमें स्वास्थ्य विभाग के मंत्री जी ने बताया कि सिर्फ नाम के लिए ट्रामा का संचालन नहीं किया जाएगा, जल्द ही इससे जुड़े हुए सारे संसाधनों

		को उपलब्ध कराया जाएगा
20	Government schemes will not be interrupted	इस समाचार में बताया जा रहा है कि सरकारी योजनाएं चल रही हैं उन्हें किसी भी तरह की रुकावट आने पर उन्हें बाधित नहीं होने दिया जाएगा.
21	No more expensive medicine	समाचार में बताया गया है कि सरकार द्वारा उपलब्ध दवाएं महंगी नहीं बल्कि आम लोगों के लिए हरसंभव उपलब्ध रहेंगी
22	Minister said why cancer institute was inaugurated	इसमें बताया गया है कि कैंसर इंस्टिट्यूट का उद्घाटन होने के बाद भी उसमें सारी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं जिससे मरीज परेशान हो रहे हैं इससे खफा होकर के स्वास्थ्य मंत्री ने इस पर नाराजगी जताई है.
23	Treatment of patients should be accessible in trauma center	लोहिया के ट्रामा सेंटर में आने वाले सभी मरीजों का इलाज सुलभ एवं सस्ता हो इसके लिए इस समाचार में बताया गया है
24	KGMU shifts first patient from hi-tech ambulance	इस समाचार में बताया गया है कि पहली बार उच्च आधुनिक तकनीक से लैस एंबुलेंस से पहला मरीज किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में शिफ्ट किया गया है
25	Machine will get relief from Balrampur hospital	जिले के बलरामपुर अस्पताल में जल्द ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा नई मशीनों की आपूर्ति की जाएगी जिससे मरीजों को जांच में हो रही असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा
26	Poison in 23 drugs of Himachal	समाचार में बताया गया है कि हिमाचल प्रदेश में बनने वाली दवाएं मानकों के अनुरूप नहीं हैं सरकार के निर्देशानुसार कहा गया है कि जल्द ही

		इन कंपनियों को ब्लैक लिस्ट कानूनी कार्यवाही की जाएगी
27	OPD of Lohia Institute and PGI will remain closed today	इस खबर में लोहिया संस्थान और राजीव गांधी पीजीआई में सामान्य सुविधा के अनुरूप मिलने वाली पीढ़ी व्यवस्था बंद रहेगी ऐसा बताया गया है
28	Referred to death after operation	इस खबर में ऑपरेशन के दौरान केजीएमसी में होने वाली मौत को बताया गया है इसे बाद में रेफर कर दिया गया था
29	Budget will be improved for hospitals	इस खबर में लखनऊ की सभी सरकारी अस्पतालों जिसमें केजीएमयू पीजीआई लोहिया आदि संस्थानों को मिलने वाले बजट में बढ़ोतरी कर दी गई है
30	Rabbit will be the cure for blood cancer	इस समाचार में ब्लड कैंसर के लिए प्रयुक्त होने वाली दवा और थेरेपी के लिए खरगोश के तमाम की बात कही गई है इसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया गया है

मार्च 2017

31	KGMU will open country's first spine center	इस खबर में केजीएमयू के अंदर खुलने वाले नए एवं औद्योगिक रूप से विकसित सेंटर को खोलने की बात कही गई है
32	Mother Child Welfare Center will open	सरकार द्वारा स्वीकृत योजनाओं को विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में ऐसे केंद्र की स्थापना के लिए कहा गया है
33	Can beat the cancer	स्थानीय भेजकर प्रकाशित इस खबर में कैंसर से लड़ने और उसके मैदानों पर विस्तृत रूप से चर्चा

		की गई है
34	Cancer vaccine will be free	इसमें कैंसर में प्रयुक्त होने वाली दवाइयों को सरकार द्वारा मुफ्त में उपलब्ध कराने का आश्वासन बताया गया है
35	Cashless treatment of railway personnel will be done in PGI	इस खबर में राजीव गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट में रेलवे के कर्मचारियों का इलाज कैशलेस अर्थात डिजिटल ट्रांजैक्शन के माध्यम से करने की बात कही गई है
36	Pneumonia increasing in the changing season	इसमें मौसम बदलने के कारण हो रहे निमोनिया के बारे में बताया गया है कि निमोनिया मौसम के बदलाव के कारण हो रहा है
37	People racing on the road against HIV	इस समाचार में एचआईवी के खिलाफ जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत रनिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया है इस तरह का समाचार विश्लेषण किया गया है
38	Kidney Transplant at Lohia Institute	डॉ राम मनोहर लोहिया में किडनी ट्रांसप्लांट सफल होने की जानकारी इस समाचार में दी गई है
39	Cancer treatment without removing the uterus	इसमें कैंसर की उच्च तकनीक द्वारा इलाज करने की बात कही गई है जिसमें कहा गया है कि बिना गर्भाशय निकाले इलाज संभव है
40	Guidelines will be made for heart patients	इसमें के मरीजों के लिए केजीएमयू की तरफ से गाइडलाइन बनाने की बात कही गई है
41	UNICEF Director gave information about nutritional health	इसमें भारत सरकार और यूनिसेफ निदेशक के माध्यम से स्वास्थ्य जानकारी बताई गई है
42	Caesarean delivery to be done in Thakurganj	इसमें शहर में स्थित संयुक्त चिकित्सालय में सिजेरियन ऑपरेशन बात कहीं गई है

	joint hospital	
43	Facilities not available at health centers	लखनऊ में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सुविधाएं न मिलने की जानकारी इसमें दी गई है
44	Healthy villages will be developed	इसमें भारत सरकार की योजना के अनुरूप विकसित गांव को स्वस्थ करने की योजनाओं के बारे में विश्लेषण तरीके से बताया गया है
45	Cancer will be incurable	इसमें कैंसर के यथासंभव होने वाले उपचारों एवं निदान की बात कही गई है
46	3D tissue will treat heart patients	इस समाचार में स्वास्थ्य की आधुनिक तकनीक से हृदय रोगियों के इलाज के बारे में बताया गया है

अप्रैल 2017

47	Cancer removed from 7 organs in 7 hours	केजीएमयू में हुई इस सर्जरी में कैंसर की इलाज की बारे में पूरी तरह से बताया गया है
48	Delay in treatment is the main reason for heart failure	इसमें हार्ट फेल होने की दशा में इलाज में या निदान में देरी से होने के बारे में लाया गया है
49	KGMU will now have organ based surgery	शहर की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में ऑर्गन बेस्ट सर्जरी होने की बात कही गई है
50	Do not wander for treatment	इसमें सरकारी चिकित्सालय में इलाज के लिए अब भटकने की जगह सारे इलाज एवं उसके निदान की व्यवस्था दवाइयों के साथ एक ही जगह पर कहने की बात कही गई है
51	Newborn gets new life in KGMU	इस समाचार में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में नवजात शिशु को होने वाले कैंसर से बचाव होने के बारे में बताया गया है

52	SNCU will open on Urban CHC	इसमें सरकारी योजनाओं के स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों की खोलने की बात कही गई है जिससे आम आम जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का पूरा लाभ मिल सके
53	Center will open for cardiac patients	इसमें हृदय रोगियों के लिए एक उच्चस्तरीय सेंटर खोलने की बात कही गई है
54	Heart attack, treatment is possible	इसमें हार्ट अटैक से होने वाली मौत के आंकड़े को कम करने के लिए हर संभव मिलने वाली सरकारी सुविधाओं के माध्यम से इलाज की उपलब्धता के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया है
55	Big relief for heart patients cheap up to 85%	इसमें दिल के मरीजों को राहत देते हुए उनके जांच में आने वाले खर्च को 86 फ्रीसदी तक सस्ता बताया गया है
56	Emergency services on alert	सरकार के निर्देशानुसार अगले दिनों तक सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को अलर्ट पर रखा गया है ताकि जिन योजनाओं का लोगों को त्वरित लाभ मिल सके.
57	Tuberculosis drug will be available in ART center	इसमें सेंटर पर ही टीवी से पीड़ित रोगियों को दवाओं के लिए मिलना बताया है
58	Decide the operation after seeing the size of the cancer	इस समाचार में कैंसर का आकार देखकर सुनियोजित तरीके से निदान करने का ऑपरेशन करने के फैसले के बारे में बताया गया है.
59	Patients will not have to wander at medicine dot centers	इसमें टीवी के मरीजों के लिए नोट सेंटर पर ही दवा उपलब्ध कराई जाएगी तथा उन्हें इधर-उधर भटकने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं ऐसा बताया गया है.

60	What is chemotherapy	इसमें कीमोथेरेपी के बारे में सेमिनार आयोजित हुआ था जिस में विस्तृत रूप से इसके प्रयोग चुनौतियाँ के बारे में बताया गया है
61	PHC will open on Sunday	सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए पीएचसी को खोलने के लिए भी कहा गया है
62	Will get rid of new vaccine	इसमें इसमें शोधित नई वैक्सीन से बीमारी की निदान के लिए चर्चा की गई है
63	Now there will be rejuvenation	इसमें स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार सभी चिकित्सालय का आधुनिकीकरण करने की बात कही गई है.
64	Another OT will start in Trauma Center	इसमें केजीएमसी के सेंटर में एक और उल्टी होने की बात को बताया गया है जो कि सरकार की योजनाओं के अनुरूप कही गई है.
65	look at every disease related to the heart	इसमें बताया गया है कि देश से जुड़ी प्रत्येक बीमारी पर अब उसकी विशेषज्ञों द्वारा उपाय एवं निदान की हर संभव कोशिश तकनीक के द्वारा की जा रही है इसलिए सब कोई भी हृदय से संबंधित रोग चिंता नहीं है जहां इलाज न किया जा सके.

मई 2017

66	Facilities will increase in Health Department	उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के लिए आवश्यक उपकरणों की घोषणा करते हुए यह बात कही है.
67	Do not be afraid, disease is controlled by drugs	इस समाचार में एचआईवी से नहीं डरने की जरूर बताइए इसमें कहा गया है कि इंसीजन ने की जरूरत नहीं है समय पर दवाई लें और जागरूकता

		से काम ले.
68	HIV positive couple commits suicide	इसमें बताया गया है कि एचआईवी एड्स से पीड़ित रोगी ने अपने रोग से पीड़ित होकर के जान दे दी इसे अस्पताल में हंगामा मच गया और आनन-फानन में प्रवजन भी आकर हंगामा करने लगे.
70	Government announced health budget	सरकार ने स्वास्थ्य के अनुपूरक बजट की घोषणा की जानकारी देते हुए इसमें बताया है कि सरकार ने स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त बजट की व्यवस्था की है.
71	Be alert if your body is swollen	इसमें बदलते हुए मौसम से बताया गया है कि शरीर में मौसम के अनुसार होने वाली सूजन को लेकर सतर्क रहें.
72	Patients will no longer have to go out and get facilities	सरकारी अस्पताल के मरीजों को जगह पर जांच करवाने के लिए नहीं जाना पड़ेगा सारी जांच की सुविधाएं अब एक ही जगह पर मिलेंगे.
73	PGI will be treated in new OPD	इस समाचार में बताया गया है पीजीआई में अब नई ओपीडी शुरू होने से मरीजों को राहत मिलेगी तथा नई सुविधाओं को भी उपलब्ध कराया जाएगा
74	Inadequate preparation	इसमें सरकारी अस्पतालों में मोती बीमारियों से लड़ने के लिए वैक्सिनेशन की कमी के लिए घातक बताया है.
75	TB medicine ends in Lohia Hospital	शहर के मुख्य अस्पताल लोहिया में टीबी की दवा खत्म होने से सरकारी योजनाओं पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करने की जानकारी इस समाचार में दी गई है.
76	Death of loved ones is	इसमें एचआईवी पीड़ित की मौत से परिवारी जनों

	fatal	को मिलने वाले कष्ट के बारे में विस्तार पूर्वक डॉक्टरों ने बताया.
77	Medicine is over	इसमें बताया गया है कि टीवी की दवा खत्म होने से सही चिकित्सालय में मरीजों में हड़कंप मच गया जिससे प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए.
78	Successful operation of rheumatic heart disease	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के पीजीआई में एक वयोवृद्ध का र्यूमैटिक हार्ट डिजीज व वाल्व का सफल ऑपरेशन किया गया है जो कि काफी जटिल था.
79	More facilities will be available in the joint hospital	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के संयुक्त चिकित्सालय में स्वास्थ्य उपकरण आने से अब सभी जांच हैं यहीं पर संभव हो सकेंगी जिसका लाभ मरीजों को मिल सकेगा.
80	Tuberculosis of the intestines, treatment is possible	इस समाचार में बताया गया है कि आंतों की होने वाली टीबी का उपचार अब जिला संयुक्त चिकित्सालय में बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध है.
81	Olive oil is effective in brain cancer	इस समाचार में बताया गया है कि ब्रेन का कैंसर होने पर जैतून का तेल इसके उपचार में सहायता करता है.
82	Neuro cancer will also be treated in Lohia	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में अभी यूरो कैंसर का भी इलाज संभव है इसके लिए सभी स्वास्थ्य तकनीकी संसाधन उपलब्ध हैं.
83	Run for awareness	इस समाचार में बताया गया है कि एचआईवी से बचने के लिए शहर के प्रबुद्ध लोगों द्वारा एक दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसके माध्यम से जनजागरण का कार्य किया जाएगा.

84	Another patient died of swine flu	इस समाचार में बताया गया है कि एक संक्रमित बीमारी जो एक की विश्वव्यापी है की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई है.
85	More facilities will be available in KGMU	इस समाचार में बताया गया कि सरकार के दिशा निर्देशानुसार किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी को और अधिक स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे जिससे आम जनजीवन को इसका लाभ मिल सके.
86	Prostate Cancer, Successful Operation	इस समाचार में बताया गया है कि पीजीआई में एक वयोवृद्ध व्यक्ति का प्रोस्टेट कैंसर का सफल इलाज वहां के डॉक्टरों ने किया
87	Guidelines will be made for heart patients	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य विभाग के दिशा निर्देशानुसार कि प्रदेश के सभी अस्पतालों को हृदय रोगियों के लिए एक विशेष गाइडलाइन बनानी होगी जिसके अनुरूप ही उनका उपचार एवं निवारण संभव हो सकेगा.
88	स्वास्थ्य शिविर	इस समाचार में शहर में लगने वाले स्वास्थ्य शिविर के बारे में बताया गया है.

जून 2017

89	Effective treatment of blood pressure	इस शोध समाचार में बताया गया है कि रक्तचाप में होने वाले बदलाव के लिए अत्याधुनिक दवाइयों के सेवन से इलाज संभव है
90	Diabetes check not accurate with a drop of blood	इस शोध समाचार में शोध परक तरीके से बताया गया है कि एक बूंद खून लेने से डायबिटीज की जांच निश्चित रूप से सटीक नहीं हो सकती है इसके लिए अन्य जांचों का भी सहारा लेना पड़ता है.

91	High BP causes more heart	इस समाचार में बताया गया है कि हाई बीपी के रोगियों को हृदय से संबंधित बीमारियों की संभावना अपेक्षाकृत ज्यादा रहती है.
92	Valve treatment, No longer incurable	इस समाचार में बताया गया है कि हृदय वाल्व को बदलने के लिए अब लोहिया अस्पताल में सारी सुविधाओं के साथ उपलब्ध रहेगा इसके लिए अन्य जगह जाने की आवश्यकता नहीं है
93	No fear of brain tumor	इस समाचार में बताया गया है कि ब्रेन ट्यूमर एक बीमारी है जिसमें सफल इलाज के जरिए मरीज को ठीक किया जा सकता है इसलिए इस बीमारी से डरने की जगह इसके निवारण एवं उपचार करने की ज्यादा आवश्यकता है.
94	A regular walk reduces blockage problems.	इस समाचार में बताया गया है कि दे रोगियों को अपने दैनिक जीवन में नियमित टहलने की आदत डालनी चाहिए ताकि हृदय बॉल ब्लॉकेज की समस्या उत्पन्न ना हो सके.
95	HIV, awareness is the protection	इस समाचार में बताया गया है कि एड्स से बचने के लिए जन जागरूकता अभियान बेहद जरूरी है जिसके माध्यम से हम इस बीमारी से बच सकते हैं
96	3P model investigation will start from 23	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी सुविधाओं में ट्रिपल बी मॉडल से 23 तारीख से जांच में निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी
97	Transplantation of heart valves at PGI	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट में हार्ट के वाल्व का एक सफल ऑपरेशन संपन्न हुआ.
98	Accurate identification of	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य की आधुनिक तकनीक के आने से प्रोस्टेट कैंसर की

	prostate cancer	जांच संभव हो गई है.
99	Innocent lives become easier	इस समाचार में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय मंत्री महोदय ने कई स्वास्थ्य कार्यक्रमों की घोषणा की इसमें बताया कि इन स्वास्थ्य योजनाओं के लाभ से मासूमों की जिंदगी आसान हो जाएगी.
100	Treatment will be easier with new machine	इस समाचार में बताया गया है कि कैंसर के मरीजों के लिए नई मशीन के आने से इलाज में आसानी होगी.
101	Treatment of skin cancer with BP medicine	इस समाचार में बताया गया है कि बीपी की दवा से त्वचा कैंसर का इलाज सफल तरीके से किया जा सकता है जिसके जरिए रोगी को लाभ मिलता है
102	Obesity will stay away from sleeping on time	इसमें बताया गया है कि अगर व्यक्ति समय पर सोए तो उसे मोटापे से परेशान होने की आवश्यकता नहीं है
103	TB medicine will be free at the medical store	इस समाचार में बताया गया है कि कुछ मेडिकल स्टोर पर टीबी की दवा फ्री में उपलब्ध कराई जाएगी जिससे आम जनजीवन को इसका सीधा फायदा मिल सके
104	Photo with doctors name	इस समाचार में सरकार के दिशा निर्देशानुसार अब डॉक्टरों के नाम के साथ फोटो भी प्रकाशित किए जाएंगे जिससे आम जनजीवन को उसका सीधा लाभ मिल सके
105	Amrit Pharmacy will open in KGMU	इस समाचार में बताया गया है कि शहर की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में अमृत फार्मसी नाम से एक मेडिकल स्टोर खोला जाएगा जिसमें बहुत कम रेट पर दवाएं उपलब्ध रहेंगी

106	More than 750 illegal hospitals running under the kind of officers	समाचार में बताया गया है कि सरकारी महकमे के अधिकारी एवं कर्मचारी भी अवैध अस्पताल चलाने में लिप्त हैं
107	Successful operation in Lohia Institute	इस समाचार में बताया गया है कि शहर की डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में कैंसर की मरीज का सफल ऑपरेशन हुआ है.
108	Doctors are not prescribing generic medicines	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी संस्थानों के चिकित्सक जेनेरिक दवा लेने से परहेज कर रहे हैं जिससे आम आदमी को इसका सीधा लाभ नहीं मिल पा रहा है
109	e-tender will be in health department	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की आपूर्ति को और पारदर्शी बनाने के लिए ई-व्यवस्था पर लागू किया जा रहा है
110	JE vaccination launched	इसमें एक विशेष प्रकार की टीकाकरण का शुभारंभ माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी के द्वारा हुआ है ऐसा इस समाचार में बताया गया है
111	Coffee halves the risk of prostate cancer	इसमें बताया गया है कि प्रोस्टेट कैंसर के निवारण में कॉफी आधा खतरा कम कर सकती है.
112	Treatment with binocular method in Balrampur Hospital	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के बलरामपुर अस्पताल में दूरबीन विधि से ऑपरेशन का सफल आयोजन डॉक्टरों की टीम ने किया है.
113	MIC instructions also neutralize	इस समाचार में बताया गया है कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्देश भी मेडिकल और स्वास्थ्य संस्थान पूरी तरह से लागू नहीं कर रहे हैं.

3.4 hindustantimes :

भारत में प्रकाशित एक अंग्रेजी भाषा का दैनिक समाचार पत्र है। hindustantimes भारत का एक रोजमर्रा अंग्रेजी अखबार है जो भारत में बुलंद और नीर्भीक होकर लोगों की आवाज ऊठाता है। सत्ता दल के भक्त इस से बहुत डरते हैं क्योंकि ये उनके झूठ को उजागर करता है। ABC के अनुसार समाचारपत्र की प्रसार संख्या 710,456 है।

जनवरी 2017

क्रं.	समाचार	अध्ययन
01	The App will control blood sugar	इस समाचार में बताया गया है कि स्वास्थ्य संचार के लिए आधुनिक तकनीक से लैस मोबाइल ऐप के जरिए ब्लड शुगर पर नियंत्रण रखा जा सकता है
02	50-bed neuro-trauma to be opened in Lohia Institute	समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में सरकार केंद्र से निर्देशानुसार 50 बेड का न्यू ट्रामा सेंटर तैयार किया जाएगा.
03	2 patients died, Fury	इसमें बताया गया है कि लोहिया संस्थान में 2 मरीजों की मौत हो गई इसके बाद अस्पताल में मरीजों की परिवारी जनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है.
04	Referred without oxygen	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार के दिशा निर्देशानुसार जारी गाइडलाइन को लागू किए बिना ही बिना ऑक्सीजन के मरीज को रेफर कर दिया.
05	Cancer treatment will be cheaper with generic medicines	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार की योजना के अनुरूप जेनेरिक दवाओं के प्रचलन से कैंसर का इलाज काफी सस्ते दामों में उपलब्ध हो

		सकेगा.
06	Treatment is successful in linear accelerator	इसमें बताया गया है कि कैंसर के रोगियों के लिए लीनियर एक्सीलेटर तकनीक से इलाज सुगमता से किया जा सकता है.
07	27 expensive checks will be free in CHC	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार के निर्देशानुसार सभी सीएचसी में 27 तरह की विभिन्न जांचों को मुफ्त में कराने के निर्देश दिए गए हैं
08	Doctors will prescribe generic medicine in hospitals	इस समाचार में बताया गया है कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर आम जनों के ध्यान में रखते हुए जेनेरिक दवाएं ही लिखेंगे.
09	Health Minister in Lohia Hospital	इस समाचार में बताया गया है कि डॉ राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में स्वास्थ्य मंत्री ने औचक निरीक्षण किया तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का विवरण लिया.
10	3 operations were carried out at KGMU	इस समाचार में बताया गया है कि हृदय रोग संबंधित तीन ऑपरेशन किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक किए हैं.
11	Elderly Care Unit in dispute before starting	इसमें बताया गया है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में से एक योजना एल्डरली केयर यूनिट बनने से पहले ही विवादित हो गई है जिसमें तमाम तरह की खामियां एवं लापरवाही नजर आ रही है.
12	Second ABG machine started in Trauma	सरकार में बताया गया कि सरकारी स्वास्थ्य योजना के अनुरूप दूसरी मशीन जांच ट्रामा सेंटर में शुरू कर दी गई है
13	National Child Health Program of NHM	इस समाचार में बताया गया कि सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय बाल

		स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं तथा सिलसिलेवार ब्यौरा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं.
14	A vaccine that protects against Zika	इस शोधपरक समाचार में बताया गया है कि जानलेवा जी का से बचने के लिए टीका ईजाद किया गया है जिसकी सहायता से इसके उपचार एवं निवारण में सहायता मिलेगी.
15	Lohia Institute will get rid of cancer through surgery	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया संस्थान में सर्जरी के द्वारा उच्च तकनीक के साथ निजात एवं निवारण मिलेगा.

फरवरी 2017

16	Woman's TB removed	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती महिला के टीवी की गांठ का सफल ऑपरेशन वहां के सीएमएस की देखरेख में संपन्न हुआ.
17	NHM plans non-communication disease	इस समाचार में बताया गया कि सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आने वाली नोन कम्युनिकेशन डिजीज योजना का क्रियान्वयन किस तरीके से किया जाना चाहिए.
18	Hopes are not finished	इस समाचार में एचआईवी ईट से होने वाली जीवन की उम्मीदों को खत्म ना होना बताया गया है तथा इसमें कहा गया है कि एचआईवी होने के बाद भी आदमी सामान्य जीवन जी सकता है.

19	Wheels jammed when high-tech ambulances reach the districts	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अनुरूप एंबुलेंस योजना में एंबुलेंस के जिले में पहुंच से तकनीकी कमी के कारण अपनी सुविधाएं नहीं दे पा रही हैं.
20	Blood pressure is dangerous for heart and brain	इसमें बताया गया है कि दिल की बीमारियों के लिए ब्लड प्रेशर का होना बहुत ही खतरनाक स्थिति है.
21	Treatment started with intervention radiology in Lohia.	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इंटरवेंशन रेडियोलॉजी तकनीक से इलाज की व्यवस्था शुरू की गई है.
22	Central Gov. will give two and a half million to Spine Center	समाचार में बताया गया है कि केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत आने वाले स्पाइन सेंटर को ढाई करोड़ की अतिरिक्त धनराशि केंद्र सरकार मुहैया कराएगी.
23	shortage of ventilator beds	इस खबर में केजीएमयू में वेंटर की कमी से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है इस पर चिंता व्यक्त की गई है
24	Rabbit virus improves the blood cancer	इस समाचार में ब्लड कैंसर के लिए प्रयुक्त होने वाली दवा और थेरेपी के लिए खरगोश के तमाम की बात कही गई है इसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया गया है
25	Emergency services on alert	सरकार के निर्देशानुसार अगले दिनों तक सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को अलर्ट पर रखा गया है ताकि जिन योजनाओं का लोगों को त्वरित लाभ मिल सके.
26	TB drugs to be	इसमें सेंटर पर ही टीबी से पीड़ित रोगियों को

	available at ART center	दवाओं के लिए मिलना बताया है
27	What is chemotherapy?	इसमें कीमोथेरेपी के बारे में सेमिनार आयोजित हुआ था जिस में विस्तृत रूप से इसके प्रयोग चुनौतियाँ के बारे में बताया गया है

मार्च 2017

क्रं.	समाचार	अध्ययन
28	Doctor dies of dengue 2013 toll reaches 13	इसमें डेंगू से चिकित्सकों के चपेट में आने के बारे में बताया है।
29	Centre plans ad blitzkrieg for Jan Aushadhi revamp	इसमें केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं लिये के तथा दवाओं के लिये वित्तीय सहायता देने की बात कही गयी है।
30	Midday meal survivors in new school off the record	इसमें मिड-डे मील योजना जो कि गरीब बच्चों के लिये है जिसमें नए स्कूलों कि लापरवाही के बारे में बताया गया है।
31	Cancer centre	इसमें कैंसर अस्पताल को प्रधानमंत्री के द्वारा उधघाटित करने की बात कही गयी है।
32	Mother care	इसमें मातृत्व मृत्यु दर कम होने के कारणों पर चर्चा कि जानकारी प्रदान कि गयी है।
33	An abnormal stroke risk	इसमें हृदयघात से बचने के निदान, चिकित्सा आदि के बारे में बताया गया है।
34	Teen eating disorders may impact weight later : Study	इसमें बढ़ते हुये वजन में खानपान आदि को करण बताया है।

35	Daily routines may influence sleep quality, quantity	इसमें नियमित स्वास्थ्यवर्धक दिनचर्या से नींद ठीक होने कि जानकारी दी गयी है।
36	Heart disease could be tied to dementia for older women	इसमें शोध के माध्यम से बताया गया है कि रक्तचाप से पीड़ित महिला बुजुर्गों कि स्मरण शक्ति अन्य महिलाओं कि अपेक्षा कम होती है।
37	Lifestyle changes may help prevent half of Alzheimer's cases	इसमें डॉक्टर कि सलाह के द्वारा बताया गया है कि अलजाइमर जैसी बीमारियों से जीवनशैली मे परिवर्तन लाया जा सकता है।
38	Homoeopaths can prescribe allopathy drugs now in state	इसमें राज्य सरकार द्वारा मरीजों की भीड़ देखते हुए हौम्योपेथिक डॉक्टरों से एलोपेथिक उपचार कराने की बात कही गयी है।
39	Questionable answer	इसमें भी हौम्योपेथिक डॉक्टरों से एलोपेथिक उपचार कराने के निर्णय पर राज्य सरकार सवाल सवाल खड़ा किया गया है।
40	Hard times and headaches	इसमें शोध के माध्यम से मस्तिष्क की समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है।
41	Eating tree nuts linked to lowered obesity risk	इसमें नट्स की सहायता से वजन को नियंत्रित करने की सलाह दी गयी है।
42	Surgical treatment for sleep Alena	इसमें नींद की बीमारी को हाई – तकनीक चिकित्सा पद्धति द्वारा सही करने की बात कही गयी है।

अप्रैल 2017

क्रं.	समाचार	अध्ययन
43	Tata cancer hospital to get hi tech facility	इसमें प्रधानमंत्री द्वारा कैंसर से निपटने के लिये उच्चस्तरीय अस्पताल खोलने की उदघोषणा की जानकारी दी गयी है।
44	Move to help people with HIV become financially independent	इसमें एड्स से पीड़ितों के द्वारा महाराष्ट्र में बनाये गए संगठनों को वित्तीय सहायता देने की बात की गयी है।
45	Learning from success	इसमें पोलियो उन्मूलन की योजना की तरह ही अन्य बीमारियों से निपटने के लिये कहा गया है।
46	Drinking ample water healthy diet the best ways to detox	इसमें स्वस्थ रहने के लिये जूस आदि की जगह डेटोक्स लेने की सलाह दी गयी है।
47	Minimalist running shoes tied to injuries	इसमें पैरों को ठीक रखने के लिये अच्छे ब्रांडेड जूतों के प्रयोग करने के लिये कहा गया है।
48	Munch on the go : dietary guide for jet – setters	इसमें स्वस्थ रहने के लिये उचित खान-पान जीवनशैली आदि के बारे में बताया गया है।
49	Ultra- runners not ultra fit	इसमें भी एक अध्ययन के द्वारा यह बताने की कोशिश की गयी है कि ज्यादा एक्सरसाइज से भी पूर्णत स्वस्थ नहीं रहा जा सकता है।
50	Probiotics may ease upset stomachs	इसमें बताया गया है कि प्रोबायोटिक्स (एक विशेष रूसी खाद्य पदार्थ) के द्वार पाचनशक्ति को स्वस्थ किया जा सकता है।
51	Overweight people who pick diet drinks eat more food	इसमें शोध के माध्यम से बताया गया है कि शराब पीने से ज्यादा भूख लगती है जिससे मोटापा बढ़ता है।
52	In new report, list of smoking related illness grows	इसमें भी शोध के माध्यम से बताया गया है कि धूम्रपान बीमारी बढ़ाने में सहायक होता है।

53	Coffee as a memory booster	इसमें कॉफी को दिमाग के लिये फायदेमंद बताया गया है।
54	Good night Sleep clear	इसमें अच्छी नींद को अच्छे स्वास्थ्य के लिये लाभदायक बताया है।
55	Swedan meets success in womb transplant	इसमें उच्च चिकित्सा तकनीक के द्वारा गर्भाशय के ट्रांसप्लांट के सफल ऑपरेशन की जानकारी दी गयी है।

मई 2017

क्रं.	समाचार	अध्ययन
56	Pain relievers may amplify flu spread	इसमें स्वयं के द्वारा दवाओं लेने के बाद होने वाले साइडइफैक्ट के बारे में बताया है।
57	Inactivity changes	इसमें बताया गया है कि किस तरह दिनचर्या बदलने से दिमाग भी उसके अनुरूप बादल जाता है।
58	Sunshine may benefit blood pressure	इसमें सूरज की किरणों को रक्तचाप के लिये लाभदायक बताया गया है।
59	How to reduce knee pain while climbing	इसमें चढ़ाई चढ़ते समय घुटनों में होने वाले दर्द को व्यायाम के माध्यम से कम करने के बारे में बताया गया है।
60	What's in your fish oil supplement	शरीर के लिये जरूरी विटामिन तथा पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी गयी है।
61	Try apple cider vinegar to cure digestive problems	इसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों के द्वारा सेव के सिरके से पाचनतंत्र ठीक करने की बात कही गयी है।
62	Polio - Free	इसमें पूरे पृष्ठ में पोलियो के अतीत तथा पूर्णतः खात्मे अर्थात् भारत के पोलियो फ्री होने की बात

		श्रुत्लाबद्ध तरीके से चर्चा की गयी है।
63	Cutting the calories	इसमें बताया गया है कि बहुत सारी स्वास्थ्य कंपनियाँ अपने खाद्य वस्तुओं में कैलोरी कि मात्रा कम करने पर लगी हुई हैं जो कि जनता के साथ खिलवाड़ है।
64	War and polio	इसमें भारत की महामारी पोलियो के सफल अभियान की तुलना अन्य देशों से की है।
65	Running out puff	इसमें कई राष्ट्रों द्वारा सिगरेट के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने तथा उसके बाद सिगरेट व्यवसाय में होने वाले घाटे के बारे में चर्चा की गयी है।
66	Will get rid of new vaccine	इसमें इसमें शोधित नई वैक्सीन से बीमारी की निदान के लिए चर्चा की गई है
67	Beds will increase in Trauma Emergency	इसमें बताया गया है कि किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में सरकारी सुविधाओं में बढ़ोतरी की गई है जिसके मद्देनजर वहां पर उपलब्ध बेदों की संख्या को बढ़ाकर 500 करने की योजना है।
68	E-service system will be implemented in Lohia Hospital	इस समाचार में बताया गया है कि डॉ राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में अब जांच के लिए इ सर्विस की व्यवस्था लागू की गई है जिसमें मरीज अपनी चार्ज का विवरण देख सकेंगे।
69	HIV caution is prevention	इस समाचार में एचआईवी से बचने के लिए सावधानी बरतने की जरूरत पर बल दिया गया है जिसमें बताया गया है कि इससे बचने के लिए आपको विशेष सतर्क रहने की आवश्यकता है।
70	10% victims of depression	इस समाचार में शोध के स्रोत के द्वारा बताया गया है कि पूरे वर्ल्ड में 10 फ़ीसदी लोग अवसाद

		के शिकार हैं जिन्हें बचाव के लिए क्या-क्या करना चाहिए.
71	Loneliness is dangerous	समाचार में बताया गया है कि किसी व्यक्ति के लिए खतरनाक हो सकता है रचने के लिए उपाय और निवारण के लिए इसमें विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है.
72	Cashless treatment system	शहर के नामचीन सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में कैशलेस इलाज के लिए डॉक्टरों वहां के अधिकारियों ने प्रक्रिया शुरू की है ऐसा क्या है.

जून 2017

क्रं.	समाचार	अध्ययन
73	Super Hospitality Center will be built in the hospital in Lohia	इस समाचार में बताया गया है कि डॉ राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में अब हृदय रोगियों के लिए एक सुपर हॉस्पिटैलिटी सेंटर का निर्माण किया जाएगा जिसमें कोई भी अपना इलाज सामान्य तरीके से करा सकेगा.
74	Government spends on health	इसमें विस्तार पूर्वक बताया गया है कि सरकारों द्वारा स्वास्थ्य योजनाओं पर कब-कब किस-किस मद पर खर्च किया गया है और कितना खर्च किया जाएगा
75	Successful cancer surgery at KGMU	समाचार ने बताया गया है कि कैंसर से पीड़ित एक व्यक्ति की है सर्जरी जोकि काफी मुश्किल थी डॉक्टरों ने मिलकर के उसे सफलतापूर्वक किया है.
76	Patient suffering in	इस समाचार में बताया गया है कि ट्रामा सेंटर में

	Trauma Center	सरकारी योजनाओं का लाभ न मिलने के कारण मरीजों में अफरा-तफरी का माहौल है.
77	Heart medicine does not threaten the body	इस समाचार में बताया गया है कि दिल के रोगियों को दवा लेने से कोई खतरा नहीं रहता है यह दवाएं केवल रोगी के रोग के निवारण के लिए होती हैं.
78	Doctors invent new technology in PGI	इस समाचार में बताया गया है कि शहर के राजीव गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों ने कैंसर को खत्म करने के लिए एक नई प्रकार की तकनीक की खोज की है जिसके द्वारा कैंसर की सर्जरी आसान हो गई है.
79	Consult a doctor at home through the app	इस समाचार में बताया गया है कि अब मरीज एप्लीकेशन के जरिए अर्थात ऑनलाइन माध्यम से अपने सरकारी चिकित्सकों से सलाह और अन्य निवारण ले सकेंगे.
80	Uproar over lack of ambulance for dead body	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार की महत्वाकांक्षी हंड्रेड नंबर पर एक व्यक्ति ने एंबुलेंस ना मिलने पर हंगामा कर दिया उसे आनन-फानन में बाद में दूसरी एंबुलेंस से भेजा गया
81	Gene is responsible for the education of children	इस समाचार में बताया गया है कि बच्चों की पढ़ाई के लिए उसके जी को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है यह एक समाचार है
82	Not a single patient get facility	इस समाचार में बताया गया है कि सरकार के निर्देशानुसार निर्मित सरकारी ओपीडी मैं अभी तक किसी भी मरीज को सुविधा नहीं मिली है जबकि बिल्डिंग तैयार खड़ी हुई है डॉक्टर भी हैं अधिकारी कर्मचारी सब कुछ होते हुए भी किसी

		भी मरीज को सुविधा नहीं मिल पा रही है.
83	KGMU will implement single window system: Professor Bhatt	इस समाचार में बताया गया है कि किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर भर्ती वहां के वाइस चांसलर हैं सरकार की मंशा के अनुरूप सिंगल विंडो सिस्टम सु करने की योजना है
84	Cancer victims get treatment due to Keshav's initiative	इस समाचार में बताया गया है कि एक कैंसर पीड़ित महिला को प्रदेश के मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या की सक्रियता की वजह से इलाज संभव हो पाया है.
85	The age of the brain is longer with dark chocolate	इस शोध समाचार में बताया है कि रात चॉकलेट खाने से दिमाग की आयु बढ़ती है
86	Chemotherapy is better than radio therapy	इसमें बताया गया है कि कैंसर के लिए वैसे तो दोनों ही तकनीकी अच्छी हैं लेकिन रेडियोथैरेपी अच्छी तकनीक है कैंसर के इलाज के लिए.
87	End of superbug infection in just 15 minutes	इस शोध समाचार में बताया गया है कि 15 मिनट में संक्रमण बीमारियों का उपचार एवं निदान संभव है.
88	Cardiovascular diseases are on the rise	इस समाचार में बताया गया है कि निरंतर आज के युवाओं में हृदय से संबंधित बीमारियों में तेजी आ रही है इसके लिए उचित उपाय एवं निवारण के बारे में बताया गया है.

अध्याय-चतुर्थ

तथ्य संकलन एवं विश्लेषण

- 4.1 चयनित समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी समाचार
- 4.2 चयनित समाचारपत्रों का तुलनात्मक अध्ययन
- 4.3 समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचारों का वर्गीकरण
- 4.4 स्वास्थ्य समाचारों की आवृत्ति का अध्ययन
- 4.5 स्वास्थ्य समाचार के स्रोतों का अध्ययन
- 4.6 पाठक वर्ग पर पढ़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

4.1 चयनित समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी समाचार

जनवरी 2017

क्रं.	दिनांक	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	01/01/2017	2	1	0	1
2	02/01/2017	1	2	1	0
3	03/01/2017	3	1	0	1
4	04/01/2017	2	0	1	0
5	05/01/2017	2	1	0	1
6	06/01/2017	1	0	1	1
7	07/01/2017	1	1	0	0
8	08/01/2017	2	2	0	1
9	09/01/2017	1	0	1	0
10	10/01/2017	2	1	0	0
11	11/01/2017	0	0	1	1
12	12/01/2017	1	1	0	0
13	13/01/2017	2	0	1	0
14	14/01/2017	1	1	0	0
15	15/01/2017	2	0	1	1
16	16/01/2017	1	2	0	0
17	17/01/2017	1	1	0	1
18	18/01/2017	2	0	0	1
19	19/01/2017	0	2	0	0
20	20/01/2017	1	1	1	0
21	21/01/2017	2	2	0	1

22	22/01/2017	1	2	1	0
23	23/01/2017	0	1	0	0
24	24/01/2017	3	0	1	1
25	25/01/2017	2	2	1	0
26	26/01/2017	1	2	1	1
27	28/01/2017	1	1	1	1
28	29/01/2017	1	1	1	0
29	30/01/2017	1	2	2	1
30	31/01/2017	2	1	1	1
कुल		42	31	17	15

फरवरी 2017

क्रं.	दिनांक	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	01/02/2017	2	1	0	1
2	02/02/2017	1	2	2	0
3	03/02/2017	2	1	0	1
4	04/02/2017	1	0	1	0
5	05/02/2017	2	1	0	1
6	06/02/2017	1	0	1	1
7	07/02/2017	2	1	0	0
8	08/02/2017	3	2	0	1
9	09/02/2017	1	0	1	0
10	10/02/2017	2	1	0	0
11	11/02/2017	1	0	1	1
12	12/02/2017	1	1	0	0

13	13/02/2017	2	0	1	0
14	14/02/2017	1	1	0	0
15	15/02/2017	2	0	1	1
16	16/02/2017	1	2	0	0
17	17/02/2017	2	1	0	1
18	18/02/2017	2	0	0	1
19	19/02/2017	0	2	0	0
20	20/02/2017	1	1	1	0
21	21/02/2017	0	0	0	1
22	22/02/2017	1	2	1	1
23	23/02/2017	0	1	0	0
24	24/02/2017	3	0	1	1
25	25/02/2017	2	0	1	0
26	26/02/2017	1	1	1	1
27	27/02/2017	2	2	0	0
28	28/02/2017	1	2	0	2
कुल		40	25	13	15

मार्च 2017

क्रं.	दिनांक	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	01/03/2017	3	1	1	0
2	02/03/2017	1	1	1	0
3	03/03/2017	3	1	0	1
4	04/03/2017	1	1	1	0
5	05/03/2017	2	0	0	1

6	06/03/2017	1	0	1	0
7	07/03/2017	1	1	1	0
8	08/03/2017	2	2	0	1
9	09/03/2017	1	0	1	1
10	10/03/2017	2	1	0	0
11	11/03/2017	0	0	1	1
12	12/03/2017	1	1	0	0
13	13/03/2017	2	0	1	1
14	15/03/2017	2	1	1	1
15	16/03/2017	1	2	0	0
16	17/03/2017	1	1	0	1
17	18/03/2017	3	0	0	1
18	19/03/2017	1	2	0	0
19	20/03/2017	1	1	1	0
20	21/03/2017	2	0	0	1
21	22/03/2017	1	2	1	0
22	23/03/2017	0	1	0	0
23	24/03/2017	1	0	1	0
24	25/03/2017	2	2	1	0
25	26/03/2017	1	2	0	1
26	27/03/2017	2	2	0	0
27	28/03/2017	2	1	1	1
28	29/03/2017	1	1	0	0
29	30/03/2017	2	3	1	1
30	31/03/2017	3	2	2	0
कुल		46	32	17	13

अप्रैल 2017

क्रं.	दिनांक	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	01/04/2017	1	2	2	1
2	02/04/2017	1	0	1	0
3	03/04/2017	3	2	2	1
4	04/04/2017	2	1	1	0
5	05/04/2017	1	1	0	0
6	06/04/2017	3	0	1	1
7	07/04/2017	1	2	0	0
8	08/04/2017	3	1	0	1
9	09/04/2017	1	3	1	0
10	10/04/2017	2	1	0	1
11	11/04/2017	0	2	1	0
12	12/04/2017	2	1	0	0
13	13/04/2017	2	1	1	1
14	14/04/2017	1	1	0	0
15	15/04/2017	2	0	2	1
16	16/04/2017	1	2	0	0
17	17/04/2017	3	1	0	0
18	18/04/2017	2	1	2	1
19	19/04/2017	0	1	0	0
20	20/04/2017	1	1	1	0
21	21/04/2017	2	0	0	2
22	22/04/2017	1	2	1	0
23	23/04/2017	1	1	0	1

24	24/04/2017	3	0	0	0
25	25/04/2017	2	1	1	0
26	26/04/2017	1	2	0	1
27	27/04/2017	2	3	1	0
28	28/04/2017	2	1	0	0
29	29/04/2017	1	2	1	1
30	30/04/2017	2	0	0	0
कुल		42	36	19	13

मई 2017

क्रं.	दिनांक	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	01/05/2017	3	2	1	1
2	03/05/2017	2	1	2	1
3	04/05/2017	3	0	1	0
4	05/05/2017	2	1	2	1
5	06/05/2017	3	2	1	1
6	07/05/2017	2	1	0	1
7	08/05/2017	3	3	1	1
8	09/05/2017	1	1	1	0
9	10/05/2017	2	1	0	1
10	11/05/2017	1	0	1	1
11	12/05/2017	1	1	0	0
12	13/05/2017	2	1	1	0
13	14/05/2017	1	1	0	0
14	15/05/2017	3	0	1	1

15	16/05/2017	1	2	0	0
16	17/05/2017	3	1	0	1
17	18/05/2017	2	0	0	1
18	19/05/2017	3	2	0	0
19	20/05/2017	1	1	1	0
20	21/05/2017	2	0	0	1
21	22/05/2017	2	2	1	0
22	23/05/2017	3	1	0	0
23	24/05/2017	2	1	2	1
24	25/05/2017	1	2	2	1
25	26/05/2017	2	2	1	1
26	27/05/2017	1	2	0	0
27	28/05/2017	1	3	1	1
28	29/05/2017	2	1	2	1
29	30/05/2017	2	2	1	0
30	31/05/2017	1	2	0	0
कुल		58	39	23	17

जून 2017

क्रं.	दिनांक	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	01/06/2017	1	2	1	1
2	02/06/2017	2	1	1	1
3	03/06/2017	4	1	2	1
4	04/06/2017	3	1	1	0
5	05/06/2017	2	1	0	0

6	06/06/2017	2	1	2	1
7	07/06/2017	3	0	0	0
8	08/06/2017	2	2	0	1
9	09/06/2017	3	1	1	1
10	10/06/2017	2	0	0	0
11	11/06/2017	3	1	1	1
12	12/06/2017	2	1	0	1
13	13/06/2017	2	1	1	1
14	14/06/2017	3	1	1	0
15	15/06/2017	1	1	1	1
16	16/06/2017	3	1	0	0
17	17/06/2017	2	2	0	1
18	18/06/2017	3	2	1	0
19	19/06/2017	2	2	1	0
20	20/06/2017	1	1	1	1
21	21/06/2017	2	2	0	1
22	22/06/2017	2	2	1	0
23	23/06/2017	1	3	0	0
24	24/06/2017	1	1	1	1
25	25/06/2017	2	2	0	0
26	26/06/2017	1	2	2	0
27	27/06/2017	2	3	1	0
28	28/06/2017	1	1	1	1
29	29/06/2017	1	2	2	0
30	30/06/2017	3	2	2	1
कुल		62	43	25	16

4.2 चयनित समाचारपत्रों का तुलनात्मक अध्ययन

क्रं.	मास	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	जनवरी	42	31	17	15
2	फरवरी	40	25	13	12
3	मार्च	46	32	16	15
4	अप्रैल	49	36	19	13
5	मई	58	39	23	17
6	जून	62	43	25	16
7	कुल चयनित समाचार	297	206	113	88

4.3 समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य समाचारों के वर्गीकरण के आधार पर अध्ययन

क्रं.	वर्गीकृत समाचार	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	शोधपरक समाचार	86	42	24	9
2	स्वास्थ्य कैम्प/शिविर	35	33	5	4
3	सरकारी स्वास्थ्य समाचार	101	71	47	23
4	असाध्य रोग(हृदय, कैंसर, एड्स, टीबी)	49	37	26	43
5	मौसमी बीमारियाँ	26	23	11	9
कुल चयनित समाचार		297	206	113	88

4.4 स्वास्थ्य समाचारों की आवृत्ति का अध्ययन

क्रं.	वर्गीकृत समाचार	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	शोधपरक समाचार	27	19	9	2
2	स्वास्थ्य कैम्प/शिविर	17	18	0	0
3	सरकारी स्वास्थ्य समाचार	24	18	12	8
4	असाध्य रोग(हृदय, कैंसर, एड्स, टीबी)	45	39	47	43
5	मौसमी बीमारियाँ	19	27	2	2
कुल चयनित समाचार		132	121	70	55

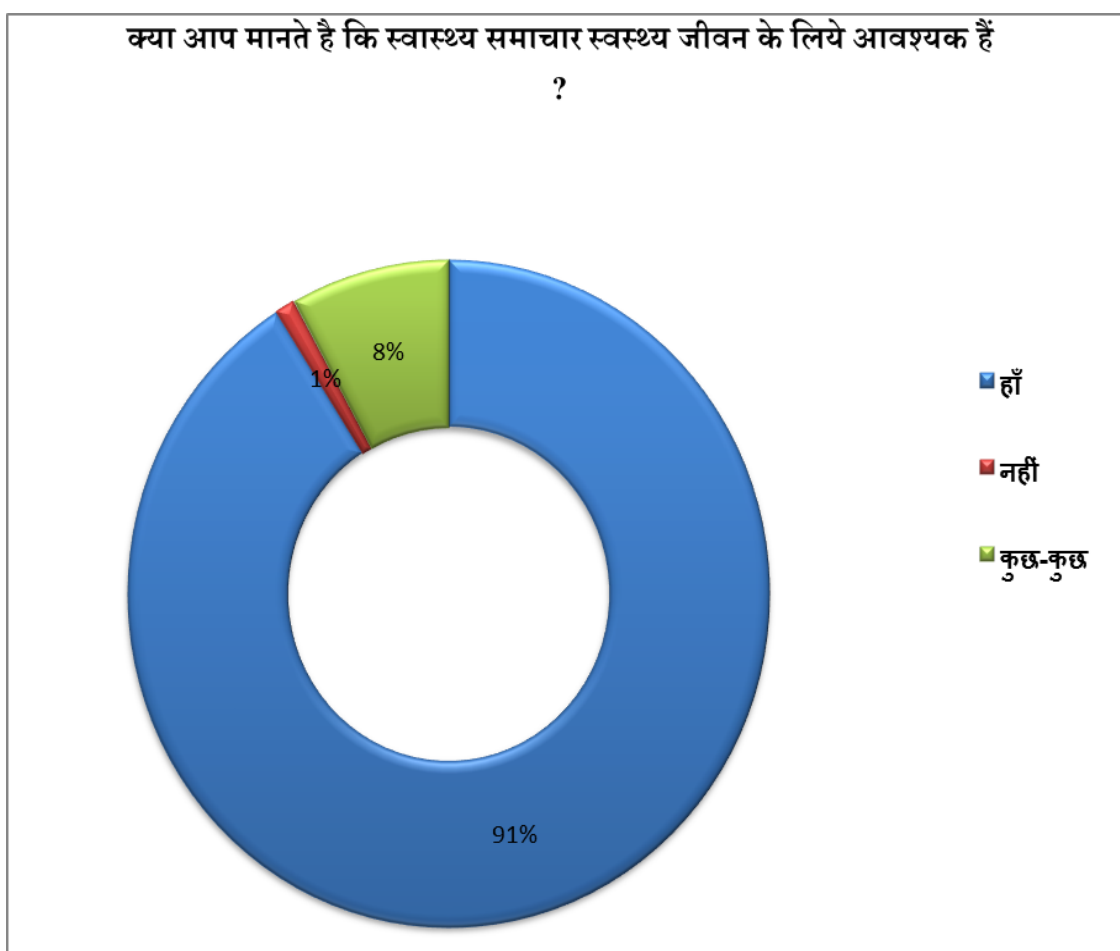
4.5 स्वास्थ्य समाचार के स्रोतों का अध्ययन

क्रं.	वर्गीकृत स्रोत	दैनिक जागरण	अमर उजाला	TOI	HT
1	शोध एवं रिपोर्ट	86	42	24	09
2	संवाददाता	114	83	37	49
3	न्यूज़ एजेंसी/ अन्य	97	81	52	30
कुल वर्गीकृत समाचार		297	206	113	88

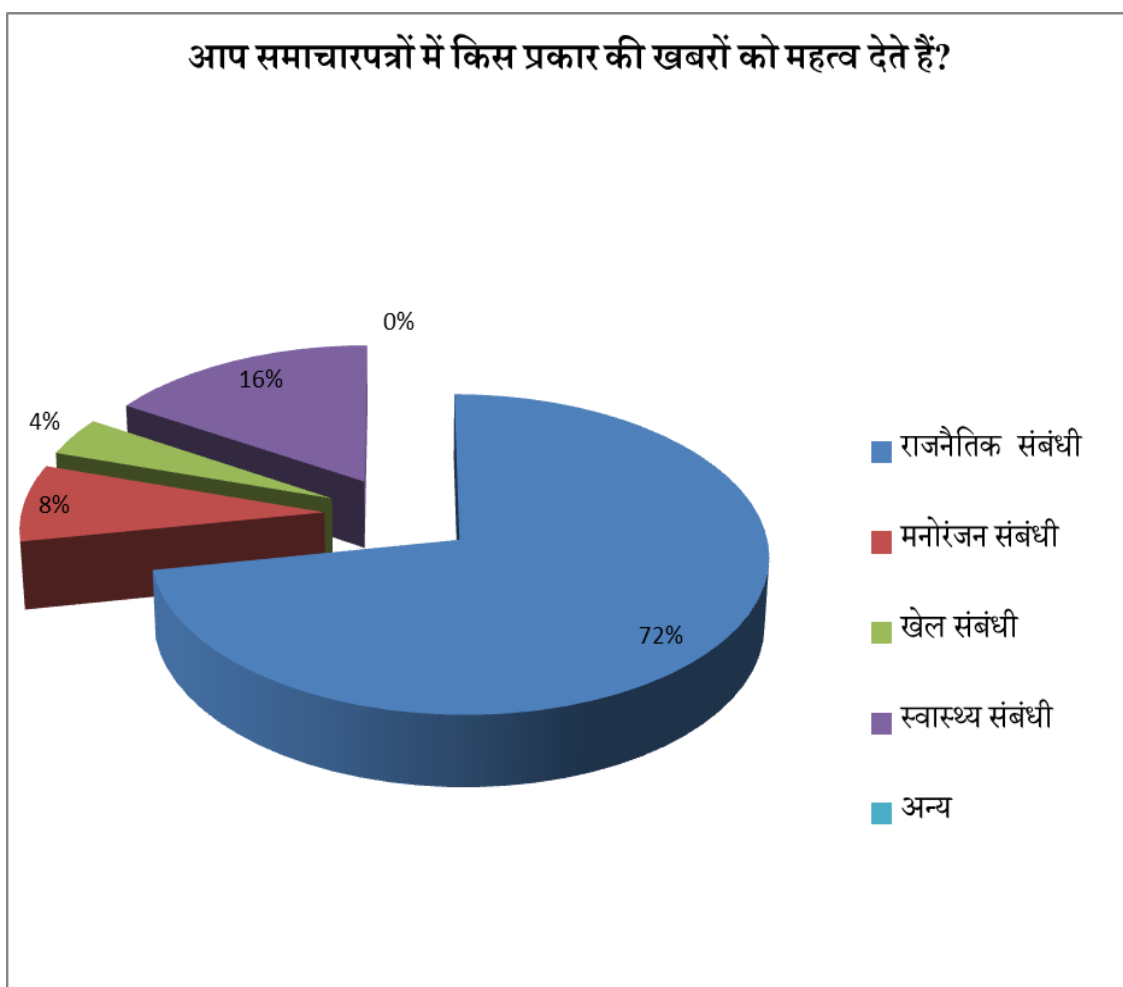
4.6 पाठक वर्ग पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन:

हमने अपने शोध के अति आवश्यक तत्व पाठक वर्ग पर पड़ने वाले प्रभाव का प्रश्नावली के माध्यम से अध्ययन किया जिसमें प्रश्नावली के माध्यम से कुल 500 लोगों को (समग्र लखनऊ की जनसँख्या 2,817,105) उद्देश्यपरक सैंपलिंग के तहत चुना गया है। इन सभी उत्तरदाताओं से प्राप्त उत्तरों का हमने गहन अध्ययन किया एवं जिसके आधार पर प्रश्नावली के आंकड़ों को ग्राफ के माध्यम से निम्न प्रकार से रेखांकित किया जा सकता है:

प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
1	क्या आप मानते हैं कि स्वास्थ्य समाचार स्वस्थ जीवन के लिये आवश्यक हैं ?	हाँ – 452 नहीं – 5 कुछ-कुछ – 38

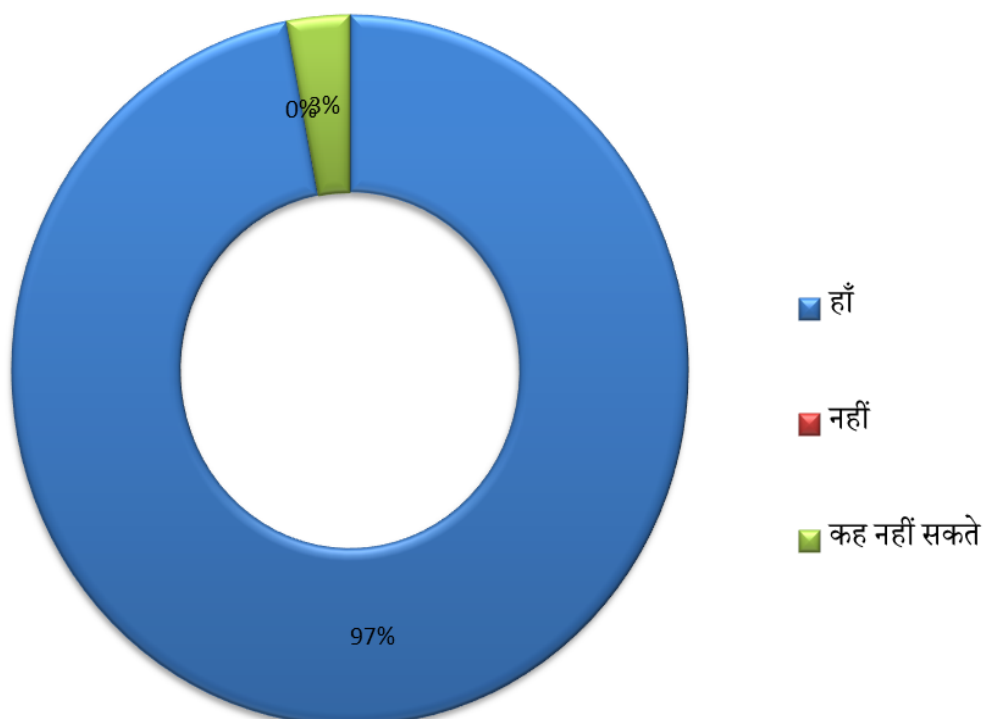


प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
2	आप समाचारपत्रों में किस प्रकार की खबरों को महत्व देते हैं ?	राजनैतिक संबंधी - 355 मनोरंजन संबंधी - 39 खेल संबंधी - 50 स्वास्थ्य संबंधी - 77 अन्य - 0



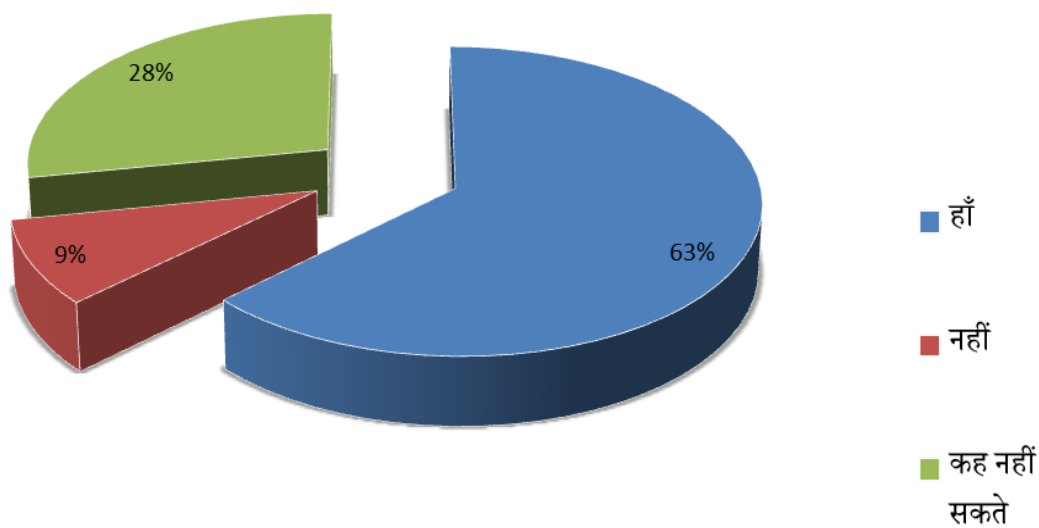
प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
3	क्या आप मानते हैं समाचारपत्रों में स्वास्थ्य संबंधी समाचार होना आवश्यक है ?	हाँ - 475 नहीं - 0 कह नहीं सकते - 11

क्या आप मानते हैं समाचारपत्रों में स्वास्थ्य संबंधी समाचार होना आवश्यक है ?

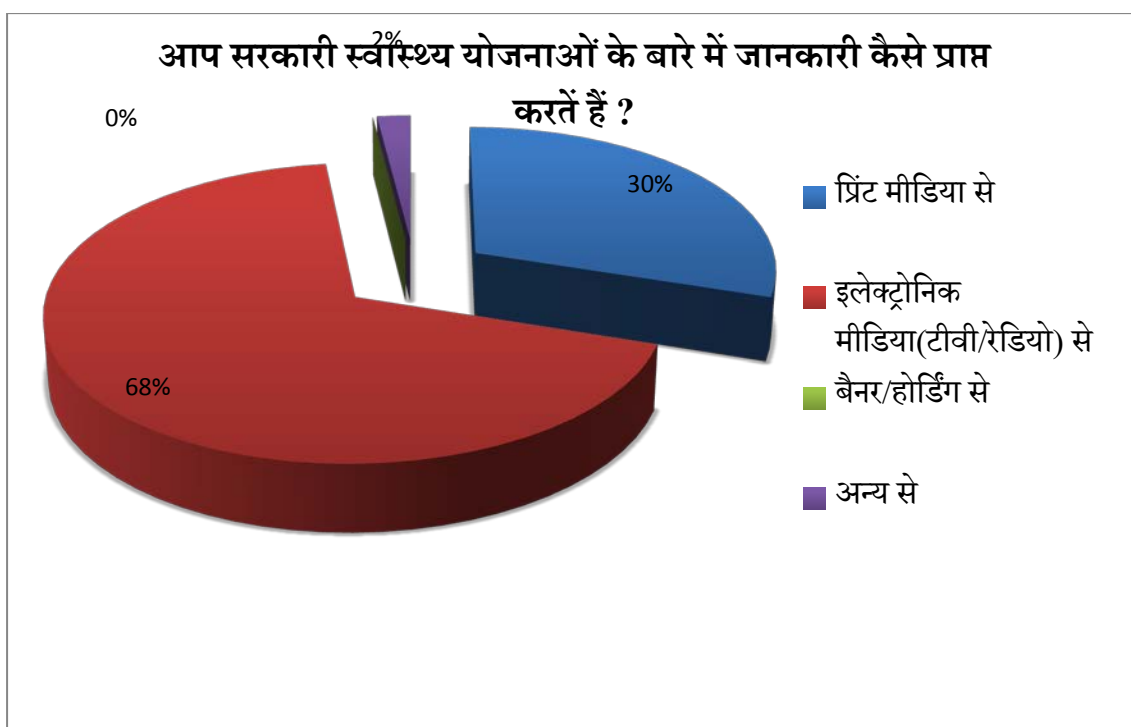


प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
4	क्या आप जानते हैं कि सरकार समाचारपत्रों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करती है ?	हां-312 नहीं-43 कह नहीं सकते-140

क्या आप जानते हैं कि सरकार समाचारपत्रों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करती है ?

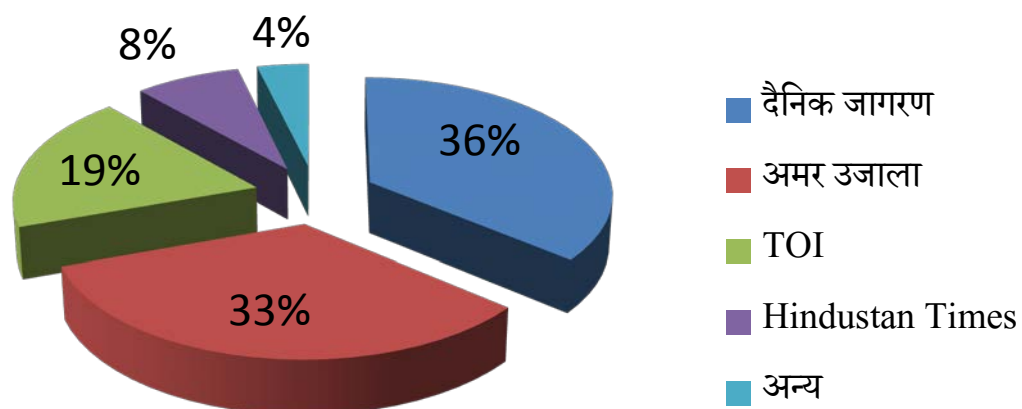


प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
5	आप सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं ?	<p>प्रिंट मीडिया से - 150</p> <p>इलेक्ट्रॉनिक मीडिया(टीवी/रेडियो) - 245</p> <p>बैनर/होर्डिंग से - 0</p> <p>अन्य से - 20</p>



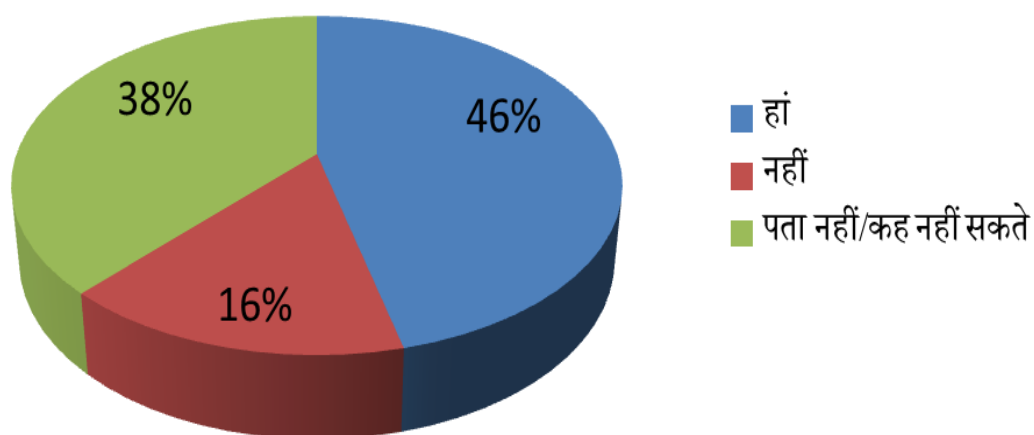
प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
6	आप कौन-कौन से समाचारपत्रों का अध्ययन करते हैं ?	दैनिक जागरण – 180 अमर उजाला – 168 TOI-94 Hindustan times- 39 अन्य - 19

आप कौन-कौन से समाचारपत्रों का अध्ययन करते हैं ?



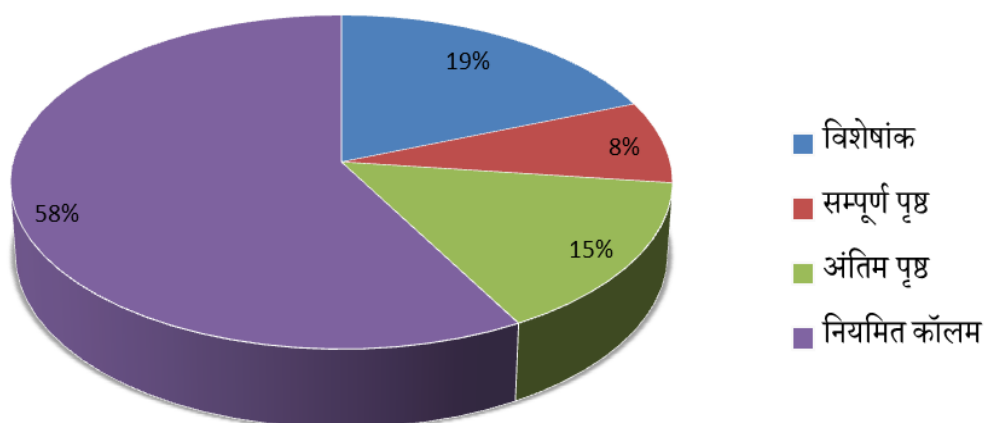
प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
7	क्या आप समाचरपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों को प्रमाणिक या विश्वसनीय मानते हैं?	हां-230 नहीं-78 पता नहीं/कह नहीं सकते-190

क्या आप समाचरपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों को प्रमाणिक या विश्वसनीय मानते हैं.



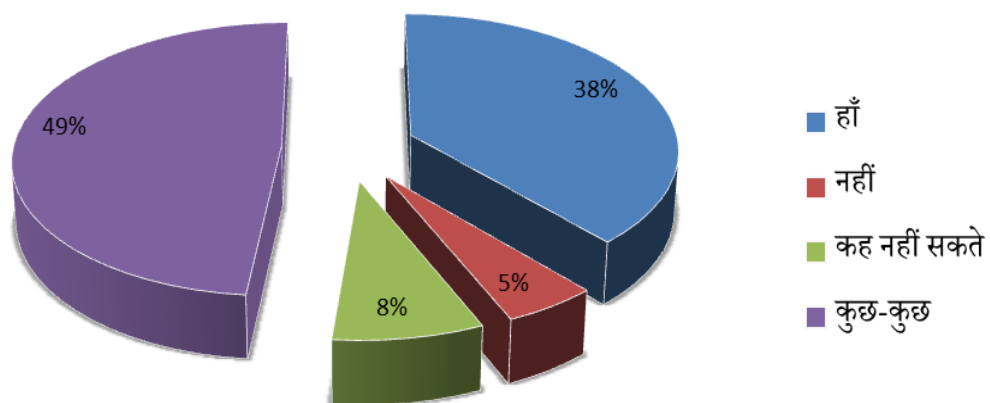
प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
8	आपके अनुसार स्वास्थ्य संबंधी समाचारों को समाचारपत्रों में किस स्थान पर होना चाहिये ?	विशेषांक - 95 सम्पूर्ण पृष्ठ - 30 अंतिम पृष्ठ - 12 नियमित कॉलम - 275

आपके अनुसार स्वास्थ्य संबंधी समाचारों को समाचारपत्रों में किस स्थान पर होना चाहिये?

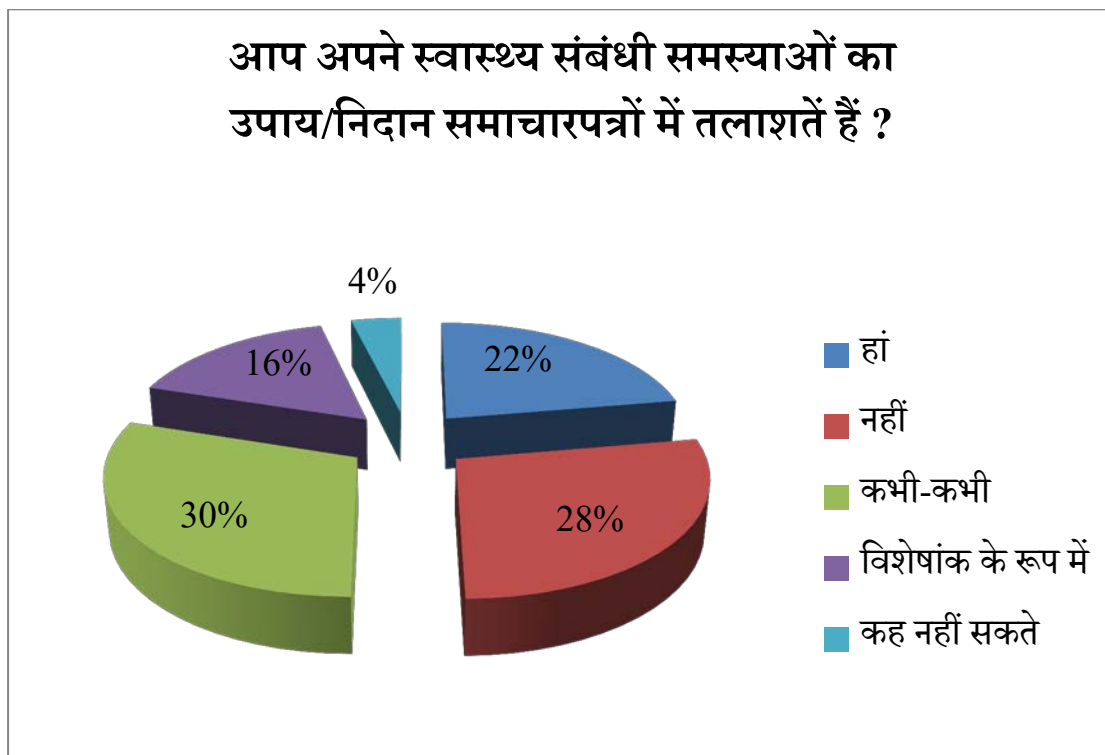


प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
9	क्या स्वास्थ्य संबंधी समाचारों से आपकी जीवन शैली प्रभावित होती है ?	हाँ - 187 नहीं - 23 कह नहीं सकते - 36 कुछ-कुछ - 242

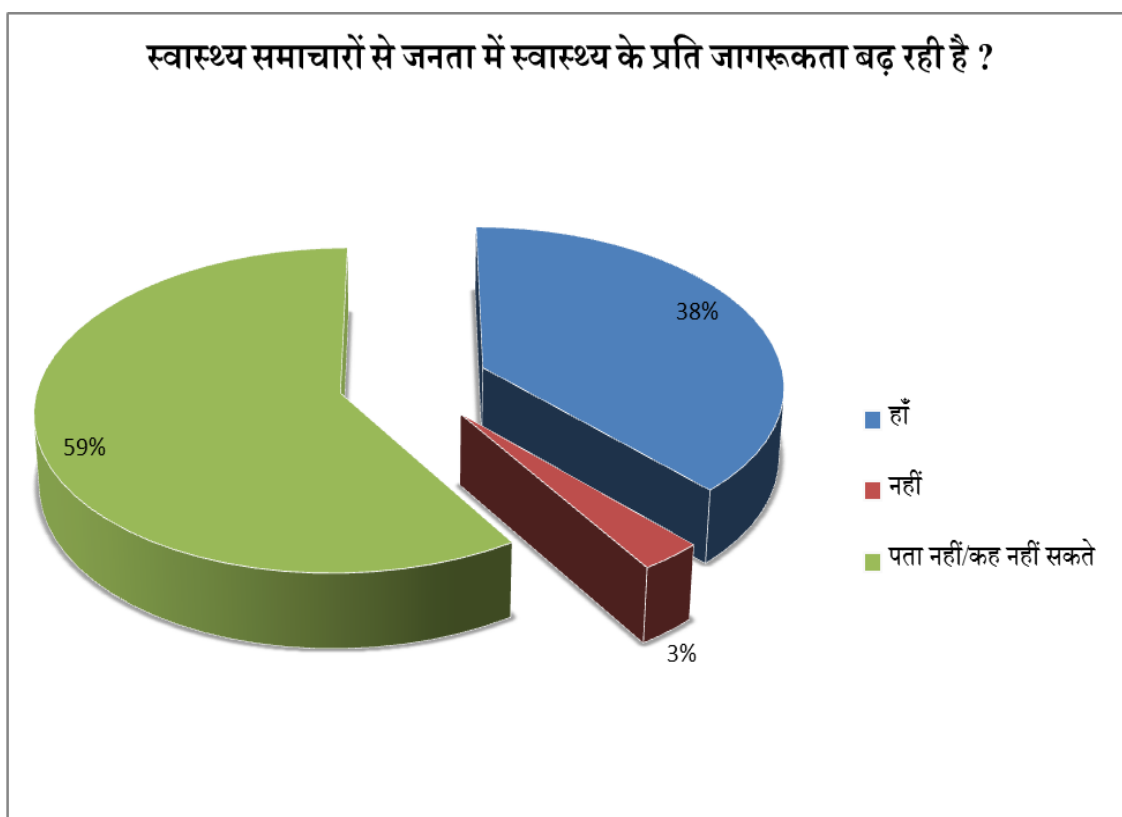
क्या स्वास्थ्य संबंधी समाचारों से आपकी जीवन शैली प्रभावित होती है ?



प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
10	आप अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का उपाय/निदान समाचारपत्रों में तलाशते हैं ?	हाँ - 110 नहीं - 136 कभी-कभी-148 विशेषांक के रूप में -80 कह नहीं सकते-19

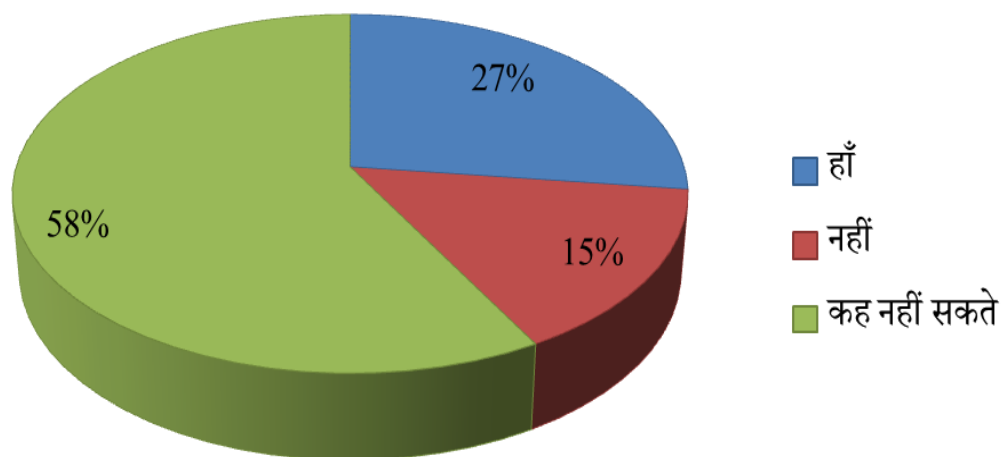


प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
11	स्वास्थ्य समाचारों से जनता में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है ?	हाँ - 187 नहीं - 12 पता नहीं /कह नहीं सकते - 292



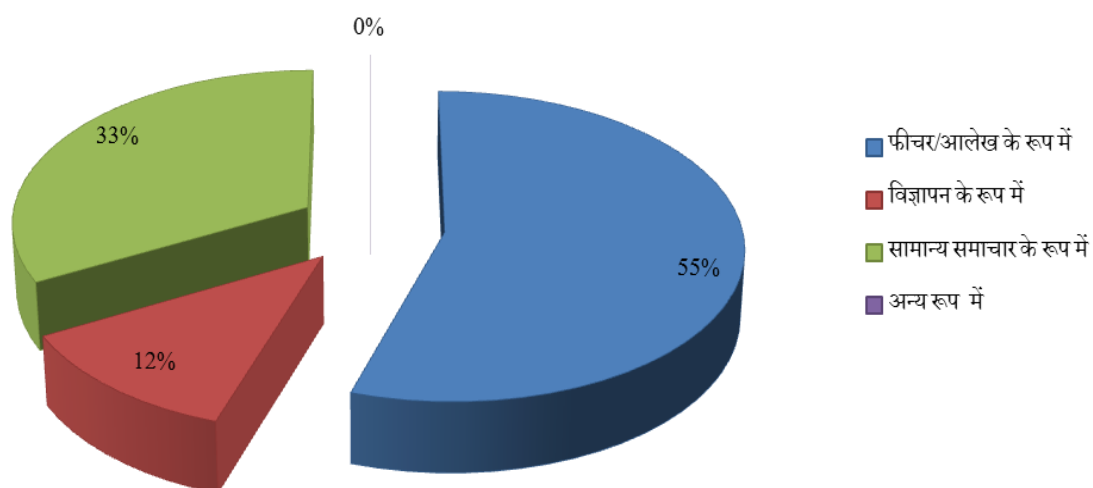
प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
12	क्या मीडिया और सरकार वास्तविक रूप से स्वास्थ्य संचार के प्रति गंभीर है ?	हाँ - 132 नहीं - 75 कह नहीं सकते - 289

क्या मीडिया और सरकार वास्तविक रूप से स्वास्थ्य संचार के प्रति गंभीर है ?

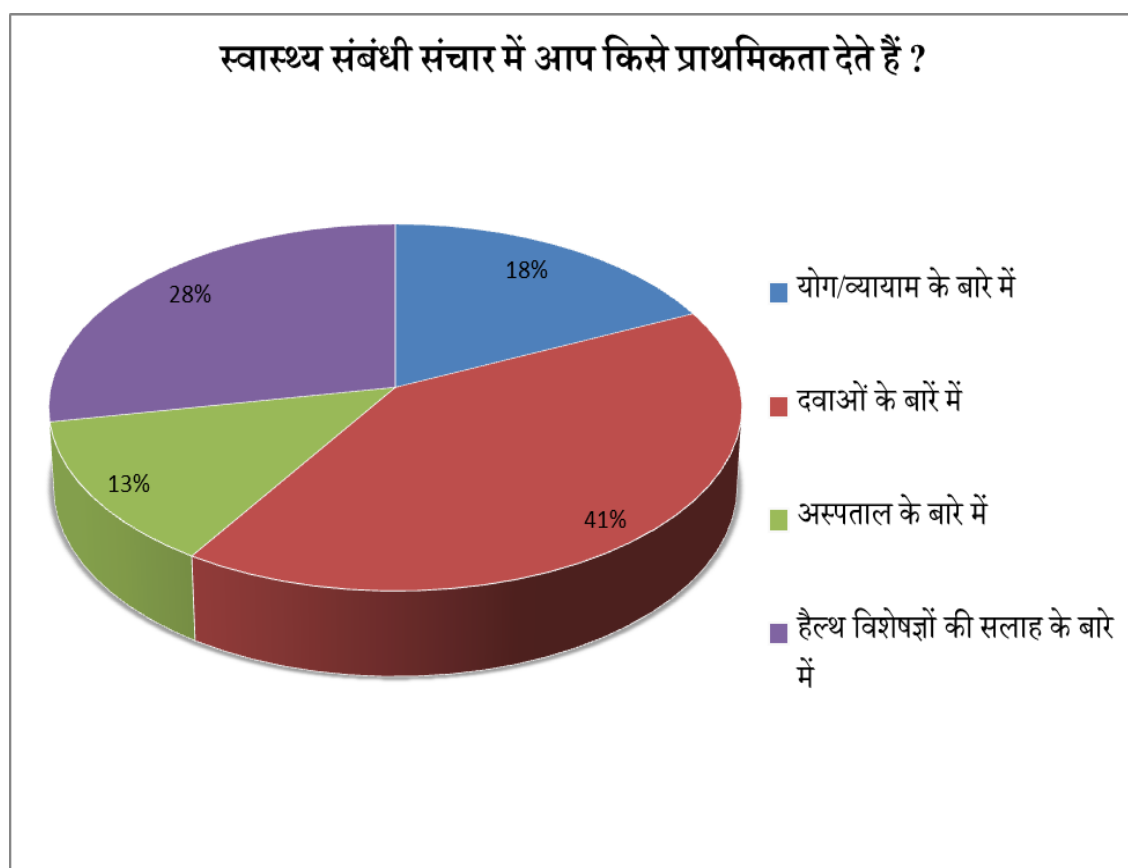


प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
13	आप समाचारपत्रों में स्वास्थ्य संबंधी समाचारों के किस रूप को अधिक पढ़ना चाहते हैं ?	फीचर/आलेख के रूप में – 273 विज्ञापन के रूप में – 58 सामान्य समाचार के रूप में – 162 अन्य रूप में - 0

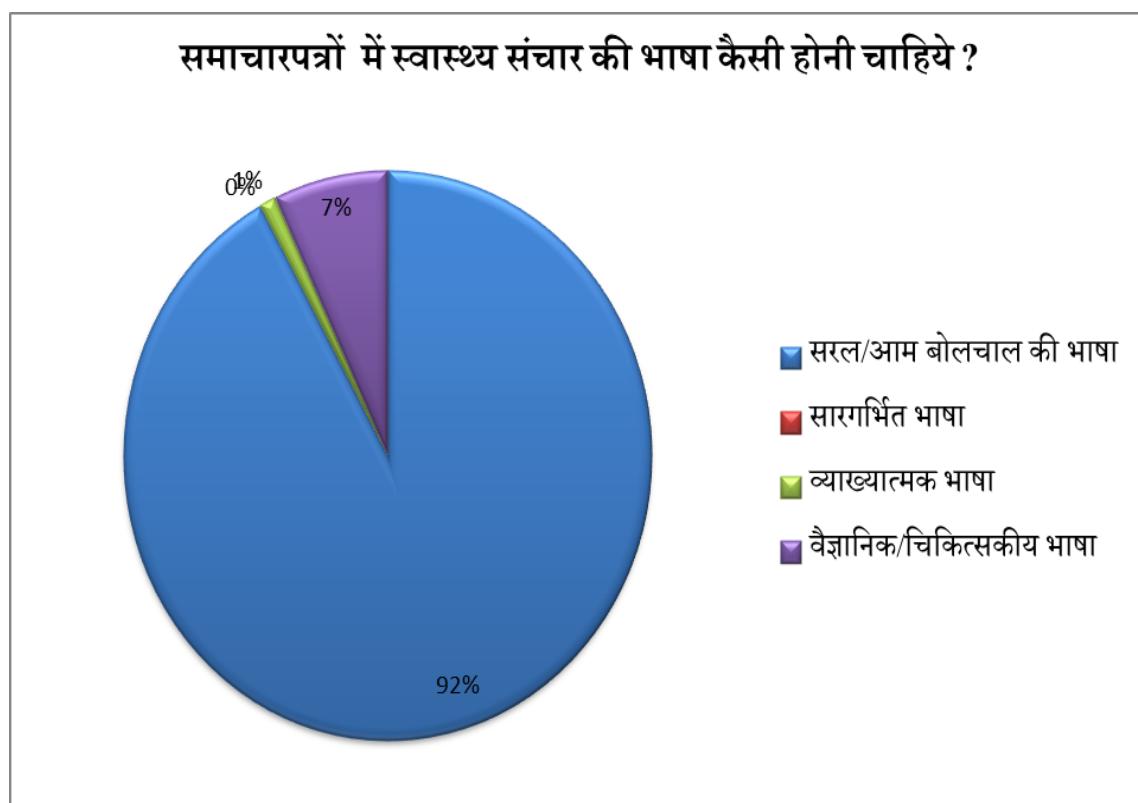
आप पत्र-पत्रिकाओं में स्वास्थ्य संबंधी समाचारों के किस रूप से अधिक प्रभावित होते हैं ?



प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
14	स्वास्थ्य संबंधी संचार में आप किसे प्राथमिकता देते हैं ?	योग/व्यायाम के बारे में-88 दवाओं के बारे में – 202 अस्पताल के बारे में – 62 हैल्थ विशेषज्ञों की सलाह के बारे में – 140

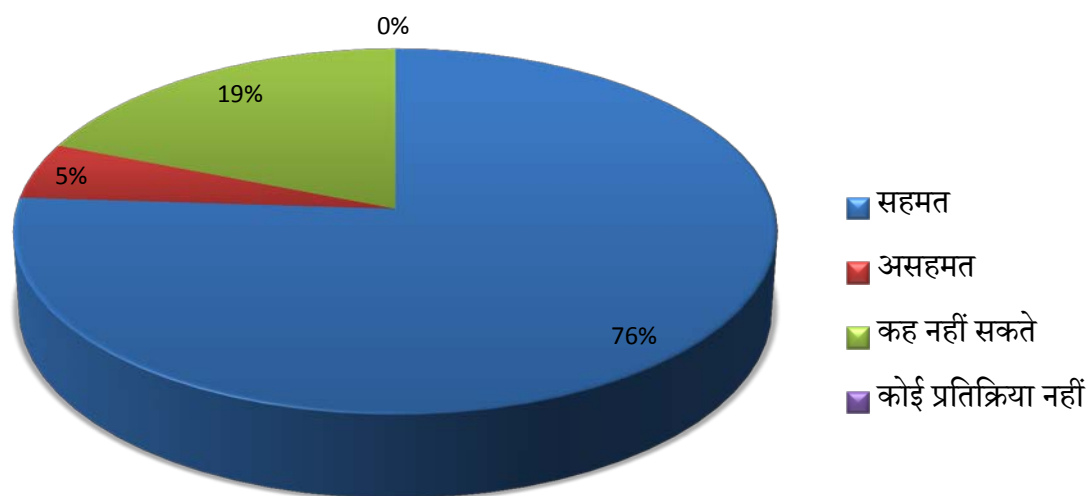


प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
15	समाचारपत्रों में स्वास्थ्य संचार की भाषा कैसी होनी चाहिये ?	सरल/आम बोलचाल की भाषा – 457 सारगर्भित भाषा – 0 व्याख्यात्मक भाषा – 4 वैज्ञानिक/चिकित्सकीय भाषा – 34



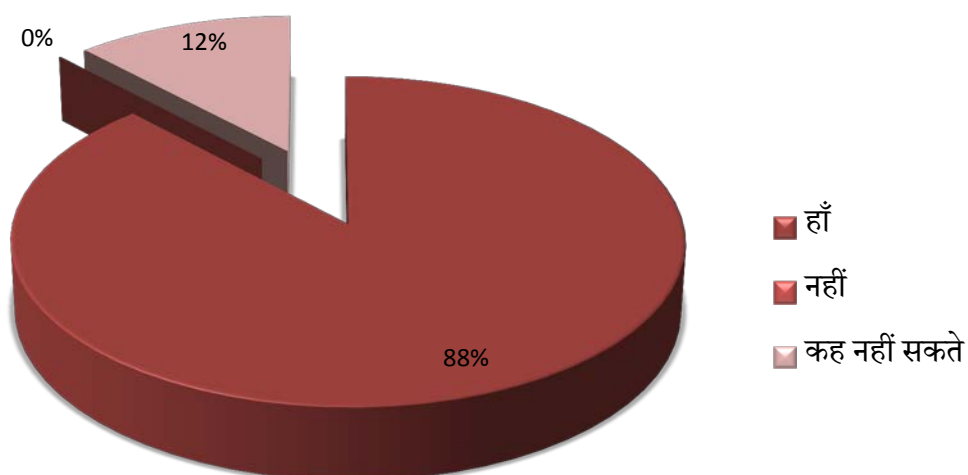
प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
16	आप समाचारपत्रों में हैल्थ विशेषज्ञ या हैल्थ पत्रकार को आवश्यक मानते हैं ?	सहमत –377 असहमत – 24 कह नहीं सकते – 93 कोई प्रतिक्रिया – 0

आप समाचारपत्रों में हैल्थ विशेषज्ञ या हैल्थ पत्रकार को आवश्यक मानते हैं ?



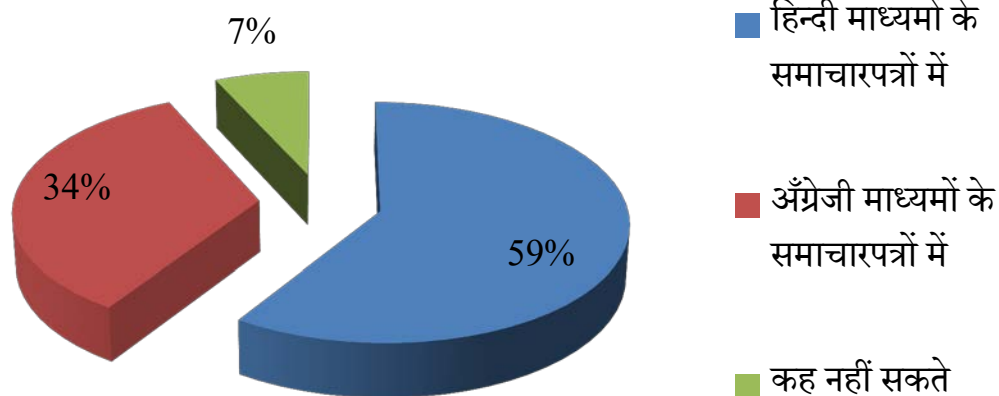
प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
17	क्या आप स्वास्थ्य समाचारों में घरेलू नुस्खे या प्राथमिक उपचार को प्राथमिकता देते हैं ?	हाँ – 438 नहीं – 0 कह नहीं सकते – 57

क्या आप स्वास्थ्य समाचारों में घरेलू नुस्खे या प्राथमिक उपचार को प्राथमिकता देते हैं ?



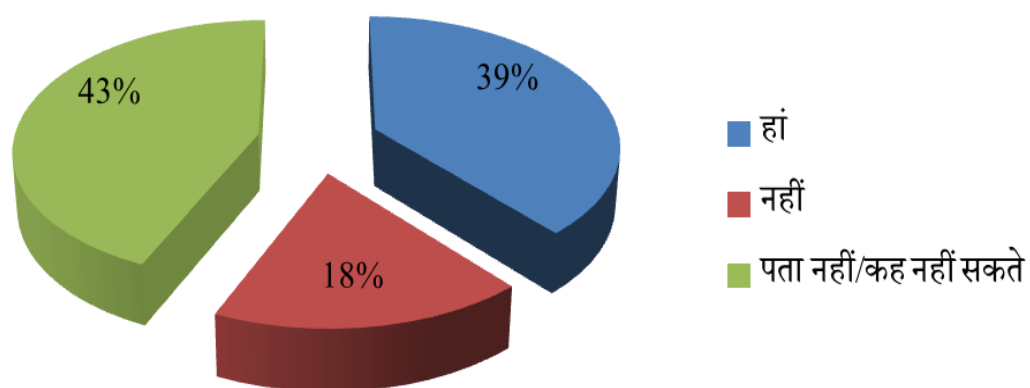
प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
18	तुलनात्मक रूप से स्वास्थ्य के मुद्दों को प्रमुखता से लिया जाता है ?	हिन्दी माध्यमों के समाचारपत्रों में – 293 अँग्रेजी माध्यमों के समाचारपत्रों में – 168 कह नहीं सकते - 34

तुलनात्मक रूप से स्वास्थ्य के मुद्दों को प्रमुखता से लिया जाता है ?



प्रश्न संख्या	प्रश्न	उत्तर
19	क्या आप स्वास्थ्य की एक ही प्रकार की स्वास्थ्य खबरों को बार-बार पढ़ते हैं?	हां-190 नहीं-89 पता नहीं/कह नहीं सकते-214

क्या आप स्वास्थ्य की एक ही प्रकार की स्वास्थ्य खबरों को बार-बार पढ़ते हैं?



अध्याय-पंचम

परिणाम

चयनित समाचारपत्रों का विवेचन:

प्रस्तुत शोध प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की परिशुद्धता एवं प्रभाव का अध्ययन में स्वास्थ्य के प्रति आम जनमानस पर प्रभाव, स्वास्थ्य समाचारों के वर्गीकरण उनके स्रोत उनकी संख्या आदि अध्ययन में चयनित समाचार पत्रों का विवेचन जिसमें मुख्यतः हमने दैनिक जागरण, अमर उजाला, द टाइम्स ऑफ इंडिया और हिंदुस्तान टाइम्स को लिया था इनको लेने के पीछे सीधा सा कारण ऑडिट ब्यूरो ऑफ सरकुलेशन के अनुसार इनकी प्रसार संख्या अधिक है जिससे साफ पता चलता है कि इनकी पहुंच अधिक है जिसका समाज पर ज्यादा प्रभाव पड़ता है. क्योंकि स्वास्थ्य संचार एक ऐसा विषय है जिसमें स्वास्थ्य नामक तत्व अपने आप में खुद ही संवाहक है. जिसे प्रिंट मीडिया के माध्यम से विस्तारित किया जाता है किया जाता है. यकीनन लखनऊ जैसे बड़े महानगर शहर में स्वास्थ्य संचार के माध्यम के रूप में समाचार पत्रों के अध्ययन करने के बाद एवं प्रश्नावली के माध्यम से उन पर पड़ने वाले प्रभाव और उन समाचारों के तत्वों का अध्ययन करने के बाद करने के उपरांत फाइंडिंग्स के रूप में निम्न बिंदुओं को प्रस्तुत किया जा सकता है:

हमारे इस अध्ययन में चयनित समाचार पत्रों की विवेचना में दैनिक जागरण, अमर उजाला, द टाइम्स ऑफ इंडिया और हिंदुस्तानटाइम्स को लिया गया है इसमें सबसे पहले अगर हम बात करें दैनिक जागरण के समाचारपत्रों की इसने 1 जनवरी 2017 से 31 जनवरी 2017 में स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न खबरें प्रकाशित हुई जिसमें से शोध अध्ययन के अनुरूप कुल 42 खबरें चयनित की गई. वहीं एक फरवरी 2017 से 28 फरवरी 2017 में 40 स्वास्थ्य खबरों को चयनित किया गया. वही एक मार्च

2017 से 31 मार्च 2017 के महीने में संख्या थोड़ी बढ़कर 40 हो गई. जबकि एक अप्रैल 2017 से 30 अप्रैल 2017 में संख्या 49 रही. एक मई 2017 से 31 मई 2017 में खबरों की संख्या 58 रही और अंत में एक जून 2017 से 30 जून 2017 में स्वास्थ्य संबंधित खबरों की चयनित संख्या 62 रही. इस प्रकार कुल चयनित खबरों की संख्या देखी जाए तो 297 स्वास्थ्य से संबंधित खबरों का चयन किया गया है.

चयनित समाचार पत्रों में अमर उजाला हिंदी दैनिक समाचार पत्र की अगर बात करें तो एक जनवरी 2017 से 31 जनवरी 2017 तक अमर उजाला ने तमाम स्वास्थ्य खबरें प्रकाशित की जिनमें से उद्देश्य के अनुरूप हमने 31 खबरों को चुना. एक फरवरी 2017 से 28 फरवरी 2017 में स्वास्थ्य संबंधित खबरों की संख्या 40 रही तो एक मार्च 2017 से 31 मार्च 2017 तक यह संख्या 32 तक पहुंच गई. एक अप्रैल 2017 से 30 अप्रैल 2017 में स्वास्थ्य से संबंधित समाचारों की संख्या 36 हो गई जबकि एक मई 2017 से 31 मई 2017 में यह संख्या 39 रही और अंत में एक जून 2017 से 30 जून 2017 में 43 स्वास्थ्य समाचारों को चयनित किया गया. कुल मिलाकर अमर उजाला में चयनित स्वास्थ्य संबंधी समाचार और संख्या 206 है.

इसी क्रम में ऑडिट ब्यूरो ऑफ सरकुलेशन के अनुसार अंग्रेजी माध्यम में लखनऊ शहर में द टाइम्स ऑफ इंडिया अग्रणी है जिसमें एक जनवरी 2017 से 31 जनवरी 2017 तक स्वास्थ्य समाचार विभिन्न स्वरूप में प्रकाशित हुए जिनमें से 17 चयनित किए गए. 1 फरवरी 2017 से 28 फरवरी 2017 तक कुल 13 स्वास्थ्य समाचार चयनित किए गए. 1 मार्च 2017 से 31 मार्च 2017 तक स्वास्थ्य समाचारों की चयनित संख्या 16 रही. जबकि 1 अप्रैल 2017 से 30 अप्रैल 2017 तक चयनित

स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 19 है। वही 1 मई 2017 से 31 मई 2017 तक स्वास्थ्य समाचार से संबंधित खबरों की संख्या 23 है तो वही 1 जून 2017 से 30 जून 2017 तक कुल चयनित स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 25 रही। इस तरह द टाइम्स ऑफ इंडिया में चयनित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की संख्या 113.

इसी क्रम में ऑडिट ब्यूरो आफ सरकुलेशन के अनुसार लखनऊ महानगर में पहुंच के मामले में अंग्रेजी के दूसरे बड़े समाचार पत्र हिंदुस्तान टाइम्स में 1 जनवरी 2017 से 31 जनवरी 2017 तक विभिन्न स्वास्थ्य समाचार प्रकाशित हुए जिसमें अध्ययन के लिए चयनित संख्या 15 चुनी गई। 1 फरवरी 2017 से 28 फरवरी 2017 तक समाचारों की संख्या 12 रही जबकि 1 मार्च 2017 से 31 मार्च 2017 तक संबंधी खबरों की संख्या 15 चयनित की गई। वही 1 अप्रैल 2017 से 30 अप्रैल 2017 तक स्वास्थ्य संबंधित खबरों की संख्या 13 रही जबकि 1 मई 2017 से 31 मई 2017 तक यह संख्या में 1 जून 2017 से 30 जून 2017 तक चयनित समाचारों की संख्या 16 रही। इस तरह हिंदुस्तान टाइम्स में चयनित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की संख्या 88 है।

इस तरह चयनित समाचार पत्रों की संख्या के आधार पर स्वास्थ्य समाचारों का अध्ययन करने से पता चलता है कि सबसे ज्यादा स्वास्थ्य संबंधित खबरों को दैनिक जागरण ने प्रस्तुत किया है तो वही अमर उजाला दूसरे नंबर पर है जबकि दी टाइम्स ऑफ इंडिया 113 खबरों के साथ तीसरे स्थान पर है और उसके बाद हिंदुस्तान टाइम्स है। और अगर इन सभी स्वास्थ्य संबंधी समाचारों को मिला दिया जाए तो यह संख्या कुल 704 होती है।

चयनित समाचारपत्रों का तुलनात्मक अध्ययन:

चयनित समाचारपत्रों में स्वास्थ्य संबंधी खबरों का तुलनात्मक अध्ययन करने के पश्चात् पता चलता है कि जनवरी 2017 माह में दैनिक जागरण ने 42 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया तो वहीं अमर उजाला ने 31 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया जबकि द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 17 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है तो वहीं हिंदुस्तान टाइम्स ने 15 स्वास्थ्य समाचारों को प्रकाशित किया है इसी तरह फरवरी 2017 माह में दैनिक जागरण ने 40 स्वास्थ्य समाचारों को प्रकाशित किया है तो वहीं अमर उजाला ने 25 स्वास्थ्य खबरों का प्रकाशन किया है दूसरी ओर द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 13 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया है जबकि हिंदुस्तान टाइम्स ने 12 ही स्वास्थ्य खबरों का प्रकाशन किया है इसी तरह मार्च 2017 में दैनिक जागरण ने कुल 46 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है तो अमर उजाला ने 32 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है जबकि द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 19 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है तथा हिंदुस्तान टाइम्स ने 13 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है मई 2017 की बात करें तो 58 स्वास्थ्य समाचार दैनिक जागरण में प्रकाशित किए हैं जबकि 39 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन अमर उजाला ने किया है दूसरी ओर द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 23 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन इस माह किया है तो हिंदुस्तान टाइम्स ने 17 स्वास्थ्य समाचार का प्रकाशन किया है जून 2017 की बात करें तो 62 स्वास्थ्य समाचार दैनिक जागरण में प्रकाशित किए हैं तो 43 स्वास्थ्य समाचार अमर उजाला ने प्रकाशित किये हैं जबकि द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 25 स्वास्थ्य समाचार प्रकाशित किए हैं तो दूसरी ओर हिंदुस्तान टाइम्स ने 16 स्वास्थ्य

समाचार प्रकाशित किए हैं इस तरह तुलनात्मक रूप से अध्ययन करने के पश्चात पता चलता है कि कुल प्रकाशित समाचारों में दैनिक जागरण ने 297 स्वास्थ्य समाचार प्रकाशित किए हैं तो वहीं अमर उजाला ने 206 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है तो दूसरी ओर द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 113 स्वास्थ्य समाचार का प्रकाशन किया है एवं हिंदुस्तानटाइम्स ने 88 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है.

स्वास्थ्य समाचारों के वर्गीकरण के आधार पर:

इसी तरह हमारे अध्ययन के बिंदु स्वास्थ्य समाचारों के वर्गीकरण को हमने मुख्य पांच भागों में वर्गीकृत किया है पहला शोध सामग्री या अनुसंधान, दूसरा स्वास्थ्य कैंप या शिविर, तीसरा सरकारी स्वास्थ्य समाचार, चौथा असाध्य रोग जिस में भी हृदय, कैंसर, एड्स और टीबी बीमारियों को ही लिया गया है जबकि पांचवें भाग में मौसम के बदलाव के कारण होने वाली बीमारियों को रखा गया है.

शोध सामग्री एवं अनुसंधान की बात करें तो इसमें दैनिक जागरण से 86 स्वास्थ्य खबरें चयनित की गईं, अमर उजाला से 42 स्वास्थ्य खबरें चयनित की गईं, द टाइम्स ऑफ इंडिया से 24 स्वास्थ्य खबरें चयनित की गईं और हिंदुस्तानटाइम्स से 9 स्वास्थ्य खबरों को अध्ययन किया गया.

स्वास्थ्य कैंप या शिविर से संबंधित स्वास्थ्य समाचारों की बात करें तो दैनिक जागरण ने कुल 35 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया, अमर उजाला ने 33 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया है. जबकि द टाइम्स ऑफ इंडिया ने पांच खबरों को प्रकाशित किया है वहीं हिंदुस्तान टाइम्स ने केवल चार स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया है.

सरकारी स्वास्थ्य समाचारों के अंतर्गत आने वाले स्वास्थ्य समाचारों की संख्या में दैनिक जागरण ने 101 स्वास्थ्य समाचार प्रकाशित किए, अमर उजाला ने 71 स्वास्थ्य समाचार प्रकाशित किए, द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 47 समाचार प्रकाशित किए और हिंदुस्तान टाइम्स ने 23 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया.

असाध्य रोग के अंतर्गत आने वाले स्वास्थ्य समाचारों में दैनिक जागरण ने 49 समाचार प्रकाशित किए तो अमर उजाला ने 37 स्वास्थ्य समाचारों को प्रकाशित किया वहीं द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 26 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया एवं हिंदुस्तान टाइम्स ने 43 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया है .

मौसमी बीमारियों के आधार पर स्वास्थ्य समाचारों की बात करें तो इसमें भी दैनिक जागरण ने 26 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है जबकि अमर उजाला ने 30 स्वास्थ्य समाचार का प्रकाशन किया है तो दूसरी ओर द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 11 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है तथा हिंदुस्तान टाइम्स ने 9 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया है.

इस तरह देखा जाए तो स्वास्थ्य समाचारों की वर्गीकरण के आधार पर कुल चयनित स्वास्थ्य समाचार दैनिक जागरण में प्रकाशित होने वाले की संख्या 297 है. वही अमर उजाला में यह संख्या 206 है जबकि द टाइम्स ऑफ इंडिया में कुल स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 113 है और हिंदुस्तान टाइम्स में यह संख्या 28 है.

स्वास्थ्य समाचारों की आवृत्ति के आधार पर:

स्वास्थ्य समाचारों की आवृत्ति के आधार पर चयनित स्वास्थ्य समाचारों में प्रकाशित होने वाले सभी स्वास्थ्य समाचारों की आवृत्ति का अध्ययन इस प्रकार है कि शोध एवं अनुसंधान से संबंधित स्वास्थ्य समाचारों में 27 स्वास्थ्य समाचार ऐसे थे जिनकी पुनरावृत्ति हुई यहां यह बताना जरूरी है कि स्वास्थ्य समाचारों की शब्दावली में प्रयोग जरूर हुआ परंतु यह समाचार पुनः दोहराए गए. अमर उजाला में शोध से संबंधित स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 19 आई तो दी टाइम्स ऑफ इंडिया में यह संख्या 9 रही जबकि हिंदुस्तान टाइम्स में स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 2 रही.

स्वास्थ्य कैंप या शिविर से संबंधित समाचारों की संख्या की बात करें तो दैनिक जागरण में 17 स्वास्थ्य समाचार की आवृत्ति हुई. अमर उजाला में यह संख्या 18 रही तो द टाइम्स ऑफ इंडिया में कोई भी आवृत्ति नहीं रही. जबकि हिंदुस्तान टाइम्स में भी यह संख्या शून्य रही.

सरकारी स्वास्थ्य संबंधी खबरों की बात करें तो दैनिक जागरण में 24 स्वास्थ्य खबरों की आवृत्ति हुई. अमर उजाला में 18 स्वास्थ्य खबरों की आवृत्ति हुई. द टाइम्स ऑफ इंडिया में 12 खबरों की आपूर्ति हुई तो हिंदुस्तान टाइम्स में 8 स्वास्थ्य खबरों की आवृत्ति हुई.

अगले क्रम में असाध्य रोगों से संबंधित समाचारों की बात करें तो इसमें दैनिक जागरण में 45 खबरों की आवृत्ति पाई गई. अमर उजाला में स्वास्थ्य संबंधी खबरों की

आवृत्ति 39 रही जबकि द टाइम्स ऑफ इंडिया में स्वास्थ्य संबंधित समाचारों की आवृत्ति की संख्या 47 रही और हिंदुस्तान टाइम्स में यह संख्या 43 रही।

इसी क्रम मौसमी बीमारियों से संबंधित समाचार दैनिक जागरण में 19 रहे जबकि अमर उजाला में यह संख्या 27 रही तो वहीं द टाइम्स ऑफ इंडिया में केवल दो समाचारों की आवृत्ति हुई यही स्थिति हिंदुस्तान टाइम्स में भी रही वहां पर भी दो ही स्वास्थ्य समाचारों की आवृत्ति हुई।

इस तरह देखा जाए तो आवृत्ति के आधार पर कुल स्वास्थ्य समाचारों की संख्या में दैनिक जागरण ने 132 खबरें प्रकाशित की तो वहीं अमर उजाला ने 121 स्वास्थ्य खबरों को द्वारा प्रकाशित किया तो द टाइम्स ऑफ इंडिया में 70 खबरों का प्रकाशन हुआ तो वही हिंदुस्तान टाइम्स में यह संख्या 55 रही।

स्वास्थ्य समाचारों के स्रोत का अध्ययन:

शोध अध्ययन में स्वास्थ्य संबंधी स्रोत के लिए वर्गीकरण तीन आधार पर किया गया है पहला शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर, दूसरा संवाददाताओं के आधार पर और तीसरा न्यूज एजेंसी या अन्य स्रोत के आधार पर स्वास्थ्य संबंधी खबरों का वर्गीकरण किया गया है।

शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर जो स्वास्थ्य समाचार दैनिक जागरण में प्रकाशित हुए ऐसे समाचारों की संख्या 86 रही जबकि अमर उजाला में शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर प्रकाशित होने वाले समाचारों की संख्या 42 रही तो वहीं द टाइम्स ऑफ इंडिया में

शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर प्रकाशित होने वाले समाचारों की संख्या 24 रही जबकि शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर हिंदुस्तान टाइम्स में 9 खबरों को प्रकाशित किया गया है।

इसी तरह संवाददाताओं के आधार पर दैनिक जागरण में प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 114 मिली। जबकि अमर उजाला में संवाददाताओं के आधार पर प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 83 रही। इसी तरह द टाइम्स ऑफ इंडिया में 37 स्वास्थ्य समाचार प्रकाशित हुए जबकि संवाददाताओं के आधार पर हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 49 रही।

इसी तरह न्यूज़ एजेंसी या अन्य स्रोत के आधार पर दैनिक जागरण में प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य संबंधी समाचारों की संख्या 97 प्राप्त हुई जबकि अमर उजाला में प्राप्त होने वाले समाचारों की संख्या 81 रही। द टाइम्स ऑफ इंडिया में यही संख्या 52 रही और हिंदुस्तान टाइम्स में न्यूज़ एजेंसी या अन्य स्रोत के आधार पर प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य संबंधी समाचारों की संख्या 30 रही।

इस तरह स्वास्थ्य समाचारों के स्रोत के अध्ययन में शोध एवं रिपोर्ट, संवाददाता और न्यूज़ एजेंसी या अन्य शोध के आधार पर प्रकाशित होने वाली खबरों में दैनिक जागरण ने कुल 297 स्वास्थ्य खबरें प्रकाशित की जबकि अमर उजाला ने 206 स्वास्थ्य खबरें प्रकाशित की तो वही द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 113 स्वास्थ्य खबरों का प्रकाशन किया एवं हिंदुस्तान टाइम्स ने 88 स्वास्थ्य खबरों का प्रकाशन किया है।

पाठक वर्ग पर पढ़ने वाले प्रभाव का अध्ययन:

प्रस्तुत शोध अध्ययन में समाचार पत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों का प्रभाव कैसा रहा इसे जानने के लिए प्रश्नावली की सहायता ली गई जिसमें कुल 19 प्रश्नों के माध्यम से पढ़ने वाले प्रभाव को मापा गया इसका विवरण निम्नलिखित है:

प्रश्न 1 में पूछा गया की स्वास्थ्य समाचार स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक हैं इसके जवाब में 452 लोगों ने हमें हाँ में उत्तर दिया जबकि नहीं कहने वालों की संख्या 5 थी और 38 कुछ कुछ लोगों ने कहा.

प्रश्न 2 में पूछा गया कि आप किस प्रकार की खबरों को समाचार पत्रों में महत्व देते हैं जिसमें 355 लोगों ने राजनैतिक संबंधी खबरों का चुनाव तो मनोरंजन संबंधी खबरों को चुनने वाले लोग 39 थे 50 लोगों ने खेल संबंधी खबरों को चुना तो स्वास्थ्य संबंधी खबरों को 77 लोगों ने चुना.

प्रश्न संख्या 3 में पूछा गया कि समाचार पत्रों में स्वास्थ्य संबंधी समाचार होना आवश्यक है तो 475 लोगों ने हमें जवाब दिया कह नहीं सकते का 11 लोगों ने जवाब दिया इसकी नहीं का जवाब देने वाले लोगों की संख्या 0 थी.

प्रश्न संख्या 4 में पूछा गया कि क्या आप जानते हैं कि सरकार समाचार पत्रों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करती है जिसका जवाब में 312 लोगों ने हां कहा जबकि नहीं कहने वाले 43 लोग थे और 140 लोगों ने कुछ नहीं कह सकते वाला विकल्प चुना.

प्रश्न संख्या पांच में पूछा गया कि किआप सरकारी स्वास्थ्य योजना के बारे में जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं जिसके जवाब में इसे 50 लोगों ने कहा कि प्रिंट मीडिया से करते हैं जबकि इलेक्टर मीडिया से कहने वालों की संख्या 245 रही वही बैनर एवं होर्डिंग से प्राप्त करने वालों की संख्या जीरो थी और अन्य माध्यमों से प्राप्त करने वालों की संख्या 20 रही.

संख्या 6 में पूछा गया कि आप कौन कौन से समाचार पत्रों का अध्ययन करते हैं तो दैनिक जागरण समाचार पत्रों को बताने वालों की संख्या 180 थी जबकि अमर उजाला को पढ़ने वाले 168 लोग मिले तथा टाइम्स ऑफ इंडिया को पढ़ने वाले 94 लोग मिले और हिंदुस्तान टाइम्स को पढ़ने वाले 39 लोगों ने बताया जबकि अन्य लोगों ने 19 का विकल्प चुना.

प्रश्न संख्या सात में पूछा गया कि क्या साथ में पूछा गया कि क्या आप समाचार पत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों को प्रमाण की अविश्वसनीय मानते हैं तो इसके जवाब में 230 लोगों ने हा का उत्तर चुना तो नहीं करता देने वालों की संख्या 78 रही जबकि पता नहीं या कह नहीं सकते का जवाब देने वालों की संख्या 190 रही.

प्रश्न संख्या 8 में पूछा गया कि आपके अनुसार स्वास्थ्य संबंधी समाचारों को समाचार पत्रों में किस स्थान पर होना चाहिए इसके जवाब में 95 लोगों ने कहा कि विशेषांक के रूप में होना चाहिए जबकि 30 लोगों ने कहा कि संपूर्ण पृष्ठ ही स्वास्थ्य संबंधित समाचारों से होना चाहिए और 12 लोगों का मानना था कि अंतिम प्रस्ताव स्वास्थ्य संबंधी समाचार हो जबकि नियमित कॉलम के रूप में मानने वालों की संख्या काफी ज्यादा थी जो कि 275 रही.

प्रश्न संख्या 9 में पूछा गया कि क्या आपकी स्वास्थ्य संबंधी समाचारों से जीवन शैली प्रभावित होती है जिसके जवाब में 187 लोगों ने हां का विकल्प चुना तो 23 लोगों ने नहीं का विकल्प चुना जबकि कुछ नहीं कह सकते का विकल्प 36 लोगों ने चुना और कुछ-कुछ का विकल्प 242 लोगों ने चुना.

प्रश्न संख्या 10 में पूछा गया कि क्या आप अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का उपाय या निदान समाचार पत्रों में तलाशते हैं इसके जवाब में 110 लोगों ने कहा कि हां वे तलाशते हैं जबकि नहीं कहने वालों की संख्या 136 रही और कभी-कभी का उत्तर 148 लोगों ने चयनित किया जबकि विशेषांक के रूप में कहने वालों की संख्या 80 थी और कुछ नहीं कह सकते वालों की संख्या 19 रही.

प्रश्न संख्या 11 में स्वास्थ्य समाचारों से जनता में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है इसका जवाब में 187 लोगों ने हाँ में उत्तर दिया नहीं का उत्तर देने वाले 12 लोग थे पता नहीं या कह नहीं सकते ऐसे 292 लोगों ने विकल्प चुना.

प्रश्न संख्या 12 में पूछा गया कि क्या मीडिया और सरकार वास्तविक रूप से स्वास्थ्य संचार के प्रति गंभीर हैं इसके जवाब में 132 लोगों ने हां कहा तो नहीं कहने वाले 75 लोग थे और 289 लोगों ने कुछ नहीं कह सकते कहा.

प्रश्न संख्या 13 में पूछा गया कि क्या आप समाचार पत्रों में स्वास्थ्य संबंधी समाचारों को किस रूप में पढ़ना चाहते हैं जिसमें 273 लोगों ने कहा कि फीचर या अली के रूप में जबकि विज्ञापन के रूप में कहने वालों की संख्या 58 थी और सामान्य समाचार ग्रुप में कहने वालों की संख्या 162 थी या अन्य रूप में जवाब देने वालों की संख्या शून्य रही.

प्रश्न संख्या 14 में पूछा गया कि स्वास्थ्य संबंधी संचार में आप किसे प्राथमिकता देते हैं जिसके जवाब में 88 लोगों ने योग या व्यायाम के बारे में कहा तो 202 लोगों ने कहा कि दवाओं के बारे में प्राथमिकता देते हैं जबकि 62 लोगों ने कहा कि अस्पताल के बारे में ज्यादा प्राथमिकता देते हैं जबकि 144 लोगों ने कहा कि हम हेल्थ विशेषज्ञों के विकल्प को चुना.

प्रश्न संख्या 15 में पूछा गया कि समाचार पत्रों में स्वास्थ्य संचार की भाषा कैसी होनी चाहिए इसके जवाब में 457 लोगों ने कहा कि सरल या आम बोलचाल की भाषा में होना चाहिए जबकि सारगर्भित भाषा का जवाब देने वालों की संख्या 0 थी तो वहीं व्याख्यात्मक भाषा की विकल्प चुनने वालों की संख्या 4 थी तो वैज्ञानिक या चिकित्सीय भाषा का विकल्प चुनने वालों की संख्या 34 थी.

प्रश्न संख्या 16 में पूछा गया कि क्या आप समाचार पत्रों में हेल्थ विशेषज्ञ या हेल्थ पत्रकार को आवश्यक मानते हैं जिसके जवाब में 377 लोग सहमत थे जबकि 24 लोग असहमत थे और 93 लोगों ने कहा कि कुछ कह नहीं सकते.

प्रश्न संख्या 17 में पूछा गया कि क्या आप स्वास्थ्य समाचारों में घरेलू नुस्खे या प्राथमिक उपचार को प्राथमिकता देते हैं जिसके जवाब में 438 लोगों ने हां का विकल्प चुना तो नहीं का विकल्प चुनने वाले जीरो थे और कुछ नहीं कह सकते ऐसा जवाब 17 लोगों ने चुना.

प्रश्न संख्या 18 में हमने पूछा कि क्या तुलनात्मक रूप से स्वास्थ्य के मुद्दों को प्रमुखता से लिया जाता है इसके जवाब में 293 लोगों ने कहा कि हिंदी माध्यमों के समाचार पत्रों में प्रमुखता से लिया जाता है जबकि 168 लोगों ने कहा कि अंग्रेजी माध्यमों के समाचार

पत्रों में प्रमुखता से लिया जाता है जबकि कुछ नहीं कह सकते का ऑप्शन 34 लोगों ने चुना.

प्रश्न संख्या 19 में पूछा गया कि क्या आप स्वास्थ्य की एक ही प्रकार की स्वास्थ्य खबरों को बार बार पढ़ते हैं जिसके जवाब में 190 लोगों ने कहा कि हां जबकि नहीं का जवाब देने वाले 89 लोगों की संख्या थी और पता नहीं यह कह नहीं सकते का जवाब देने वालों की 214 संख्या रही.

निष्कर्ष
एवं
सुझाव

मुद्रित जनमाध्यमों में स्वास्थ्य संचार पर केन्द्रित उपयुक्त शोध के दौरान हमने शोध प्रारम्भ होने से पूर्व, शोध को स्वरूप, उद्देश्य, आदि सीमाओं में बांधकर परिणाम तक पहुंचा गया है. वास्तव में देखा जाए तो किसी भी किए गए लिखित या मौखिक कार्य की सफलता उससे प्राप्त हुए परिणामों पर निर्भर करती है और अगर कोई भी कार्य जब लिखित रूप में हो उसमें भी तथ्य, आंकड़ों के सहारे परिपूर्ण होने वाले कार्य का निचोड़ हो तो निःसंदेह उसकी महत्ता और भी अधिक बढ़ जाती है. इसी निचोड़ को हमने शोध के अंत में प्रस्तुत किया है जो हमारे इस शोध प्रबंध के दौरान किए गए कार्य का सम्पूर्ण लेखा-जोखा प्रस्तुत करता है. इस तरह हम अपने शोध से प्राप्त हुए परिणामों को निम्नलिखित तरीके से व्यक्त कर सकते हैं-

शोध प्रश्न 01: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों में वर्गीकरण होता है?

शोध अध्ययन में स्वास्थ्य से संबंधित समाचारों के वर्गीकरण पर अध्ययन के बाद पता चलता है कि स्वास्थ्य समाचार के विभिन्न वर्गीकरण हो सकते हैं लेकिन हमारे शोध अध्ययन की आवश्यकता के अनुसार इसे पांच भागों में विभक्त किया गया है. वास्तव में स्वास्थ्य समाचारों का वर्गीकरण समाचारों की परिशुद्धता को मापने के लिए किया गया है. इसमें साफ-साफ ज्ञात होता है कि स्वास्थ्य समाचार या सरकारी समाचार या मौसमी बीमारियों से संबंधित समाचार, आम जनता के लिए ही है. जिसमें शोध सामग्री एवं अनुसंधान की बात करें तो इसमें दैनिक जागरण से 86 स्वास्थ्य खबरें प्रकाशित की गईं, अमर उजाला से 42 स्वास्थ्य खबरें प्रकाशित की गईं, द टाइम्स ऑफ इंडिया से 24 स्वास्थ्य खबरें प्रकाशित की गईं और हिंदुस्तान टाइम्स से 9 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया गया.

स्वास्थ्य कैंप या शिविर से संबंधित स्वास्थ्य समाचारों की बात करें तो दैनिक जागरण ने कुल 35 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया, अमर उजाला ने 33 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया है. जबकि द टाइम्स ऑफ इंडिया ने पांच खबरों को प्रकाशित किया है वहीं हिंदुस्तान टाइम्स ने केवल चार स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया है. सरकारी स्वास्थ्य समाचारों के अंतर्गत आने वाले स्वास्थ्य समाचारों की संख्या में दैनिक जागरण ने 101 स्वास्थ्य समाचार प्रकाशित किए, अमर उजाला ने 71 स्वास्थ्य समाचार प्रकाशित किए, द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 47 समाचार प्रकाशित किए और हिंदुस्तान टाइम्स ने 23 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया. असाध्य रोग के अंतर्गत आने वाले स्वास्थ्य समाचारों में दैनिक जागरण ने 49 समाचार प्रकाशित किए तो अमर उजाला ने 37 स्वास्थ्य समाचारों को प्रकाशित किया वहीं द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 26 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया एवं हिंदुस्तान टाइम्स ने 43 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया है. मौसमी बीमारियों के आधार पर स्वास्थ्य समाचारों की बात करें तो इसमें भी दैनिक जागरण ने 26 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है जबकि अमर उजाला ने 30 स्वास्थ्य समाचार का प्रकाशन किया है तो दूसरी ओर दी टाइम्स ऑफ इंडिया ने 11 स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है तथा हिंदुस्तान टाइम्स ने 9 स्वास्थ्य खबरों को प्रकाशित किया है.

इस तरह देखा जाए तो स्वास्थ्य समाचारों की वर्गीकरण के आधार पर कुल चयनित स्वास्थ्य समाचार दैनिक जागरण में प्रकाशित होने वाले की संख्या 297 है. वही अमर उजाला में यह संख्या 206 है जबकि द टाइम्स ऑफ इंडिया में कुल स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 113 है और हिंदुस्तान टाइम्स में यह संख्या 28 है.

शोध प्रश्न 02: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य खबरों की आवृत्ति बार बार होती है?

इस प्रश्न के अध्ययन में ज्ञात हुआ कि सभी स्वास्थ्य समाचारों में आवृत्ति होती है जिसमें शोध एवं अनुसंधान से संबंधित स्वास्थ्य समाचारों में 27 स्वास्थ्य समाचार ऐसे थे जिनकी पुनरावृत्ति हुई यहां यह बताना जरूरी है कि स्वास्थ्य समाचारों की शब्दावली में प्रयोग जरूर हुआ परंतु यह समाचार पुनः दोहराए गए. अमर उजाला में शोध से संबंधित स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 19 आई तो दी टाइम्स ऑफ इंडिया में यह संख्या 9 रही जबकि हिंदुस्तान टाइम्स में स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 2 रही. स्वास्थ्य कैंप या शिविर से संबंधित समाचारों की संख्या की बात करें तो दैनिक जागरण में 17 स्वास्थ्य समाचार की आवृत्ति हुई. अमर उजाला में यह संख्या 18 रही तो द टाइम्स ऑफ इंडिया में कोई भी आवृत्ति नहीं रही. जबकि हिंदुस्तान टाइम्स में भी यह संख्या शून्य रही. सरकारी स्वास्थ्य संबंधी खबरों की बात करें तो दैनिक जागरण में 24 स्वास्थ्य खबरों की आवृत्ति हुई. अमर उजाला में 18 स्वास्थ्य खबरों की आवृत्ति हुई. द टाइम्स ऑफ इंडिया में 12 खबरों की आपूर्ति हुई तो हिंदुस्तान टाइम्स में 8 स्वास्थ्य खबरों की आवृत्ति हुई.

अगले क्रम में असाध्य रोगों से संबंधित समाचारों की बात करें तो इसमें दैनिक जागरण में 45 खबरों की आवृत्ति पाई गई. अमर उजाला में स्वास्थ्य संबंधी खबरों की आवृत्ति 39 रही जबकि द टाइम्स ऑफ इंडिया में स्वास्थ्य संबंधित समाचारों की आवृत्ति की संख्या 47 रही और हिंदुस्तान टाइम्स में यह संख्या 43 रही. इसी क्रम मौसमी बीमारियों से संबंधित समाचार दैनिक जागरण में 19 रहे जबकि अमर उजाला में यह संख्या 27 रही तो

वहीं द टाइम्स ऑफ इंडिया में केवल दो समाचारों की आवृत्ति हुई यही स्थिति हिंदुस्तान टाइम्स में भी रही वहां पर भी दो ही स्वास्थ्य समाचारों की आवृत्ति हुई. इस तरह देखा जाए तो आवृत्ति के आधार पर कुल स्वास्थ्य समाचारों की संख्या में दैनिक जागरण ने 132 खबरें प्रकाशित की तो वहीं अमर उजाला ने 121 स्वास्थ्य खबरों को द्वारा प्रकाशित किया तो द टाइम्स ऑफ इंडिया में 70 खबरों का प्रकाशन हुआ तो वही हिंदुस्तान टाइम्स में यह संख्या 55 रही.

इस तरह प्रस्तुत शोध अध्ययन में चयनित समाचारपत्रों ने विभिन्न स्वास्थ्य समाचारों की आवृत्ति की है जिसमें पता चलता है की स्वास्थ्य समाचारों की शब्दावली तो जरूर परिवर्तित हुई है लेकिन स्वास्थ्य से संबंधित समाचारों में उसकी महत्ता कहीं भी कम नहीं है.

शोध प्रश्न 03: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित सरकारी स्वास्थ्य खबरों के माध्यम से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त होती है?

सरकारी स्वास्थ्य योजना के बारे में जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं जिसके जवाब में इस प्रस्तुत अध्ययन में 50 लोगों ने कहा कि प्रिंट मीडिया से करते हैं जबकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से कहने वालों की संख्या 245 रही वही बैनर एवं होर्डिंग से प्राप्त करने वालों की संख्या जीरो थी और अन्य माध्यमों से प्राप्त करने वालों की संख्या 20 रही. सरकारी सेवाओं की जानकारी देने में क्या मीडिया और सरकार वास्तविक रूप से स्वास्थ्य संचार के प्रति गंभीर हैं इसके जवाब में 132 लोगों ने हां कहा तो नहीं कहने वाले 75 लोग थे और 289 लोगों ने कुछ नहीं कह सकते कहा.

शोध प्रश्न 04: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों को पढ़कर पाठकों के व्यवहार में परिवर्तन होता है?

शोध अध्ययन में समाचार पत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों को पढ़कर पाठकों के व्यवहार में परिवर्तन कैसा रहा इसे जानने के लिए प्रश्नावली की सहायता ली गई जिसमें ज्ञात हुआ कि इन स्वास्थ्य समाचारों का पाठक वर्ग पर विभिन्न दृष्टिकोण से प्रभाव भी अच्छा हुआ है लोग अपनी जीवनशैली को बदलने के लिए छोटे-मोटे इलाज के लिए अक्सर अखबारों का सहारा लेते हैं. स्वास्थ्य कैंप और शिविर जैसे समाचारों से लोग जागरूक तो होते ही हैं साथ ही उनमें असाध्य रोगों के प्रति एक जन जागरूकता भी बढ़ती है. स्वास्थ्य समाचार स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक हैं इसके जवाब में 452 लोगों ने हमें हाँ में उत्तर दिया जबकि नहीं कहने वालों की संख्या 5 थी और 38 कुछ कुछ लोगों ने कहा. स्वास्थ्य समाचारों से जनता में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है इसका जवाब में 187 लोगों ने हाँ में उत्तर दिया नहीं का उत्तर देने वाले 12 लोग थे पता नहीं या कह नहीं सकते ऐसे 292 लोगों ने विकल्प चुना. स्वास्थ्य संबंधी समाचारों से जीवन शैली प्रभावित होती है जिसके जवाब में 187 लोगों ने हाँ का विकल्प चुना तो 23 लोगों ने नहीं का विकल्प चुना जबकि कुछ नहीं कह सकते का विकल्प 36 लोगों ने चुना और कुछ-कुछ का विकल्प 242 लोगों ने चुना. लोगों ने माना कि वे स्वास्थ्य समाचारों में घरेलू नुस्खे या प्राथमिक उपचार को प्राथमिकता देते हैं जिसके जवाब में 438 लोगों ने हाँ का विकल्प चुना तो नहीं का विकल्प चुनने वाले जीरो थे और कुछ नहीं कह सकते ऐसा जवाब 17 लोगों ने चुना. अध्ययन के अनुसार लोग स्वास्थ्य से संबन्धित खबरों को भी प्राथमिकता दे रहे हैं

तथा इस प्रकार की खबरों को और अधिक प्रभावशाली बनाने के समर्थन में हैं। पाठकों ने माना कि समाचारपत्र स्वास्थ्य के बारे में जानकारी तो दे रहे हैं। लोगों ने माना कि समाचारपत्र उनके खान-पान, जीवनशैली को स्वास्थ्य कि दृष्टि से अभी इतना प्रभावित नहीं कर रहे जितना अन्य समाचार कर रहे हैं।

शोध प्रश्न 05: क्या समाचारपत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों के स्रोत प्रमाणिक होते हैं?

शोध अध्ययन में स्वास्थ्य संबंधी खबरों की प्रमाणिकता के अध्ययन के लिए खबरों के तीन विश्वसनीय स्रोतों का अध्ययन किया गया है पहला शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर, दूसरा संवाददाताओं के आधार पर और तीसरा न्यूज एजेंसी या अन्य स्रोत के आधार पर स्वास्थ्य संबंधी खबरों का वर्गीकरण किया गया है।

शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर जो स्वास्थ्य समाचार दैनिक जागरण में प्रकाशित हुए ऐसे समाचारों की संख्या 86 रही जबकि अमर उजाला में शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर प्रकाशित होने वाले समाचारों की संख्या 42 रही तो वहीं द टाइम्स ऑफ इंडिया में शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर प्रकाशित होने वाले समाचारों की संख्या 24 रही जबकि शोध एवं रिपोर्ट के आधार पर हिंदुस्तान टाइम्स में 9 खबरों को प्रकाशित किया गया है। इसी तरह संवाददाताओं के आधार पर दैनिक जागरण में प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 114 मिली। जबकि अमर उजाला में संवाददाताओं के आधार पर प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 83 रही। इसी तरह द टाइम्स ऑफ इंडिया में 37

स्वास्थ्य समाचार प्रकाशित हुए जबकि संवाददाताओं के आधार पर हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य समाचारों की संख्या 49 रही। इसी तरह न्यूज़ एजेंसी या अन्य स्रोत के आधार पर दैनिक जागरण में प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य संबंधी समाचारों की संख्या 97 प्राप्त हुई जबकि अमर उजाला में प्राप्त होने वाले समाचारों की संख्या 81 रही। द टाइम्स ऑफ इंडिया में यही संख्या 52 रही और हिंदुस्तान टाइम्स में न्यूज़ एजेंसी या अन्य स्रोत के आधार पर प्रकाशित होने वाले स्वास्थ्य संबंधी समाचारों की संख्या 30 रही। इस तरह स्वास्थ्य समाचारों के स्रोत के अध्ययन में शोध एवं रिपोर्ट, संवाददाता और न्यूज़ एजेंसी या अन्य शोध के आधार पर प्रकाशित होने वाली खबरों में दैनिक जागरण ने कुल 297 स्वास्थ्य खबरें प्रकाशित की जबकि अमर उजाला ने 206 स्वास्थ्य खबरें प्रकाशित की तो वहीं द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 113 स्वास्थ्य खबरों का प्रकाशन किया एवं हिंदुस्तान टाइम्स ने 88 स्वास्थ्य खबरों का प्रकाशन किया है।

इस तरह प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त चयनित समाचारपत्रों ने अपनी-अपनी योजना एवं नीतियों के अनुसार कार्य किया है जिसमें वित्तीय, लोकप्रियता, प्रबंधन आदि को ध्यान में रखते हुए ही स्वास्थ्य से संबन्धित समाचारों, आलेखों एवं विज्ञापनों को प्रकाशित किया गया है। चूंकि चयनित समाचारपत्र सर्कुलेशन के स्तर पर काफी आगे हैं इसलिए इनकी महत्ता भी समाज के स्वास्थ्य के प्रति बढ़ जाती है। स्वास्थ्य समाचारों के कुल 704 प्रकाशन से इसकी स्थिति का अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि इन मुद्रित माध्यमों ने अपना-अपना उत्तरदायित्व बखूबी किया है। जहां तक बात है जनसामान्य में व्याप्त स्वास्थ्य समस्याओं की तो सभी समाचारपत्रों ने तुलनात्मक रूप से आवश्यक स्वास्थ्य शिविर, मौसमी बीमारियाँ,

नयी स्वास्थ्य तकनीक, योग व्यायाम के तरीके, घरेलू नुस्खे आदि के माध्यम से अवगत कराया है।

2011 की जनगणना के अनुसार पता चलता है कि भारत में साक्षरता दर बढ़ी है 2001 की तुलना में बढ़ी है भारत में लोग शिक्षित हो रहे हैं, साथ ही साथ उनमें पढ़ने और जानने की उत्सुकता बढ़ रही है जिसके कारण भारत में प्रिंट मीडिया का प्रसार बढ़ रहा है। आज भी लोग किसी भी खबर की सत्यता को जानने, विस्तृत जानकारी प्राप्त करने और जागरूकता बढ़ाने में अखबार का सहारा लेते हैं। प्रिंट मीडिया भले ही बहुत ही धीमा माध्यम हो, परंतु यह आज के कम्प्यूटर के युग में यह प्रगति कर रहा है। इन सब बातों के आधार पर कहा जा सकता है कि प्रिंट मीडिया का भविष्य उज्ज्वल है। अगर प्रिंट में भी अध्ययन समाचारपत्रों की भूमिका का अध्ययन करें तो पता चलता है कि जनकल्याणकारी योजनाओं में समाचारपत्रों की भूमिका भी सकारात्मक दिशा में दिखाई देती है जिसमें तमाम सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी तो होती ही है साथ ही विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक, निजी चिकित्सकों के द्वारा आयोजित नई-नई योजनाओं के बारे में भी जानकारी लोगों को प्राप्त होती है। समाचारपत्रों में स्वास्थ्य से संबन्धित दृष्टिकोण को हम इस प्रकार जान सकते हैं कि दैनिक जागरण प्रत्येक दिन शोधपरक के तौर पर स्वास्थ्य से संबन्धित समाचारों को 'शोध अनुसंधान' नाम से रिजर्व रखता है जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह समाचारपत्र स्वास्थ्य की खबरों को तवज्जो दे रहा है। ठीक इसी प्रकार अमर उजाला भी स्वास्थ्य संबंधी समाचारों को प्रकाशित करता है।

लखनऊ जिले में स्वास्थ्य संचार स्थिति की बात की जाए तो यहाँ के सरकारी चिकित्सा के बारे में लोग अच्छी स्थिति में मानते हैं जिसकी पुष्टि स्वयं यहाँ के निवासी तथा समाचारपत्र करते हैं. चयनित समाचारपत्रों के शोधपरक स्वास्थ्य संचार पर नज़र डालें दैनिक जागरण और अमर उजाला ने शोधपरक समाचारों को प्रमुखता से प्रकाशित किया है हालांकि इंडियन द टाइम्स ऑफ़ इंडिया को पढ़ने वाला एक विशेष पाठकवर्ग है जो तथ्यपूर्ण एवं विश्लेषणात्मक समाचारों को ही महत्त्व देता है इसीलिए उन्होंने असाध्य रोगों के संबंधी वाली स्वास्थ्य खबरों को अधिक महत्त्व दिया है. ठीक इसी प्रकार हिंदुस्तान टाइम्स का अपना एक विशेष पाठक जो असाध्य रोग से सम्बंधित खबरें ही प्रकाशित करता है.

इस प्रस्तुत शोध अध्ययन में चारों ही समाचारों ने तुलनात्मक रूप से अपनी अपनी संस्थान की नीतियों के अनुसार स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन किया है जिसमें सर्वाधिक समाचार प्रकाशन करने वाले में दैनिक जागरण का नाम है उसके बाद अमर उजाला है तथा उसके बाद द टाइम्स ऑफ़ इंडिया का नाम आता है और फिर हिंदुस्तान टाइम्स है.

हमारे इस शोध अध्ययन में स्वास्थ्य समाचारों के सबसे मूलभूत तत्व खबरों की परिशुद्धता मापने के लिए स्रोत का अध्ययन महत्वपूर्ण है जिसमें स्वास्थ्य की खबरों को मापने के लिए और समाचारों का परिशुद्धता के अधिकतम नजदीक होने के लिए तीन भागों में वर्गीकरण किया गया है पहला शोध एवं रिपोर्ट, दूसरा संवाददाता, और तीसरा न्यूज़ एजेंसी या अन्य स्रोत. इस शोध अध्ययन से यह भी पता चलता है कि अधिकतर खबरों की परिशुद्धता ठीक है. इसके पीछे सबसे बड़ा कारण शोध समाचार और सरकारी समाचार तो

है ही साथ ही साथ इनके स्रोतों का आधार है. जिसमें अधिकतर स्वास्थ्य समाचार किसी शोध रिपोर्ट के आधार पर हैं या फिर किसी जांच एजेंसी के आधार पर हैं या खुद पत्रकारिता संस्थान के पत्रकार द्वारा मूलभूत तथ्यों पर लिखे गए हैं. जिसमें सामने आता है कि ऐसे समाचारों की उपयोगिता एवं विश्वसनीयता स्वयं बढ़ जाती है क्योंकि यह समाचार बहुत हद तक परिशुद्ध समाचार की श्रेणी में रखे जा सकते हैं. हमारे इस अध्ययन में स्वास्थ्य समाचारों की परिशुद्धता अधिकतम स्वास्थ्य समाचारों में पाई गई है.

इस तरह शोध अध्ययन के अनुसार कहा जा सकता है कि चारों ही समाचार पत्रों ने स्वास्थ्य से संबंधित समाचारों को अपनी-अपनी नीतियों के अनुसार प्रकाशन किया है साथ ही इन स्वास्थ्य समाचारों में स्वास्थ्य से संबंधित समाचारों की आवृत्ति भी हुई है और उनमें विभिन्न जैसे शोध सामग्री, स्वास्थ्य कैंप, सरकारी स्वास्थ्य समाचार, असाध्य रोग, और मौसमी बीमारियों का भी प्रकाशन अच्छी तरह हुआ है हालांकि अंग्रेजी के समाचार पत्रों ने हिंदी के समाचार पत्रों की तुलना में कम प्रकाशन किया है. जिसका कारण उसके अपने विशेष पाठक वर्ग का होना है. इन स्वास्थ्य समाचारों में सरकार की स्वास्थ्य नीतियों के अनुसार विभिन्न प्रकार के सरकारी स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन भी हुआ है. शोध अध्ययन से यह पता भी चलता है कि इन स्वास्थ्य समाचारों का पाठक वर्ग पर विभिन्न दृष्टिकोण से प्रभाव भी अच्छा हुआ है लोग अपनी जीवनशैली को बदलने के लिए छोटे-मोटे इलाज के लिए अक्सर अखबारों का सहारा लेते हैं. स्वास्थ्य कैंप और शिविर जैसे समाचारों से लोग जागरूक तो होते ही हैं साथ ही उनमें असाध्य रोगों के प्रति एक जन जागरूकता भी बढ़ती है. शोध अध्ययन के अनुसार शोध में ज्यादातर चयनित स्वास्थ्य

समाचारों का स्रोत प्रमाणिक रहा है जिसमें अनुसंधान और सरकारी योजनाओं से संबंधित स्वास्थ्य समाचारों की संख्या भी अच्छी रही है जिससे साफ पता चलता है कि स्वास्थ्य समाचारों की परिशुद्धता ठीक है. स्वास्थ्य समाचारों का जनमानस पर क्या प्रभाव पड़ा ? यह जानने के लिए हमने प्रश्नावली का सहारा लिया जिसमें हमने जाना कि लोग स्वास्थ्य से संबन्धित खबरों को भी प्राथमिकता दे रहे हैं तथा इस प्रकार की खबरों को और अधिक प्रभावशाली बनाने के समर्थन में हैं. पाठकों ने माना कि समाचारपत्र स्वास्थ्य के बारे में जानकारी तो दे रहे हैं. लोगों ने माना कि समाचारपत्र उनके खान-पान, जीवनशैली को स्वास्थ्य कि दृष्टि से अभी इतना प्रभावित नहीं कर रहे जितना राजनैतिक और मनोरंजन समाचार करते हैं. लोगों से प्राप्त उत्तरों के अनुसार लोग सबसे पहले राजनैतिक फिर मनोरंजन उसके बाद ही स्वास्थ्य से संबन्धित खबरों को महत्त्व देते हैं.

सुझाव:

प्रस्तुत शोध प्रबंध में चयनित समाचार पत्रों ने स्वास्थ्य संबंधित खबरों के प्रकाशन के मामले में अपनी संस्थान की नीतियों के अनुसार पालन किया है. हमारे शोध अध्ययन से पता चलता है की चयनित समाचार पत्रों ने स्वास्थ्य संबंधी खबरों का प्रकाशन तो किया है. लेकिन स्वास्थ्य संबंधी समाचार जो कि किसी भी प्राणी मात्र के लिए आवश्यकता है. और अधिक विस्तार होना चाहिए दैनिक जागरण ने स्वास्थ्य से संबंधित खबरों की प्रसिद्ध के मामले में अच्छी पहल दिखाई है जिसे अन्य समाचार पत्रों को भी अपने समाचार पत्र में जगह देनी चाहिए. अमर उजाला ने कुछ हद तक समाचारों की व्यवस्थित क्रम को प्रकाशित करने की कोशिश की है लेकिन उसे पूर्णरूपेण नहीं किया है इसलिए उसमें सुधार की

आवश्यकता है जबकि अंग्रेजी माध्यम के समाचार पत्रों ने व्यवस्थित तरीके से एक निश्चित अंतराल पर स्वास्थ्य संबंधी खबरों के प्रकाशन पर रुचि नहीं दिखाई है। जबकि स्वास्थ्य एक ऐसा विषय है जिसको हर दिन प्रतिदिन आम जनमानस अपनी जिंदगी में जीता है। जिस को ध्यान में रखते हुए हमारे जन माध्यमों को समाज के प्रति स्वास्थ्य जैसे मुद्दे पर और अधिक स्वास्थ्य से संबंधित खबरों का प्रकाशन करना चाहिए विशेष तौर पर अंग्रेजी समाचारों के समाचार पत्रों को अधिक ध्यान देना चाहिए। समाचारों की परिशुद्धता को और अधिक तरीके से वैज्ञानिक दृष्टिकोण में रहते हुए उसके प्रकाशन में विभिन्न शोध रिपोर्ट आदि का सहारा लेना उचित रहेगा जिससे उसका प्रभाव जनजीवन पर अच्छा पड़े क्योंकि लोगों का मानना है कि समाचार पत्रों में प्रकाशित स्वास्थ्य से संबंधित खबरें उनको न केवल जागरूक करती हैं बल्कि अपने स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील भी बनाती हैं हालांकि भारत सरकार लगातार महामारियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रयत्नशील है जिसमें उसने पोलियो जैसी बीमारियों का भी खात्मा किया है इसी तरह कुछ बीमारियाँ जैसे एड्स, टीबी कैंसर, मधुमेह आदि असाध्य रोगों के विनाश के लिए सरकार कि ओर से हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसीलिए एक स्वस्थ समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिए समाचार पत्रों को और अधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से स्वास्थ्य समाचारों का प्रकाशन व्यवस्थित तरीके से करना चाहिए।

संदर्भ सूची

क. प्रश्नावली

ख. स्वास्थ्य समाचारों से संबन्धित

समाचारपत्रों की कटिंग (कतरन)

संदर्भ सूची –

पुस्तकें

1. पाण्डेय, शशिकला (2007) : समाज शिक्षा और विकास, प्रकाशक—
अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 52, तुकारामबाग, इलाहाबाद
2. अध्यक्ष, जनसंचार केंद्र (2005) : समकालीन भारत, प्रकाशक – राजस्थान
विश्वविद्यालय, जयपुर
3. पारख, जवरीमल्ल (1996) जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र,
अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली
4. भानावत, संजीव (2010) : विकास एवं विज्ञान संचार, प्रकाशक - राजस्थान
हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर , राजस्थान
5. तिवारी, अर्जुन (2005): जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता, जय भारती
प्रकाशन, इलाहाबाद.
6. Stacks IW, Hocking JE 1992. Essentials of Communication
Research. New York: Harper Collins.
7. Weber RP 1990. Basic Content Analysis. 2nd Edition.
Beverly Hills, CA: Sage Publications
8. Mathew, Mamen, E. (2017) : Publisher – Malyalam
Manorama Press, Kottayam, kerala
9. Brown JD, Walsh-Childers K 1994. Effects of Media on
Personal and Public Health. In: J Bryant, D Zillmann

10. Dubey, Burdhan A 1981. Content Analysis of Messages and Programmes. Module on Research in Health and Population Communication. New Delhi: NIHFV.
11. Singh R Archana 2007. Mass communication in Prevention and control of AIDS: Content Analysis of Indian Newspapers. In: H Walia (Ed.): Development Communication. Patiala: Publication Bureau Punjabi University.

पत्रिकाएं :

1. कोली सोनोवल, रीना, सं. (अक्टूबर 2012) : योजना, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली
2. कोली सोनोवल, रीना, सं. (जनवरी 2012) : योजना, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली
3. कोली सोनोवल, रीना, सं. (जुलाई 2011) : योजना, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली
4. प्रसाद, नीता, सं. (अक्टूबर 2009) : योजना, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली
5. मिश्रा, अनुराग, सं. (जुलाई 2005) : योजना, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली

6. सिंह, जय, सं. (2016) : भारत 2016, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली
7. झा कुमार, राजेश, सं. (फरबरी 2014) : योजना, प्रकाशक – प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नयी दिल्ली
8. Niederdeppe, J., Frosch, D. L., & Hornik, R. C. (2008). Cancer news coverage and information seeking. Journal of Health Communication
9. Peng, W. & Tang, L. (2010). Health Content in Chinese Newspapers. Journal of health communication

इन्टरनेट:

1. <http://rni.nic.in/hindiweb/rnimangal.htm>
2. <http://www.auditbureau.org/>
3. <http://up.gov.in/>
4. <https://lucknow.nic.in/>
5. <http://en.wikipedia.org/wiki/Health>
6. <http://vigyanmedia.com/>
7. <http://india.gov.in/hi/>
8. <http://hi.bharatdiscovery.org/india/>
9. <https://www.cdc.gov/healthcommunication/healthbasics/WhatIsHC.html>
10. <http://data.gov.in/>

11. <http://mohfw.nic.in/>
12. <http://www.maha-arogya.gov.in/htm>
13. <https://www.tandfonline.com/loi/hhth20>
14. <http://washim.nic.in/doc/indexENG.htm>
15. <http://upchar.blogspot.in/>
16. <http://dgmhup.gov.in/en/GO>
17. <http://www.abhivyakti-hindi.org/ss/>
18. <http://swasthya-sukh.blogspot.in/>
19. <http://dgmhup.gov.in/en/default>
20. <http://www.bhaskar.com/>
21. <http://indiatoday.intoday.in/>
22. <http://www.outlookindia.com/>
23. <http://indianexpress.com/>
24. <http://www.amarujala.com/>
25. <http://kalyana-kalpataru.org/>
26. <http://healthcare.financialexpress.com/>
27. <http://navbharattimes.indiatimes.com/>
28. <https://www.mastersincommunications.com/faqs/what-is-health-communication>
29. <http://www.health.gov/communication/>
30. <http://www.censusindia.gov.in/pca/Searchdata.aspx>
31. <http://up-health.in/en/Government-Orders.html>

32. <https://www.jagran.com/>
33. <https://epaper.jagran.com/epaper/edition>
34. <https://www.amarujala.com/>
35. <https://epaper.amarujala.com/lucknow-city>
36. <https://www.hindustantimes.com/>
37. <https://epaper.hindustantimes.com/Home/ArticleView>
38. <https://timesofindia.indiatimes.com/>
39. <https://epaper.timesgroup.com/TOI/TimesOfIndia/index.html?a=c>
40. <https://www.who.int/bulletin/volumes/87/4/08-056713/en/>



Babasaheb Bhimrao Ambedkar University

Established 1996

Accredited 'A' Grade by NAAC in 2015

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

पीएच.डी.जनसंचार एवं पत्रकारिता

शोध विषय: प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की परिशुद्धता एवं प्रभाव का
अध्ययन

(शोध प्रबन्ध हेतु प्रश्नावली)

शोधार्थी

शचीन्द्र शेखर शकुन्त

शोधार्थी

शोध पर्यवेक्षक

प्रो.गोविन्द जी पाण्डेय

विभागाध्यक्ष

उत्तरदाता की व्यक्तिगत जानकारी

उत्तरदाता का नाम- ----- उम्र-----

लिंग-स्त्री() पुरुष () पेशा/व्यवसाय -----

योग्यता-----पता-----

ई-मेल- -----संपर्क/मोबाइल न०-----

निर्देश: यह प्रश्नावली प्रिंट मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य संबंधी खबरों की परिशुद्धता एवं प्रभाव का अध्ययन पर आधारित शोध का प्रमुख हिस्सा है। इसलिए आपके उत्तर इस शोध के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कृपया ध्यानपूर्वक उत्तर/टिप्पणी सुनिश्चित कीजिये। आपके उत्तर/टिप्पणी/राय का उपयोग केवल शोध कार्य हेतु ही प्रयोग किया जाएगा।

केजीएमयू में महिलाओं के कैंसर का इलाज जल्द

जागरण संवाददाता, लखनऊ : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में एक और विभाग जुड़ने वाला है। चिकित्सा विश्वविद्यालय को गायनी अंकोलॉजी विभाग की अनुमति मिलने के बाद से इसके लिए फैकल्टी के पदों के चयन की प्रक्रिया भी शुरू होने वाली है। गायनी अंकोलॉजी विभाग, क्वीनमेरी अस्पताल में और कैंसर संस्थान में बनाने का प्रस्ताव है। इस पर जोरो-शोरों से कार्य शुरू हो गया है।

महिलाओं में होने वाले कैंसर में सबसे ज्यादा जानलेवा ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर है। ब्रेस्ट कैंसर शहरी महिलाओं में सबसे ज्यादा है वहीं सर्वाइकल कैंसर ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे ज्यादा है। अभी तक केजीएमयू में महिलाओं में स्त्री रोग से संबंधित कैंसर के इलाज के लिए कोई अलग व्यवस्था नहीं थी। अब जल्द ही इसके लिए अलग से गायनी अंकोलॉजी विभाग बन जाएगा। इसके साथ ही चिकित्सा



क्वीनमेरी और कैंसर संस्थान में बनेगा गायनी अंकोलॉजी विभाग, महिलाओं को नहीं पड़ेगा भटकना

अभी सिर्फ तीन फैकल्टी से होगी विभाग की शुरुआत

डॉ. वेद ने बताया कि शुरुआत में अभी तीन डॉक्टरों की नियुक्ति की जाएगी। इसमें एक प्रोफेसर, एक असिस्टेंट प्रोफेसर और एक एसोसिएट प्रोफेसर शामिल होंगे। इसके अलावा तीन सीनियर रेजिडेंट की भी भर्ती की जाएगी। शुरुआत में इसे कम स्टाफ से चलाया जाएगा और भविष्य में इसमें विस्तार किया जाएगा। भर्ती के लिए साक्षात्कार लिए जा रहे हैं। क्वीनमेरी अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक प्रो. उमा सिंह ने बताया कि अस्पताल में कैंसर के इलाज के लिए



3डी टिशू से होगा हृदय रोगियों का इलाज

दुनियाभर में सर्वाधिक मौतें हृदय रोग से होती हैं। दिल की बीमारियों के प्रभावी उपचार के लिए विश्वभर के वैज्ञानिक प्रयासरत हैं। इसी क्रम में कनाडा की यॉर्क यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने हृदय की लय में घड़कने वाला पहला 3डी टिशू (ऊतक) तैयार किया है। इससे हृदय रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। वहीं भविष्य में इसका इस्तेमाल प्रत्यारोपण में भी किया जा सकेगा। यह ताजा रिपोर्ट साइंटिफिक रिपोर्ट जर्नल में प्रकाशित की गई है।

...इसलिए है 3डी

इस टिशू को हृदय की तीन विभिन्न कोशिकाओं को मिलाकर बनाया गया है। इसलिए इसे 3डी टिशू नाम दिया गया है।

हो सकेगा बेहतर इलाज

- इसपर प्रयोग करके हृदय रोगों की विभिन्न दशाएं समझने में मदद मिलेगी। आगे चलकर बेहतर दवाएं तैयार की जा सकेंगी।
- फिलहाल इसका आकार मिलीमीटर में है, लेकिन भविष्य में ऐसे बड़े टिशू तैयार करके इन्हें हृदय में प्रत्यारोपित किया जा सकेगा।

कोशिकाओं से बनते हैं टिशू

टिशू या ऊतक किसी जीव के शरीर की समान कोशिकाओं से बने समूह को कहते हैं, जो विभिन्न कार्य करते हैं। ऊतक मिलकर अंग का निर्माण करते हैं।

पहली बार मिली सफलता

- 3डी टिशू बनाने में इस्तेमाल हुई तीनों कोशिकाओं को हृदय गति के मुताबिक एक लय में बिटाने में वैज्ञानिकों को पहली बार सफलता मिली है।
- हृदय की कॉन्ट्रैक्टाइल कार्डिएक मसल सेल (हृदय की सिकुड़ने वाली मांसपेशी की कोशिकाएं), कनेक्टिव टिशू सेल (संयोजी ऊतकों की कोशिकाएं) और वास्कुलर सेल (रक्त वाहिनी नाड़ियों की कोशिकाएं) को कृत्रिम वातावरण में जोड़कर यह टिशू बनाया गया है।
- इन्हें आपस में जोड़ने के लिए गोंद जैसे पदार्थ वायाग्लू का इस्तेमाल किया गया है।
- इससे पहले तैयार किए गए 2डी या 3डी टिशू की कोशिकाएं अलग-अलग अंतराल पर घड़कती थीं।



1.75 करोड़
हृदय रोग से
होने वाली
वैश्विक मौतें

31%
कुल वैश्विक
मौतों में हृदय
रोग की
हिस्सेदारी

75%
इससे होने
वाली मौतों में
मध्यम आय व
गरीब देशों की
हिस्सेदारी

4.5 करोड़
भारत में दिल
की बीमारियों से
ग्रस्त लोगों का
आंकड़ा



अनिद्रा से बढ़ता है दिल के दौरे का खतरा

अनिद्रा से केवल थकान ही नहीं होती, दिल को भी खतरा रहता है। एक शोध के मुताबिक, अनिद्रा के शिकार लोगों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह खतरा और भी ज्यादा रहता है। चीन की शेनयांग स्थित चाइना मेडिकल यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता क्वाओ हे ने कहा, 'जैविक चक्र के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। जीवन का एक तिहाई हिस्सा हम सोते हुए बिताते हैं। लेकिन शहरी जीवन में बहुत से लोगों में अनिद्रा की शिकायत देखने को मिलती है।' शोधकर्ताओं ने 1,60,867 प्रतिभागियों में अनिद्रा और दिल की परेशानियों के बीच संबंध का अध्ययन किया। शोध में पाया गया कि नींद आने में परेशानी, गहरी नींद न आने और अचानक टूटने के बाद दोबारा नींद न लगने से दिल की बीमारियों में क्रमशः 27 फीसद, 11 फीसद और 18 फीसद की बढ़ोतरी हो जाती है।

- आइएनएस



ब्रेन कैंसर के इलाज की नई उम्मीद

ब्रेन कैंसर के इलाज की दिशा में उम्मीद की नई किरण दिखी है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि कुछ दवाओं का एक साथ प्रयोग करके इससे ज्यादा बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है। कनाडा के चिल्ड्रेस हॉस्पिटल ऑफ ईस्टर्न ओंटारियो में शोधकर्ताओं ने दवाओं एसएमएसी माइमेटिक्स और आइसीआइ का संयुक्त रूप से परीक्षण किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि इन दवाओं को एक साथ प्रयोग करने से कैंसर कोशिकाएं ज्यादा तेजी से मरती हैं। शोधकर्ताओं ने उस प्रक्रिया का भी पता लगाया है, जिससे दवाएं एक साथ इस्तेमाल करने से शरीर की प्रतिरक्षा क्षमता बढ़ती है। दवाओं को एक साथ इस्तेमाल करने की यह पद्धति स्तन कैंसर और मल्टीपल मायलोमा के इलाज में भी कारगर पाई गई है। - प्रेड

